

जन्म विवरण

लिंग	:	पुरुष
जन्म दिन	:	21 अक्टूबर 1995
जन्म वार	:	शनिवार
जन्म समय	:	06:06:00 घंटे
इष्टकाल	:	0:42:25 घटी
जन्म स्थान	:	Khagaria
देश	:	India
अक्षांश	:	25उ30'00
रेखांश	:	86पू29'00
समयक्षेत्र	:	-05:30:00 घंटे
समय संशोधन	:	00:00:00 घंटे
जी.एम.टी. समय	:	00:36:00 घंटे
स्थानीय समय संस्कार	:	00:15:56 घंटे
स्थानीय समय	:	06:21:56 घंटे
सांपातिक काल	:	08:17:55 घंटे
सनसाइन (सायन सूर्य)	:	तुला
लग्न राशि	:	तुला 07:05:48

पारिवारिक विवरण

दादा का नाम	:
पिता का नाम	:
माता का नाम	:
जाति	:
गोत्र	:

अवकहडा चक्र

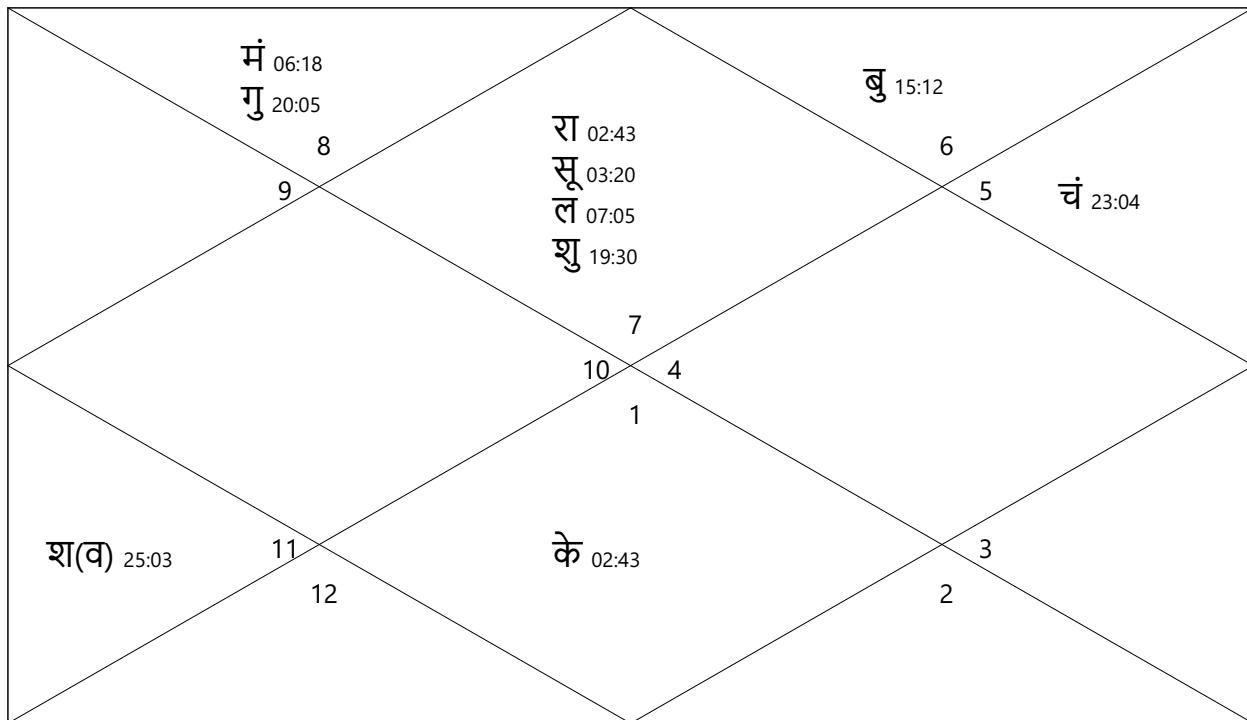
1. वर्ण	:	क्षत्रिय
2. वश्य	:	वनचर
3. नक्षत्र - चरण	:	पूर्वफाल्गुनी - 3
4. योनि	:	मूषक
5. चन्द्र राशि स्वामी	:	सूर्य
6. गण	:	मनुष्य
7. चन्द्र राशि	:	सिंह
8. नाड़ी	:	मध्य
वर्ग	:	श्वान
युज्ञा	:	मध्य
हंसक (तत्व)	:	अग्नि
नामाक्षर	:	टी
राशि पाया	:	सुवर्ण
नक्षत्र पाया	:	चाँदी

जन्मकालीन पंचांगादि

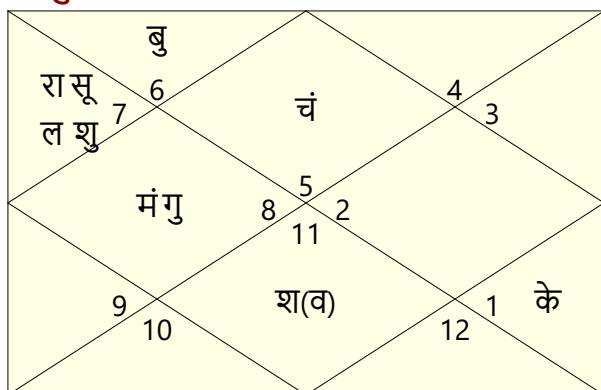
चैत्रादि विधि	
विक्रम संवत्	:
मास	:
कार्तिकादि विधि	
विक्रम संवत्	:
मास	:
शक संवत्	:
सूर्य अयन/गोल	:
ऋतु	:
पक्ष	:
ज्योतिषिय वार	:
सूर्योदयी तिथि	:
तिथि समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन तिथि	:
सूर्योदयी नक्षत्र	:
नक्षत्र समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन नक्षत्र	:
सूर्योदयी योग	:
योग समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन योग	:
सूर्योदयी करण	:
करण समाप्तिकाल	:
जन्मकालीन करण	:
सूर्योदय समय	:
अंश	:
सूर्यस्त समय	:
अंश	:
आगामी सूर्योदय	:
चन्द्र का नक्षत्र प्रवेश	:
चन्द्र का नक्षत्र निकास	:
भयात	:
भभोग	:
जन्मकालीन दशा	:
दशा भोग्यकाल	:
अयनांश	:



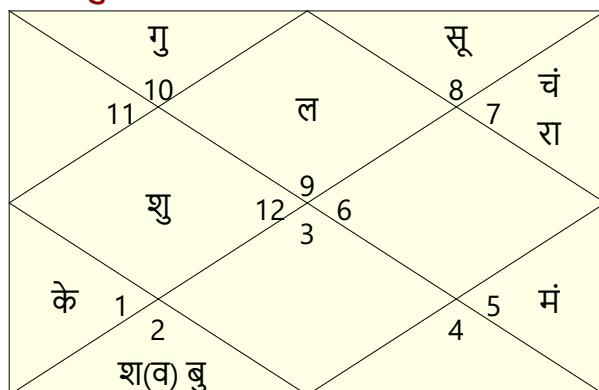
21 અક્ટૂબર 1995 * શાન્દિવાર * 06:06:00 ઘંટે



चंद्र कृष्णली



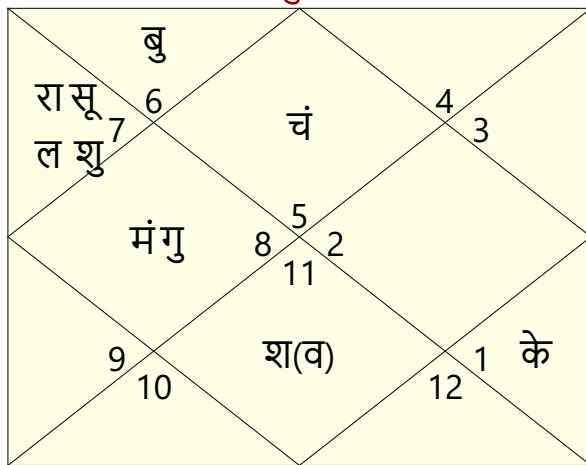
नवांश कुण्डली



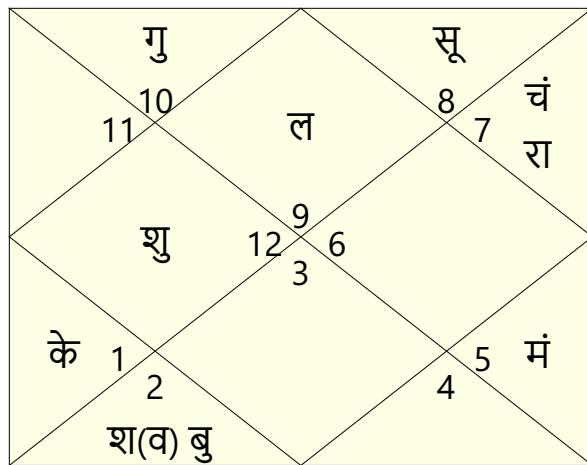
ग्रह	व/अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	रा. स्वा.	न. स्वा.	उप स्वा.	उप स्वा.	शुभा- शुभ	षड्बल
लग्न		तुला	07:05:48		स्वाति	1	शु	रा	रा	गु		
सूर्य		तुला	03:20:29	00:59:40	चित्रा	4	शु	मं	शु	मं	नीच	0.99
चन्द्र		सिंह	23:04:35	13:07:55	पूर्वफाल्गुनी	3	सू	शु	श	सू	अतिमित्र	0.93
मंगल		वृश्चिक	06:18:21	00:42:55	अनुराधा	1	मं	श	बु	चं	स्वराशि	1.27
बुध		कन्या	15:12:15	01:03:13	हस्त	2	बु	चं	गु	चं	मूलत्रिक.	1.33
गुरु		वृश्चिक	20:05:11	00:11:13	ज्येष्ठा	2	मं	बु	शु	मं	सम	0.94
शुक्र		तुला	19:30:59	01:14:41	स्वाति	4	शु	रा	मं	श	स्वराशि	1.03
शनि	(व)	कुंभ	25:03:04	-00:03:05	पूर्वभाद्रपद	2	श	गु	बु	रा	स्वराशि	1.66
राहु		तुला	02:43:02	00:00:04	चित्रा	3	शु	मं	शु	शु	सम	
केतु		मेष	02:43:02	00:00:04	आश्विनी	1	मं	के	शु	बु	सम	



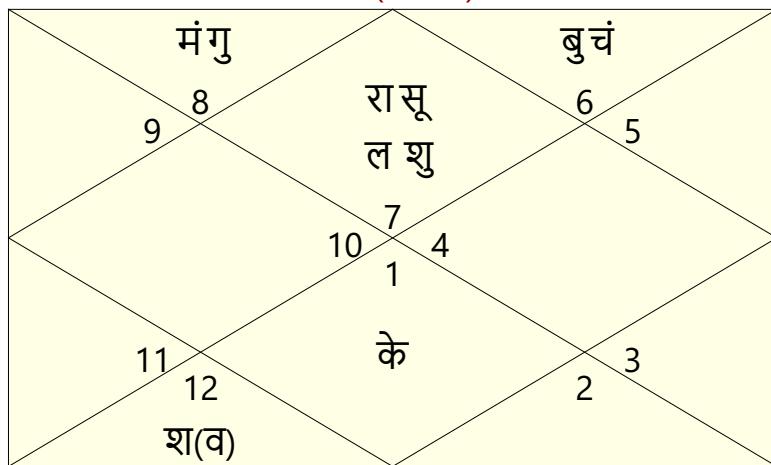
चन्द्र कुण्डली



नवांश



भाव (श्रीपति)



भाव स्पष्ट - श्रीपति विधि

भाव	भाव आरम्भ	भाव मध्य	भाव अन्त
प्रथम भाव	कन्या 22:18:59	तुला 07:05:48	तुला 22:18:59
द्वितीय भाव	तुला 22:18:59	वृश्चिक 07:32:10	वृश्चिक 22:45:20
तृतीय भाव	वृश्चिक 22:45:20	धनु 07:58:31	धनु 23:11:42
चतुर्थ भाव	धनु 23:11:42	मकर 08:24:53	मकर 23:11:42
पंचम भाव	मकर 23:11:42	कुंभ 07:58:31	कुंभ 22:45:20
षष्ठ भाव	कुंभ 22:45:20	मीन 07:32:10	मीन 22:18:59
सप्तम भाव	मीन 22:18:59	मेष 07:05:48	मेष 22:18:59
अष्टम भाव	मेष 22:18:59	वृष 07:32:10	वृष 22:45:20
नवम भाव	वृष 22:45:20	मिथुन 07:58:31	मिथुन 23:11:42
दशम भाव	मिथुन 23:11:42	कर्क 08:24:53	कर्क 23:11:42
एकादश भाव	कर्क 23:11:42	सिंह 07:58:31	सिंह 22:45:20
द्वादश भाव	सिंह 22:45:20	कन्या 07:32:10	कन्या 22:18:59

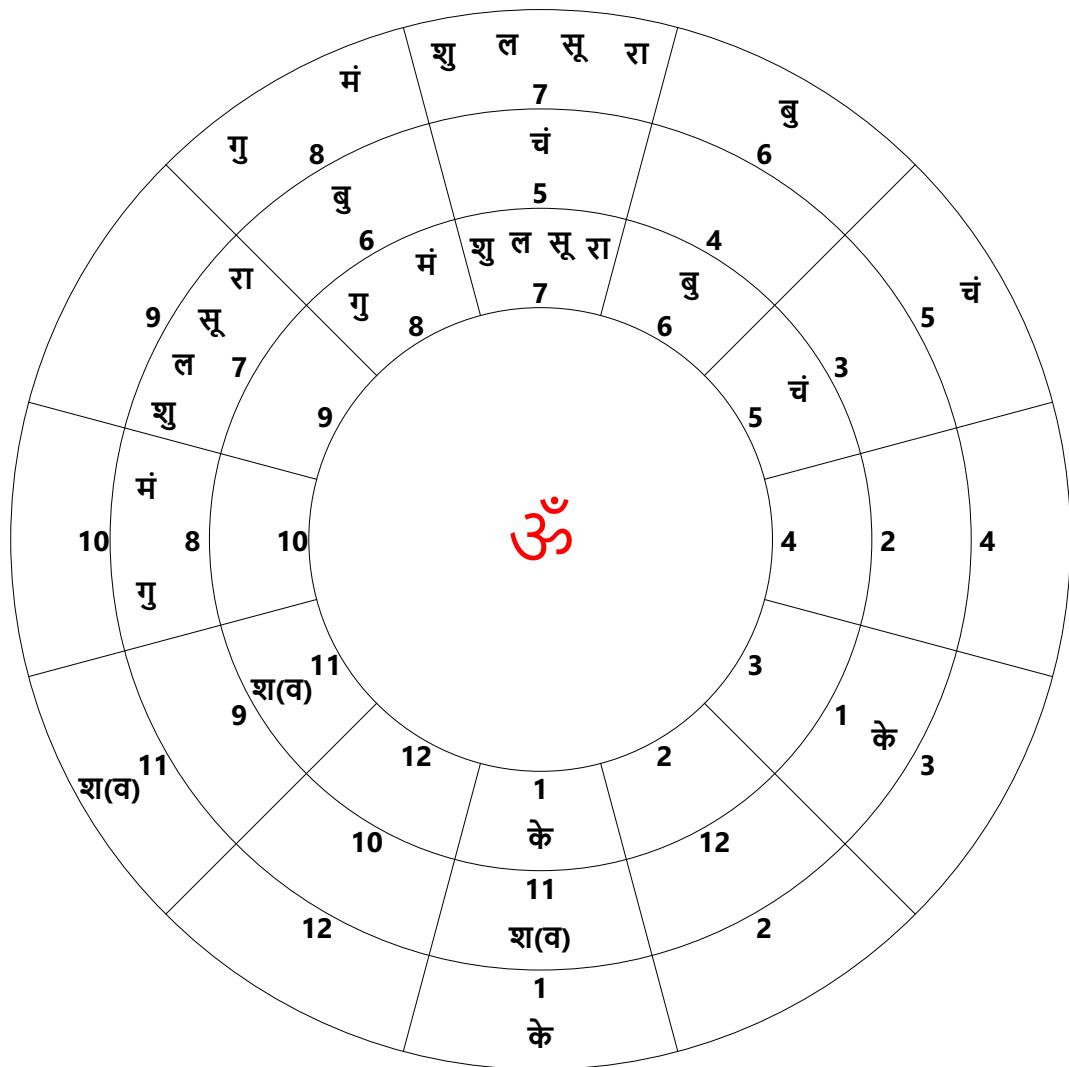


सुदर्शन चक्र

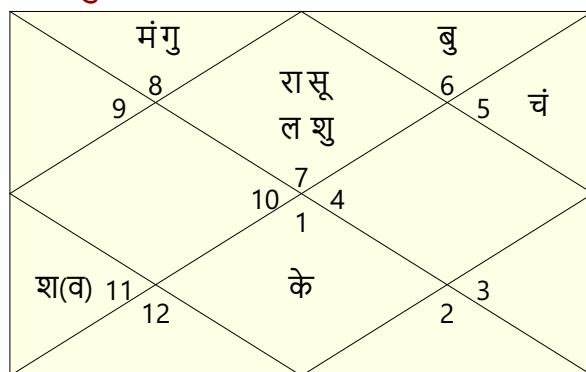
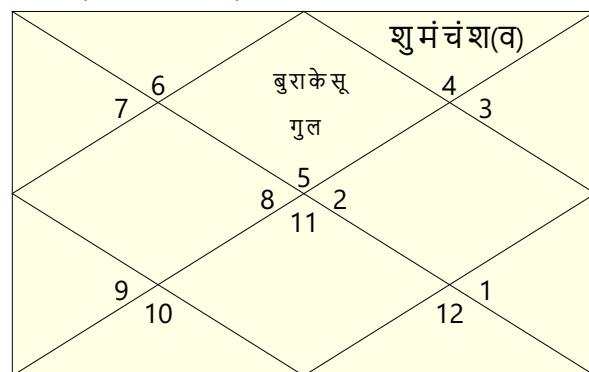
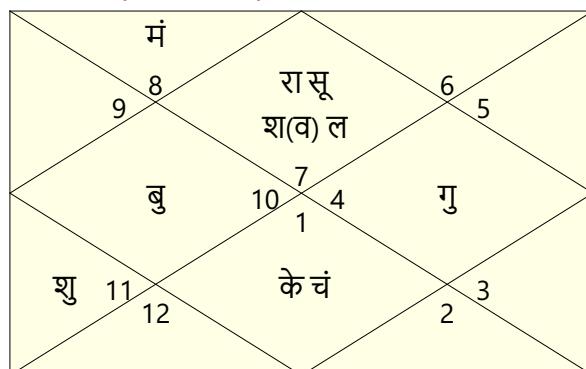
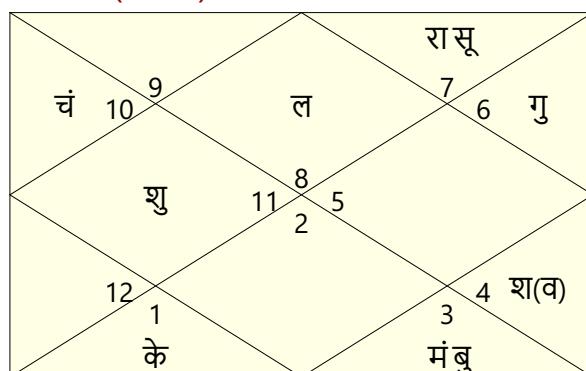
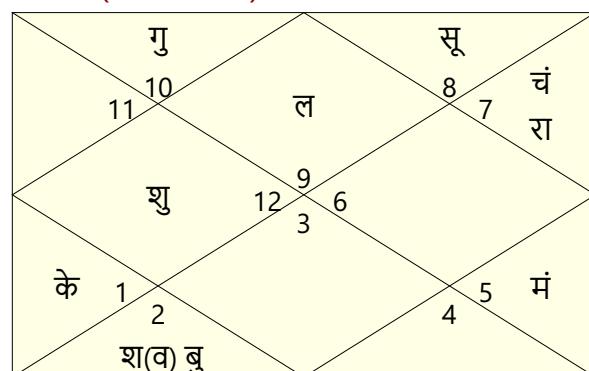
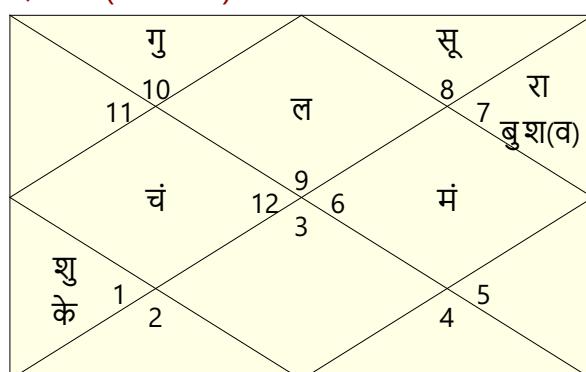
बाह्य वृत : सूर्य कुण्डली

मध्य वृत : चन्द्र कुण्डली

आन्तरिक वृत : जन्म कुण्डली

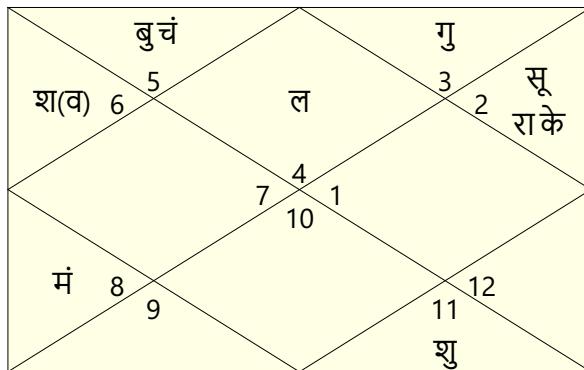


सुदर्शन चक्र के बाह्य वृत में सूर्य कुण्डली, मध्य वृत में चन्द्र कुण्डली व आन्तरिक वृत में जन्म कुण्डली बना कर तीनों कुण्डलियों के विभिन्न भावों में स्थित ग्रहों का एक साथ विश्लेषण किया जाता है।

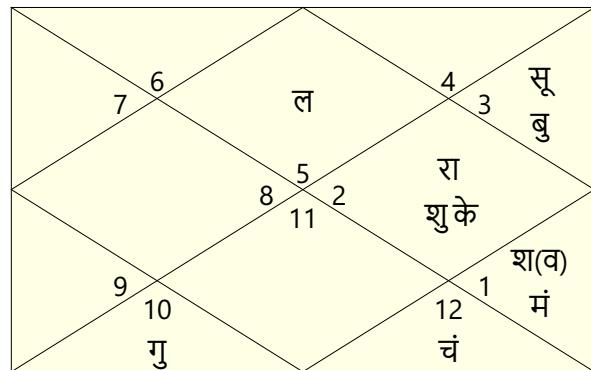
**जन्म कुण्डली****होरा (धन-सम्पत्ति)****द्रेष्काण (भाई-बहन)****चतुर्थांश (भाग्य)****सप्तांश (संतान)****नवांश (जीवनसाथी)****दशांश (कर्मफल)****द्वादशांश (माता-पिता)**



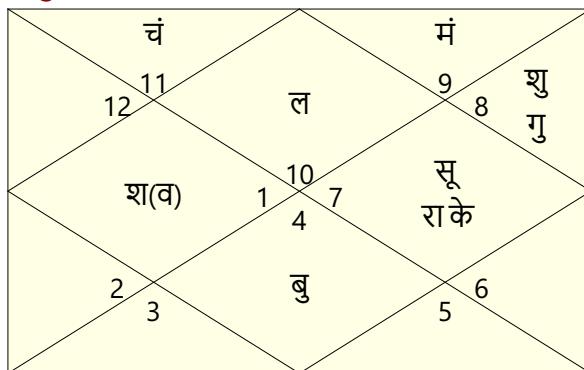
षोडशांश (वाहन)



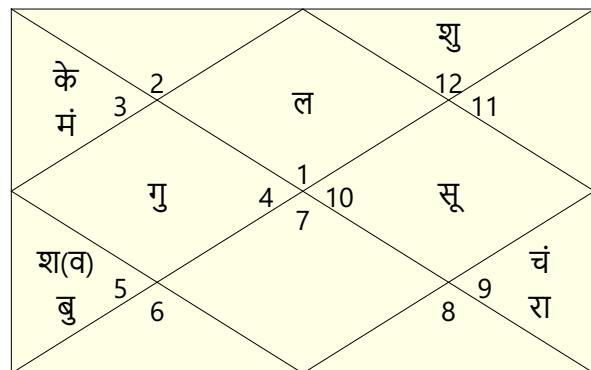
विंशांश (उपासना)



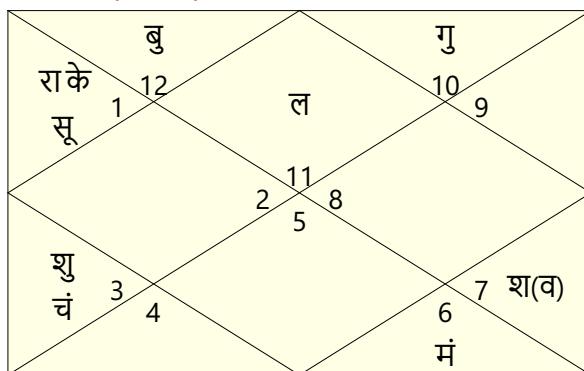
चतुर्विंशांश (विद्या)



सप्तविंशांश (बलाबल)



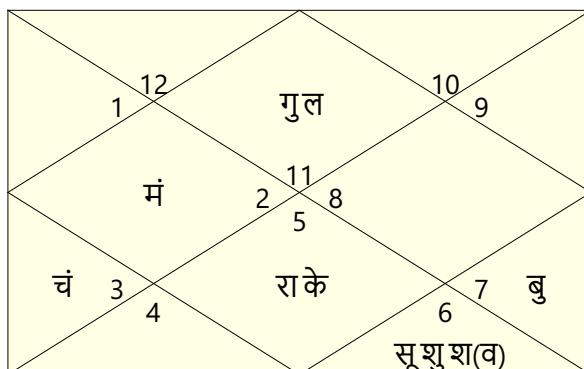
त्रिंशांश (अरिष्ट)



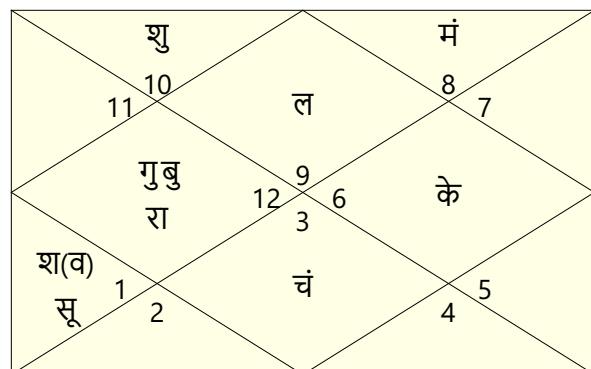
खवेदांश (शुभ-अशुभफल)



अक्षवेदांश (सभी क्षेत्र)



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)





उपग्रह गुलिकादि उपग्रह समूह

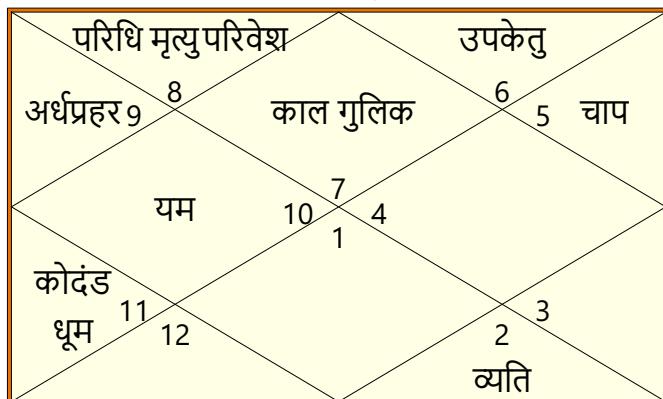
जन्म सूर्योदय से मध्याह्न के बीच * सूर्योदय-सूर्यास्त : 05:49-17:08 * जन्मवार : शनिवार

उपग्रह	स्वामी	उपग्रह की अवधि	आरम्भ (पराशर विधि)				अन्त (कालिदास विधि)			
			राशि	अंश	नक्षत्र	पद	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
कालवेला	सू.	07:13-08:38	तुला	22:00:51	विशाखा	1	वृश्चिक	10:25:48	अनुराधा	3
परिधि	च	08:38-10:03	वृश्चिक	10:25:48	अनुराधा	3	वृश्चिक	29:05:00	ज्येष्ठा	4
मृत्यु	मं	10:03-11:28	वृश्चिक	29:05:00	ज्येष्ठा	4	धनु	18:52:24	पूर्वाषाढ़ा	2
अर्धप्रहर	बु	11:28-12:53	धनु	18:52:24	पूर्वाषाढ़ा	2	मकर	11:00:34	श्रवण	1
यमकण्टक	गु	12:53-14:18	मकर	11:00:34	श्रवण	1	कुंभ	06:33:35	धनिष्ठा	4
कोदण्ड	शु	14:18-15:43	कुंभ	06:33:35	धनिष्ठा	4	मीन	05:06:43	उ.भाद्रपद	1
गुलिक	श	05:49-07:13	तुला	03:19:46	चित्रा	3	तुला	22:00:51	विशाखा	1

धूमादि उपग्रह समूह

उपग्रह	स्वामी	राशि	अंश	नक्षत्र	पद
धूम	मं	कुंभ	16:40:29	शतभिषा	4
व्यतिपात	रा	वृष	13:19:31	रोहिणी	1
परिवेश	चं	वृश्चिक	13:19:31	अनुराधा	3
इन्द्रचाप	शु	सिंह	16:40:29	पूर्वाफाल्लुनी	2
उपकेतु	के	कन्या	03:20:29	उ.फाल्लुनी	3

उपग्रह



अन्य विशेष लग्न व गणनाएं

भाव लग्न	तुला	07:34:21	योगी बिन्दु	29:45:04 वृष
होरा लग्न	तुला	11:48:55	योगी	मं
घटिका लग्न	तुला	24:32:38	अवयोगी/अन्य योगी	के/शु
इन्दु लग्न	कन्या	15:00:00	64वां नवांश (चन्द्र/लग्न)	मकर/मीन
बीज स्फुट	धनु	12:56:38	22वां द्रेष्काण (लग्न/चन्द्र)	वृष/वृश्चिक
जन्म कुण्डली/नवांश	विषम/सम	50 प्रतिशत (मध्यमफल)	सर्प द्रेष्काण	मंगल



जन्म दिन : 21 अक्टूबर 1995, शनिवार
 जन्म समय : 06:06:00 घंटे
 जन्म स्थान : Khagaria, Bihar, India

रेखांश/अक्षांश : 86°29'00" 25°30'00"
 समयक्षेत्र : -05:30:00 घंटे
 समय संशोधन : 00:00:00 घंटे

जन्म कुण्डली



चंद्र कुण्डली



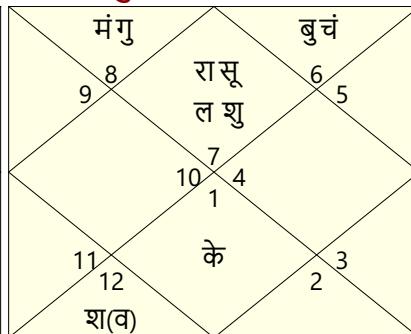
सूर्य कुण्डली



श्रीपति भाव कुण्डली



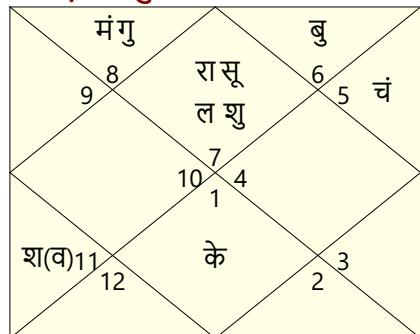
सम भाव कुण्डली



के.पी. भाव कुण्डली



आरुढ़ लग्र कुण्डली



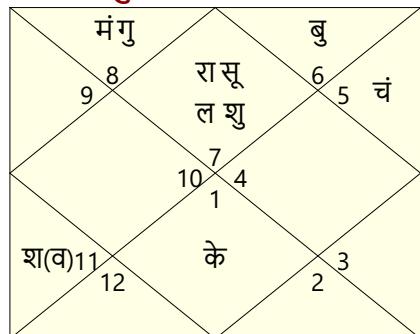
कारकांश (जन्म कुण्डली)



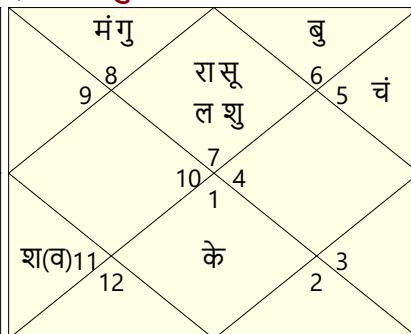
कारकांश (नवांश)



भाव लग्र कुण्डली



होरा लग्र कुण्डली



घटिका लग्र कुण्डली





नैसर्गिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र गुरु केतु	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र मंगल	बुध शनि राहु केतु	बुध शुक्र राहु	गुरु शुक्र शनि	मंगल शुक्र
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	राहु केतु	बुध राहु	चन्द्र	बुध शुक्र	सूर्य चन्द्र	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र मंगल केतु	सूर्य चन्द्र शनि केतु
सम	बुध	मंगल गुरु शुक्र शनि	शुक्र शनि	मंगल गुरु शनि राहु	शनि राहु केतु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	गुरु बुध

तात्कालिक मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
मित्र	चन्द्र मंगल बुध गुरु	सूर्य मंगल बुध गुरु शुक्र राहु	सूर्य चन्द्र बुध शुक्र शनि राहु	सूर्य चन्द्र मंगल गुरु शुक्र राहु	सूर्य चन्द्र बुध शुक्र शनि राहु	चन्द्र मंगल बुध गुरु	मंगल गुरु केतु	चन्द्र मंगल बुध गुरु	शनि
शत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	शनि केतु	गुरु केतु	शनि केतु	मंगल केतु	सूर्य शनि राहु केतु	सूर्य चन्द्र बुध शुक्र राहु	सूर्य शुक्र शनि केतु	सूर्य चन्द्र मंगल बुध गुरु शुक्र राहु

पंचधा मैत्री चक्र

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
अतिमित्र	चन्द्र मंगल गुरु	सूर्य बुध	सूर्य चन्द्र	सूर्य शुक्र	सूर्य चन्द्र	बुध		गुरु	
मित्र	बुध	मंगल गुरु शुक्र	शुक्र शनि	मंगल गुरु राहु	शनि राहु	मंगल गुरु	गुरु	बुध	
सम		राहु	बुध गुरु राहु केतु	चन्द्र	मंगल बुध शुक्र	चन्द्र शनि राहु केतु	मंगल बुध शुक्र राहु केतु	चन्द्र मंगल शुक्र शनि	मंगल शुक्र शनि
शत्रु		शनि		शनि केतु	केतु				बुध गुरु
अतिशत्रु	शुक्र शनि राहु केतु	केतु				सूर्य	सूर्य चन्द्र	सूर्य केतु	सूर्य चन्द्र राहु



षोडशवर्ग सारणी

षोडशवर्ग में राशियों में ग्रह

लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	
जन्म	तुला	तुला	सिंह	वृश्चिक	कन्या	वृश्चिक	तुला	कुंभ	तुला	मेष
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	तुला	तुला	मेष	वृश्चिक	मकर	कर्क	कुंभ	तुला	तुला	मेष
चतुर्थश	तुला	तुला	वृष	वृश्चिक	मीन	वृष	मष	वृश्चिक	तुला	मेष
सप्तांश	वृश्चिक	तुला	मकर	मिथुन	मिथुन	कन्या	कुंभ	कर्क	तुला	मेष
नवांश	धनु	वृश्चिक	तुला	सिंह	वृष	मकर	मीन	वृष	तुला	मेष
दशांश	धनु	वृश्चिक	मीन	कन्या	तुला	मकर	मेष	तुला	तुला	मेष
द्वादशांश	धनु	वृश्चिक	वृष	मकर	मीन	कर्क	वृष	धनु	वृश्चिक	वृष
षोडशांश	कर्क	वृष	सिंह	वृश्चिक	सिंह	मिथुन	कुंभ	कन्या	वृष	वृष
विंशांश	सिंह	मिथुन	मीन	मेष	मिथुन	मकर	वृष	मेष	वृष	वृष
चतुर्विंशांश	मकर	तुला	कुंभ	धनु	कर्क	वृश्चिक	वृश्चिक	मेष	तुला	तुला
सप्तविंशांश	मेष	मकर	धनु	मिथुन	सिंह	कर्क	मीन	सिंह	धनु	मिथुन
त्रिंशांश	कुंभ	मेष	मिथुन	कन्या	मीन	मकर	मिथुन	तुला	मेष	मेष
खवेदांश	मकर	सिंह	तुला	मिथुन	मिथुन	धनु	मिथुन	मकर	कर्क	कर्क
अक्षवेदांश	कुंभ	कन्या	मिथुन	वृष	तुला	कुंभ	कन्या	कन्या	सिंह	सिंह
षष्ठ्यांश	धनु	मेष	मिथुन	वृश्चिक	मीन	मीन	मकर	मेष	मीन	कन्या

षोडशवर्ग में शुभाशुभ

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	
जन्म	नीच	अतिमित्र	स्वराशि	मूलत्रिक.	सम	स्वराशि	स्वराशि	सम	सम
होरा	मूलत्रिक.	स्वराशि	नीच	सम	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	सम	सम
द्रेष्काण	नीच	शत्रु	स्वराशि	मित्र	उच्च	सम	उच्च	सम	सम
चतुर्थश	नीच	उच्च	स्वराशि	नीच	सम	शत्रु	अतिशत्रु	सम	सम
सप्तांश	नीच	शत्रु	अतिशत्रु	स्वराशि	सम	सम	अतिशत्रु	सम	सम
नवांश	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	नीच	उच्च	अतिमित्र	सम	सम
दशांश	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	नीच	शत्रु	उच्च	सम	सम
द्वादशांश	अतिमित्र	उच्च	उच्च	नीच	उच्च	स्वराशि	शत्रु	नीच	नीच
षोडशांश	सम	अतिमित्र	स्वराशि	अतिमित्र	सम	सम	अतिमित्र	उच्च	नीच
विंशांश	शत्रु	मित्र	मूलत्रिक.	स्वराशि	नीच	स्वराशि	नीच	उच्च	नीच
चतुर्विंशांश	नीच	मित्र	अतिमित्र	अतिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	नीच	सम	सम
सप्तविंशांश	अतिशत्रु	शत्रु	सम	उच्च	मीन	अतिशत्रु	सम	सम	सम
त्रिंशांश	उच्च	आतिमित्र	अतिशत्रु	नीच	नीच	अतिमित्र	उच्च	उच्च	सम
खवेदांश	मूलत्रिक.	शत्रु	अतिशत्रु	स्वराशि	स्वराशि	सम	स्वराशि	सम	सम
अक्षवेदांश	मित्र	सम	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	नीच	अतिमित्र	सम	सम
षष्ठ्यांश	उच्च	अतिमित्र	स्वराशि	नीच	स्वराशि	अतिमित्र	नीच	सम	सम

विशेषक बल

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	
षड्वर्ग	12	17	18	16	15	16	13	10	10
सप्तवर्ग	12	16	17	16	15	16	13	10	10
दशवर्ग	13	16	17	16	15	14	11	12	9
षोडशवर्ग	12	17	18	17	15	14	12	11	9



ग्रहों का षड्बल

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	2.22	23.31	32.77	59.93	14.97	7.51	18.32
सप्तवर्गीय बल	103.13	123.75	135.00	153.75	112.50	120.00	71.25
ओज-युग्म बल	15.00	0.00	15.00	0.00	0.00	15.00	15.00
केन्द्रादिं बल	60.00	30.00	30.00	15.00	30.00	60.00	30.00
द्रेष्काण बल	15.00	15.00	15.00	15.00	0.00	0.00	0.00
1. स्थान बल	195.34	192.06	227.77	243.68	157.47	202.51	134.57
2. दिग्बल	31.69	14.89	20.70	52.70	45.67	33.70	45.98
नतोन्त्र बल	32.95	27.05	27.05	60.00	32.95	32.95	27.05
पक्ष बल	46.58	13.42	46.58	13.42	13.42	13.42	46.58
त्रिभाग बल	0.00	0.00	0.00	60.00	60.00	0.00	0.00
वर्ष बल	0.00	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00
वार बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00
आयन बल	16.31	23.19	3.99	34.70	1.18	9.42	35.80
युद्ध बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3. काल बल	95.84	63.66	92.62	198.12	107.55	55.79	214.43
4. चेष्टा बल	16.31	13.42	28.47	49.81	28.91	14.37	48.17
5. नैसर्गिक बल	60.00	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
6. द्वक बल	-11.50	-2.16	-7.19	-10.04	-6.40	-9.34	46.15
कुल षड्बल	387.70	333.29	379.53	560.01	367.46	339.87	497.89
षड्बल (रूप में)	6.46	5.55	6.33	9.33	6.12	5.66	8.30
न्यूनतम वांछनीय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनीय का अंश	0.99	0.93	1.27	1.33	0.94	1.03	1.66
स्थान बल वांछित का अंश	1.18	1.44	2.37	1.48	0.95	1.52	1.40
दिग्बल वांछित का अंश	0.91	0.30	0.69	1.51	1.30	0.67	1.53
काल बल वांछित का अंश	0.86	0.64	1.38	1.77	0.96	0.56	3.20
चेष्टा बल वांछित का अंश	0.33	0.45	0.71	1.00	0.58	0.48	1.20
द्वक्बल वांछित का अंश	0.54	0.58	0.20	1.16	0.04	0.24	1.79
तुलनात्मक स्थिति	5	7	3	2	6	4	1
इष्ट फल	11.59	18.36	30.62	54.87	21.94	10.94	33.25
कष्ट फल	48.41	41.64	29.38	5.13	38.06	49.06	26.75

भावबल

	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भावमध्य राशि	तु	वृ	ध	म	कु	मी	मे	वृ	मि	क	सिं	क
भावमध्य अंश	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
भावाधिपति बल	339	379	367	497	497	367	379	339	560	333	387	560
भाव दिग्बल	60	10	40	0	20	40	30	40	20	30	50	49
भाव दृष्टि बल	-11	-7	15	31	20	77	70	35	46	47	34	-6
ग्रह	-60	0	0	0	-60	0	0	0	0	0	0	60
दिन-रात्रि	0	0	0	0	0	15	0	0	0	0	0	0
कुल भावबल	328	382	423	530	479	500	480	416	626	411	473	663



ग्रहों पर दृष्टि

दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट ग्रह	अंश	सूर्य 183:20	चन्द्र 143:04	मंगल 216:18	बुध 165:12	गुरु 230:05	शुक्र 199:30	शनि 325:03	राहु 182:43	केतु 02:43
सूर्य	183:20	-	1/4 (5)	-	-	-	-	1/2 (40)	-	4/4 (59)
चन्द्र	143:04	-	-	1/4 (6)	-	1/4 (13)	-	4/4 (56)	-	4/4 (39)
मंगल	216:18	- (1)	3/4 (28)	-	1/4 (10)	-	-	4/4 (41)	- (1)	3/4 (46)
बुध	165:12	-	-	-	-	- (2)	-	3/4 (49)	-	- (24)
गुरु	230:05	- (8)	3/4 (42)	-	1/4 (19)	-	-	4/4 (55)	- (8)	3/4 (53)
शुक्र	199:30	-	1/4 (13)	-	-	-	-	1/2 (32)	-	4/4 (51)
शनि	325:03	1/2 (8)	4/4 (59)	4/4 (41)	- (19)	3/4 (47)	1/2 (24)	-	4/4 (37)	-
राहु	182:43	-	1/4 (4)	-	-	-	-	1/2 (41)	-	4/4 (60)
केतु	02:43	4/4 (58)	1/2 (40)	(3)	3/4 (51)	- (47)	4/4 (26)	4/4 (15)	4/4 (60)	-

श्रीपति भावों पर दृष्टि

दृष्टि देने वाले ग्रह

द्रष्ट भाव	अंश	सूर्य 183:20	चन्द्र 143:04	मंगल 216:18	बुध 165:12	गुरु 230:05	शुक्र 199:30	शनि 325:03	राहु 182:43	केतु 02:43
प्रथम	187:05	-	7	-	-	-	-	38	-	57
द्वितीय	217:32	2	29	-	11	-	-	42	2	47
तृतीय	247:58	19	37	-	37	-	9	34	20	54
चतुर्थ	278:24	42	14	18	33	9	33	-	47	12
पंचम	307:58	25	29	58	7	32	35	-	54	-
षष्ठ	337:32	8	52	28	44	53	11	-	9	-
सप्तम	07:05	58	37	1	49	42	35	24	57	-
अष्टम	37:32	42	22	60	33	34	50	53	47	2
नवम	67:58	27	7	58	18	51	35	38	54	20
दशम	98:24	12	-	28	3	54	20	16	12	47
एकादश	127:58	-	-	14	-	42	5	25	-	54
द्वादश	157:32	-	-	-	-	6	-	53	-	9



ग्रहों की अवस्थाएं

ग्रह	जाग्रदाद्य अवस्था (3 का समूह)	बालाद्य अवस्था (5 का समूह)	लजिताद्य अवस्था (6 का समूह)	दीप्ताद्य अवस्था (9 का समूह)	शयनाद्य अवस्था (12 का समूह)
सूर्य	सुषुप्ति (शून्यफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	मुदित	खल (पापराशि)	कौतुक (सानन्द ज्ञानी)
चन्द्र	स्वप्न (मध्यमफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)		मुदित (अधिमित्र)	गमन (नेत्ररोग भयभीत)
मंगल	जागृत (पूर्णफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	मुदित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	शयन (खुजली दाद)
बुध	जागृत (पूर्णफल)	युवा (पूर्णफल)	गर्वित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	नेत्रपाणि (विद्याविवेक रहित)
गुरु	स्वप्न (मध्यमफल)	कुमार (आधाफल)		दीन (समक्षेत्र)	शयन (धीमी आवाज़)
शुक्र	जागृत (पूर्णफल)	वृद्ध (अत्यलपफल)	क्षोभित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	सभावास (तेज से प्रतिष्ठा)
शनि	जागृत (पूर्णफल)	मृत (शून्यफल)	लजित	स्वस्थ (स्वक्षेत्र)	नेत्रपाणि (सुन्दर स्त्री/विविधकला)
राहु	स्वप्न (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	मुदित क्षोभित	दीन (समक्षेत्र)	कौतुक (स्थानहीन)
केतु	स्वप्न (मध्यमफल)	बाल (चतुर्थांशफल)	मुदित	दीन (समक्षेत्र)	प्रकाशन (धनी धार्मिक परदेशवास)

टिप्पणी - जाग्रदाद्य व बालाद्य अवस्थाओं में ग्रहों के फल की मात्रा व शयनाद्य अवस्था में ग्रहों की अवस्थाओं का फल दिया गया है।

नीचभंग योग

सूर्य के नीचभंग योग :-

- सूर्य का डिस्पोजिटर केन्द्र में है।
- सूर्य का डिस्पोजिटर स्वयं की राशि में है।
- मंगल जोकि उच्च राशि का स्वामी है, वह चन्द्र से केन्द्र में है।

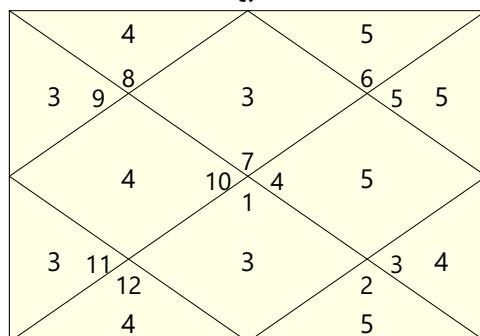


अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

सूर्य

सूर्य राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चन्द्र	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	6
योग	3	4	3	4	3	4	3	5	4	5	5	5	48

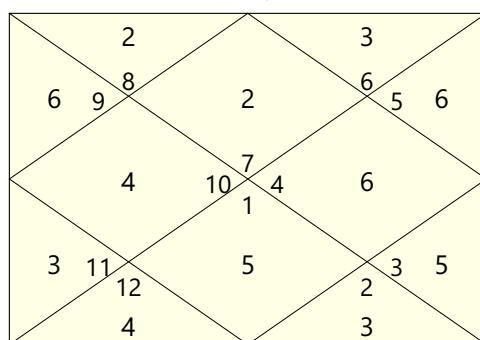
सूर्य



चन्द्र

चन्द्र राशि	5	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	
शनि	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	7
मंगल	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	7
सूर्य	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	6
शुक्र	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	7
बुध	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
लग्न	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
योग	6	3	2	2	6	4	3	4	5	3	5	6	49

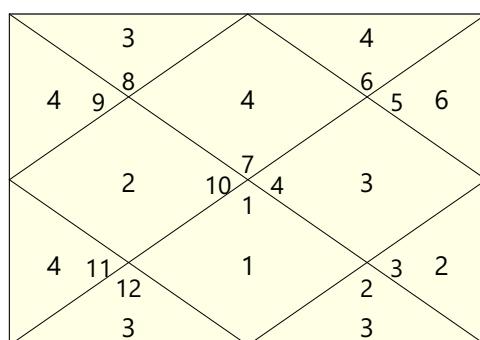
चन्द्र



मंगल

मंगल राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	5
शुक्र	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	4
बुध	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
चन्द्र	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	3
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
योग	3	4	2	4	3	1	3	2	3	6	4	4	39

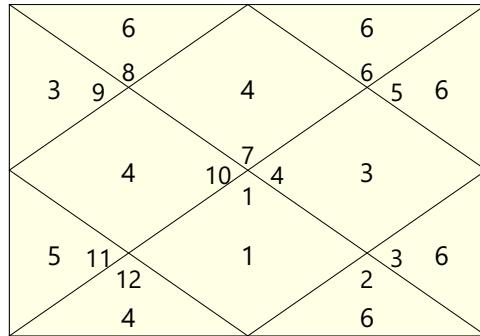
मंगल



बुध

बुध राशि	6	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	
शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
सूर्य	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	5
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चन्द्र	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	6
लग्न	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
योग	6	4	6	3	4	5	4	1	6	6	3	6	54

बुध



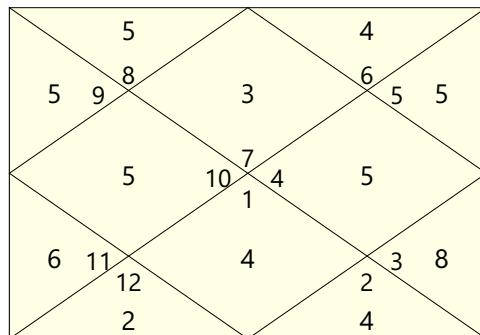


अष्टकवर्ग - भिन्नाष्टक वर्ग

गुरु

गुरु राशि	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	7	
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	1	0	9
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	6
बुध	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	8
चन्द्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	1	0	1	1	1	0	1	1	1	0	1	0	9
योग	5	5	5	6	2	4	4	8	5	5	4	3	56

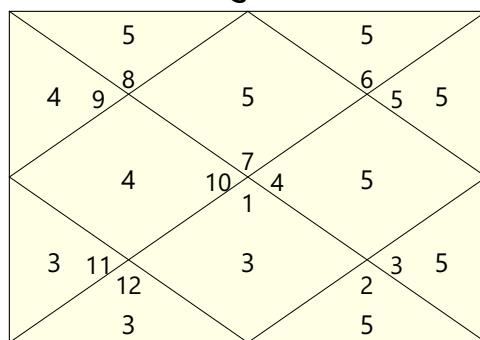
गुरु



शुक्र

शुक्र राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	5
मंगल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	5
चन्द्र	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	9
लग्न	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
योग	5	5	4	4	3	3	3	5	5	5	5	5	52

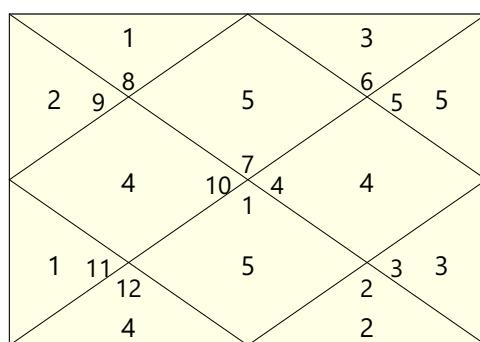
शुक्र



शनि

शनि राशि	11	12	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
सूर्य	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	1	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	0	6
चन्द्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	6
योग	1	4	5	2	3	4	5	3	5	1	2	4	39

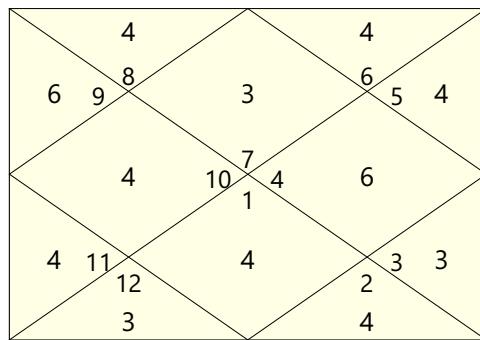
शनि



लग्न

लग्न राशि	7	8	9	10	11	12	1	2	3	4	5	6	
शनि	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	6
गुरु	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
सूर्य	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	6
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	7
बुध	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
चन्द्र	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
योग	3	4	6	4	4	3	4	4	3	6	4	4	49

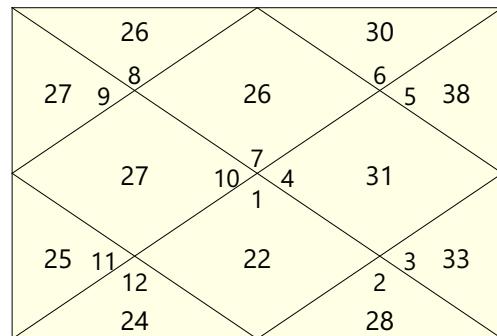
लग्न



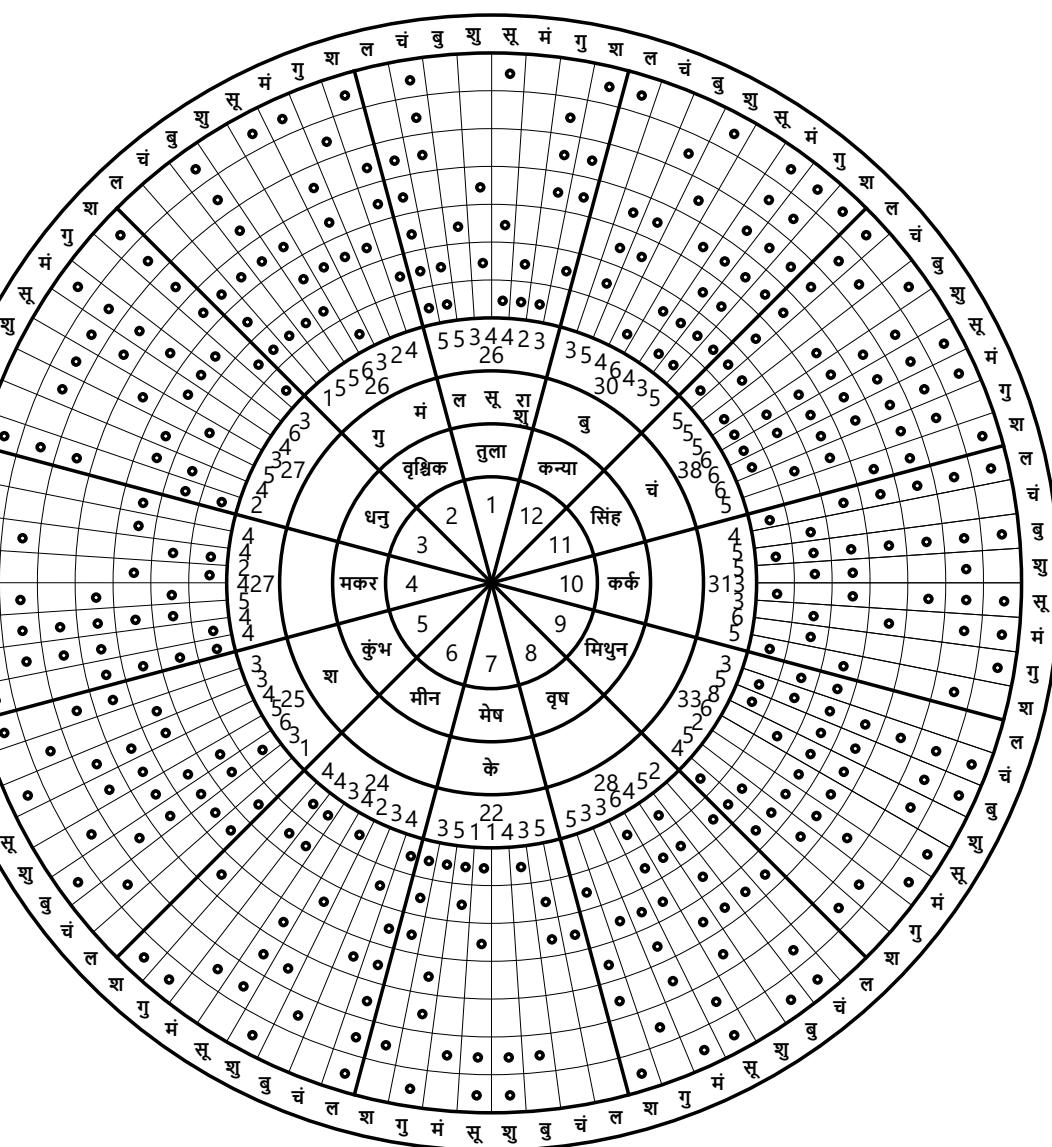


सर्वाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
लग्न	4	4	3	6	4	4	3	4	6	4	4	3	49
सूर्य	3	5	4	5	5	5	3	4	3	4	3	4	48
चन्द्र	5	3	5	6	6	3	2	2	6	4	3	4	49
मंगल	1	3	2	3	6	4	4	3	4	2	4	3	39
बुध	1	6	6	3	6	6	4	6	3	4	5	4	54
गुरु	4	4	8	5	5	4	3	5	5	5	6	2	56
शुक्र	3	5	5	5	5	5	5	4	4	3	3	3	52
शनि	5	2	3	4	5	3	5	1	2	4	1	4	39
	22	28	33	31	38	30	26	26	27	27	25	24	337

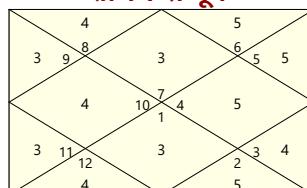
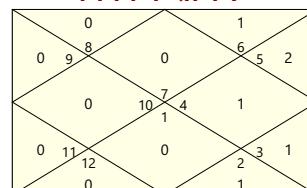
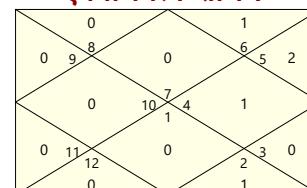


सर्वचन्चा चक्र

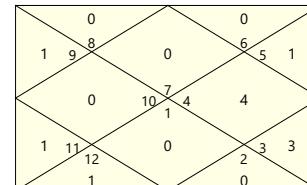
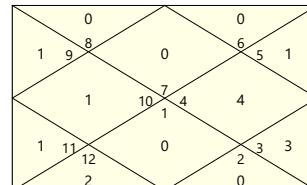
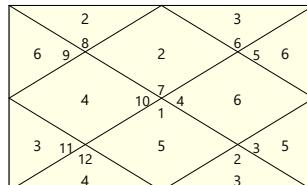


**शोधन से पूर्व**

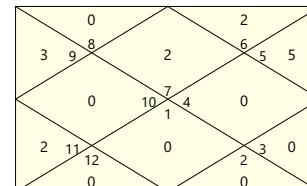
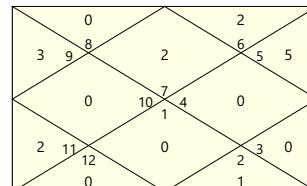
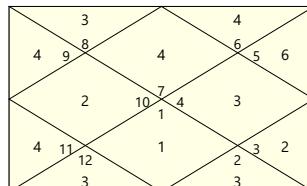
सूर्य	
राशि पिण्ड	40
ग्रह पिण्ड	15
शुद्ध पिण्ड	55

**त्रिकोण शोधन****एकाधिपत्य शोधन**

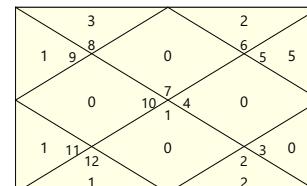
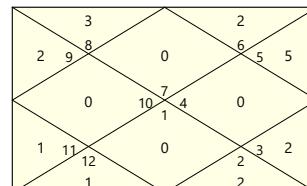
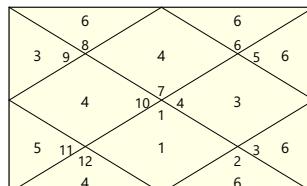
चन्द्र	
राशि पिण्ड	82
ग्रह पिण्ड	10
शुद्ध पिण्ड	92



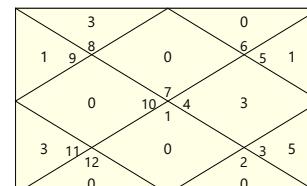
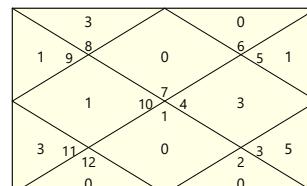
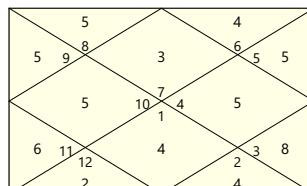
मंगल	
राशि पिण्ड	125
ग्रह पिण्ड	69
शुद्ध पिण्ड	194



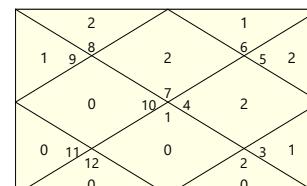
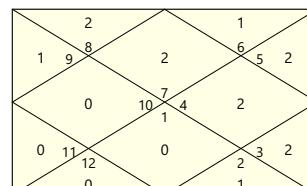
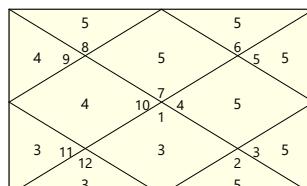
बुध	
राशि पिण्ड	138
ग्रह पिण्ड	94
शुद्ध पिण्ड	232



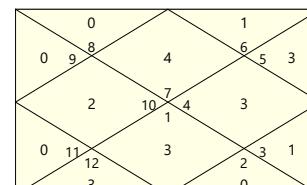
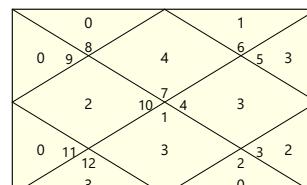
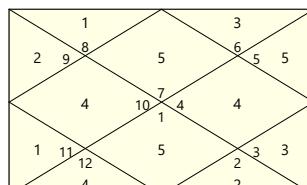
गुरु	
राशि पिण्ड	128
ग्रह पिण्ड	74
शुद्ध पिण्ड	202



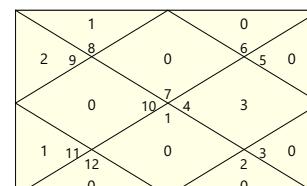
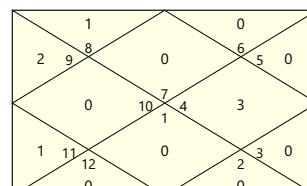
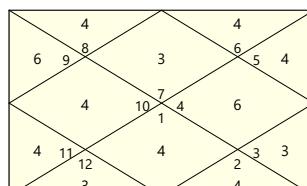
शुक्र	
राशि पिण्ड	81
ग्रह पिण्ड	75
शुद्ध पिण्ड	156



शनि	
राशि पिण्ड	151
ग्रह पिण्ड	68
शुद्ध पिण्ड	219



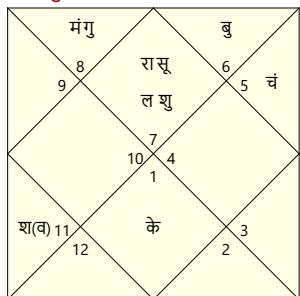
लग्न	
राशि पिण्ड	49
ग्रह पिण्ड	23
शुद्ध पिण्ड	72



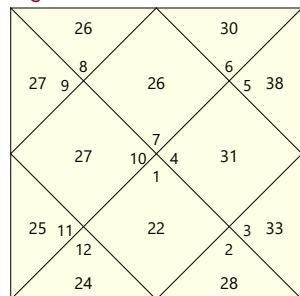


वर्ग कुण्डलिया-अष्टकवर्ग

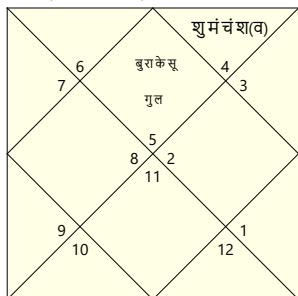
जन्म कुण्डली



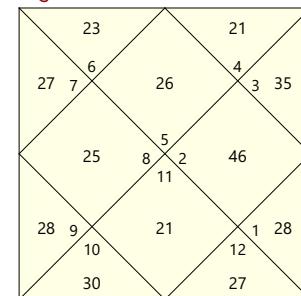
समुदाय अष्टकवर्ग



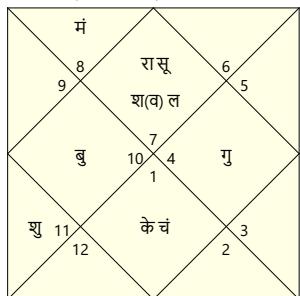
होरा (धन-सम्पत्ति)



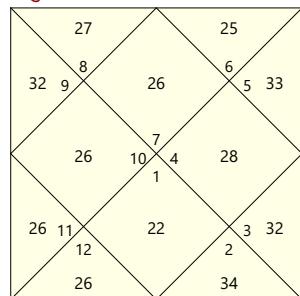
समुदाय अष्टकवर्ग



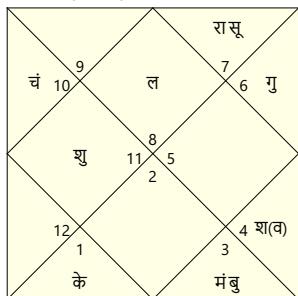
द्रेष्काण (भाई-बहन)



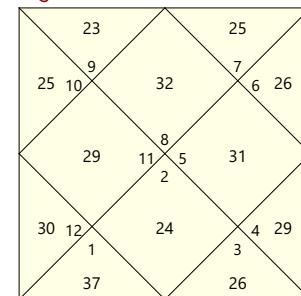
समुदाय अष्टकवर्ग



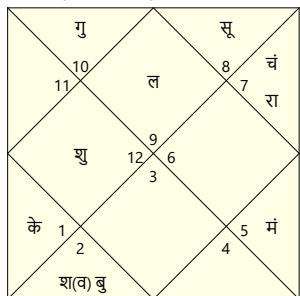
सप्तांश (संतान)



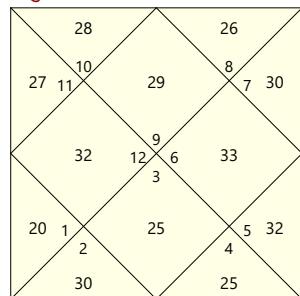
समुदाय अष्टकवर्ग



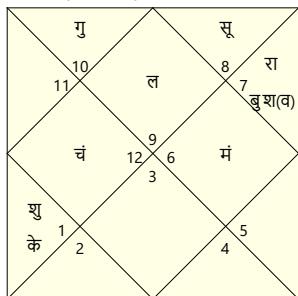
नवांश (जीवनसाथी)



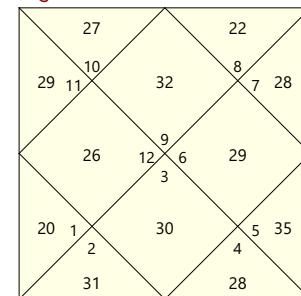
समुदाय अष्टकवर्ग



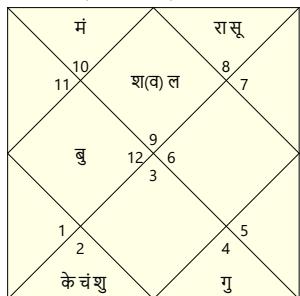
दशांश (कर्मफल)



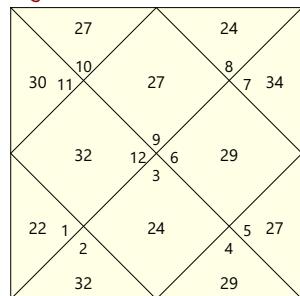
समुदाय अष्टकवर्ग



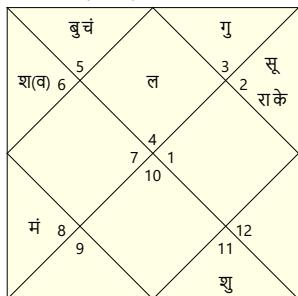
द्वादशांश (माता-पिता)



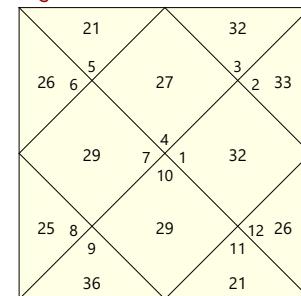
समुदाय अष्टकवर्ग



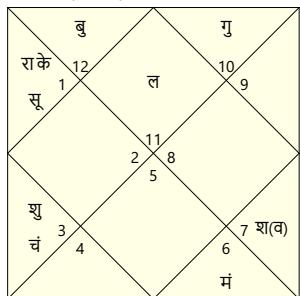
षोडशांश (वाहन)



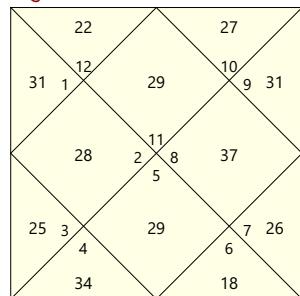
समुदाय अष्टकवर्ग



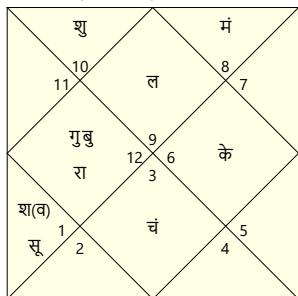
त्रिंशांश (अरिष्ट)



समुदाय अष्टकवर्ग



षष्ठ्यांश (सभी क्षेत्र)



समुदाय अष्टकवर्ग





ग्रहों का शारीरिक संरचना पर प्रभाव

सूक्ष्म पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग
सूर्य	बायाँ शीर्ष
चन्द्र	बायाँ अण्डकोश
मंगल	दाहिनी ओँख
बुध	बायाँ कम्बा
गुरु	लिंग
शुक्र	कण्ठ
शनि	दायाँ ठेहुना
राहु	बायाँ शीर्ष
केतु	बायाँ मुख

स्थूल पद्धति

ग्रह	शरीर का अंग	शरीर का अंग
सूर्य	वस्ति (पेंडू)	मस्तक
चन्द्र	पेट तथा कुक्षि	पिंडलियाँ
मंगल	लिंग	मुख
बुध	कमर	पैर
गुरु	लिंग	मुख
शुक्र	वस्ति (पेंडू)	मस्तक
शनि	पिंडलियाँ	पेट तथा कुक्षि
राहु	वस्ति (पेंडू)	मस्तक
केतु	मस्तक	वस्ति (पेंडू)

नक्षत्र पद्धति

ग्रह	नक्षत्र	प्रथम मत	द्वितीय मत
सूर्य	वित्रा	माथा	गर्दन
चन्द्र	पूर्वाफाल्मुनी	लिंग	दायाँ हाथ
मंगल	अनुराधा	हृदय	पेट
बुध	हर्षता	दोनों हथेलियाँ	अंगुलियाँ
गुरु	ज्येष्ठा	जीभ	शरीर का दायाँ हिस्सा
शुक्र	स्वाति	दाँत	छाती
शनि	पूर्वाभाद्रपद	बाह्य अंग	बायाँ जांघ
राहु	चित्रा	माथा	गर्दन
केतु	अश्विनी	घुटने	पैर का उपरी हिस्सा



विंशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र 5वर्ष-4मास-19दिन
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (20व)

0 वर्ष से 5व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	21-10-1995 - 10-03-1997	
बुध	10-03-1997 - 09-01-2000	
केतु	09-01-2000 - 10-03-2001	

सूर्य (6व)

5व4म से 11व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	10-03-2001 - 27-06-2001	
चन्द्र	27-06-2001 - 27-12-2001	
मंगल	27-12-2001 - 04-05-2002	
राहु	04-05-2002 - 28-03-2003	
गुरु	28-03-2003 - 15-01-2004	
शनि	15-01-2004 - 27-12-2004	
बुध	27-12-2004 - 02-11-2005	
केतु	02-11-2005 - 10-03-2006	
शुक्र	10-03-2006 - 10-03-2007	

चन्द्र (10व)

11व4म से 21व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-03-2007 - 09-01-2008	
मंगल	09-01-2008 - 09-08-2008	
राहु	09-08-2008 - 07-02-2010	
गुरु	07-02-2010 - 09-06-2011	
शनि	09-06-2011 - 08-01-2013	
बुध	08-01-2013 - 09-06-2014	
केतु	09-06-2014 - 08-01-2015	
शुक्र	08-01-2015 - 08-09-2016	
सूर्य	08-09-2016 - 10-03-2017	

मंगल (7व)

21व4म से 28व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-03-2017	06-08-2017
राहु	06-08-2017 - 24-08-2018	
गुरु	24-08-2018 - 31-07-2019	
शनि	31-07-2019 - 08-09-2020	
बुध	08-09-2020 - 05-09-2021	
केतु	05-09-2021 - 01-02-2022	
शुक्र	01-02-2022 - 03-04-2023	
सूर्य	03-04-2023 - 09-08-2023	
चन्द्र	09-08-2023 - 09-03-2024	

राहु (18व)

28व4म से 46व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-03-2024	20-11-2026
गुरु	20-11-2026	15-04-2029
शनि	15-04-2029	20-02-2032
बुध	20-02-2032	08-09-2034
केतु	08-09-2034	27-09-2035
शुक्र	27-09-2035	27-09-2038
सूर्य	27-09-2038	21-08-2039
चन्द्र	21-08-2039	19-02-2041
मंगल	19-02-2041	10-03-2042

गुरु (16व)

46व4म से 62व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	10-03-2042	27-04-2044
शनि	27-04-2044	08-11-2046
बुध	08-11-2046	13-02-2049
केतु	13-02-2049	20-01-2050
शुक्र	20-01-2050	20-09-2052
सूर्य	20-09-2052	09-07-2053
चन्द्र	09-07-2053	08-11-2054
मंगल	08-11-2054	15-10-2055
राहु	15-10-2055	09-03-2058

शनि (19व)

62व4म से 81व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	09-03-2058 - 12-03-2061	
बुध	12-03-2061 - 20-11-2063	
केतु	20-11-2063 - 29-12-2064	
शुक्र	29-12-2064 - 29-02-2068	
सूर्य	29-02-2068 - 10-02-2069	
चन्द्र	10-02-2069 - 11-09-2070	
मंगल	11-09-2070 - 21-10-2071	
राहु	21-10-2071 - 27-08-2074	
गुरु	27-08-2074 - 09-03-2077	

बुध (17व)

81व4म से 98व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-03-2077	06-08-2079
केतु	06-08-2079	02-08-2080
शुक्र	02-08-2080	03-06-2083
सूर्य	03-06-2083	08-04-2084
चन्द्र	08-04-2084	08-09-2085
मंगल	08-09-2085	05-09-2086
राहु	05-09-2086	24-03-2089
गुरु	24-03-2089	30-06-2091
शनि	30-06-2091	09-03-2094

केतु (7व)

98व4म से 105व4म

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	09-03-2094	05-08-2094
शुक्र	05-08-2094	05-10-2095
सूर्य	05-10-2095	10-02-2096
चन्द्र	10-02-2096	10-09-2096
मंगल	10-09-2096	07-02-2097
राहु	07-02-2097	25-02-2098
गुरु	25-02-2098	01-02-2099
शनि	01-02-2099	13-03-2100
बुध	13-03-2100	10-03-2101



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शुक्र महादशा : 21-10-1995 से 10-03-2001

आयु : ०व ०म से ५व ४म

शुक्र-शुक्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	

शुक्र-सूर्य

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	

शुक्र-चन्द्र

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	

शुक्र-मंगल

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	-	
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	

शुक्र-राहु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	-	
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	

शुक्र-गुरु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	-	
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	-	
चन्द्र	-	
मंगल	-	
राहु	-	

शुक्र-शनि

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	-	
बुध	-	
केतु	-	
शुक्र	-	
सूर्य	21-10-1995 - 04-11-1995	
चन्द्र	04-11-1995 - 09-02-1996	
मंगल	09-02-1996 - 16-04-1996	
राहु	16-04-1996 - 07-10-1996	
गुरु	07-10-1996 - 10-03-1997	

शुक्र-बुध

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-03-1997 - 03-08-1997	
केतु	03-08-1997 - 03-10-1997	
शुक्र	03-10-1997 - 24-03-1998	
सूर्य	24-03-1998 - 15-05-1998	
चन्द्र	15-05-1998 - 09-08-1998	
मंगल	09-08-1998 - 09-10-1998	
राहु	09-10-1998 - 13-03-1999	
गुरु	13-03-1999 - 29-07-1999	
शनि	29-07-1999 - 09-01-2000	

शुक्र-केतु

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	09-01-2000 - 02-02-2000	
शुक्र	02-02-2000 - 13-04-2000	
सूर्य	13-04-2000 - 05-05-2000	
चन्द्र	05-05-2000 - 09-06-2000	
मंगल	09-06-2000 - 04-07-2000	
राहु	04-07-2000 - 06-09-2000	
गुरु	06-09-2000 - 02-11-2000	
शनि	02-11-2000 - 08-01-2001	
बुध	08-01-2001 - 10-03-2001	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

सूर्य महादशा : 10-03-2001 से 10-03-2007

आयु : 5व 4म से 11व 4म

सूर्य-सूर्य

5व4म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	10-03-2001	- 15-03-2001
चन्द्र	15-03-2001	- 24-03-2001
मंगल	24-03-2001	- 31-03-2001
राहु	31-03-2001	- 16-04-2001
गुरु	16-04-2001	- 01-05-2001
शनि	01-05-2001	- 18-05-2001
बुध	18-05-2001	- 03-06-2001
केतु	03-06-2001	- 09-06-2001
शुक्र	09-06-2001	- 27-06-2001

सूर्य-चन्द्र

5व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	27-06-2001	- 12-07-2001
मंगल	12-07-2001	- 23-07-2001
राहु	23-07-2001	- 20-08-2001
गुरु	20-08-2001	- 13-09-2001
शनि	13-09-2001	- 12-10-2001
बुध	12-10-2001	- 07-11-2001
केतु	07-11-2001	- 17-11-2001
शुक्र	17-11-2001	- 18-12-2001
सूर्य	18-12-2001	- 27-12-2001

सूर्य-मंगल

6व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	27-12-2001	- 03-01-2002
राहु	03-01-2002	- 23-01-2002
गुरु	23-01-2002	- 09-02-2002
शनि	09-02-2002	- 01-03-2002
बुध	01-03-2002	- 19-03-2002
केतु	19-03-2002	- 26-03-2002
शुक्र	26-03-2002	- 17-04-2002
सूर्य	17-04-2002	- 23-04-2002
चन्द्र	23-04-2002	- 04-05-2002

सूर्य-राहु

6व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	04-05-2002	- 22-06-2002
गुरु	22-06-2002	- 05-08-2002
शनि	05-08-2002	- 26-09-2002
बुध	26-09-2002	- 11-11-2002
केतु	11-11-2002	- 01-12-2002
शुक्र	01-12-2002	- 24-01-2003
सूर्य	24-01-2003	- 10-02-2003
चन्द्र	10-02-2003	- 09-03-2003
मंगल	09-03-2003	- 28-03-2003

सूर्य-गुरु

7व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	28-03-2003	- 06-05-2003
शनि	06-05-2003	- 22-06-2003
बुध	22-06-2003	- 02-08-2003
केतु	02-08-2003	- 19-08-2003
शुक्र	19-08-2003	- 07-10-2003
सूर्य	07-10-2003	- 21-10-2003
चन्द्र	21-10-2003	- 15-11-2003
मंगल	15-11-2003	- 02-12-2003
राहु	02-12-2003	- 15-01-2004

सूर्य-शनि

8व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-01-2004	- 10-03-2004
बुध	10-03-2004	- 28-04-2004
केतु	28-04-2004	- 18-05-2004
शुक्र	18-05-2004	- 15-07-2004
सूर्य	15-07-2004	- 01-08-2004
चन्द्र	01-08-2004	- 30-08-2004
मंगल	30-08-2004	- 19-09-2004
राहु	19-09-2004	- 10-11-2004
गुरु	10-11-2004	- 27-12-2004

सूर्य-बुध

9व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	27-12-2004	- 09-02-2005
केतु	09-02-2005	- 27-02-2005
शुक्र	27-02-2005	- 19-04-2005
सूर्य	19-04-2005	- 05-05-2005
चन्द्र	05-05-2005	- 31-05-2005
मंगल	31-05-2005	- 18-06-2005
राहु	18-06-2005	- 04-08-2005
गुरु	04-08-2005	- 14-09-2005
शनि	14-09-2005	- 02-11-2005

सूर्य-केतु

10व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	02-11-2005	- 10-11-2005
शुक्र	10-11-2005	- 01-12-2005
सूर्य	01-12-2005	- 07-12-2005
चन्द्र	07-12-2005	- 18-12-2005
मंगल	18-12-2005	- 25-12-2005
राहु	25-12-2005	- 14-01-2006
गुरु	14-01-2006	- 31-01-2006
शनि	31-01-2006	- 20-02-2006
बुध	20-02-2006	- 10-03-2006

सूर्य-शुक्र

10व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	10-03-2006	- 10-05-2006
सूर्य	10-05-2006	- 28-05-2006
चन्द्र	28-05-2006	- 27-06-2006
मंगल	27-06-2006	- 19-07-2006
राहु	19-07-2006	- 12-09-2006
गुरु	12-09-2006	- 30-10-2006
शनि	30-10-2006	- 27-12-2006
बुध	27-12-2006	- 17-02-2007
केतु	17-02-2007	- 10-03-2007

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

चन्द्र महादशा : 10-03-2007 से 10-03-2017

आयु : 11व 4म से 21व 4म

चन्द्र-चन्द्र		11व4म*
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-03-2007	- 05-04-2007
मंगल	05-04-2007	- 22-04-2007
राहु	22-04-2007	- 07-06-2007
गुरु	07-06-2007	- 17-07-2007
शनि	17-07-2007	- 04-09-2007
बुध	04-09-2007	- 17-10-2007
केतु	17-10-2007	- 04-11-2007
शुक्र	04-11-2007	- 24-12-2007
सूर्य	24-12-2007	- 09-01-2008

चन्द्र-मंगल		12व2म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	09-01-2008	- 21-01-2008
राहु	21-01-2008	- 22-02-2008
गुरु	22-02-2008	- 21-03-2008
शनि	21-03-2008	- 24-04-2008
बुध	24-04-2008	- 24-05-2008
केतु	24-05-2008	- 06-06-2008
शुक्र	06-06-2008	- 11-07-2008
सूर्य	11-07-2008	- 22-07-2008
चन्द्र	22-07-2008	- 09-08-2008

चन्द्र-राहु		12व9म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-08-2008	- 30-10-2008
गुरु	30-10-2008	- 11-01-2009
शनि	11-01-2009	- 08-04-2009
बुध	08-04-2009	- 24-06-2009
केतु	24-06-2009	- 26-07-2009
शुक्र	26-07-2009	- 25-10-2009
सूर्य	25-10-2009	- 22-11-2009
चन्द्र	22-11-2009	- 06-01-2010
मंगल	06-01-2010	- 07-02-2010

चन्द्र-गुरु		14व3म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	07-02-2010	- 13-04-2010
शनि	13-04-2010	- 29-06-2010
बुध	29-06-2010	- 06-09-2010
केतु	06-09-2010	- 05-10-2010
शुक्र	05-10-2010	- 25-12-2010
सूर्य	25-12-2010	- 18-01-2011
चन्द्र	18-01-2011	- 28-02-2011
मंगल	28-02-2011	- 28-03-2011
राहु	28-03-2011	- 09-06-2011

चन्द्र-शनि		15व7म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	09-06-2011	- 09-09-2011
बुध	09-09-2011	- 30-11-2011
केतु	30-11-2011	- 03-01-2012
शुक्र	03-01-2012	- 08-04-2012
सूर्य	08-04-2012	- 07-05-2012
चन्द्र	07-05-2012	- 24-06-2012
मंगल	24-06-2012	- 28-07-2012
राहु	28-07-2012	- 23-10-2012
गुरु	23-10-2012	- 08-01-2013

चन्द्र-बुध		17व2म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-01-2013	- 22-03-2013
केतु	22-03-2013	- 21-04-2013
शुक्र	21-04-2013	- 16-07-2013
सूर्य	16-07-2013	- 11-08-2013
चन्द्र	11-08-2013	- 23-09-2013
मंगल	23-09-2013	- 24-10-2013
राहु	24-10-2013	- 09-01-2014
गुरु	09-01-2014	- 19-03-2014
शनि	19-03-2014	- 09-06-2014

चन्द्र-केतु		18व7म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	09-06-2014	- 22-06-2014
शुक्र	22-06-2014	- 27-07-2014
सूर्य	27-07-2014	- 07-08-2014
चन्द्र	07-08-2014	- 24-08-2014
मंगल	24-08-2014	- 06-09-2014
राहु	06-09-2014	- 08-10-2014
गुरु	08-10-2014	- 05-11-2014
शनि	05-11-2014	- 09-12-2014
बुध	09-12-2014	- 08-01-2015

चन्द्र-शुक्र		19व2म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	08-01-2015	- 20-04-2015
सूर्य	20-04-2015	- 20-05-2015
चन्द्र	20-05-2015	- 10-07-2015
मंगल	10-07-2015	- 14-08-2015
राहु	14-08-2015	- 14-11-2015
गुरु	14-11-2015	- 03-02-2016
शनि	03-02-2016	- 09-05-2016
बुध	09-05-2016	- 03-08-2016
केतु	03-08-2016	- 08-09-2016

चन्द्र-सूर्य		20व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	08-09-2016	- 17-09-2016
चन्द्र	17-09-2016	- 02-10-2016
मंगल	02-10-2016	- 13-10-2016
राहु	13-10-2016	- 09-11-2016
गुरु	09-11-2016	- 04-12-2016
शनि	04-12-2016	- 02-01-2017
बुध	02-01-2017	- 27-01-2017
केतु	27-01-2017	- 07-02-2017
शुक्र	07-02-2017	- 10-03-2017

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

मंगल महादशा : 10-03-2017 से 09-03-2024

आयु : 21व 4म से 28व 4म

मंगल-मंगल		21व4म*	मंगल-राहु		21व9म	मंगल-गुरु		22व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त	प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त	प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-03-2017	- 18-03-2017	राहु	06-08-2017	- 02-10-2017	गुरु	24-08-2018	- 09-10-2018
राहु	18-03-2017	- 10-04-2017	गुरु	02-10-2017	- 22-11-2017	शनि	09-10-2018	- 02-12-2018
गुरु	10-04-2017	- 30-04-2017	शनि	22-11-2017	- 22-01-2018	बुध	02-12-2018	- 19-01-2019
शनि	30-04-2017	- 23-05-2017	बुध	22-01-2018	- 17-03-2018	केतु	19-01-2019	- 08-02-2019
बुध	23-05-2017	- 13-06-2017	केतु	17-03-2018	- 09-04-2018	शुक्र	08-02-2019	- 06-04-2019
केतु	13-06-2017	- 22-06-2017	शुक्र	09-04-2018	- 12-06-2018	सूर्य	06-04-2019	- 23-04-2019
शुक्र	22-06-2017	- 17-07-2017	सूर्य	12-06-2018	- 01-07-2018	चन्द्र	23-04-2019	- 21-05-2019
सूर्य	17-07-2017	- 24-07-2017	चन्द्र	01-07-2018	- 02-08-2018	मंगल	21-05-2019	- 10-06-2019
चन्द्र	24-07-2017	- 06-08-2017	मंगल	02-08-2018	- 24-08-2018	राहु	10-06-2019	- 31-07-2019
मंगल-शनि		23व9म	मंगल-बुध		24व10म	मंगल-केतु		25व10म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त	प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त	प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	31-07-2019	- 03-10-2019	बुध	08-09-2020	- 29-10-2020	केतु	05-09-2021	- 14-09-2021
बुध	03-10-2019	- 30-11-2019	केतु	29-10-2020	- 19-11-2020	शुक्र	14-09-2021	- 09-10-2021
केतु	30-11-2019	- 23-12-2019	शुक्र	19-11-2020	- 19-01-2021	सूर्य	09-10-2021	- 16-10-2021
शुक्र	23-12-2019	- 29-02-2020	सूर्य	19-01-2021	- 06-02-2021	चन्द्र	16-10-2021	- 29-10-2021
सूर्य	29-02-2020	- 20-03-2020	चन्द्र	06-02-2021	- 08-03-2021	मंगल	29-10-2021	- 06-11-2021
चन्द्र	20-03-2020	- 23-04-2020	मंगल	08-03-2021	- 29-03-2021	राहु	06-11-2021	- 29-11-2021
मंगल	23-04-2020	- 16-05-2020	राहु	29-03-2021	- 22-05-2021	गुरु	29-11-2021	- 19-12-2021
राहु	16-05-2020	- 16-07-2020	गुरु	22-05-2021	- 10-07-2021	शनि	19-12-2021	- 11-01-2022
गुरु	16-07-2020	- 08-09-2020	शनि	10-07-2021	- 05-09-2021	बुध	11-01-2022	- 01-02-2022
मंगल-शुक्र		26व3म	मंगल-सूर्य		27व5म	मंगल-चन्द्र		27व9म
प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त	प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त	प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	01-02-2022	- 13-04-2022	सूर्य	03-04-2023	- 10-04-2023	चन्द्र	09-08-2023	- 27-08-2023
सूर्य	13-04-2022	- 05-05-2022	चन्द्र	10-04-2023	- 20-04-2023	मंगल	27-08-2023	- 08-09-2023
चन्द्र	05-05-2022	- 09-06-2022	मंगल	20-04-2023	- 28-04-2023	राहु	08-09-2023	- 10-10-2023
मंगल	09-06-2022	- 04-07-2022	राहु	28-04-2023	- 17-05-2023	गुरु	10-10-2023	- 08-11-2023
राहु	04-07-2022	- 06-09-2022	गुरु	17-05-2023	- 03-06-2023	शनि	08-11-2023	- 11-12-2023
गुरु	06-09-2022	- 02-11-2022	शनि	03-06-2023	- 23-06-2023	बुध	11-12-2023	- 11-01-2024
शनि	02-11-2022	- 08-01-2023	बुध	23-06-2023	- 11-07-2023	केतु	11-01-2024	- 23-01-2024
बुध	08-01-2023	- 10-03-2023	केतु	11-07-2023	- 19-07-2023	शुक्र	23-01-2024	- 28-02-2024
केतु	10-03-2023	- 03-04-2023	शुक्र	19-07-2023	- 09-08-2023	सूर्य	28-02-2024	- 09-03-2024

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

राहु महादशा : 09-03-2024 से 10-03-2042

आयु : 28व 4म से 46व 4म

राहु-राहु

28व4म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	09-03-2024	- 04-08-2024
गुरु	04-08-2024	- 14-12-2024
शनि	14-12-2024	- 19-05-2025
बुध	19-05-2025	- 06-10-2025
केतु	06-10-2025	- 02-12-2025
शुक्र	02-12-2025	- 15-05-2026
सूर्य	15-05-2026	- 04-07-2026
चन्द्र	04-07-2026	- 24-09-2026
मंगल	24-09-2026	- 20-11-2026

राहु-गुरु

31व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	20-11-2026	- 17-03-2027
शनि	17-03-2027	- 03-08-2027
बुध	03-08-2027	- 05-12-2027
केतु	05-12-2027	- 25-01-2028
शुक्र	25-01-2028	- 19-06-2028
सूर्य	19-06-2028	- 02-08-2028
चन्द्र	02-08-2028	- 14-10-2028
मंगल	14-10-2028	- 05-12-2028
राहु	05-12-2028	- 15-04-2029

राहु-शनि

33व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-04-2029	- 27-09-2029
बुध	27-09-2029	- 21-02-2030
केतु	21-02-2030	- 23-04-2030
शुक्र	23-04-2030	- 13-10-2030
सूर्य	13-10-2030	- 05-12-2030
चन्द्र	05-12-2030	- 01-03-2031
मंगल	01-03-2031	- 01-05-2031
राहु	01-05-2031	- 04-10-2031
गुरु	04-10-2031	- 20-02-2032

राहु-बुध

36व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	20-02-2032	- 01-07-2032
केतु	01-07-2032	- 24-08-2032
शुक्र	24-08-2032	- 26-01-2033
सूर्य	26-01-2033	- 14-03-2033
चन्द्र	14-03-2033	- 31-05-2033
मंगल	31-05-2033	- 24-07-2033
राहु	24-07-2033	- 11-12-2033
गुरु	11-12-2033	- 14-04-2034
शनि	14-04-2034	- 08-09-2034

राहु-केतु

38व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-09-2034	- 01-10-2034
शुक्र	01-10-2034	- 04-12-2034
सूर्य	04-12-2034	- 23-12-2034
चन्द्र	23-12-2034	- 24-01-2035
मंगल	24-01-2035	- 15-02-2035
राहु	15-02-2035	- 14-04-2035
गुरु	14-04-2035	- 04-06-2035
शनि	04-06-2035	- 03-08-2035
बुध	03-08-2035	- 27-09-2035

राहु-शुक्र

39व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-09-2035	- 27-03-2036
सूर्य	27-03-2036	- 21-05-2036
चन्द्र	21-05-2036	- 21-08-2036
मंगल	21-08-2036	- 23-10-2036
राहु	23-10-2036	- 06-04-2037
गुरु	06-04-2037	- 30-08-2037
शनि	30-08-2037	- 19-02-2038
बुध	19-02-2038	- 25-07-2038
केतु	25-07-2038	- 27-09-2038

राहु-सूर्य

42व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-09-2038	- 13-10-2038
चन्द्र	13-10-2038	- 09-11-2038
मंगल	09-11-2038	- 29-11-2038
राहु	29-11-2038	- 17-01-2039
गुरु	17-01-2039	- 02-03-2039
शनि	02-03-2039	- 23-04-2039
बुध	23-04-2039	- 08-06-2039
केतु	08-06-2039	- 27-06-2039
शुक्र	27-06-2039	- 21-08-2039

राहु-चन्द्र

43व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	21-08-2039	- 06-10-2039
मंगल	06-10-2039	- 07-11-2039
राहु	07-11-2039	- 28-01-2040
गुरु	28-01-2040	- 10-04-2040
शनि	10-04-2040	- 06-07-2040
बुध	06-07-2040	- 21-09-2040
केतु	21-09-2040	- 23-10-2040
शुक्र	23-10-2040	- 23-01-2041
सूर्य	23-01-2041	- 19-02-2041

राहु-मंगल

45व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	19-02-2041	- 13-03-2041
राहु	13-03-2041	- 10-05-2041
गुरु	10-05-2041	- 30-06-2041
शनि	30-06-2041	- 30-08-2041
बुध	30-08-2041	- 23-10-2041
केतु	23-10-2041	- 15-11-2041
शुक्र	15-11-2041	- 17-01-2042
सूर्य	17-01-2042	- 06-02-2042
चन्द्र	06-02-2042	- 10-03-2042

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

गुरु महादशा : 10-03-2042 से 09-03-2058

आयु : 46व 4म से 62व 4म

गुरु-गुरु

46व4म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	10-03-2042	- 22-06-2042
शनि	22-06-2042	- 23-10-2042
बुध	23-10-2042	- 10-02-2043
केतु	10-02-2043	- 28-03-2043
शुक्र	28-03-2043	- 05-08-2043
सूर्य	05-08-2043	- 13-09-2043
चन्द्र	13-09-2043	- 16-11-2043
मंगल	16-11-2043	- 01-01-2044
राहु	01-01-2044	- 27-04-2044

गुरु-शनि

48व6म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	27-04-2044	- 20-09-2044
बुध	20-09-2044	- 29-01-2045
केतु	29-01-2045	- 24-03-2045
शुक्र	24-03-2045	- 26-08-2045
सूर्य	26-08-2045	- 11-10-2045
चन्द्र	11-10-2045	- 27-12-2045
मंगल	27-12-2045	- 19-02-2046
राहु	19-02-2046	- 08-07-2046
गुरु	08-07-2046	- 08-11-2046

गुरु-बुध

51व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-11-2046	- 05-03-2047
केतु	05-03-2047	- 23-04-2047
शुक्र	23-04-2047	- 08-09-2047
सूर्य	08-09-2047	- 19-10-2047
चन्द्र	19-10-2047	- 27-12-2047
मंगल	27-12-2047	- 13-02-2048
राहु	13-02-2048	- 16-06-2048
गुरु	16-06-2048	- 05-10-2048
शनि	05-10-2048	- 13-02-2049

गुरु-केतु

53व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	13-02-2049	- 05-03-2049
शुक्र	05-03-2049	- 01-05-2049
सूर्य	01-05-2049	- 18-05-2049
चन्द्र	18-05-2049	- 15-06-2049
मंगल	15-06-2049	- 05-07-2049
राहु	05-07-2049	- 25-08-2049
गुरु	25-08-2049	- 10-10-2049
शनि	10-10-2049	- 03-12-2049
बुध	03-12-2049	- 20-01-2050

गुरु-शुक्र

54व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	20-01-2050	- 01-07-2050
सूर्य	01-07-2050	- 19-08-2050
चन्द्र	19-08-2050	- 08-11-2050
मंगल	08-11-2050	- 04-01-2051
राहु	04-01-2051	- 30-05-2051
गुरु	30-05-2051	- 07-10-2051
शनि	07-10-2051	- 09-03-2052
बुध	09-03-2052	- 25-07-2052
केतु	25-07-2052	- 20-09-2052

गुरु-सूर्य

56व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	20-09-2052	- 04-10-2052
चन्द्र	04-10-2052	- 29-10-2052
मंगल	29-10-2052	- 15-11-2052
राहु	15-11-2052	- 29-12-2052
गुरु	29-12-2052	- 06-02-2053
शनि	06-02-2053	- 24-03-2053
बुध	24-03-2053	- 04-05-2053
केतु	04-05-2053	- 21-05-2053
शुक्र	21-05-2053	- 09-07-2053

गुरु-चन्द्र

57व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	09-07-2053	- 19-08-2053
मंगल	19-08-2053	- 16-09-2053
राहु	16-09-2053	- 28-11-2053
गुरु	28-11-2053	- 01-02-2054
शनि	01-02-2054	- 19-04-2054
बुध	19-04-2054	- 27-06-2054
केतु	27-06-2054	- 26-07-2054
शुक्र	26-07-2054	- 15-10-2054
सूर्य	15-10-2054	- 08-11-2054

गुरु-मंगल

59व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	08-11-2054	- 28-11-2054
राहु	28-11-2054	- 18-01-2055
गुरु	18-01-2055	- 04-03-2055
शनि	04-03-2055	- 27-04-2055
बुध	27-04-2055	- 15-06-2055
केतु	15-06-2055	- 05-07-2055
शुक्र	05-07-2055	- 30-08-2055
सूर्य	30-08-2055	- 17-09-2055
चन्द्र	17-09-2055	- 15-10-2055

गुरु-राहु

59व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-10-2055	- 23-02-2056
गुरु	23-02-2056	- 19-06-2056
शनि	19-06-2056	- 05-11-2056
बुध	05-11-2056	- 09-03-2057
केतु	09-03-2057	- 29-04-2057
शुक्र	29-04-2057	- 22-09-2057
सूर्य	22-09-2057	- 05-11-2057
चन्द्र	05-11-2057	- 17-01-2058
मंगल	17-01-2058	- 09-03-2058

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

शनि महादशा : 09-03-2058 से 09-03-2077

आयु : 62व 4म से 81व 4म

शनि-शनि

62व4म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	09-03-2058 - 30-08-2058	
बुध	30-08-2058 - 02-02-2059	
केतु	02-02-2059 - 07-04-2059	
शुक्र	07-04-2059 - 07-10-2059	
सूर्य	07-10-2059 - 01-12-2059	
चन्द्र	01-12-2059 - 02-03-2060	
मंगल	02-03-2060 - 05-05-2060	
राहु	05-05-2060 - 17-10-2060	
गुरु	17-10-2060 - 12-03-2061	

शनि-बुध

65व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	12-03-2061 - 30-07-2061	
केतु	30-07-2061 - 25-09-2061	
शुक्र	25-09-2061 - 08-03-2062	
सूर्य	08-03-2062 - 26-04-2062	
चन्द्र	26-04-2062 - 17-07-2062	
मंगल	17-07-2062 - 12-09-2062	
राहु	12-09-2062 - 07-02-2063	
गुरु	07-02-2063 - 18-06-2063	
शनि	18-06-2063 - 20-11-2063	

शनि-केतु

68व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	20-11-2063 - 14-12-2063	
शुक्र	14-12-2063 - 19-02-2064	
सूर्य	19-02-2064 - 11-03-2064	
चन्द्र	11-03-2064 - 13-04-2064	
मंगल	13-04-2064 - 07-05-2064	
राहु	07-05-2064 - 07-07-2064	
गुरु	07-07-2064 - 30-08-2064	
शनि	30-08-2064 - 02-11-2064	
बुध	02-11-2064 - 29-12-2064	

शनि-शुक्र

69व2म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	29-12-2064 - 10-07-2065	
सूर्य	10-07-2065 - 06-09-2065	
चन्द्र	06-09-2065 - 11-12-2065	
मंगल	11-12-2065 - 17-02-2066	
राहु	17-02-2066 - 09-08-2066	
गुरु	09-08-2066 - 10-01-2067	
शनि	10-01-2067 - 12-07-2067	
बुध	12-07-2067 - 23-12-2067	
केतु	23-12-2067 - 29-02-2068	

शनि-सूर्य

72व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	29-02-2068 - 17-03-2068	
चन्द्र	17-03-2068 - 15-04-2068	
मंगल	15-04-2068 - 05-05-2068	
राहु	05-05-2068 - 26-06-2068	
गुरु	26-06-2068 - 12-08-2068	
शनि	12-08-2068 - 06-10-2068	
बुध	06-10-2068 - 24-11-2068	
केतु	24-11-2068 - 14-12-2068	
शुक्र	14-12-2068 - 10-02-2069	

शनि-चन्द्र

73व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-02-2069 - 30-03-2069	
मंगल	30-03-2069 - 03-05-2069	
राहु	03-05-2069 - 28-07-2069	
गुरु	28-07-2069 - 14-10-2069	
शनि	14-10-2069 - 13-01-2070	
बुध	13-01-2070 - 05-04-2070	
केतु	05-04-2070 - 09-05-2070	
शुक्र	09-05-2070 - 13-08-2070	
सूर्य	13-08-2070 - 11-09-2070	

शनि-मंगल

74व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	11-09-2070 - 05-10-2070	
राहु	05-10-2070 - 04-12-2070	
गुरु	04-12-2070 - 27-01-2071	
शनि	27-01-2071 - 01-04-2071	
बुध	01-04-2071 - 29-05-2071	
केतु	29-05-2071 - 21-06-2071	
शुक्र	21-06-2071 - 28-08-2071	
सूर्य	28-08-2071 - 17-09-2071	
चन्द्र	17-09-2071 - 21-10-2071	

शनि-राहु

76व0म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	21-10-2071 - 25-03-2072	
गुरु	25-03-2072 - 11-08-2072	
शनि	11-08-2072 - 23-01-2073	
बुध	23-01-2073 - 19-06-2073	
केतु	19-06-2073 - 19-08-2073	
शुक्र	19-08-2073 - 08-02-2074	
सूर्य	08-02-2074 - 01-04-2074	
चन्द्र	01-04-2074 - 27-06-2074	
मंगल	27-06-2074 - 27-08-2074	

शनि-गुरु

78व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-08-2074 - 28-12-2074	
शनि	28-12-2074 - 24-05-2075	
बुध	24-05-2075 - 02-10-2075	
केतु	02-10-2075 - 25-11-2075	
शुक्र	25-11-2075 - 27-04-2076	
सूर्य	27-04-2076 - 12-06-2076	
चन्द्र	12-06-2076 - 28-08-2076	
दक्षिण	28-08-2076 - 21-10-2076	
राहु	21-10-2076 - 09-03-2077	

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

बुध महादशा : 09-03-2077 से 09-03-2094

आयु : 81व 4म से 98व 4म

बुध-बुध 81व4म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	09-03-2077	- 12-07-2077
केतु	12-07-2077	- 01-09-2077
शुक्र	01-09-2077	- 26-01-2078
सूर्य	26-01-2078	- 11-03-2078
चन्द्र	11-03-2078	- 23-05-2078
मंगल	23-05-2078	- 13-07-2078
राहु	13-07-2078	- 22-11-2078
गुरु	22-11-2078	- 19-03-2079
शनि	19-03-2079	- 06-08-2079

बुध-केतु 83व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	06-08-2079	- 27-08-2079
शुक्र	27-08-2079	- 26-10-2079
सूर्य	26-10-2079	- 13-11-2079
चन्द्र	13-11-2079	- 14-12-2079
मंगल	14-12-2079	- 04-01-2080
राहु	04-01-2080	- 27-02-2080
गुरु	27-02-2080	- 15-04-2080
शनि	15-04-2080	- 12-06-2080
बुध	12-06-2080	- 02-08-2080

बुध-शुक्र 84व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	02-08-2080	- 21-01-2081
सूर्य	21-01-2081	- 14-03-2081
चन्द्र	14-03-2081	- 08-06-2081
मंगल	08-06-2081	- 08-08-2081
राहु	08-08-2081	- 10-01-2082
गुरु	10-01-2082	- 28-05-2082
शनि	28-05-2082	- 08-11-2082
बुध	08-11-2082	- 03-04-2083
केतु	03-04-2083	- 03-06-2083

बुध-सूर्य 87व7म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	03-06-2083	- 18-06-2083
चन्द्र	18-06-2083	- 14-07-2083
मंगल	14-07-2083	- 01-08-2083
राहु	01-08-2083	- 17-09-2083
गुरु	17-09-2083	- 28-10-2083
शनि	28-10-2083	- 16-12-2083
बुध	16-12-2083	- 29-01-2084
केतु	29-01-2084	- 16-02-2084
शुक्र	16-02-2084	- 08-04-2084

बुध-चन्द्र 88व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	08-04-2084	- 21-05-2084
मंगल	21-05-2084	- 21-06-2084
राहु	21-06-2084	- 06-09-2084
गुरु	06-09-2084	- 14-11-2084
शनि	14-11-2084	- 04-02-2085
बुध	04-02-2085	- 18-04-2085
केतु	18-04-2085	- 19-05-2085
शुक्र	19-05-2085	- 13-08-2085
सूर्य	13-08-2085	- 08-09-2085

बुध-मंगल 89व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	08-09-2085	- 29-09-2085
राहु	29-09-2085	- 22-11-2085
गुरु	22-11-2085	- 09-01-2086
शनि	09-01-2086	- 08-03-2086
बुध	08-03-2086	- 28-04-2086
केतु	28-04-2086	- 19-05-2086
शुक्र	19-05-2086	- 19-07-2086
सूर्य	19-07-2086	- 06-08-2086
चन्द्र	06-08-2086	- 05-09-2086

बुध-राहु 90व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	05-09-2086	- 23-01-2087
गुरु	23-01-2087	- 27-05-2087
शनि	27-05-2087	- 21-10-2087
बुध	21-10-2087	- 01-03-2088
केतु	01-03-2088	- 24-04-2088
शुक्र	24-04-2088	- 27-09-2088
सूर्य	27-09-2088	- 12-11-2088
चन्द्र	12-11-2088	- 29-01-2089
मंगल	29-01-2089	- 24-03-2089

बुध-गुरु 93व5म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-03-2089	- 13-07-2089
शनि	13-07-2089	- 21-11-2089
बुध	21-11-2089	- 18-03-2090
केतु	18-03-2090	- 05-05-2090
शुक्र	05-05-2090	- 20-09-2090
सूर्य	20-09-2090	- 01-11-2090
चन्द्र	01-11-2090	- 09-01-2091
मंगल	09-01-2091	- 26-02-2091
राहु	26-02-2091	- 30-06-2091

बुध-शनि 95व8म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	30-06-2091	- 03-12-2091
बुध	03-12-2091	- 20-04-2092
केतु	20-04-2092	- 16-06-2092
शुक्र	16-06-2092	- 27-11-2092
सूर्य	27-11-2092	- 15-01-2093
चन्द्र	15-01-2093	- 07-04-2093
मंगल	07-04-2093	- 04-06-2093
राहु	04-06-2093	- 29-10-2093
गुरु	29-10-2093	- 09-03-2094

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

केतु महादशा : 09-03-2094 से 10-03-2101

आयु : 98व 4म से 105व 4म

केतु-केतु

98व4म*

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
केतु	09-03-2094	- 18-03-2094
शुक्र	18-03-2094	- 12-04-2094
सूर्य	12-04-2094	- 19-04-2094
चन्द्र	19-04-2094	- 02-05-2094
मंगल	02-05-2094	- 10-05-2094
राहु	10-05-2094	- 02-06-2094
गुरु	02-06-2094	- 22-06-2094
शनि	22-06-2094	- 15-07-2094
बुध	15-07-2094	- 05-08-2094

केतु-शुक्र

98व9म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	05-08-2094	- 15-10-2094
सूर्य	15-10-2094	- 06-11-2094
चन्द्र	06-11-2094	- 11-12-2094
मंगल	11-12-2094	- 05-01-2095
राहु	05-01-2095	- 10-03-2095
गुरु	10-03-2095	- 06-05-2095
शनि	06-05-2095	- 12-07-2095
बुध	12-07-2095	- 11-09-2095
केतु	11-09-2095	- 05-10-2095

केतु-सूर्य

99व11म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	05-10-2095	- 12-10-2095
चन्द्र	12-10-2095	- 23-10-2095
मंगल	23-10-2095	- 30-10-2095
राहु	30-10-2095	- 18-11-2095
गुरु	18-11-2095	- 05-12-2095
शनि	05-12-2095	- 25-12-2095
बुध	25-12-2095	- 13-01-2096
केतु	13-01-2096	- 20-01-2096
शुक्र	20-01-2096	- 10-02-2096

केतु-चन्द्र

100व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	10-02-2096	- 28-02-2096
मंगल	28-02-2096	- 11-03-2096
राहु	11-03-2096	- 12-04-2096
गुरु	12-04-2096	- 11-05-2096
शनि	11-05-2096	- 14-06-2096
बुध	14-06-2096	- 14-07-2096
केतु	14-07-2096	- 26-07-2096
शुक्र	26-07-2096	- 31-08-2096
सूर्य	31-08-2096	- 10-09-2096

केतु-मंगल

100व10म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-09-2096	- 19-09-2096
राहु	19-09-2096	- 11-10-2096
गुरु	11-10-2096	- 31-10-2096
शनि	31-10-2096	- 24-11-2096
बुध	24-11-2096	- 15-12-2096
केतु	15-12-2096	- 24-12-2096
शुक्र	24-12-2096	- 18-01-2097
सूर्य	18-01-2097	- 25-01-2097
चन्द्र	25-01-2097	- 07-02-2097

केतु-राहु

101व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-02-2097	- 05-04-2097
गुरु	05-04-2097	- 26-05-2097
शनि	26-05-2097	- 26-07-2097
बुध	26-07-2097	- 18-09-2097
केतु	18-09-2097	- 11-10-2097
शुक्र	11-10-2097	- 14-12-2097
सूर्य	14-12-2097	- 02-01-2098
चन्द्र	02-01-2098	- 03-02-2098
मंगल	03-02-2098	- 25-02-2098

केतु-गुरु

102व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
गुरु	25-02-2098	- 11-04-2098
शनि	11-04-2098	- 04-06-2098
बुध	04-06-2098	- 23-07-2098
केतु	23-07-2098	- 12-08-2098
शुक्र	12-08-2098	- 07-10-2098
सूर्य	07-10-2098	- 24-10-2098
चन्द्र	24-10-2098	- 22-11-2098
मंगल	22-11-2098	- 12-12-2098
राहु	12-12-2098	- 01-02-2099

केतु-शनि

103व3म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
शनि	01-02-2099	- 06-04-2099
बुध	06-04-2099	- 02-06-2099
केतु	02-06-2099	- 26-06-2099
शुक्र	26-06-2099	- 01-09-2099
सूर्य	01-09-2099	- 22-09-2099
चन्द्र	22-09-2099	- 25-10-2099
मंगल	25-10-2099	- 18-11-2099
राहु	18-11-2099	- 18-01-2100
गुरु	18-01-2100	- 13-03-2100

केतु-बुध

104व4म

प्रत्यंतर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-03-2100	- 03-05-2100
केतु	03-05-2100	- 24-05-2100
शुक्र	24-05-2100	- 24-07-2100
सूर्य	24-07-2100	- 11-08-2100
चन्द्र	11-08-2100	- 10-09-2100
मंगल	10-09-2100	- 01-10-2100
राहु	01-10-2100	- 24-11-2100
गुरु	24-11-2100	- 12-01-2101
शनि	12-01-2101	- 10-03-2101

आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

मंगल-चंद्र-बुध

आरम्भ	11-12-2023
अन्त	11-01-2024
बुध	16-12-2023 06:15
केतु	18-12-2023 00:31
शुक्र	23-12-2023 01:15
सूर्य	24-12-2023 13:28
चंद्र	27-12-2023 01:50
मंगल	28-12-2023 20:05
राहु	02-01-2024 08:45
गुरु	06-01-2024 09:20
शनि	11-01-2024 04:02

मंगल-चंद्र-केतु

आरम्भ	11-01-2024
अन्त	23-01-2024
केतु	11-01-2024 21:26
शुक्र	13-01-2024 23:08
सूर्य	14-01-2024 14:03
चंद्र	15-01-2024 14:55
मंगल	16-01-2024 08:19
राहु	18-01-2024 05:03
गुरु	19-01-2024 20:49
शनि	21-01-2024 20:03
बुध	23-01-2024 14:19

मंगल-चंद्र-शुक्र

आरम्भ	23-01-2024
अन्त	28-02-2024
शुक्र	29-01-2024 12:21
सूर्य	31-01-2024 06:58
चंद्र	03-02-2024 05:59
मंगल	05-02-2024 07:41
राहु	10-02-2024 15:32
गुरु	15-02-2024 09:09
शनि	21-02-2024 00:06
बुध	26-02-2024 00:50
केतु	28-02-2024 02:32

मंगल-चंद्र-सूर्य

आरम्भ	28-02-2024
अन्त	09-03-2024
सूर्य	28-02-2024 15:19
चंद्र	29-02-2024 12:38
मंगल	01-03-2024 03:33
राहु	02-03-2024 17:54
गुरु	04-03-2024 03:59
शनि	05-03-2024 20:28
बुध	07-03-2024 08:41
केतु	07-03-2024 23:36
शुक्र	09-03-2024 18:13

राहु-राहु-राहु

आरम्भ	09-03-2024
अन्त	04-08-2024
राहु	31-03-2024 22:44
गुरु	20-04-2024 16:05
शनि	14-05-2024 02:12
बुध	04-06-2024 01:08
केतु	12-06-2024 16:14
शुक्र	07-07-2024 07:55
सूर्य	14-07-2024 17:26
चंद्र	27-07-2024 01:16
मंगल	04-08-2024 16:22

राहु-राहु-गुरु

आरम्भ	04-08-2024
अन्त	14-12-2024
गुरु	22-08-2024 05:07
शनि	12-09-2024 00:46
बुध	30-09-2024 15:50
केतु	08-10-2024 07:55
शुक्र	30-10-2024 05:52
सूर्य	05-11-2024 19:39
चंद्र	16-11-2024 18:37
मंगल	24-11-2024 10:42
राहु	14-12-2024 04:03

राहु-राहु-शनि

आरम्भ	14-12-2024
अन्त	19-05-2025
शनि	07-01-2025 21:24
बुध	30-01-2025 00:16
केतु	08-02-2025 02:52
शुक्र	06-03-2025 03:26
सूर्य	13-03-2025 22:48
चंद्र	26-03-2025 23:05
मंगल	05-04-2025 01:41
राहु	28-04-2025 11:47
गुरु	19-05-2025 07:26

राहु-राहु-बुध

आरम्भ	19-05-2025
अन्त	06-10-2025
बुध	08-06-2025 02:26
केतु	16-06-2025 06:02
शुक्र	09-07-2025 12:51
सूर्य	16-07-2025 12:30
चंद्र	28-07-2025 03:54
मंगल	05-08-2025 07:29
राहु	26-08-2025 06:26
गुरु	13-09-2025 21:29
शनि	06-10-2025 00:22

राहु-राहु-केतु

आरम्भ	06-10-2025
अन्त	02-12-2025
केतु	09-10-2025 08:54
शुक्र	18-10-2025 23:00
सूर्य	21-10-2025 20:02
चंद्र	26-10-2025 15:05
मंगल	29-10-2025 23:37
राहु	07-11-2025 14:43
गुरु	15-11-2025 06:48
शनि	24-11-2025 09:24
बुध	02-12-2025 12:59

राहु-राहु-शुक्र

आरम्भ	02-12-2025
अन्त	15-05-2026
शुक्र	29-12-2025 22:25
सूर्य	07-01-2026 03:39
चंद्र	20-01-2026 20:22
मंगल	30-01-2026 10:28
राहु	24-02-2026 02:10
गुरु	18-03-2026 00:06
शनि	13-04-2026 00:40
बुध	06-05-2026 07:30
केतु	15-05-2026 21:36

राहु-राहु-सूर्य

आरम्भ	15-05-2026
अन्त	04-07-2026
सूर्य	18-05-2026 08:46
चंद्र	22-05-2026 11:23
मंगल	25-05-2026 08:25
राहु	01-06-2026 17:55
गुरु	08-06-2026 07:42
शनि	16-06-2026 03:04
बुध	23-06-2026 02:43
केतु	25-06-2026 23:45
शुक्र	04-07-2026 04:59

राहु-राहु-चंद्र

आरम्भ	04-07-2026
अन्त	24-09-2026
चंद्र	11-07-2026 01:20
मंगल	15-07-2026 20:23
राहु	28-07-2026 04:14
गुरु	08-08-2026 03:13
शनि	21-08-2026 03:30
बुध	01-09-2026 18:54
केतु	06-09-2026 13:57
शुक्र	20-09-2026 06:40
सूर्य	24-09-2026 09:17



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राहु-राहु-मंगल

आरम्भ	24-09-2026
अन्त	20-11-2026
मंगल	27-09-2026 17:49
राहु	06-10-2026 08:55
गुरु	14-10-2026 01:00
शनि	23-10-2026 03:36
बुध	31-10-2026 07:11
केतु	03-11-2026 15:43
शुक्र	13-11-2026 05:49
सूर्य	16-11-2026 02:51
चंद्र	20-11-2026 21:54

राहु-गुरु-गुरु

आरम्भ	20-11-2026
अन्त	17-03-2027
गुरु	06-12-2026 11:55
शनि	25-12-2026 00:03
बुध	10-01-2027 13:26
केतु	17-01-2027 09:03
शुक्र	05-02-2027 20:34
सूर्य	11-02-2027 16:49
चंद्र	21-02-2027 10:35
मंगल	28-02-2027 06:12
राहु	17-03-2027 18:58

राहु-गुरु-शनि

आरम्भ	17-03-2027
अन्त	03-08-2027
शनि	08-04-2027 18:22
बुध	28-04-2027 10:16
केतु	06-05-2027 12:35
शुक्र	29-05-2027 15:45
सूर्य	05-06-2027 14:18
चंद्र	17-06-2027 03:53
मंगल	25-06-2027 06:11
राहु	16-07-2027 01:50
गुरु	03-08-2027 13:58

राहु-गुरु-बुध

आरम्भ	03-08-2027
अन्त	05-12-2027
बुध	21-08-2027 04:12
केतु	28-08-2027 10:03
शुक्र	18-09-2027 02:47
सूर्य	24-09-2027 07:48
चंद्र	04-10-2027 16:10
मंगल	11-10-2027 22:01
राहु	30-10-2027 13:04
गुरु	16-11-2027 02:27
शनि	05-12-2027 18:21

राहु-गुरु-केतु

आरम्भ	05-12-2027
अन्त	25-01-2028
केतु	08-12-2027 17:56
शुक्र	17-12-2027 06:28
सूर्य	19-12-2027 19:50
चंद्र	24-12-2027 02:06
मंगल	27-12-2027 01:41
राहु	03-01-2028 17:46
गुरु	10-01-2028 13:24
शनि	18-01-2028 15:42
बुध	25-01-2028 21:34

राहु-गुरु-शुक्र

आरम्भ	25-01-2028
अन्त	19-06-2028
शुक्र	19-02-2028 05:57
सूर्य	26-02-2028 13:16
चंद्र	09-03-2028 17:28
मंगल	18-03-2028 06:00
राहु	09-04-2028 03:57
गुरु	28-04-2028 15:27
शनि	21-05-2028 18:37
बुध	11-06-2028 11:21
केतु	19-06-2028 23:53

राहु-गुरु-सूर्य

आरम्भ	19-06-2028
अन्त	02-08-2028
सूर्य	22-06-2028 04:29
चंद्र	25-06-2028 20:08
मंगल	28-06-2028 09:30
राहु	04-07-2028 23:17
गुरु	10-07-2028 19:32
शनि	17-07-2028 18:05
बुध	23-07-2028 23:06
केतु	26-07-2028 12:28
शुक्र	02-08-2028 19:47

राहु-गुरु-चंद्र

आरम्भ	02-08-2028
अन्त	14-10-2028
चंद्र	08-08-2028 21:53
मंगल	13-08-2028 04:09
राहु	24-08-2028 03:07
गुरु	02-09-2028 20:53
शनि	14-09-2028 10:28
बुध	24-09-2028 18:50
केतु	29-09-2028 01:06
शुक्र	11-10-2028 05:17
सूर्य	14-10-2028 20:57

राहु-गुरु-मंगल

आरम्भ	14-10-2028
अन्त	05-12-2028
मंगल	17-10-2028 20:32
राहु	25-10-2028 12:37
गुरु	01-11-2028 08:15
शनि	09-11-2028 10:33
बुध	16-11-2028 16:25
केतु	19-11-2028 16:00
शुक्र	28-11-2028 04:32
सूर्य	30-11-2028 17:54
चंद्र	05-12-2028 00:10

राहु-गुरु-राहु

आरम्भ	05-12-2028
अन्त	15-04-2029
राहु	24-12-2028 17:31
गुरु	11-01-2029 06:16
शनि	01-02-2029 01:56
बुध	19-02-2029 16:59
केतु	27-02-2029 09:04
शुक्र	21-03-2029 07:01
सूर्य	27-03-2029 20:48
चंद्र	07-04-2029 19:46
मंगल	15-04-2029 11:51

राहु-शनि-शनि

आरम्भ	15-04-2029
अन्त	27-09-2029
शनि	11-05-2029 14:09
बुध	03-06-2029 22:32
केतु	13-06-2029 13:16
शुक्र	11-07-2029 00:32
सूर्य	19-07-2029 06:18
चंद्र	01-08-2029 23:56
मंगल	11-08-2029 14:41
राहु	05-09-2029 08:01
गुरु	29-01-2030 10:15
शनि	21-02-2030 18:37

राहु-शनि-बुध

आरम्भ	27-09-2029
अन्त	21-02-2030
बुध	18-10-2029 04:49
केतु	26-10-2029 19:16
शुक्र	20-11-2029 09:08
सूर्य	27-11-2029 18:06
चंद्र	10-12-2029 01:01
मंगल	18-12-2029 15:29
राहु	09-01-2030 18:21
गुरु	29-01-2030 10:15
शनि	21-02-2030 18:37



विंशोत्तरी प्रत्यंतर व सूक्ष्म दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

राहु-शनि-केतु		राहु-शनि-शुक्र		राहु-शनि-सूर्य		राहु-शनि-चंद्र	
आरम्भ	21-02-2030	आरम्भ	23-04-2030	आरम्भ	13-10-2030	आरम्भ	05-12-2030
अन्त	23-04-2030	अन्त	13-10-2030	अन्त	05-12-2030	अन्त	01-03-2031
केतु	25-02-2030 07:38	शुक्र	22-05-2030 09:54	सूर्य	16-10-2030 14:09	चंद्र	12-12-2030 06:19
शुक्र	07-03-2030 10:31	सूर्य	31-05-2030 02:05	चंद्र	20-10-2030 22:15	मंगल	17-12-2030 07:46
सूर्य	10-03-2030 11:23	चंद्र	14-06-2030 13:04	मंगल	23-10-2030 23:07	राहु	30-12-2030 08:03
चंद्र	15-03-2030 12:50	मंगल	24-06-2030 15:57	राहु	31-10-2030 18:29	गुरु	10-01-2031 21:38
मंगल	19-03-2030 01:50	राहु	20-07-2030 16:31	गुरु	07-11-2030 17:02	शनि	24-01-2031 15:16
राहु	28-03-2030 04:26	गुरु	12-08-2030 19:41	शनि	15-11-2030 22:49	बुध	05-02-2031 22:12
गुरु	05-04-2030 06:45	शनि	09-09-2030 06:57	बुध	23-11-2030 07:46	केतु	10-02-2031 23:38
शनि	14-04-2030 21:29	बुध	03-10-2030 20:49	केतु	26-11-2030 08:38	शुक्र	25-02-2031 10:37
बुध	23-04-2030 11:56	केतु	13-10-2030 23:42	शुक्र	05-12-2030 00:50	सूर्य	01-03-2031 18:43

राहु-शनि-मंगल		राहु-शनि-राहु		राहु-शनि-गुरु		राहु-बुध-बुध	
आरम्भ	01-03-2031	आरम्भ	01-05-2031	आरम्भ	04-10-2031	आरम्भ	20-02-2032
अन्त	01-05-2031	अन्त	04-10-2031	अन्त	20-02-2032	अन्त	01-07-2032
मंगल	05-03-2031 07:43	राहु	24-05-2031 22:08	गुरु	23-10-2031 03:33	बुध	10-03-2032 03:02
राहु	14-03-2031 10:19	गुरु	14-06-2031 17:47	शनि	14-11-2031 02:57	केतु	17-03-2032 19:45
गुरु	22-03-2031 12:38	शनि	09-07-2031 11:07	बुध	03-12-2031 18:51	शुक्र	08-04-2032 19:31
शनि	01-04-2031 03:22	बुध	31-07-2031 14:00	केतु	11-12-2031 21:09	सूर्य	15-04-2032 09:51
बुध	09-04-2031 17:49	केतु	09-08-2031 16:36	शुक्र	04-01-2032 00:19	चंद्र	26-04-2032 09:45
केतु	13-04-2031 06:50	शुक्र	04-09-2031 17:10	सूर्य	10-01-2032 22:52	मंगल	04-05-2032 02:28
शुक्र	23-04-2031 09:43	सूर्य	12-09-2031 12:32	चंद्र	22-01-2032 12:28	राहु	23-05-2032 21:28
सूर्य	26-04-2031 10:35	चंद्र	25-09-2031 12:49	मंगल	30-01-2032 14:46	गुरु	10-06-2032 11:41
चंद्र	01-05-2031 12:02	मंगल	04-10-2031 15:25	राहु	20-02-2032 10:25	शनि	01-07-2032 09:04

राहु-बुध-केतु		राहु-बुध-शुक्र		राहु-बुध-सूर्य		राहु-बुध-चंद्र	
आरम्भ	01-07-2032	आरम्भ	24-08-2032	आरम्भ	26-01-2033	आरम्भ	14-03-2033
अन्त	24-08-2032	अन्त	26-01-2033	अन्त	14-03-2033	अन्त	31-05-2033
केतु	04-07-2032 13:08	शुक्र	19-09-2032 13:54	सूर्य	29-01-2033 06:20	चंद्र	20-03-2033 23:19
शुक्र	13-07-2032 14:27	सूर्य	27-09-2032 08:10	चंद्र	02-02-2033 03:28	मंगल	25-03-2033 11:59
सूर्य	16-07-2032 07:39	चंद्र	10-10-2032 06:37	मंगल	04-02-2033 20:40	राहु	06-04-2033 03:24
चंद्र	20-07-2032 20:18	मंगल	19-10-2032 07:57	राहु	11-02-2033 20:19	गुरु	16-04-2033 11:45
मंगल	24-07-2032 00:22	राहु	11-11-2032 14:46	गुरु	18-02-2033 01:20	शनि	28-04-2033 18:41
राहु	01-08-2032 03:57	गुरु	02-12-2032 07:30	शनि	25-02-2033 10:18	बुध	09-05-2033 18:35
गुरु	08-08-2032 09:49	शनि	26-12-2032 21:22	बुध	04-03-2033 00:38	केतु	14-05-2033 07:14
शनि	17-08-2032 00:16	बुध	17-01-2033 21:08	केतु	06-03-2033 17:49	शुक्र	27-05-2033 05:42
बुध	24-08-2032 16:59	केतु	26-01-2033 22:27	शुक्र	14-03-2033 12:06	सूर्य	31-05-2033 02:50



अष्टोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र 6वर्ष 4मास 3दिन
जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (15व)		० वर्ष - ६वर्ष ४म	मंगल (८व)		६वर्ष ४म - १४वर्ष ४म	बुध (१७व)		१४वर्ष ४म - ३१वर्ष ४म
अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		-	मंगल	24-02-2002 - 28-09-2002		बुध	24-02-2010 - 28-10-2012	
मंगल		-	बुध	28-09-2002 - 01-01-2004		शनि	28-10-2012 - 26-05-2014	
बुध		-	शनि	01-01-2004 - 28-09-2004		गुरु	26-05-2014 - 22-05-2017	
शनि		-	गुरु	28-09-2004 - 24-02-2006		राहु	22-05-2017 - 12-04-2019	
गुरु	21-10-1995 - 24-09-1996		राहु	24-02-2006 - 14-01-2007		शुक्र	12-04-2019 - 01-08-2022	
राहु	24-09-1996 - 26-05-1998		शुक्र	14-01-2007 - 04-08-2008		सूर्य	01-08-2022 - 12-07-2023	
शुक्र	26-05-1998 - 25-04-2001		सूर्य	04-08-2008 - 14-01-2009		चन्द्र	12-07-2023 - 21-11-2025	
सूर्य	25-04-2001 - 24-02-2002		चन्द्र	14-01-2009 - 24-02-2010		मंगल	21-11-2025 - 24-02-2027	

शनि (10व)		३१वर्ष ४म - ४१वर्ष ४म	गुरु (१९व)		४१वर्ष ४म - ६०वर्ष ४म	राहु (१२व)		६०वर्ष ४म - ७२वर्ष ४म
अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-02-2027 - 28-01-2028		गुरु	23-02-2037 - 28-06-2040		राहु	24-02-2056 - 25-06-2057	
गुरु	28-01-2028 - 31-10-2029		राहु	28-06-2040 - 08-08-2042		शुक्र	25-06-2057 - 25-10-2059	
राहु	31-10-2029 - 11-12-2030		शुक्र	08-08-2042 - 18-04-2046		सूर्य	25-10-2059 - 24-06-2060	
शुक्र	11-12-2030 - 21-11-2032		सूर्य	18-04-2046 - 09-05-2047		चन्द्र	24-06-2060 - 23-02-2062	
सूर्य	21-11-2032 - 11-06-2033		चन्द्र	09-05-2047 - 28-12-2049		मंगल	23-02-2062 - 14-01-2063	
चन्द्र	11-06-2033 - 01-11-2034		मंगल	28-12-2049 - 26-05-2051		बुध	14-01-2063 - 04-12-2064	
मंगल	01-11-2034 - 29-07-2035		बुध	26-05-2051 - 22-05-2054		शनि	04-12-2064 - 14-01-2066	
बुध	29-07-2035 - 23-02-2037		शनि	22-05-2054 - 24-02-2056		गुरु	14-01-2066 - 24-02-2068	

शुक्र (२१व)		७२वर्ष ४म - ९३वर्ष ४म	सूर्य (६व)		९३वर्ष ४म - ९९वर्ष ४म
अन्तर	आरम्भ	अन्त	अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-02-2068 - 25-03-2072		सूर्य	23-02-2089 - 25-06-2089	
सूर्य	25-03-2072 - 25-05-2073		चन्द्र	25-06-2089 - 25-04-2090	
चन्द्र	25-05-2073 - 24-04-2076		मंगल	25-04-2090 - 04-10-2090	
मंगल	24-04-2076 - 14-11-2077		बुध	04-10-2090 - 14-09-2091	
बुध	14-11-2077 - 05-03-2081		शनि	14-09-2091 - 04-04-2092	
शनि	05-03-2081 - 13-02-2083		गुरु	04-04-2092 - 25-04-2093	
गुरु	13-02-2083 - 25-10-2086		राहु	25-04-2093 - 24-12-2093	
राहु	25-10-2086 - 23-02-2089		शुक्र	24-12-2093 - 23-02-2095	

अष्टोत्तरी दशा लागू करने का नियम :

लग्न के अतिरिक्त राहु लग्नेश से केन्द्र या त्रिकोण में हो या कृष्णपक्ष में दिन में या शुक्लपक्ष में रात्रि में जन्म हो।



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

चंद्र-गुरु		चंद्र-राहु		चंद्र-शुक्र		चंद्र-सूर्य		मंगल-मंगल	
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	24-09-1996	आरम्भ	26-05-1998	आरम्भ	25-04-2001	आरम्भ	24-02-2002
अन्त	24-09-1996	अन्त	26-05-1998	अन्त	25-04-2001	अन्त	24-02-2002	अन्त	28-09-2002
गुरु		राहु	01-12-1996	शुक्र	19-12-1998	सूर्य	12-05-2001	मंगल	12-03-2002
राहु		शुक्र	29-03-1997	सूर्य	16-02-1999	चंद्र	24-06-2001	बुध	15-04-2002
शुक्र		सूर्य	02-05-1997	चंद्र	14-07-1999	मंगल	16-07-2001	शनि	05-05-2002
सूर्य		चंद्र	26-07-1997	मंगल	01-10-1999	बुध	02-09-2001	गुरु	12-06-2002
चंद्र	17-11-1995	मंगल	09-09-1997	बुध	17-03-2000	शनि	30-09-2001	राहु	06-07-2002
मंगल	27-01-1996	बुध	14-12-1997	शनि	24-06-2000	गुरु	23-11-2001	शुक्र	17-08-2002
बुध	27-06-1996	शनि	08-02-1998	गुरु	28-12-2000	राहु	27-12-2001	सूर्य	29-08-2002
शनि	24-09-1996	गुरु	26-05-1998	राहु	25-04-2001	शुक्र	24-02-2002	चंद्र	28-09-2002

मंगल-बुध		मंगल-शनि		मंगल-गुरु		मंगल-राहु		मंगल-शुक्र	
आरम्भ	28-09-2002	आरम्भ	01-01-2004	आरम्भ	28-09-2004	आरम्भ	24-02-2006	आरम्भ	14-01-2007
अन्त	01-01-2004	अन्त	28-09-2004	अन्त	24-02-2006	अन्त	14-01-2007	अन्त	04-08-2008
बुध	10-12-2002	शनि	26-01-2004	गुरु	27-12-2004	राहु	01-04-2006	शुक्र	05-05-2007
शनि	21-01-2003	गुरु	14-03-2004	राहु	22-02-2005	शुक्र	03-06-2006	सूर्य	05-06-2007
गुरु	12-04-2003	राहु	13-04-2004	शुक्र	02-06-2005	सूर्य	21-06-2006	चंद्र	23-08-2007
राहु	02-06-2003	शुक्र	04-06-2004	सूर्य	01-07-2005	चंद्र	05-08-2006	मंगल	04-10-2007
शुक्र	31-08-2003	सूर्य	19-06-2004	चंद्र	10-09-2005	मंगल	29-08-2006	बुध	02-01-2008
सूर्य	25-09-2003	चंद्र	27-07-2004	मंगल	18-10-2005	बुध	19-10-2006	शनि	23-02-2008
चंद्र	28-11-2003	मंगल	16-08-2004	बुध	07-01-2006	शनि	18-11-2006	गुरु	02-06-2008
मंगल	01-01-2004	बुध	28-09-2004	शनि	24-02-2006	राहु	14-01-2007	राहु	04-08-2008

मंगल-सूर्य		मंगल-चंद्र		बुध-बुध		बुध-शनि		बुध-गुरु	
आरम्भ	04-08-2008	आरम्भ	14-01-2009	आरम्भ	24-02-2010	आरम्भ	28-10-2012	आरम्भ	26-05-2014
अन्त	14-01-2009	अन्त	24-02-2010	अन्त	28-10-2012	अन्त	26-05-2014	अन्त	22-05-2017
सूर्य	14-08-2008	चंद्र	11-03-2009	बुध	27-07-2010	शनि	20-12-2012	गुरु	04-12-2014
चंद्र	05-09-2008	मंगल	10-04-2009	शनि	26-10-2010	गुरु	31-03-2013	राहु	04-04-2015
मंगल	17-09-2008	बुध	13-06-2009	गुरु	16-04-2011	राहु	03-06-2013	शुक्र	03-11-2015
बुध	13-10-2008	शनि	21-07-2009	राहु	03-08-2011	शुक्र	23-09-2013	सूर्य	03-01-2016
शनि	28-10-2008	गुरु	30-09-2009	शुक्र	09-02-2012	सूर्य	25-10-2013	चंद्र	02-06-2016
गुरु	25-11-2008	राहु	14-11-2009	सूर्य	03-04-2012	चंद्र	13-01-2014	मंगल	22-08-2016
राहु	13-12-2008	शुक्र	01-02-2010	चंद्र	17-08-2012	मंगल	24-02-2014	बुध	10-02-2017
शुक्र	14-01-2009	सूर्य	24-02-2010	मंगल	28-10-2012	बुध	26-05-2014	शनि	22-05-2017



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

बुध-राहु		बुध-शुक्र		बुध-सूर्य		बुध-चंद्र		बुध-मंगल	
आरम्भ	22-05-2017	आरम्भ	12-04-2019	आरम्भ	01-08-2022	आरम्भ	12-07-2023	आरम्भ	21-11-2025
अन्त	12-04-2019	अन्त	01-08-2022	अन्त	12-07-2023	अन्त	21-11-2025	अन्त	24-02-2027
राहु	07-08-2017	शुक्र	03-12-2019	सूर्य	21-08-2022	चंद्र	09-11-2023	मंगल	25-12-2025
शुक्र	19-12-2017	सूर्य	08-02-2020	चंद्र	08-10-2022	मंगल	12-01-2024	बुध	07-03-2026
सूर्य	26-01-2018	चंद्र	25-07-2020	मंगल	02-11-2022	बुध	27-05-2024	शनि	19-04-2026
चंद्र	02-05-2018	मंगल	22-10-2020	बुध	26-12-2022	शनि	15-08-2024	गुरु	09-07-2026
मंगल	22-06-2018	बुध	30-04-2021	शनि	27-01-2023	गुरु	13-01-2025	राहु	29-08-2026
बुध	09-10-2018	शनि	20-08-2021	गुरु	29-03-2023	राहु	19-04-2025	शुक्र	26-11-2026
शनि	12-12-2018	गुरु	20-03-2022	राहु	06-05-2023	शुक्र	04-10-2025	सूर्य	22-12-2026
गुरु	12-04-2019	राहु	01-08-2022	शुक्र	12-07-2023	सूर्य	21-11-2025	चंद्र	24-02-2027

शनि-शनि		शनि-गुरु		शनि-राहु		शनि-शुक्र		शनि-सूर्य	
आरम्भ	24-02-2027	आरम्भ	28-01-2028	आरम्भ	31-10-2029	आरम्भ	11-12-2030	आरम्भ	21-11-2032
अन्त	28-01-2028	अन्त	31-10-2029	अन्त	11-12-2030	अन्त	21-11-2032	अन्त	11-06-2033
शनि	27-03-2027	गुरु	20-05-2028	राहु	16-12-2029	शुक्र	28-04-2031	सूर्य	02-12-2032
गुरु	26-05-2027	राहु	30-07-2028	शुक्र	04-03-2030	सूर्य	07-06-2031	चंद्र	30-12-2032
राहु	02-07-2027	शुक्र	02-12-2028	सूर्य	27-03-2030	चंद्र	14-09-2031	मंगल	14-01-2033
शुक्र	06-09-2027	सूर्य	07-01-2029	चंद्र	22-05-2030	मंगल	05-11-2031	बुध	15-02-2033
सूर्य	25-09-2027	चंद्र	06-04-2029	मंगल	21-06-2030	बुध	25-02-2032	शनि	06-03-2033
चंद्र	11-11-2027	मंगल	24-05-2029	बुध	24-08-2030	शनि	01-05-2032	गुरु	10-04-2033
मंगल	06-12-2027	बुध	02-09-2029	शनि	01-10-2030	गुरु	03-09-2032	राहु	03-05-2033
बुध	28-01-2028	शनि	31-10-2029	गुरु	11-12-2030	राहु	21-11-2032	शुक्र	11-06-2033

शनि-चंद्र		शनि-मंगल		शनि-बुध		गुरु-गुरु		गुरु-राहु	
आरम्भ	11-06-2033	आरम्भ	01-11-2034	आरम्भ	29-07-2035	आरम्भ	23-02-2037	आरम्भ	28-06-2040
अन्त	01-11-2034	अन्त	29-07-2035	अन्त	23-02-2037	अन्त	28-06-2040	अन्त	08-08-2042
चंद्र	21-08-2033	मंगल	21-11-2034	बुध	28-10-2035	गुरु	26-09-2037	राहु	22-09-2040
मंगल	27-09-2033	बुध	02-01-2035	शनि	20-12-2035	राहु	09-02-2038	शुक्र	19-02-2041
बुध	16-12-2033	शनि	27-01-2035	गुरु	30-03-2036	शुक्र	04-10-2038	सूर्य	02-04-2041
शनि	01-02-2034	गुरु	16-03-2035	राहु	02-06-2036	सूर्य	11-12-2038	चंद्र	19-07-2041
गुरु	02-05-2034	राहु	15-04-2035	शुक्र	22-09-2036	चंद्र	29-05-2039	मंगल	14-09-2041
राहु	27-06-2034	शुक्र	07-06-2035	सूर्य	24-10-2036	मंगल	28-08-2039	बुध	13-01-2042
शुक्र	04-10-2034	सूर्य	22-06-2035	चंद्र	12-01-2037	बुध	07-03-2040	शनि	25-03-2042
सूर्य	01-11-2034	चंद्र	29-07-2035	मंगल	23-02-2037	शनि	28-06-2040	गुरु	08-08-2042



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

गुरु-शुक्र		गुरु-सूर्य		गुरु-चंद्र		गुरु-मंगल		गुरु-बुध	
आरम्भ	08-08-2042	आरम्भ	18-04-2046	आरम्भ	09-05-2047	आरम्भ	28-12-2049	आरम्भ	26-05-2051
अन्त	18-04-2046	अन्त	09-05-2047	अन्त	28-12-2049	अन्त	26-05-2051	अन्त	22-05-2054
शुक्र	27-04-2043	सूर्य	10-05-2046	चंद्र	20-09-2047	मंगल	04-02-2050	बुध	14-11-2051
सूर्य	11-07-2043	चंद्र	02-07-2046	मंगल	30-11-2047	बुध	26-04-2050	शनि	23-02-2052
चंद्र	15-01-2044	मंगल	31-07-2046	बुध	30-04-2048	शनि	12-06-2050	गुरु	02-09-2052
मंगल	24-04-2044	बुध	30-09-2046	शनि	28-07-2048	गुरु	11-09-2050	राहु	02-01-2053
बुध	22-11-2044	शनि	04-11-2046	गुरु	14-01-2049	राहु	07-11-2050	शुक्र	02-08-2053
शनि	27-03-2045	गुरु	11-01-2047	राहु	01-05-2049	शुक्र	15-02-2051	सूर्य	02-10-2053
गुरु	20-11-2045	राहु	23-02-2047	शुक्र	04-11-2049	सूर्य	15-03-2051	चंद्र	02-03-2054
राहु	18-04-2046	शुक्र	09-05-2047	सूर्य	28-12-2049	चंद्र	26-05-2051	मंगल	22-05-2054

गुरु-शनि		राहु-राहु		राहु-शुक्र		राहु-सूर्य		राहु-चंद्र	
आरम्भ	22-05-2054	आरम्भ	24-02-2056	आरम्भ	25-06-2057	आरम्भ	25-10-2059	आरम्भ	24-06-2060
अन्त	24-02-2056	अन्त	25-06-2057	अन्त	25-10-2059	अन्त	24-06-2060	अन्त	23-02-2062
शनि	21-07-2054	राहु	18-04-2056	शुक्र	07-12-2057	सूर्य	08-11-2059	चंद्र	17-09-2060
गुरु	11-11-2054	शुक्र	22-07-2056	सूर्य	24-01-2058	चंद्र	11-12-2059	मंगल	01-11-2060
राहु	21-01-2055	सूर्य	18-08-2056	चंद्र	22-05-2058	मंगल	29-12-2059	बुध	05-02-2061
शुक्र	26-05-2055	चंद्र	24-10-2056	मंगल	24-07-2058	बुध	06-02-2060	शनि	02-04-2061
सूर्य	01-07-2055	मंगल	29-11-2056	बुध	05-12-2058	शनि	28-02-2060	गुरु	18-07-2061
चंद्र	28-09-2055	बुध	14-02-2057	शनि	22-02-2059	गुरु	11-04-2060	राहु	24-09-2061
मंगल	15-11-2055	शनि	31-03-2057	गुरु	22-07-2059	राहु	08-05-2060	शुक्र	20-01-2062
बुध	24-02-2056	गुरु	25-06-2057	राहु	25-10-2059	शुक्र	24-06-2060	सूर्य	23-02-2062

राहु-मंगल		राहु-बुध		राहु-शनि		राहु-गुरु		शुक्र-शुक्र	
आरम्भ	23-02-2062	आरम्भ	14-01-2063	आरम्भ	04-12-2064	आरम्भ	14-01-2066	आरम्भ	24-02-2068
अन्त	14-01-2063	अन्त	04-12-2064	अन्त	14-01-2066	अन्त	24-02-2068	अन्त	25-03-2072
मंगल	19-03-2062	बुध	02-05-2063	शनि	10-01-2065	गुरु	29-05-2066	शुक्र	10-12-2068
बुध	09-05-2062	शनि	05-07-2063	गुरु	23-03-2065	राहु	23-08-2066	सूर्य	03-03-2069
शनि	08-06-2062	गुरु	04-11-2063	राहु	07-05-2065	शुक्र	20-01-2067	चंद्र	26-09-2069
गुरु	05-08-2062	राहु	19-01-2064	शुक्र	25-07-2065	सूर्य	04-03-2067	मंगल	14-01-2070
राहु	10-09-2062	शुक्र	02-06-2064	सूर्य	16-08-2065	चंद्र	19-06-2067	बुध	06-09-2070
शुक्र	12-11-2062	सूर्य	10-07-2064	चंद्र	12-10-2065	मंगल	15-08-2067	शनि	22-01-2071
सूर्य	30-11-2062	चंद्र	14-10-2064	मंगल	11-11-2065	बुध	14-12-2067	गुरु	11-10-2071
चंद्र	14-01-2063	मंगल	04-12-2064	बुध	14-01-2066	शनि	24-02-2068	राहु	25-03-2072



अष्टोत्तरी अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं।

शुक्र-सूर्य		शुक्र-चंद्र		शुक्र-मंगल		शुक्र-बुध		शुक्र-शनि	
आरम्भ	25-03-2072	आरम्भ	25-05-2073	आरम्भ	24-04-2076	आरम्भ	14-11-2077	आरम्भ	05-03-2081
अन्त	25-05-2073	अन्त	24-04-2076	अन्त	14-11-2077	अन्त	05-03-2081	अन्त	13-02-2083
सूर्य	18-04-2072	चंद्र	20-10-2073	मंगल	06-06-2076	बुध	23-05-2078	शनि	10-05-2081
चंद्र	16-06-2072	मंगल	07-01-2074	बुध	03-09-2076	शनि	11-09-2078	गुरु	12-09-2081
मंगल	18-07-2072	बुध	24-06-2074	शनि	26-10-2076	गुरु	12-04-2079	राहु	30-11-2081
बुध	23-09-2072	शनि	30-09-2074	गुरु	03-02-2077	राहु	24-08-2079	शुक्र	17-04-2082
शनि	01-11-2072	गुरु	06-04-2075	राहु	07-04-2077	शुक्र	15-04-2080	सूर्य	26-05-2082
गुरु	15-01-2073	राहु	02-08-2075	शुक्र	26-07-2077	सूर्य	21-06-2080	चंद्र	02-09-2082
राहु	03-03-2073	शुक्र	25-02-2076	सूर्य	27-08-2077	चंद्र	06-12-2080	मंगल	24-10-2082
शुक्र	25-05-2073	सूर्य	24-04-2076	चंद्र	14-11-2077	मंगल	05-03-2081	बुध	13-02-2083

शुक्र-गुरु		शुक्र-राहु		सूर्य-सूर्य		सूर्य-चंद्र		सूर्य-मंगल	
आरम्भ	13-02-2083	आरम्भ	25-10-2086	आरम्भ	23-02-2089	आरम्भ	25-06-2089	आरम्भ	25-04-2090
अन्त	25-10-2086	अन्त	23-02-2089	अन्त	25-06-2089	अन्त	25-04-2090	अन्त	04-10-2090
गुरु	09-10-2083	राहु	27-01-2087	सूर्य	02-03-2089	चंद्र	06-08-2089	मंगल	07-05-2090
राहु	06-03-2084	शुक्र	12-07-2087	चंद्र	18-03-2089	मंगल	28-08-2089	बुध	01-06-2090
शुक्र	24-11-2084	सूर्य	28-08-2087	मंगल	27-03-2089	बुध	15-10-2089	शनि	16-06-2090
सूर्य	07-02-2085	चंद्र	25-12-2087	बुध	16-04-2089	शनि	12-11-2089	गुरु	15-07-2090
चंद्र	13-08-2085	मंगल	26-02-2088	शनि	27-04-2089	गुरु	05-01-2090	राहु	02-08-2090
मंगल	21-11-2085	बुध	09-07-2088	गुरु	18-05-2089	राहु	08-02-2090	शुक्र	03-09-2090
बुध	22-06-2086	शनि	26-09-2088	राहु	01-06-2089	शुक्र	08-04-2090	सूर्य	12-09-2090
शनि	25-10-2086	गुरु	23-02-2089	शुक्र	25-06-2089	सूर्य	25-04-2090	चंद्र	04-10-2090

सूर्य-बुध		सूर्य-शनि		सूर्य-गुरु		सूर्य-राहु		सूर्य-शुक्र	
आरम्भ	04-10-2090	आरम्भ	14-09-2091	आरम्भ	04-04-2092	आरम्भ	25-04-2093	आरम्भ	24-12-2093
अन्त	14-09-2091	अन्त	04-04-2092	अन्त	25-04-2093	अन्त	24-12-2093	अन्त	23-02-2095
बुध	28-11-2090	शनि	03-10-2091	गुरु	11-06-2092	राहु	22-05-2093	शुक्र	17-03-2094
शनि	29-12-2090	गुरु	08-11-2091	राहु	24-07-2092	शुक्र	08-07-2093	सूर्य	10-04-2094
गुरु	28-02-2091	राहु	30-11-2091	शुक्र	07-10-2092	सूर्य	22-07-2093	चंद्र	08-06-2094
राहु	07-04-2091	शुक्र	09-01-2092	सूर्य	28-10-2092	चंद्र	24-08-2093	मंगल	09-07-2094
शुक्र	14-06-2091	सूर्य	20-01-2092	चंद्र	21-12-2092	मंगल	11-09-2093	बुध	14-09-2094
सूर्य	03-07-2091	चंद्र	17-02-2092	मंगल	18-01-2093	बुध	20-10-2093	शनि	24-10-2094
चंद्र	20-08-2091	मंगल	03-03-2092	बुध	20-03-2093	शनि	11-11-2093	गुरु	07-01-2095
मंगल	14-09-2091	बुध	04-04-2092	शनि	25-04-2093	गुरु	24-12-2093	राहु	23-02-2095



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(प्रथम चक्र)

भोग्य दशा : उल्का 1वर्ष 7मास 11दिन

उल्का (6व)		० वर्ष -	१व७म	सिद्धा (7व)		१व७म -	८व७म	संकटा (४व)		८व७म -	१६व७म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श			सिद्धा शु	02-06-1997	12-10-1998	संकटा रा	02-06-2004	13-03-2006	मंगला चं	13-03-2006	02-06-2006
सिद्धा शु			संकटा रा	12-10-1998	02-05-2000	मंगला चं	02-06-2006	11-11-2006	पिंगला सू	02-06-2006	11-11-2006
संकटा रा			मंगला चं	02-05-2000	12-07-2000	धान्या गु	11-11-2006	13-07-2007	धान्या गु	11-11-2006	13-07-2007
मंगला चं			पिंगला सू	12-07-2000	01-12-2000	भामरी मं	13-07-2007	01-06-2008	भामरी मं	13-07-2007	01-06-2008
पिंगला सू			धान्या गु	01-12-2000	02-07-2001	भद्रिकाबु	01-06-2008	12-07-2009	भद्रिकाबु	01-06-2008	12-07-2009
धान्या गु	21-10-1995	02-12-1995	भामरी मं	02-07-2001	12-04-2002	उल्का श	12-07-2009	11-11-2010	उल्का श	12-07-2009	11-11-2010
भामरी मं	02-12-1995	01-08-1996	भद्रिकाबु	12-04-2002	02-04-2003	सिद्धा शु	11-11-2010	01-06-2012	सिद्धा शु	11-11-2010	01-06-2012
भद्रिकाबु	01-08-1996	02-06-1997	उल्का श	02-04-2003	02-06-2004						

मंगला (१व)		१६व७म -	१७व७म	पिंगला (२व)		१७व७म -	१९व७म	धान्या (३व)		१९व७म -	२२व७म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	01-06-2012	12-06-2012	पिंगला सू	02-06-2013	12-07-2013	धान्या गु	02-06-2015	02-09-2015	धान्या गु	02-06-2015	02-09-2015
पिंगला सू	12-06-2012	02-07-2012	धान्या गु	12-07-2013	11-09-2013	भामरी मं	02-09-2015	01-01-2016	भामरी मं	02-09-2015	01-01-2016
धान्या गु	02-07-2012	01-08-2012	भामरी मं	11-09-2013	01-12-2013	भद्रिकाबु	01-01-2016	01-06-2016	भद्रिकाबु	01-01-2016	01-06-2016
भामरी मं	01-08-2012	11-09-2012	भद्रिकाबु	01-12-2013	13-03-2014	उल्का श	01-06-2016	01-12-2016	उल्का श	01-06-2016	01-12-2016
भद्रिकाबु	11-09-2012	01-11-2012	उल्का श	13-03-2014	13-07-2014	सिद्धा शु	01-12-2016	02-07-2017	सिद्धा शु	01-12-2016	02-07-2017
उल्का श	01-11-2012	01-01-2013	सिद्धा शु	13-07-2014	02-12-2014	संकटा रा	02-07-2017	03-03-2018	संकटा रा	02-07-2017	03-03-2018
सिद्धा शु	01-01-2013	13-03-2013	संकटा रा	02-12-2014	13-05-2015	मंगला चं	03-03-2018	02-04-2018	मंगला चं	03-03-2018	02-04-2018
संकटा रा	13-03-2013	02-06-2013	मंगला चं	13-05-2015	02-06-2015				पिंगला सू	02-04-2018	02-06-2018

भामरी (४व)		२२व७म -	२६व७म	भद्रिका (५व)		२६व७म -	३१व७म
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ
भामरी मं	02-06-2018	11-11-2018	भद्रिकाबु	02-06-2022	11-02-2023		
भद्रिकाबु	11-11-2018	02-06-2019	उल्का श	11-02-2023	12-12-2023		
उल्का श	02-06-2019	01-02-2020	सिद्धा शु	12-12-2023	01-12-2024		
सिद्धा शु	01-02-2020	11-11-2020	संकटा रा	01-12-2024	11-01-2026		
संकटा रा	11-11-2020	01-10-2021	मंगला चं	11-01-2026	03-03-2026		
मंगला चं	01-10-2021	11-11-2021	पिंगला सू	03-03-2026	12-06-2026		
पिंगला सू	11-11-2021	31-01-2022	धान्या गु	12-06-2026	11-11-2026		
धान्या गु	31-01-2022	02-06-2022	भामरी मं	11-11-2026	02-06-2027		



योगिनी महा व अन्तर दशाएं
(द्वितीय चक्र)

उल्का (6व)		31वर्षम - 37वर्षम		सिद्धा (7व)		37वर्षम - 44वर्षम		संकटा (8व)		44वर्षम - 52वर्षम	
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	02-06-2027	01-06-2028	सिद्धा शु	02-06-2033	12-10-2034	संकटा रा	01-06-2040	13-03-2042	मंगला चं	13-03-2042	02-06-2042
सिद्धा शु	01-06-2028	01-08-2029	संकटा रा	12-10-2034	02-05-2036	पिंगला सू	02-06-2042	11-11-2042	धान्या गु	11-11-2042	13-07-2043
संकटा रा	01-08-2029	01-12-2030	मंगला चं	02-05-2036	12-07-2036	भामरी मं	13-07-2043	01-06-2044	भद्रिका बु	01-06-2044	12-07-2045
मंगला चं	01-12-2030	31-01-2031	पिंगला सू	12-07-2036	01-12-2036	उल्का श	12-07-2045	11-11-2046	धान्या गु	02-06-2031	02-12-2031
पिंगला सू	31-01-2031	02-06-2031	धान्या गु	01-12-2036	02-07-2037	भद्रिका बु	01-06-2044	12-07-2045	भामरी मं	02-12-2031	01-08-2032
धान्या गु	02-06-2031	02-12-2031	भामरी मं	02-07-2037	12-04-2038	उल्का श	12-07-2045	11-11-2046	भद्रिका बु	01-08-2032	02-06-2033
भामरी मं	02-12-2031	01-08-2032	भद्रिका बु	12-04-2038	02-04-2039	सिद्धा शु	11-11-2046	01-06-2048	उल्का श	12-07-2045	11-11-2046
भद्रिका बु	01-08-2032	02-06-2033	उल्का श	02-04-2039	01-06-2040						

मंगला (1व)		52वर्षम - 53वर्षम		पिंगला (2व)		53वर्षम - 55वर्षम		धान्या (3व)		55वर्षम - 58वर्षम	
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	01-06-2048	11-06-2048	पिंगला सू	01-06-2049	12-07-2049	धान्या गु	02-06-2051	01-09-2051	धान्या गु	02-06-2051	01-09-2051
पिंगला सू	11-06-2048	02-07-2048	धान्या गु	12-07-2049	11-09-2049	भामरी मं	01-09-2051	01-01-2052	भामरी मं	01-09-2051	01-01-2052
धान्या गु	02-07-2048	01-08-2048	भामरी मं	11-09-2049	01-12-2049	भद्रिका बु	01-01-2052	01-06-2052	भद्रिका बु	01-01-2052	01-06-2052
भामरी मं	01-08-2048	11-09-2048	भद्रिका बु	01-12-2049	13-03-2050	उल्का श	01-06-2052	01-12-2052	उल्का श	01-06-2052	01-12-2052
भद्रिका बु	11-09-2048	31-10-2048	उल्का श	13-03-2050	12-07-2050	सिद्धा शु	01-07-2053	02-03-2053	सिद्धा शु	01-12-2052	02-07-2053
उल्का श	31-10-2048	31-12-2048	सिद्धा शु	12-07-2050	01-12-2050	संकटा रा	02-07-2053	02-03-2054	संकटा रा	02-07-2053	02-03-2054
सिद्धा शु	31-12-2048	12-03-2049	संकटा रा	01-12-2050	13-05-2051	मंगला चं	02-03-2054	02-04-2054	मंगला चं	02-03-2054	02-04-2054
संकटा रा	12-03-2049	01-06-2049	मंगला चं	13-05-2051	02-06-2051						

भामरी (4व)		58वर्षम - 62वर्षम		भद्रिका (5व)		62वर्षम - 67वर्षम	
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ
भामरी मं	02-06-2054	11-11-2054	भद्रिका बु	02-06-2058	10-02-2059	उल्का श	10-02-2059
भद्रिका बु	11-11-2054	02-06-2055	उल्का श	12-12-2059	12-12-2059	सिद्धा शु	12-12-2059
उल्का श	02-06-2055	31-01-2056	सिद्धा शु	01-12-2060	11-01-2062	संकटा रा	01-12-2060
सिद्धा शु	31-01-2056	10-11-2056	संकटा रा	11-01-2062	02-03-2062	मंगला चं	11-01-2062
संकटा रा	10-11-2056	01-10-2057	मंगला चं	11-01-2062	02-03-2062	पिंगला सू	02-03-2062
मंगला चं	01-10-2057	11-11-2057	पिंगला सू	12-06-2062	12-06-2062	धान्या गु	12-06-2062
पिंगला सू	11-11-2057	31-01-2058	धान्या गु	12-06-2062	11-11-2062	भामरी मं	11-11-2062
धान्या गु	31-01-2058	02-06-2058	भामरी मं	11-11-2062	02-06-2063		



योगिनी महा व अन्तर दशाएं

(तृतीय चक्र)

उल्का (6व)		67वर्षम - 73वर्षम	सिद्धा (7व)		73वर्षम - 80वर्षम	संकटा (8व)		80वर्षम - 88वर्षम
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
उल्का श	02-06-2063	01-06-2064	सिद्धा शु	01-06-2069	11-10-2070	संकटा रा	01-06-2076	12-03-2078
सिद्धा शु	01-06-2064	01-08-2065	संकटा रा	11-10-2070	02-05-2072	मंगला चं	12-03-2078	01-06-2078
संकटा रा	01-08-2065	01-12-2066	मंगला चं	02-05-2072	12-07-2072	पिंगला सू	01-06-2078	11-11-2078
मंगला चं	01-12-2066	31-01-2067	पिंगला सू	12-07-2072	01-12-2072	धान्या गु	11-11-2078	12-07-2079
पिंगला सू	31-01-2067	02-06-2067	धान्या गु	01-12-2072	02-07-2073	भामरी मं	12-07-2079	01-06-2080
धान्या गु	02-06-2067	01-12-2067	भामरी मं	02-07-2073	12-04-2074	भद्रिका बु	01-06-2080	12-07-2081
भामरी मं	01-12-2067	01-08-2068	भद्रिका बु	12-04-2074	02-04-2075	उल्का श	12-07-2081	11-11-2082
भद्रिका बु	01-08-2068	01-06-2069	उल्का श	02-04-2075	01-06-2076	सिद्धा शु	11-11-2082	01-06-2084

मंगला (1व)		88वर्षम - 89वर्षम	पिंगला (2व)		89वर्षम - 91वर्षम	धान्या (3व)		91वर्षम - 94वर्षम
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
मंगला चं	01-06-2084	11-06-2084	पिंगला सू	01-06-2085	12-07-2085	धान्या गु	02-06-2087	01-09-2087
पिंगला सू	11-06-2084	01-07-2084	धान्या गु	12-07-2085	11-09-2085	भामरी मं	01-09-2087	01-01-2088
धान्या गु	01-07-2084	01-08-2084	भामरी मं	11-09-2085	01-12-2085	भद्रिका बु	01-01-2088	01-06-2088
भामरी मं	01-08-2084	10-09-2084	भद्रिका बु	01-12-2085	12-03-2086	उल्का श	01-06-2088	30-11-2088
भद्रिका बु	10-09-2084	31-10-2084	उल्का श	12-03-2086	12-07-2086	सिद्धा शु	30-11-2088	02-07-2089
उल्का श	31-10-2084	31-12-2084	सिद्धा शु	12-07-2086	01-12-2086	संकटा रा	02-07-2089	02-03-2090
सिद्धा शु	31-12-2084	12-03-2085	संकटा रा	01-12-2086	12-05-2087	मंगला चं	02-03-2090	01-04-2090
संकटा रा	12-03-2085	01-06-2085	मंगला चं	12-05-2087	02-06-2087	पिंगला सू	01-04-2090	01-06-2090

भामरी (4व)		94वर्षम - 98वर्षम	भद्रिका (5व)		98वर्षम - 103वर्षम
अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त	अन्तरदशा	आरम्भ	अन्त
भामरी मं	01-06-2090	11-11-2090	भद्रिका बु	01-06-2094	10-02-2095
भद्रिका बु	11-11-2090	02-06-2091	उल्का श	10-02-2095	11-12-2095
उल्का श	02-06-2091	31-01-2092	सिद्धा शु	11-12-2095	30-11-2096
सिद्धा शु	31-01-2092	10-11-2092	संकटा रा	30-11-2096	10-01-2098
संकटा रा	10-11-2092	01-10-2093	मंगला चं	10-01-2098	02-03-2098
मंगला चं	01-10-2093	10-11-2093	पिंगला सू	02-03-2098	11-06-2098
पिंगला सू	10-11-2093	31-01-2094	धान्या गु	11-06-2098	11-11-2098
धान्या गु	31-01-2094	01-06-2094	भामरी मं	11-11-2098	02-06-2099



कालचक्र महा व अन्तर दशाएं

* भोग्य दशा : कुंभ 2व 6मा 18दि * जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

कुंभ (4व)	०व ०मा	मकर (4व)	२३व ६म	धनु (१०व)	३९व ६म	वृश्चिक (७व)	४८व ६म
आरम्भ		आरम्भ	०९-०५-१९९८	आरम्भ	०९-०५-२००२	आरम्भ	०८-०५-२०१२
अन्त		अन्त	०८-०९-१९९८	अन्त	०९-०३-२००३	अन्त	०८-१२-२०१२
5 सिंह		10 मकर दे	०९-०५-१९९८	3 मिथुन जी	०९-०५-२००२	8 वृश्चिक	०८-०५-२०१२
6 कन्या		9 धनु	०८-०९-१९९८	4 कर्क	०९-०३-२००३	7 तुला	०८-१२-२०१२
7 तुला		8 वृश्चिक	०८-०१-१९९९	5 सिंह	०८-०१-२००४	6 कन्या	०९-०७-२०१३
8 वृश्चिक		7 तुला	०९-०५-१९९९	6 कन्या	०७-११-२००४	5 सिंह	०७-०२-२०१४
9 धनु	२१-१०-१९९५	6 कन्या	०८-०९-१९९९	7 तुला	०८-०९-२००५	4 कर्क	०८-०९-२०१४
10 मकर दे	०८-०१-१९९६	5 सिंह	०८-०१-२०००	8 वृश्चिक	०९-०७-२००६	३ मिथुन जी	०९-०४-२०१५
11 कुंभ	०९-०५-१९९६	4 कर्क	०९-०५-२०००	9 धनु	०९-०५-२००७	२ वृष्णि	०८-११-२०१५
12 मीन	०७-०९-१९९६	३ मिथुन जी	०७-०९-२०००	१० मकर दे	०९-०३-२००८	१ मेष	०८-०६-२०१६
१ मेष	०७-०१-१९९७	२ वृष्णि	०७-०१-२००१	११ कुंभ	०७-०१-२००९	१२ मीन	०७-०१-२०१७
२ वृष्णि	०९-०५-१९९७	१ मेष	०९-०५-२००१	१२ मीन	०७-११-२००९	११ कुंभ	०८-०८-२०१७
३ मिथुन जी	०८-०९-१९९७	१२ मीन	०८-०९-२००१	१ मेष	०८-०९-२०१०	१० मकर दे	०९-०३-२०१८
४ कर्क	०७-०१-१९९८	११ कुंभ	०७-०१-२००२	२ वृष्णि	०९-०७-२०११	९ धनु	०८-१०-२०१८

तुला (१६व)	५३व ६म	कन्या (९व)	७४व ६म	सिंह (५व)	८३व ६म	कर्क (२१व)	९९व ६म
आरम्भ	०९-०५-२०१९	आरम्भ	०९-०५-२०३५	आरम्भ	०८-०५-२०४४	आरम्भ	०८-०५-२०४९
अन्त	०७-०९-२०२०	अन्त	०७-०२-२०३६	अन्त	०७-१०-२०४४	अन्त	०७-०२-२०५१
7 तुला	०९-०५-२०१९	6 कन्या	०९-०५-२०३५	5 सिंह	०८-०२-२०३६	१० मकर दे	०८-०५-२०४९
8 वृश्चिक	०७-०९-२०२०	५ सिंह	०८-०२-२०३६	४ कर्क	०८-११-२०३६	९ धनु	०७-०२-२०५१
९ धनु	०७-०१-२०२२	३ मिथुन जी	०८-०८-२०३७	८ वृश्चिक	०८-०८-२०४५	७ तुला	०८-११-२०५२
१० मकर दे	०९-०५-२०२३	२ वृष्णि	०९-०५-२०३८	९ धनु	०८-०१-२०४६	८ वृश्चिक	०८-०८-२०५४
११ कुंभ	०७-०९-२०२४	१ मेष	०८-०२-२०३९	१० मकर दे	०८-०६-२०४६	११ कुंभ	०८-११-२०५९
१२ मीन	०७-०१-२०२६	१२ मीन	०८-११-२०३९	११ कुंभ	०८-११-२०४६	१२ मीन	०८-०८-२०६१
१ मेष	०९-०५-२०२७	११ कुंभ	०८-०८-२०४०	१० मकर दे	०८-०९-२०४७	१ मेष	०९-०५-२०६३
२ वृष्णि	०७-०९-२०२८	१० मकर दे	०९-०५-२०४१	१२ मीन	०८-०४-२०४७	२ वृष्णि	०८-०२-२०६५
३ मिथुन जी	०७-०१-२०३०	९ धनु	०६-०२-२०४२	१ मेष	०८-०९-२०४७	३ मिथुन जी	०८-०८-२०६६
४ कर्क	०९-०५-२०३१	८ वृश्चिक	०८-११-२०४२	२ वृष्णि	०८-०२-२०४८	४ कर्क	०८-०८-२०६८
५ सिंह	०७-०९-२०३२	७ तुला	०८-०८-२०४३	३ मिथुन जी	०८-०७-२०४८	१२ मीन	०८-११-२०६६
६ कन्या	०७-०१-२०३४	७ तुला	०८-०८-२०४३	४ कर्क	०८-१२-२०४८	११ कुंभ	०८-०८-२०६८

मिथुन (९व)	१०६व ६म	वृष्णि (१६व)	११६व ६म	मेष (७व)	१२०व ६म	मीन (१०व)	१२४व ६म
आरम्भ	०९-०५-२०७०	आरम्भ	०९-०५-२०७९	आरम्भ	०९-०५-२०९५	आरम्भ	०९-०५-२१०२
अन्त	०६-०२-२०७१	अन्त	०७-०९-२०८०	अन्त	०८-१२-२०९५	अन्त	१०-०३-२१०३
३ मिथुन जी	०९-०५-२०७०	८ वृश्चिक	०९-०५-२०७९	७ तुला	०९-०५-२०९५	६ कन्या	०९-०५-२१०२
४ कर्क	०६-०२-२०७१	७ तुला	०७-०९-२०८०	६ कन्या	०८-१२-२०९५	५ सिंह	१०-०३-२१०३
५ सिंह	०७-११-२०७१	५ सिंह	०९-०५-२०८३	९ धनु	०८-०७-२०९६	४ कर्क	०८-०१-२१०४
६ कन्या	०७-०८-२०७२	४ कर्क	०८-०९-२०८४	१० मकर दे	०६-०२-२०९७	३ मिथुन जी	०७-११-२१०४
७ तुला	०८-०५-२०७३	३ मिथुन जी	०८-०१-२०८६	११ कुंभ	०८-०९-२०९७	२ वृष्णि	०८-०९-२१०५
८ वृश्चिक	०६-०२-२०७४	२ वृष्णि	०९-०५-२०८७	१२ मीन	०८-०४-२०९८	१ मेष	०९-०७-२१०६
९ धनु	०७-११-२०७४	१ मेष	०८-०९-२०८८	१ मेष	०८-११-२०९८	१२ मीन	०९-०५-२१०७
१० मकर दे	०८-०८-२०७५	१२ मीन	०८-०१-२०९०	२ वृष्णि	०८-०६-२०९९	११ कुंभ	०९-०३-२१०८
११ कुंभ	०८-०५-२०७६	११ कुंभ	०८-०५-२०९१	३ मिथुन जी	०८-०१-२१००	१० मकर दे	०८-०१-२१०९
१२ मीन	०६-०२-२०७७	१० मकर दे	०८-०९-२०९२	४ कर्क	०८-०८-२०९०	९ धनु	०८-११-२१०९
१ मेष	०७-११-२०७७	९ धनु	०८-०१-२०९४	५ सिंह	०९-०३-२०१०	८ वृश्चिक	०८-०९-२१०९
२ वृष्णि	०८-०८-२०७८			६ कन्या	०८-१०-२०१०	७ तुला	०९-०७-२१११

* तिथियाँ दशा आरम्भ काल की दी गई हैं। *



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

कुंभ-धनु

आरम्भ	21-10-1995
अन्त	08-01-1996
मिथुन	
कक्ष	
सिंह	
कन्या	
तुला	21-10-1995
वृश्चिक	29-10-1995
धनु	08-11-1995
मकर	18-11-1995
कुंभ	28-11-1995
मीन	08-12-1995
मेष	19-12-1995
वृष	29-12-1995

कुंभ-मकर दे

आरम्भ	08-01-1996
अन्त	09-05-1996
मकर	08-01-1996
धनु	18-01-1996
वृश्चिक	28-01-1996
तुला	07-02-1996
कन्या	17-02-1996
सिंह	28-02-1996
कर्क	09-03-1996
मिथुन	19-03-1996
वृष	29-03-1996
मेष	08-04-1996
मीन	18-04-1996
कुंभ	28-04-1996

कुंभ-कुंभ

आरम्भ	09-05-1996
अन्त	07-09-1996
सिंह	09-05-1996
कन्या	19-05-1996
तुला	29-05-1996
वृश्चिक	08-06-1996
धनु	18-06-1996
मकर	28-06-1996
कुंभ	08-07-1996
मीन	19-07-1996
वृष	08-08-1996
मेष	29-07-1996
मीन	18-08-1996
कुंभ	28-08-1996

कुंभ-मीन

आरम्भ	07-09-1996
अन्त	07-01-1997
कन्या	07-09-1996
सिंह	17-09-1996
तुला	28-09-1996
वृश्चिक	08-10-1996
धनु	18-10-1996
मेष	28-10-1996
मीन	07-11-1996
कुंभ	17-11-1996
मकर	28-11-1996
धनु	08-12-1996
वृश्चिक	18-12-1996
तुला	28-12-1996

कुंभ-मेष

आरम्भ	07-01-1997
अन्त	09-05-1997
तुला	07-01-1997
वृश्चिक	17-01-1997
धनु	27-01-1997
मकर	07-02-1997
कुंभ	17-02-1997
मीन	27-02-1997
मेष	09-03-1997
वृष	19-03-1997
मिथुन	29-03-1997
कक्ष	08-04-1997
सिंह	19-04-1997
कन्या	29-04-1997

कुंभ-वृष

आरम्भ	09-05-1997
अन्त	08-09-1997
वृश्चिक	09-05-1997
तुला	19-05-1997
कन्या	29-05-1997
सिंह	08-06-1997
कर्क	18-06-1997
मिथुन	29-06-1997
वृष	09-07-1997
मेष	19-07-1997
मीन	29-07-1997
कुंभ	08-08-1997
मकर	18-08-1997
धनु	28-08-1997

कुंभ-मिथुन जी

आरम्भ	08-09-1997
अन्त	07-01-1998
मिथुन	08-09-1997
कक्ष	18-09-1997
सिंह	28-09-1997
कन्या	08-10-1997
तुला	18-10-1997
वृश्चिक	28-10-1997
धनु	07-11-1997
मकर	18-11-1997
कुंभ	28-11-1997
मीन	08-12-1997
वृष	28-12-1997

कुंभ-कर्क

आरम्भ	07-01-1998
अन्त	09-05-1998
मकर	07-01-1998
धनु	17-01-1998
वृश्चिक	28-01-1998
तुला	07-02-1998
कन्या	17-02-1998
सिंह	27-02-1998
कर्क	09-03-1998
मिथुन	19-03-1998
वृष	30-03-1998
मेष	09-04-1998
मीन	19-04-1998
कुंभ	29-04-1998

मकर-मकर दे

आरम्भ	09-05-1998
अन्त	08-09-1998
मकर	09-05-1998
धनु	19-05-1998
वृश्चिक	29-05-1998
तुला	09-06-1998
कन्या	19-06-1998
सिंह	29-06-1998
वृश्चिक	29-10-1998
धनु	08-11-1998
मकर	18-11-1998
कुंभ	28-11-1998
मीन	08-12-1998
मेष	18-12-1998
वृष	28-12-1998

मकर-धनु

आरम्भ	08-09-1998
अन्त	08-01-1999
मिथुन	08-09-1998
कक्ष	18-09-1998
सिंह	28-09-1998
कन्या	08-10-1998
तुला	18-10-1998
वृश्चिक	29-10-1998
धनु	08-11-1998
मकर	18-11-1998
कुंभ	28-11-1998
मीन	08-12-1998
मेष	18-12-1998
वृष	28-12-1998

मकर-वृश्चिक

आरम्भ	08-01-1999
अन्त	09-05-1999
वृश्चिक	08-01-1999
तुला	18-01-1999
कन्या	28-01-1999
सिंह	07-02-1999
कर्क	17-02-1999
मिथुन	27-02-1999
वृष	09-03-1999
मेष	20-03-1999
मीन	30-03-1999
कुंभ	09-04-1999
मकर	19-04-1999
धनु	29-04-1999

मकर-तुला

आरम्भ	09-05-1999
अन्त	08-09-1999
तुला	09-05-1999
वृश्चिक	19-05-1999
धनु	30-05-1999
मकर	09-06-1999
कुंभ	19-06-1999
मीन	29-06-1999
वृष	09-07-1999
मेष	19-07-1999
तुला	29-07-1999
वृश्चिक	09-08-1999
धनु	19-08-1999
मकर	29-08-1999

मकर-कन्या

आरम्भ	08-09-1999
अन्त	08-01-2000
कन्या	08-09-1999
सिंह	18-09-1999
तुला	28-09-1999
वृश्चिक	09-10-1999
धनु	19-10-1999
मेष	29-10-1999
मीन	08-11-1999
कुंभ	18-11-1999
मकर	28-11-1999
धनु	08-12-1999
वृश्चिक	19-12-1999
तुला	29-12-1999

मकर-सिंह

आरम्भ	08-01-2000
अन्त	09-05-2000
सिंह	08-01-2000
कन्या	18-01-2000
तुला	28-01-2000
वृश्चिक	07-02-2000
धनु	17-02-2000
मेष	28-02-2000
मीन	09-03-2000
कुंभ	19-03-2000
मकर	28-03-2000
धनु	08-04-2000
वृश्चिक	19-04-2000
तुला	29-04-2000

मकर-कर्क

आरम्भ	09-05-2000
अन्त	07-09-2000
कर्क	09-05-2000
धनु	19-05-2000
वृश्चिक	29-05-2000
तुला	08-06-2000
कन्या	18-06-2000
सिंह	28-06-2000
वृश्चिक	08-07-2000
धनु	19-07-2000
मेष	29-07-2000
मीन	08-08-2000
कुंभ	18-08-2000
धनु	28-08-2000



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

मकर-मिथुन जी

आरम्भ 07-09-2000	अन्त 07-01-2001
मिथुन 07-09-2000	वृश्चिक 07-01-2001
कक्ष 17-09-2000	तुला 17-01-2001
सिंह 28-09-2000	कन्या 27-01-2001
कन्या 08-10-2000	सिंह 07-02-2001
तुला 18-10-2000	कर्क 17-02-2001
वृश्चिक 28-10-2000	मिथुन 27-02-2001
धनु 07-11-2000	वृष 09-03-2001
मकर 17-11-2000	मेष 19-03-2001
कुंभ 27-11-2000	मीन 29-03-2001
मीन 08-12-2000	कुंभ 08-04-2001
मेष 18-12-2000	मकर 19-04-2001
वृष 28-12-2000	धनु 29-04-2001

मकर-वृष

आरम्भ 07-01-2001	अन्त 09-05-2001
वृश्चिक 07-01-2001	तुला 09-05-2001
तुला 17-01-2001	वृश्चिक 19-05-2001
कन्या 27-01-2001	धनु 29-05-2001
सिंह 07-02-2001	मकर 08-06-2001
कर्क 17-02-2001	कुंभ 18-06-2001
मिथुन 27-02-2001	मीन 29-06-2001
वृष 09-03-2001	मेष 09-07-2001
मेष 19-03-2001	वृष 19-07-2001
मीन 29-03-2001	मिथुन 29-07-2001
कुंभ 08-04-2001	कर्क 08-08-2001
मकर 19-04-2001	सिंह 18-08-2001
धनु 29-04-2001	कन्या 28-08-2001

मकर-मेष

आरम्भ 09-05-2001	अन्त 08-09-2001
तुला 09-05-2001	वृश्चिक 19-05-2001
वृश्चिक 19-05-2001	धनु 29-05-2001
कर्क 28-05-2001	मकर 08-06-2001
मीन 29-06-2001	कुंभ 18-06-2001
मेष 29-07-2001	वृष 18-07-2001
वृष 19-08-2001	मेष 09-08-2001
मेष 19-09-2001	वृष 19-09-2001
वृष 28-09-2001	मेष 29-07-2008
मेष 24-10-2001	वृष 23-08-2008
मीन 18-11-2001	मिथुन 17-09-2008
कुंभ 13-12-2001	कर्क 13-10-2008

मकर-मीन

आरम्भ 08-09-2001	अन्त 07-01-2002
कन्या 08-09-2001	सिंह 18-09-2001
सिंह 28-09-2001	कर्क 28-09-2001
कर्क 28-09-2001	मिथुन 08-10-2001
वृष 18-10-2001	वृष 18-10-2001
मेष 28-10-2001	मीन 07-11-2001
वृष 09-11-2001	कुंभ 18-11-2001
मेष 29-11-2001	मकर 28-11-2001
वृष 08-12-2001	धनु 08-12-2001
मेष 18-12-2001	वृश्चिक 18-12-2001
वृष 28-12-2001	तुला 28-12-2001

मकर-कुंभ

आरम्भ 07-01-2002	अन्त 09-05-2002
सिंह 07-01-2002	कन्या 17-01-2002
कन्या 17-01-2002	तुला 28-01-2002
वृश्चिक 07-02-2002	वृश्चिक 07-02-2002
धनु 17-02-2002	धनु 17-02-2002
मकर 27-02-2002	मकर 27-02-2002
कुंभ 09-03-2002	कुंभ 09-03-2002
मीन 19-03-2002	मीन 19-03-2002
मेष 29-03-2002	मेष 29-03-2002
वृष 09-04-2002	वृष 09-04-2002
मिथुन 19-04-2002	मिथुन 19-04-2002
कर्क 29-04-2002	कर्क 29-04-2002

धनु-मिथुन जी

आरम्भ 09-05-2002	अन्त 09-03-2003
मिथुन 09-05-2002	मकर 09-03-2003
कर्क 03-06-2002	धनु 04-04-2003
सिंह 29-06-2002	वृश्चिक 29-04-2003
कन्या 24-07-2002	तुला 25-05-2003
तुला 19-08-2002	कन्या 19-06-2003
वृश्चिक 13-09-2002	सिंह 14-07-2003
धनु 08-10-2002	कर्क 09-08-2003
मकर 03-11-2002	मिथुन 03-09-2003
कुंभ 28-11-2002	वृष 28-09-2003
मीन 23-12-2002	मेष 24-10-2003
मेष 18-01-2003	मीन 18-11-2003
वृष 12-02-2003	कुंभ 13-12-2003

धनु-कर्क

आरम्भ 09-03-2003	अन्त 08-01-2004
सिंह 08-01-2004	कन्या 07-11-2004
कन्या 02-02-2004	सिंह 03-12-2004
तुला 28-02-2004	कर्क 28-12-2004
वृश्चिक 24-03-2004	मिथुन 22-01-2005
धनु 18-04-2004	वृष 17-02-2005
मकर 14-05-2004	मेष 14-03-2005
कुंभ 08-06-2004	मीन 08-04-2005
मीन 03-07-2004	कुंभ 04-05-2005
मिथुन 17-09-2004	मकर 29-05-2005
कर्क 13-10-2004	धनु 23-06-2005

धनु-सिंह

आरम्भ 08-01-2004	अन्त 08-09-2005
कन्या 07-11-2004	तुला 08-09-2005
सिंह 03-12-2004	वृश्चिक 03-10-2005
कर्क 28-12-2004	धनु 28-10-2005
मिथुन 22-01-2005	मकर 23-11-2005
वृष 17-02-2005	कुंभ 18-12-2005
मेष 14-03-2005	मीन 12-01-2006
मीन 08-04-2005	मेष 07-02-2006
कुंभ 04-05-2005	वृष 04-03-2006
मकर 29-05-2005	मिथुन 29-03-2006
धनु 23-06-2005	कर्क 24-04-2006
वृश्चिक 19-07-2005	सिंह 19-05-2006
तुला 13-08-2005	कन्या 14-06-2006

धनु-तुला

आरम्भ 08-09-2005	अन्त 09-07-2006
तुला 08-09-2005	वृश्चिक 03-10-2005
वृश्चिक 03-10-2005	धनु 28-10-2005
धनु 28-10-2005	मकर 23-11-2005
मकर 23-11-2005	कुंभ 18-12-2005
कुंभ 18-12-2005	मीन 12-01-2006
मीन 12-01-2006	मेष 07-02-2006
मेष 07-02-2006	वृष 04-03-2006
वृष 04-03-2006	मिथुन 29-03-2006
मिथुन 29-03-2006	कर्क 24-04-2006
कर्क 24-04-2006	सिंह 19-05-2006
सिंह 19-05-2006	कन्या 14-06-2006

धनु-वृश्चिक

आरम्भ 09-07-2006	अन्त 09-05-2007
वृश्चिक 09-07-2006	मिथुन 09-05-2007
तुला 03-08-2006	कर्क 04-06-2007
कन्या 29-08-2006	सिंह 29-06-2007
सिंह 23-09-2006	कन्या 24-07-2007
कर्क 18-10-2006	तुला 19-08-2007
मिथुन 13-11-2006	वृश्चिक 13-09-2007
वृष 08-12-2006	धनु 08-10-2007
मेष 02-01-2007	मकर 03-11-2007
मीन 28-01-2007	कुंभ 28-11-2007
कुंभ 22-02-2007	मीन 24-12-2007
मकर 20-03-2007	मेष 18-01-2008
धनु 14-04-2007	वृष 12-02-2008

धनु-धनु

आरम्भ 09-05-2007	अन्त 09-03-2008
मिथुन 09-05-2007	मकर 09-03-2008
कर्क 04-06-2007	धनु 03-04-2008
सिंह 29-06-2007	वृश्चिक 28-04-2008
कन्या 24-07-2007	तुला 24-05-2008
तुला 19-08-2007	कन्या 18-06-2008
वृश्चिक 13-09-2007	सिंह 13-07-2008
धनु 08-10-2007	कर्क 08-08-2008
मकर 03-11-2007	मिथुन 02-09-2008
कुंभ 28-11-2007	वृष 28-09-2008
मीन 24-12-2007	मेष 23-10-2008
मेष 18-01-2008	मीन 17-11-2008
वृष 12-02-2008	कुंभ 13-12-2008

धनु-मकर दे

आरम्भ 09-03-2008	अन्त 07-01-2009
सिंह 07-01-2008	कन्या 01-02-2009
कन्या 01-02-2009	तुला 27-02-2009
तुला 27-02-2009	वृश्चिक 24-03-2009
वृश्चिक 24-03-2009	धनु 18-04-2009
धनु 18-04-2009	मकर 14-05-2009
मकर 14-05-2009	कुंभ 08-06-2009
कुंभ 08-06-2009	मीन 04-07-2009
मीन 04-07-2009	कुंभ 04-05-2010
कुंभ 04-05-2010	मकर 29-05-2010
मकर 29-05-2010	धनु 24-06-2010
धनु 24-06-2010	वृश्चिक 19-07-2010
वृश्चिक 19-07-2010	तुला 13-08-2010

धनु-कुंभ

आरम्भ 07-01-2009	अन्त 07-11-2009
कन्या 07-11-2009	सिंह 03-12-2009
सिंह 03-12-2009	कर्क 28-12-2009
कर्क 28-12-2009	मिथुन 22-01-2010
मिथुन 22-01-2010	वृष 17-02-2010
वृष 17-02-2010	मेष 14-03-2010
म	



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

धनु-मेष

आरम्भ 08-09-2010

अन्त 09-07-2011

तुला 08-09-2010

वृश्चिक 03-10-2010

धनु 28-10-2010

मकर 23-11-2010

कुंभ 18-12-2010

मीन 13-01-2011

मेष 07-02-2011

वृष 04-03-2011

मिथुन 30-03-2011

कक्ष 24-04-2011

सिंह 19-05-2011

कन्या 14-06-2011

धनु-वृष

आरम्भ 09-07-2011

अन्त 08-05-2012

वृश्चिक 09-07-2011

तुला 03-08-2011

कन्या 29-08-2011

सिंह 23-09-2011

कर्क 19-10-2011

मिथुन 13-11-2011

वृष 08-12-2011

मेष 03-01-2012

मीन 28-01-2012

कुंभ 22-02-2012

मकर 19-03-2012

धनु 13-04-2012

वृश्चिक-वृश्चिक

आरम्भ 08-05-2012

अन्त 08-12-2012

वृश्चिक 08-05-2012

तुला 26-05-2012

कन्या 13-06-2012

सिंह 01-07-2012

कर्क 18-07-2012

मिथुन 05-08-2012

वृष 23-08-2012

मेष 10-09-2012

मीन 28-09-2012

कुंभ 15-10-2012

मकर 02-11-2012

धनु 20-11-2012

वृश्चिक-तुला

आरम्भ 08-12-2012

अन्त 09-07-2013

तुला 08-12-2012

वृश्चिक 25-12-2012

धनु 12-01-2013

मकर 30-01-2013

कुंभ 17-02-2013

मीन 06-03-2013

मेष 24-03-2013

वृष 11-04-2013

मिथुन 29-04-2013

कक्ष 16-05-2013

सिंह 03-06-2013

कन्या 21-06-2013

वृश्चिक-कन्या

आरम्भ 09-07-2013

अन्त 07-02-2014

कन्या 09-07-2013

सिंह 26-07-2013

कर्क 13-08-2013

मिथुन 31-08-2013

वृष 18-09-2013

मेष 05-10-2013

मीन 23-10-2013

कुंभ 10-11-2013

मकर 28-11-2013

धनु 15-12-2013

वृश्चिक 02-01-2014

तुला 20-01-2014

वृश्चिक-सिंह

आरम्भ 07-02-2014

अन्त 08-09-2014

सिंह 07-02-2014

कन्या 24-02-2014

तुला 14-03-2014

वृश्चिक 01-04-2014

धनु 19-04-2014

मकर 06-05-2014

कुंभ 24-05-2014

मीन 11-06-2014

मेष 29-06-2014

वृष 16-07-2014

मिथुन 03-08-2014

कक्ष 21-08-2014

वृश्चिक-कर्क

आरम्भ 08-09-2014

अन्त 09-04-2015

मकर 08-09-2014

धनु 25-09-2014

वृश्चिक 13-10-2014

तुला 31-10-2014

कन्या 18-11-2014

सिंह 05-12-2014

कर्क 23-12-2014

मिथुन 10-01-2015

वृष 28-01-2015

मेष 15-02-2015

मीन 04-03-2015

कुंभ 22-03-2015

वृश्चिक-मिथुन जी

आरम्भ 09-04-2015

अन्त 08-11-2015

मिथुन 09-04-2015

कर्क 27-04-2015

सिंह 14-05-2015

कन्या 01-06-2015

तुला 19-06-2015

वृश्चिक 07-07-2015

धनु 24-07-2015

मकर 11-08-2015

कुंभ 29-08-2015

मीन 16-09-2015

मेष 03-10-2015

वृष 21-10-2015

वृश्चिक-वृष

आरम्भ 08-11-2015

अन्त 08-06-2016

वृश्चिक 08-11-2015

तुला 26-11-2015

कन्या 13-12-2015

सिंह 31-12-2015

कर्क 18-01-2016

मिथुन 05-02-2016

वृष 22-02-2016

मेष 11-03-2016

मीन 29-03-2016

कुंभ 16-04-2016

मकर 03-05-2016

धनु 21-05-2016

वृश्चिक-मेष

आरम्भ 08-06-2016

अन्त 07-01-2017

तुला 08-06-2016

वृश्चिक 26-06-2016

धनु 13-07-2016

मकर 31-07-2016

कुंभ 18-08-2016

मीन 05-09-2016

वृष 22-09-2016

मेष 10-10-2016

मिथुन 28-10-2016

कक्ष 15-11-2016

सिंह 02-12-2016

कन्या 20-12-2016

वृश्चिक-मीन

आरम्भ 07-01-2017

अन्त 08-08-2017

कन्या 07-01-2017

सिंह 25-01-2017

कर्क 11-02-2017

मिथुन 01-03-2017

वृष 19-03-2017

मेष 06-04-2017

मीन 23-04-2017

कुंभ 11-05-2017

मकर 29-05-2017

धनु 16-06-2017

वृश्चिक 03-07-2017

तुला 21-07-2017

वृश्चिक-कुंभ

आरम्भ 08-08-2017

अन्त 09-03-2018

सिंह 08-08-2017

कन्या 26-08-2017

तुला 13-09-2017

वृश्चिक 30-09-2017

धनु 18-10-2017

मकर 05-11-2017

कुंभ 23-11-2017

मीन 10-12-2017

सिंह 02-02-2018

कर्क 19-02-2018

वृश्चिक-मकर दे

आरम्भ 09-03-2018

अन्त 08-10-2018

मकर 09-03-2018

धनु 27-03-2018

वृश्चिक 14-04-2018

तुला 01-05-2018

कन्या 19-05-2018

सिंह 06-06-2018

कर्क 24-06-2018

मिथुन 11-07-2018

वृष 29-07-2018

मेष 16-08-2018

मीन 03-09-2018

कुंभ 20-09-2018

वृश्चिक-धनु

आरम्भ 08-10-2018

अन्त 09-05-2019

धनु 08-10-2018

वृश्चिक 26-10-2018

सिंह 13-11-2018

कन्या 30-11-2018

तुला 18-12-2018

वृश्चिक 05-01-2019

धनु 23-01-2019

मकर 09-02-2019

कुंभ 27-02-2019

मीन 17-03-2019

मेष 04-04-2019

वृष 21-04-2019

तुला-तुला

आरम्भ 09-05-2019

अन्त 07-09-2020

तुला 09-05-2019

वृश्चिक 19-06-2019

धनु 29-07-2019

मकर 08-09-2019

कुंभ 19-10-2019

मीन 28-11-2019

वृश्चिक 08-01-2020

धनु 08-02-2020

मकर 17-02-2020

वृश्चिक 29-03-2020



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

तुला-वृश्चिक

आरम्भ 07-09-2020

अन्त 07-01-2022

वृश्चिक 07-09-2020

तुला 18-10-2020

कन्या 27-11-2020

सिंह 07-01-2021

कर्क 16-02-2021

मिथुन 29-03-2021

वृष 09-05-2021

मेष 18-06-2021

मीन 29-07-2021

कुंभ 07-09-2021

मकर 18-10-2021

धनु 28-11-2021

तुला-धनु

आरम्भ 07-01-2022

अन्त 09-05-2023

मिथुन 07-01-2022

कर्क 17-02-2022

सिंह 29-03-2022

कन्या 09-05-2022

तुला 18-06-2022

वृश्चिक 29-07-2022

धनु 08-09-2022

मकर 18-10-2022

कुंभ 28-11-2022

मीन 07-01-2023

मेष 17-02-2023

वृष 30-03-2023

तुला-मकर दे

आरम्भ 09-05-2023

अन्त 07-09-2024

मकर 09-05-2023

धनु 19-06-2023

वृश्चिक 29-07-2023

तुला 08-09-2023

कन्या 18-10-2023

सिंह 28-11-2023

कर्क 08-01-2024

मिथुन 17-02-2024

वृष 29-03-2024

मेष 08-05-2024

मीन 18-06-2024

कुंभ 29-07-2024

तुला-कुंभ

आरम्भ 07-09-2024

अन्त 07-01-2026

सिंह 07-09-2024

कन्या 18-10-2024

तुला 27-11-2024

वृश्चिक 07-01-2025

धनु 16-02-2025

मकर 29-03-2025

कुंभ 09-05-2025

मीन 18-06-2025

वृष 29-07-2025

मेष 07-09-2025

वृष 18-10-2025

मिथुन 18-10-2025

कर्क 28-11-2025

तुला-मीन

आरम्भ 07-01-2026

अन्त 09-05-2027

कन्या 07-01-2026

सिंह 17-02-2026

तुला 29-03-2026

वृश्चिक 09-05-2026

धनु 18-06-2026

मेष 29-07-2026

मीन 08-09-2026

वृष 18-10-2026

मकर 28-11-2026

धनु 07-01-2027

वृश्चिक 17-02-2027

तुला 30-03-2027

तुला-मेष

आरम्भ 09-05-2027

अन्त 07-09-2028

तुला 09-05-2027

वृश्चिक 19-06-2027

धनु 29-07-2027

मकर 08-09-2027

कुंभ 18-10-2027

मीन 28-11-2027

वृष 08-01-2028

मेष 17-02-2028

वृष 17-02-2028

मिथुन 29-03-2028

कर्क 08-05-2028

सिंह 18-06-2028

कन्या 29-07-2028

तुला-वृष

आरम्भ 07-09-2028

अन्त 07-01-2030

वृश्चिक 07-09-2028

तुला 18-10-2028

कन्या 27-11-2028

सिंह 07-01-2029

कर्क 16-02-2029

मिथुन 29-03-2029

वृष 09-05-2029

मेष 18-06-2029

वृष 18-06-2029

मीन 29-07-2029

कुंभ 07-09-2029

मेष 18-10-2029

धनु 28-11-2029

तुला-मिथुन जी

आरम्भ 07-01-2030

अन्त 09-05-2031

मिथुन 07-01-2030

कर्क 17-02-2030

सिंह 29-03-2030

कन्या 09-05-2030

तुला 18-06-2030

वृश्चिक 29-07-2030

धनु 08-09-2030

मकर 18-10-2030

कुंभ 28-11-2030

मीन 07-01-2031

वृष 17-02-2031

मेष 18-06-2031

वृष 29-03-2031

तुला-कर्क

आरम्भ 09-05-2031

अन्त 07-09-2032

मकर 09-05-2031

धनु 19-06-2031

वृश्चिक 29-07-2031

तुला 08-09-2031

कन्या 18-10-2031

सिंह 28-11-2031

कर्क 08-01-2032

मिथुन 17-02-2032

मीन 18-06-2032

वृष 29-03-2032

मेष 08-05-2032

वृष 07-09-2032

मिथुन 18-10-2032

कर्क 27-11-2032

तुला-सिंह

आरम्भ 07-09-2032

अन्त 07-01-2034

सिंह 07-09-2032

कन्या 18-10-2032

तुला 27-11-2032

वृश्चिक 07-01-2033

धनु 16-02-2033

मकर 29-03-2033

कुंभ 09-05-2033

मीन 18-06-2033

वृष 29-07-2033

मेष 29-09-2033

वृष 07-09-2033

मिथुन 18-10-2033

कर्क 27-11-2033

तुला-कन्या

आरम्भ 07-01-2034

अन्त 09-05-2035

कन्या 07-01-2034

सिंह 17-02-2034

कर्क 29-03-2034

मिथुन 09-05-2034

वृष 18-06-2034

मेष 29-07-2034

मीन 08-09-2034

कुंभ 18-10-2034

मकर 28-11-2034

धनु 07-01-2035

वृश्चिक 17-02-2035

तुला 29-03-2035

कन्या-कन्या

आरम्भ 09-05-2035

अन्त 07-02-2036

कन्या 09-05-2035

सिंह 01-06-2035

कर्क 24-06-2035

मिथुन 17-07-2035

वृष 08-08-2035

मेष 31-08-2035

मीन 23-09-2035

कुंभ 16-10-2035

मकर 08-11-2035

धनु 30-11-2035

वृश्चिक 23-12-2035

तुला 15-01-2036

कन्या-सिंह

आरम्भ 07-02-2036

अन्त 07-11-2036

सिंह 07-02-2036

कन्या 01-03-2036

तुला 24-03-2036

वृश्चिक 15-04-2036

धनु 08-05-2036

मकर 31-05-2036

कुंभ 23-06-2036

मीन 16-07-2036

वृश्चिक 22-08-2036

तुला 15-09-2036

सिंह 15-10-2036

कन्या 14-01-2037

कन्या-कर्क

आरम्भ 07-11-2036

अन्त 08-08-2037

कर्क 07-11-2036

धनु 30-11-2036

वृश्चिक 23-12-2036

तुला 14-01-2037

कन्या 15-10-2037

तुला 07-11-2037

वृश्चिक 22-09-2037

सिंह 01-03-2037

वृश्चिक 30-11-2037

धनु 23-12-2037

मकर 24-03-2037

कुंभ 15-04-2037

कन्या-मिथुन जी

आरम्भ 08-08-2037

अन्त 09-05-2038

मिथुन 08-08-2037

कर्क 31-08-



कालचक्र अन्तर व प्रत्यंतर दशाएं

*नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं।
* जीव राशि : मिथुन * देह राशि : मकर

कन्या-वृष	कन्या-मेष	कन्या-मीन	कन्या-कुंभ	कन्या-मकर दे
आरम्भ 09-05-2038	आरम्भ 07-02-2039	आरम्भ 08-11-2039	आरम्भ 08-08-2040	आरम्भ 09-05-2041
अन्त 07-02-2039	अन्त 08-11-2039	अन्त 08-08-2040	अन्त 09-05-2041	अन्त 06-02-2042
वृश्चिक 09-05-2038	तुला 07-02-2039	कन्या 08-11-2039	सिंह 08-08-2040	मकर 09-05-2041
तुला 01-06-2038	वृश्चिक 02-03-2039	सिंह 30-11-2039	कन्या 30-08-2040	धनु 31-05-2041
कन्या 23-06-2038	धनु 24-03-2039	कर्क 23-12-2039	तुला 22-09-2040	वृश्चिक 23-06-2041
सिंह 16-07-2038	मकर 16-04-2039	मिथुन 15-01-2040	वृश्चिक 15-10-2040	तुला 16-07-2041
कर्क 08-08-2038	कुंभ 09-05-2039	वृष 07-02-2040	धनु 07-11-2040	कन्या 08-08-2041
मिथुन 31-08-2038	मीन 01-06-2039	मैष 01-03-2040	मकर 30-11-2040	सिंह 31-08-2041
वृष 23-09-2038	मेष 24-06-2039	मीन 24-03-2040	कुंभ 23-12-2040	कर्क 22-09-2041
मेष 16-10-2038	वृष 17-07-2039	कुंभ 15-04-2040	मीन 14-01-2041	मिथुन 15-10-2041
मीन 07-11-2038	मिथुन 08-08-2039	मकर 08-05-2040	मेष 06-02-2041	वृष 07-11-2041
कुंभ 30-11-2038	कर्क 31-08-2039	धनु 31-05-2040	वृष 01-03-2041	मेष 30-11-2041
मकर 23-12-2038	सिंह 23-09-2039	वृश्चिक 23-06-2040	मिथुन 24-03-2041	मीन 23-12-2041
धनु 15-01-2039	कन्या 16-10-2039	तुला 16-07-2040	कर्क 16-04-2041	कुंभ 15-01-2042

कन्या-धनु	कन्या-वृश्चिक	कन्या-तुला	सिंह-सिंह	सिंह-कन्या
आरम्भ 06-02-2042	आरम्भ 07-11-2042	आरम्भ 08-08-2043	आरम्भ 08-05-2044	आरम्भ 07-10-2044
अन्त 07-11-2042	अन्त 08-08-2043	अन्त 08-05-2044	अन्त 07-10-2044	अन्त 09-03-2045
मिथुन 06-02-2042	वृश्चिक 07-11-2042	तुला 08-08-2043	सिंह 08-05-2044	कन्या 07-10-2044
कर्क 01-03-2042	तुला 30-11-2042	वृश्चिक 31-08-2043	कन्या 21-05-2044	सिंह 20-10-2044
सिंह 24-03-2042	कन्या 23-12-2042	धनु 23-09-2043	तुला 03-06-2044	कर्क 02-11-2044
कन्या 16-04-2042	सिंह 15-01-2043	मकर 16-10-2043	वृश्चिक 15-06-2044	मिथुन 14-11-2044
तुला 09-05-2042	कर्क 07-02-2043	कुंभ 08-11-2043	धनु 28-06-2044	वृष 27-11-2044
वृश्चिक 01-06-2042	मिथुन 02-03-2043	मीन 30-11-2043	मकर 11-07-2044	मेष 10-12-2044
धनु 23-06-2042	वृष 24-03-2043	मेष 23-12-2043	कुंभ 23-07-2044	मीन 23-12-2044
मकर 16-07-2042	मेष 16-04-2043	वृष 15-01-2044	मीन 05-08-2044	कुंभ 04-01-2045
कुंभ 08-08-2042	मीन 09-05-2043	मिथुन 07-02-2044	मेष 18-08-2044	मकर 17-01-2045
मीन 31-08-2042	कुंभ 01-06-2043	कर्क 01-03-2044	वृष 30-08-2044	धनु 30-01-2045
मेष 23-09-2042	मकर 24-06-2043	सिंह 24-03-2044	मिथुन 12-09-2044	वृश्चिक 11-02-2045
वृष 16-10-2042	धनु 16-07-2043	कन्या 15-04-2044	कर्क 25-09-2044	तुला 24-02-2045

सिंह-तुला	सिंह-वृश्चिक	सिंह-धनु	सिंह-मकर दे	सिंह-कुंभ
आरम्भ 09-03-2045	आरम्भ 08-08-2045	आरम्भ 07-01-2046	आरम्भ 08-06-2046	आरम्भ 07-11-2046
अन्त 08-08-2045	अन्त 07-01-2046	अन्त 08-06-2046	अन्त 07-11-2046	अन्त 09-04-2047
तुला 09-03-2045	वृश्चिक 08-08-2045	मिथुन 07-01-2046	मकर 08-06-2046	सिंह 07-11-2046
वृश्चिक 21-03-2045	तुला 20-08-2045	कर्क 20-01-2046	धनु 21-06-2046	कन्या 20-11-2046
धनु 03-04-2045	कन्या 02-09-2045	सिंह 01-02-2046	वृश्चिक 04-07-2046	तुला 03-12-2046
मकर 16-04-2045	सिंह 15-09-2045	कन्या 14-02-2046	तुला 16-07-2046	वृश्चिक 15-12-2046
कुंभ 28-04-2045	कर्क 28-09-2045	तुला 27-02-2046	कन्या 29-07-2046	धनु 28-12-2046
मीन 11-05-2045	मिथुन 10-10-2045	वृश्चिक 11-03-2046	सिंह 11-08-2046	मकर 10-01-2047
मेष 24-05-2045	वृष 23-10-2045	धनु 24-03-2046	कर्क 23-08-2046	कुंभ 22-01-2047
वृष 05-06-2045	मेष 05-11-2045	मकर 06-04-2046	मिथुन 05-09-2046	मीन 04-02-2047
मिथुन 18-06-2045	मीन 17-11-2045	कुंभ 18-04-2046	वृष 18-09-2046	मेष 17-02-2047
कर्क 01-07-2045	कुंभ 30-11-2045	मीन 01-05-2046	मेष 30-09-2046	वृष 01-03-2047
सिंह 13-07-2045	मकर 13-12-2045	मेष 14-05-2046	मीन 13-10-2046	मिथुन 14-03-2047
कन्या 26-07-2045	धनु 25-12-2045	वृष 26-05-2046	कुंभ 26-10-2046	कर्क 27-03-2047

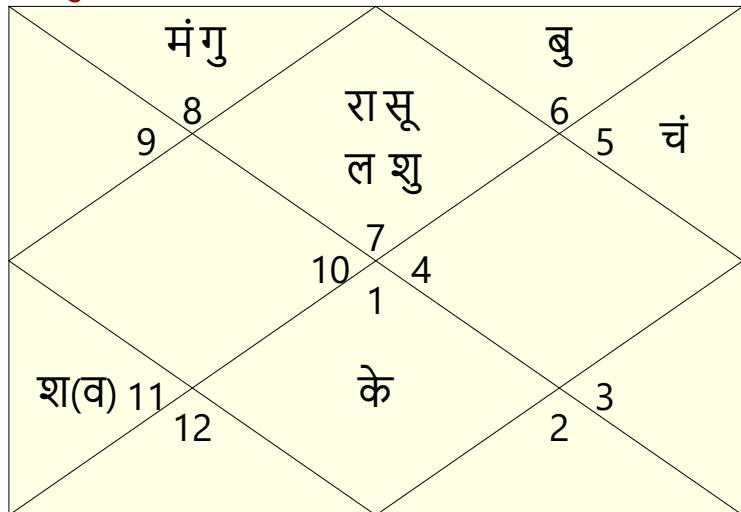


जैमिनी पद्धति

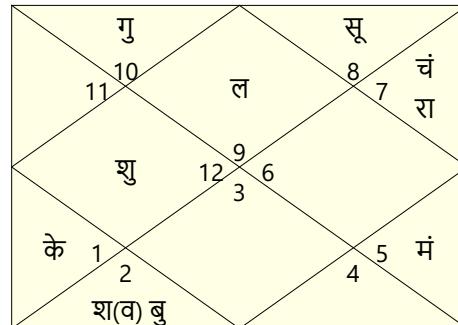
चर कारक

आत्म	अमात्य	भ्रातृ	मातृ	पितृ	ज्ञाति	स्त्री
शनि	चंद्र	गुरु	शुक्र	बुध	मंगल	सूर्य
25:03	23:04	20:05	19:30	15:12	06:18	03:20

जन्म कुण्डली 21 अक्टूबर 1995 06:06:00 घंटे Khagaria, Bihar, India



नवांश



पद कुण्डली



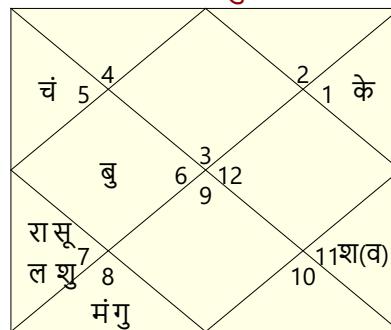
कारकांश (जन्म कुण्डली में)



स्वांश (कारकांश नवांश में)



उपपद लग्न कुण्डली



जैमिनी दृष्टियां

चर व स्थिर राशियों में स्थित ग्रहों में दृष्टियाँ सू-चं, सू-श, शु-चं, शु-श, रा-चं, रा-श, के-चं, के-मं, के-गु के-श

विशेष गणनाएं

जैमिनी होरा लग्न	: तुला 11:48:55
वर्णद लग्न	: मेष
प्राणपद लग्न	: धनु 28:11:55
आरुढ़ लग्न	: कर्क
उपपद	: मिथुन
दध राशि	: तुला, मकर
ब्रह्मा	: गुरु
महेश्वर	: शनि
रुद्र	: मंगल



जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (12व)	०व०म	वृश्चिक (५व)	१२व०म	धनु (११व)	१६व११म	मकर (११व)	२८व०म
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	21-10-2007	आरम्भ	20-10-2012	आरम्भ	21-10-2023
अन्त	21-10-2007	अन्त	20-10-2012	अन्त	21-10-2023	अन्त	20-10-2034
८ वृश्चिक	20-10-1996	७ तुला	21-03-2008	८ वृश्चिक	20-09-2013	९ धनु	19-09-2024
९ धनु	20-10-1997	६ कन्या	20-08-2008	७ तुला	20-08-2014	८ वृश्चिक	20-08-2025
१० मकर	20-10-1998	५ सिंह	19-01-2009	६ कन्या	21-07-2015	७ तुला	21-07-2026
११ कुंभ	21-10-1999	४ कर्क	20-06-2009	५ सिंह	20-06-2016	६ कन्या	21-06-2027
१२ मीन	20-10-2000	३ मिथुन	20-11-2009	४ कर्क	21-05-2017	५ सिंह	21-05-2028
१ मेष	20-10-2001	२ वृष	21-04-2010	३ मिथुन	21-04-2018	४ कर्क	20-04-2029
२ वृष	20-10-2002	१ मेष	20-09-2010	२ वृष	22-03-2019	३ मिथुन	21-03-2030
३ मिथुन	21-10-2003	१२ मीन	19-02-2011	१ मेष	19-02-2020	२ वृष	19-02-2031
४ कर्क	20-10-2004	११ कुंभ	21-07-2011	१२ मीन	19-01-2021	१ मेष	20-01-2032
५ सिंह	20-10-2005	१० मकर	21-12-2011	११ कुंभ	20-12-2021	१२ मीन	20-12-2032
६ कन्या	20-10-2006	९ धनु	21-05-2012	१० मकर	20-11-2022	११ कुंभ	19-11-2033
७ तुला	21-10-2007	८ वृश्चिक	20-10-2012	९ धनु	21-10-2023	१० मकर	20-10-2034

कुंभ (४व)	३८व११म	मीन (४व)	४२व११म	मेष (७व)	४६व११म	वृष (५व)	५३व११म
आरम्भ	20-10-2034	आरम्भ	20-10-2038	आरम्भ	20-10-2042	आरम्भ	20-10-2049
अन्त	20-10-2038	अन्त	20-10-2042	अन्त	20-10-2049	अन्त	20-10-2054
१२ मीन	19-02-2035	१ मेष	19-02-2039	२ वृष	21-05-2043	१ मेष	21-03-2050
१ मेष	21-06-2035	२ वृष	21-06-2039	३ मिथुन	20-12-2043	१२ मीन	20-08-2050
२ वृष	20-10-2035	३ मिथुन	20-10-2039	४ कर्क	20-07-2044	११ कुंभ	19-01-2051
३ मिथुन	19-02-2036	४ कर्क	19-02-2040	५ सिंह	18-02-2045	१० मकर	21-06-2051
४ कर्क	20-06-2036	५ सिंह	20-06-2040	६ कन्या	19-09-2045	९ धनु	20-11-2051
५ सिंह	20-10-2036	६ कन्या	20-10-2040	७ तुला	20-04-2046	८ वृश्चिक	20-04-2052
६ कन्या	18-02-2037	७ तुला	18-02-2041	८ वृश्चिक	20-11-2046	७ तुला	19-09-2052
७ तुला	20-06-2037	९ धनु	20-10-2041	९ धनु	21-06-2047	६ कन्या	18-02-2053
८ वृश्चिक	20-10-2037	१० मकर	19-02-2042	१० मकर	20-01-2048	५ सिंह	20-07-2053
९ धनु	19-02-2038	११ कुंभ	20-06-2042	११ कुंभ	20-08-2048	४ कर्क	20-12-2053
१० मकर	20-06-2038	१२ मीन	20-10-2042	१२ मीन	21-03-2049	३ मिथुन	21-05-2054
११ कुंभ	20-10-2038			१ मेष	20-10-2049	२ वृष	20-10-2054

मिथुन (३व)	५८व११म	कर्क (११व)	६१व११म	सिंह (१०व)	७२व११म	कन्या (१२व)	८२व११म
आरम्भ	20-10-2054	आरम्भ	20-10-2057	आरम्भ	19-10-2068	आरम्भ	20-10-2078
अन्त	20-10-2057	अन्त	19-10-2068	अन्त	20-10-2078	अन्त	20-10-2090
२ वृष	19-01-2055	३ मिथुन	20-09-2058	६ कन्या	20-08-2069	७ तुला	20-10-2079
१ मेष	21-04-2055	२ वृष	20-08-2059	७ तुला	20-06-2070	८ वृश्चिक	19-10-2080
१२ मीन	21-07-2055	१ मेष	20-07-2060	८ वृश्चिक	21-04-2071	९ धनु	20-10-2081
११ कुंभ	20-10-2055	१२ मीन	20-06-2061	९ धनु	19-02-2072	१० मकर	20-10-2082
१० मकर	20-01-2056	११ कुंभ	21-05-2062	१० मकर	19-12-2072	११ कुंभ	20-10-2083
९ धनु	20-04-2056	१० मकर	21-04-2063	११ कुंभ	20-10-2073	१२ मीन	19-10-2084
८ वृश्चिक	20-07-2056	९ धनु	20-03-2064	१२ मीन	20-08-2074	१ मेष	20-10-2085
७ तुला	20-10-2056	८ वृश्चिक	18-02-2065	१ मेष	20-06-2075	२ वृष	20-10-2086
६ कन्या	19-01-2057	७ तुला	19-01-2066	२ वृष	20-04-2076	३ मिथुन	20-10-2087
५ सिंह	20-04-2057	६ कन्या	20-12-2066	३ मिथुन	18-02-2077	४ कर्क	19-10-2088
४ कर्क	20-07-2057	५ सिंह	20-11-2067	४ कर्क	19-12-2077	५ सिंह	20-10-2089
३ मिथुन	20-10-2057	४ कर्क	19-10-2068	५ सिंह	20-10-2078	६ कन्या	20-10-2090



जैमिनी चरदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (12व)	94व11म	वृश्चिक (5व)	107व0म	धनु (11व)	112व0म	मकर (11व)	123व0म
आरम्भ	20-10-2090	आरम्भ	21-10-2102	आरम्भ	21-10-2107	आरम्भ	21-10-2118
अन्त	21-10-2102	अन्त	21-10-2107	अन्त	21-10-2118	अन्त	20-10-2129
8 वृश्चिक	20-10-2091	7 तुला	22-03-2103	8 वृश्चिक	20-09-2108	9 धनु	20-09-2119
9 धनु	19-10-2092	6 कन्या	21-08-2103	7 तुला	20-08-2109	8 वृश्चिक	20-08-2120
10 मकर	19-10-2093	5 सिंह	20-01-2104	6 कन्या	21-07-2110	7 तुला	21-07-2121
11 कुंभ	20-10-2094	4 कर्क	20-06-2104	5 सिंह	21-06-2111	6 कन्या	21-06-2122
12 मीन	20-10-2095	3 मिथुन	20-11-2104	4 कर्क	21-05-2112	5 सिंह	22-05-2123
1 मेष	19-10-2096	2 वृष	21-04-2105	3 मिथुन	21-04-2113	4 कर्क	20-04-2124
2 वृष	19-10-2097	1 मेष	20-09-2105	2 वृष	22-03-2114	3 मिथुन	21-03-2125
3 मिथुन	20-10-2098	12 मीन	19-02-2106	1 मेष	19-02-2115	2 वृष	19-02-2126
4 कर्क	20-10-2099	11 कुंभ	21-07-2106	12 मीन	20-01-2116	1 मेष	20-01-2127
5 सिंह	20-10-2100	10 मकर	21-12-2106	11 कुंभ	20-12-2116	12 मीन	21-12-2127
6 कन्या	20-10-2101	9 धनु	22-05-2107	10 मकर	20-11-2117	11 कुंभ	19-11-2128
7 तुला	21-10-2102	8 वृश्चिक	21-10-2107	9 धनु	21-10-2118	10 मकर	20-10-2129

कुंभ (4व)	133व11म	मीन (4व)	137व11म	मेष (7व)	141व11म	वृष (5व)	148व11म
आरम्भ	20-10-2129	आरम्भ	20-10-2133	आरम्भ	20-10-2137	आरम्भ	20-10-2144
अन्त	20-10-2133	अन्त	20-10-2137	अन्त	20-10-2144	अन्त	20-10-2149
12 मीन	19-02-2130	1 मेष	19-02-2134	2 वृष	21-05-2138	1 मेष	21-03-2145
1 मेष	21-06-2130	2 वृष	21-06-2134	3 मिथुन	20-12-2138	12 मीन	20-08-2145
2 वृष	20-10-2130	3 मिथुन	20-10-2134	4 कर्क	21-07-2139	11 कुंभ	19-01-2146
3 मिथुन	19-02-2131	4 कर्क	19-02-2135	5 सिंह	19-02-2140	10 मकर	21-06-2146
4 कर्क	21-06-2131	5 सिंह	21-06-2135	6 कन्या	19-09-2140	9 धनु	20-11-2146
5 सिंह	21-10-2131	6 कन्या	21-10-2135	7 तुला	20-04-2141	8 वृश्चिक	21-04-2147
6 कन्या	19-02-2132	7 तुला	19-02-2136	8 वृश्चिक	20-11-2141	7 तुला	20-09-2147
7 तुला	20-06-2132	9 धनु	20-10-2136	9 धनु	21-06-2142	6 कन्या	19-02-2148
8 वृश्चिक	20-10-2132	10 मकर	19-02-2137	10 मकर	20-01-2143	5 सिंह	20-07-2148
9 धनु	19-02-2133	11 कुंभ	20-06-2137	11 कुंभ	21-08-2143	4 कर्क	20-12-2148
10 मकर	20-06-2133	12 मीन	20-10-2137	12 मीन	21-03-2144	3 मिथुन	21-05-2149
11 कुंभ	20-10-2133			1 मेष	20-10-2144	2 वृष	20-10-2149

मिथुन (3व)	153व11म	कर्क (11व)	156व11म	सिंह (10व)	167व11म	कन्या (12व)	177व11म
आरम्भ	20-10-2149	आरम्भ	20-10-2152	आरम्भ	20-10-2163	आरम्भ	20-10-2173
अन्त	20-10-2152	अन्त	20-10-2163	अन्त	20-10-2173	अन्त	20-10-2185
2 वृष	19-01-2150	3 मिथुन	20-09-2153	6 कन्या	20-08-2164	7 तुला	20-10-2174
1 मेष	21-04-2150	2 वृष	20-08-2154	7 तुला	20-06-2165	8 वृश्चिक	20-10-2175
12 मीन	21-07-2150	1 मेष	21-07-2155	8 वृश्चिक	21-04-2166	9 धनु	20-10-2176
11 कुंभ	20-10-2150	12 मीन	20-06-2156	9 धनु	19-02-2167	10 मकर	20-10-2177
10 मकर	20-01-2151	11 कुंभ	21-05-2157	10 मकर	20-12-2167	11 कुंभ	20-10-2178
9 धनु	21-04-2151	10 मकर	21-04-2158	11 कुंभ	20-10-2168	12 मीन	20-10-2179
8 वृश्चिक	21-07-2151	9 धनु	21-03-2159	12 मीन	20-08-2169	1 मेष	20-10-2180
7 तुला	21-10-2151	8 वृश्चिक	19-02-2160	1 मेष	20-06-2170	2 वृष	20-10-2181
6 कन्या	20-01-2152	7 तुला	19-01-2161	2 वृष	21-04-2171	3 मिथुन	20-10-2182
5 सिंह	20-04-2152	6 कन्या	20-12-2161	3 मिथुन	19-02-2172	4 कर्क	20-10-2183
4 कर्क	20-07-2152	5 सिंह	20-11-2162	4 कर्क	19-12-2172	5 सिंह	20-10-2184
3 मिथुन	20-10-2152	4 कर्क	20-10-2163	5 सिंह	20-10-2173	6 कन्या	20-10-2185



जैमिनी स्थिर दशा

नीचे दी गई तिथियां दशा समाप्ति काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (8व)		0वर्ष	धनु (9व)	8वर्वर्ष	मकर (7व)	16वर्वर्ष	कुंभ (8व)	24वर्वर्ष
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	21-10-2003	आरम्भ	20-10-2012	आरम्भ	21-10-2019	
अन्त	21-10-2003	अन्त	20-10-2012	अन्त	21-10-2019	अन्त	21-10-2027	
8 वृश्चिक	20-06-1996	3 मिथुन	21-07-2004	10 मकर	21-05-2013	5 सिंह	20-06-2020	
7 तुला	19-02-1997	4 कक्ष	21-04-2005	9 धनु	20-12-2013	6 कन्या	19-02-2021	
6 कन्या	20-10-1997	5 सिंह	19-01-2006	8 वृश्चिक	21-07-2014	7 तुला	20-10-2021	
5 सिंह	21-06-1998	6 कन्या	20-10-2006	7 तुला	19-02-2015	8 वृश्चिक	21-06-2022	
4 कर्क	19-02-1999	7 तुला	21-07-2007	6 कन्या	20-09-2015	9 धनु	19-02-2023	
3 मिथुन	21-10-1999	8 वृश्चिक	20-04-2008	5 सिंह	20-04-2016	10 मकर	21-10-2023	
2 वृष	20-06-2000	9 धनु	19-01-2009	4 कर्क	19-11-2016	11 कुंभ	20-06-2024	
1 मेष	19-02-2001	10 मकर	20-10-2009	3 मिथुन	20-06-2017	12 मीन	19-02-2025	
12 मीन	20-10-2001	11 कुंभ	21-07-2010	2 वृष	19-01-2018	1 मेष	20-10-2025	
11 कुंभ	21-06-2002	12 मीन	21-04-2011	1 मेष	20-08-2018	2 वृष	21-06-2026	
10 मकर	19-02-2003	1 मेष	20-01-2012	12 मीन	22-03-2019	3 मिथुन	19-02-2027	
9 धनु	21-10-2003	2 वृष	20-10-2012	11 कुंभ	21-10-2019	4 कर्क	21-10-2027	

मीन (9व)		32वर्वर्ष	मेष (7व)	40वर्वर्ष	वृष (8व)	47वर्वर्ष	मिथुन (9व)	55वर्वर्ष
आरम्भ	21-10-2027	आरम्भ	20-10-2036	आरम्भ	20-10-2043	आरम्भ	20-10-2051	
अन्त	20-10-2036	अन्त	20-10-2043	अन्त	20-10-2051	अन्त	19-10-2060	
6 कन्या	20-07-2028	7 तुला	21-05-2037	8 वृश्चिक	20-06-2044	3 मिथुन	20-07-2052	
5 सिंह	20-04-2029	8 वृश्चिक	20-12-2037	7 तुला	18-02-2045	4 कर्क	20-04-2053	
4 कर्क	19-01-2030	9 धनु	21-07-2038	6 कन्या	20-10-2045	5 सिंह	19-01-2054	
3 मिथुन	20-10-2030	10 मकर	19-02-2039	5 सिंह	20-06-2046	6 कन्या	20-10-2054	
2 वृष	21-07-2031	11 कुंभ	20-09-2039	4 कर्क	19-02-2047	7 तुला	21-07-2055	
1 मेष	20-04-2032	12 मीन	20-04-2040	3 मिथुन	20-10-2047	8 वृश्चिक	20-04-2056	
12 मीन	19-01-2033	1 मेष	19-11-2040	2 वृष	20-06-2048	9 धनु	19-01-2057	
11 कुंभ	20-10-2033	2 वृष	20-06-2041	1 मेष	18-02-2049	10 मकर	20-10-2057	
10 मकर	21-07-2034	3 मिथुन	19-01-2042	12 मीन	20-10-2049	11 कुंभ	21-07-2058	
9 धनु	21-04-2035	4 कर्क	20-08-2042	11 कुंभ	20-06-2050	12 मीन	21-04-2059	
8 वृश्चिक	20-01-2036	5 सिंह	21-03-2043	10 मकर	19-02-2051	1 मेष	20-01-2060	
7 तुला	20-10-2036	6 कन्या	20-10-2043	9 धनु	20-10-2051	2 वृष	19-10-2060	

कर्क (7व)		64वर्वर्ष	सिंह (8व)	71वर्वर्ष	कन्या (9व)	79वर्वर्ष	तुला (7व)	88वर्वर्ष
आरम्भ	19-10-2060	आरम्भ	20-10-2067	आरम्भ	20-10-2075	आरम्भ	19-10-2084	
अन्त	20-10-2067	अन्त	20-10-2075	अन्त	19-10-2084	अन्त	20-10-2091	
10 मकर	21-05-2061	5 सिंह	20-06-2068	6 कन्या	20-07-2076	7 तुला	20-05-2085	
9 धनु	20-12-2061	6 कन्या	18-02-2069	5 सिंह	20-04-2077	8 वृश्चिक	19-12-2085	
8 वृश्चिक	21-07-2062	7 तुला	20-10-2069	4 कर्क	19-01-2078	9 धनु	20-07-2086	
7 तुला	19-02-2063	8 वृश्चिक	20-06-2070	3 मिथुन	20-10-2078	10 मकर	19-02-2087	
6 कन्या	20-09-2063	9 धनु	19-02-2071	2 वृष	21-07-2079	11 कुंभ	20-09-2087	
5 सिंह	20-04-2064	10 मकर	20-10-2071	1 मेष	20-04-2080	12 मीन	20-04-2088	
4 कर्क	19-11-2064	11 कुंभ	20-06-2072	12 मीन	19-01-2081	1 मेष	19-11-2088	
3 मिथुन	20-06-2065	12 मीन	18-02-2073	11 कुंभ	20-10-2081	2 वृष	20-06-2089	
2 वृष	19-01-2066	1 मेष	20-10-2073	10 मकर	21-07-2082	3 मिथुन	19-01-2090	
1 मेष	20-08-2066	2 वृष	20-06-2074	9 धनु	20-04-2083	4 कर्क	20-08-2090	
12 मीन	21-03-2067	3 मिथुन	19-02-2075	8 वृश्चिक	19-01-2084	5 सिंह	21-03-2091	
11 कुंभ	20-10-2067	4 कर्क	20-10-2075	7 तुला	19-10-2084	6 कन्या	20-10-2091	



निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मिथुन (3व)	०व ०म	कन्या (12व)	२व ११म	धनु (11व)	१४व ११म	मीन (4व)	२५व ११म
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	20-10-1998	आरम्भ	20-10-2010	आरम्भ	20-10-2021
अन्त	20-10-1998	अन्त	20-10-2010	अन्त	20-10-2021	अन्त	20-10-2025
3 मिथुन	21-10-1995	6 कन्या	20-10-1998	3 मिथुन	20-10-2010	6 कन्या	20-10-2021
4 कर्क	20-01-1996	5 सिंह	21-10-1999	4 कर्क	20-09-2011	5 सिंह	19-02-2022
5 सिंह	20-04-1996	4 कर्क	20-10-2000	5 सिंह	20-08-2012	4 कर्क	21-06-2022
6 कन्या	21-07-1996	3 मिथुन	20-10-2001	6 कन्या	21-07-2013	3 मिथुन	20-10-2022
7 तुला	20-10-1996	2 वृष	20-10-2002	7 तुला	21-06-2014	2 वृष	19-02-2023
8 वृश्चिक	19-01-1997	1 मेष	21-10-2003	8 वृश्चिक	21-05-2015	1 मेष	21-06-2023
9 धनु	21-04-1997	12 मीन	20-10-2004	9 धनु	20-04-2016	12 मीन	21-10-2023
10 मकर	21-07-1997	11 कुंभ	20-10-2005	10 मकर	21-03-2017	11 कुंभ	19-02-2024
11 कुंभ	20-10-1997	10 मकर	20-10-2006	11 कुंभ	19-02-2018	10 मकर	20-06-2024
12 मीन	20-01-1998	9 धनु	21-10-2007	12 मीन	20-01-2019	9 धनु	20-10-2024
1 मेष	21-04-1998	8 वृश्चिक	20-10-2008	1 मेष	20-12-2019	8 वृश्चिक	19-02-2025
2 वृष	21-07-1998	7 तुला	20-10-2009	2 वृष	19-11-2020	7 तुला	20-06-2025

कर्क (11व)	२९व ११म	वृष (5व)	४०व ११म	मिथुन (3व)	४५व ११म	मीन (4व)	४८व ११म
आरम्भ	20-10-2025	आरम्भ	20-10-2036	आरम्भ	20-10-2041	आरम्भ	20-10-2044
अन्त	20-10-2036	अन्त	20-10-2041	अन्त	20-10-2044	अन्त	20-10-2048
10 मकर	20-10-2025	8 वृश्चिक	20-10-2036	3 मिथुन	20-10-2041	6 कन्या	20-10-2044
9 धनु	20-09-2026	7 तुला	21-03-2037	4 कर्क	19-01-2042	5 सिंह	18-02-2045
8 वृश्चिक	21-08-2027	6 कन्या	20-08-2037	5 सिंह	21-04-2042	4 कर्क	20-06-2045
7 तुला	20-07-2028	5 सिंह	19-01-2038	6 कन्या	21-07-2042	3 मिथुन	20-10-2045
6 कन्या	20-06-2029	4 कर्क	20-06-2038	7 तुला	20-10-2042	2 वृष	19-02-2046
5 सिंह	21-05-2030	3 मिथुन	20-11-2038	8 वृश्चिक	19-01-2043	1 मेष	20-06-2046
4 कर्क	21-04-2031	2 वृष	21-04-2039	9 धनु	21-04-2043	12 मीन	20-10-2046
3 मिथुन	21-03-2032	1 मेष	20-09-2039	10 मकर	21-07-2043	11 कुंभ	19-02-2047
2 वृष	18-02-2033	12 मीन	19-02-2040	11 कुंभ	20-10-2043	10 मकर	21-06-2047
1 मेष	19-01-2034	11 कुंभ	20-07-2040	12 मीन	20-01-2044	9 धनु	20-10-2047
12 मीन	20-12-2034	10 मकर	20-12-2040	1 मेष	20-04-2044	8 वृश्चिक	19-02-2048
11 कुंभ	20-11-2035	9 धनु	21-05-2041	2 वृष	20-07-2044	7 तुला	20-06-2048

सिंह (9व)	५२व ११म	मेष (7व)	६१व ११म	वृष (5व)	६८व ११म	कुंभ (4व)	७३व ११म
आरम्भ	20-10-2048	आरम्भ	20-10-2057	आरम्भ	19-10-2064	आरम्भ	20-10-2069
अन्त	20-10-2057	अन्त	19-10-2064	अन्त	20-10-2069	अन्त	20-10-2073
5 सिंह	20-10-2048	7 तुला	20-10-2057	8 वृश्चिक	19-10-2064	5 सिंह	20-10-2069
6 कन्या	21-07-2049	8 वृश्चिक	21-05-2058	7 तुला	21-03-2065	6 कन्या	18-02-2070
7 तुला	20-04-2050	9 धनु	20-12-2058	6 कन्या	20-08-2065	7 तुला	20-06-2070
8 वृश्चिक	19-01-2051	10 मकर	21-07-2059	5 सिंह	19-01-2066	8 वृश्चिक	20-10-2070
9 धनु	20-10-2051	11 कुंभ	19-02-2060	4 कर्क	20-06-2066	9 धनु	19-02-2071
10 मकर	20-07-2052	12 मीन	19-09-2060	3 मिथुन	19-11-2066	10 मकर	20-06-2071
11 कुंभ	20-04-2053	1 मेष	20-04-2061	2 वृष	21-04-2067	11 कुंभ	20-10-2071
12 मीन	19-01-2054	2 वृष	19-11-2061	1 मेष	20-09-2067	12 मीन	19-02-2072
1 मेष	20-10-2054	3 मिथुन	20-06-2062	12 मीन	19-02-2068	1 मेष	20-06-2072
2 वृष	21-07-2055	4 कर्क	19-01-2063	11 कुंभ	20-07-2068	2 वृष	19-10-2072
3 मिथुन	20-04-2056	5 सिंह	20-08-2063	10 मकर	19-12-2068	3 मिथुन	18-02-2073
4 कर्क	19-01-2057	6 कन्या	20-03-2064	9 धनु	20-05-2069	4 कर्क	20-06-2073



निरयान शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मीन (4व)	77व 11म	मीन (4व)	85व 11म	मेष (7व)	90व 11म	वृष (5व)	91व 11म
आरम्भ	20-10-2073	आरम्भ	20-10-2077	आरम्भ	20-04-2085	आरम्भ	20-09-2091
अन्त	20-10-2077	अन्त	20-04-2085	अन्त	20-09-2091	अन्त	19-10-2096
6 कन्या	20-10-2073	6 कन्या	20-10-2077	1 मेष	20-04-2085	1 मेष	20-09-2091
5 सिंह	18-02-2074	5 सिंह	20-06-2078	2 वृष	19-11-2085	12 मीन	19-02-2092
4 कर्क	20-06-2074	4 कर्क	19-02-2079	3 मिथुन	20-06-2086	11 कुंभ	20-07-2092
3 मिथुन	20-10-2074	3 मिथुन	20-10-2079	10 मकर	20-10-2086	10 मकर	19-12-2092
2 वृष	19-02-2075	2 वृष	20-06-2080	9 धनु	20-09-2087	9 धनु	20-05-2093
1 मेष	20-06-2075	1 मेष	18-02-2081	10 मकर	20-10-2087	8 वृश्चिक	19-10-2093
12 मीन	20-10-2075	7 तुला	20-10-2081	9 धनु	19-09-2088	7 तुला	21-05-2094
11 कुंभ	19-02-2076	8 वृश्चिक	21-05-2082	6 कन्या	20-08-2089	6 कन्या	20-12-2094
10 मकर	20-06-2076	9 धनु	20-12-2082	5 सिंह	19-01-2090	5 सिंह	21-07-2095
9 धनु	19-10-2076	10 मकर	21-07-2083	4 कर्क	20-06-2090	4 कर्क	19-01-2096
8 वृश्चिक	18-02-2077	11 कुंभ	19-02-2084	3 मिथुन	19-11-2090	5 सिंह	20-04-2096
7 तुला	20-06-2077	12 मीन	19-09-2084	2 वृष	20-04-2091	6 कन्या	20-07-2096
मिथुन (3व)	92व 11म	मिथुन (3व)	99व 11म	मीन (4व)	108व 11म	सिंह (9व)	116व 11म
आरम्भ	19-10-2096	आरम्भ	20-10-2101	आरम्भ	21-06-2107	आरम्भ	21-04-2114
अन्त	20-10-2101	अन्त	21-06-2107	अन्त	21-04-2114	अन्त	21-03-2121
7 तुला	19-10-2096	7 तुला	20-10-2101	10 मकर	21-06-2107	7 तुला	21-04-2114
8 वृश्चिक	19-01-2097	8 वृश्चिक	21-07-2102	9 धनु	21-10-2107	8 वृश्चिक	20-01-2115
9 धनु	20-04-2097	9 धनु	21-04-2103	8 वृश्चिक	20-02-2108	7 तुला	21-10-2115
10 मकर	20-07-2097	10 मकर	20-01-2104	7 तुला	20-06-2108	8 वृश्चिक	21-05-2116
11 कुंभ	19-10-2097	6 कन्या	20-10-2104	6 कन्या	20-10-2108	9 धनु	20-12-2116
12 मीन	19-01-2098	5 सिंह	19-02-2105	5 सिंह	21-06-2109	10 मकर	21-07-2117
1 मेष	20-04-2098	4 कर्क	21-06-2105	4 कर्क	19-02-2110	11 कुंभ	19-02-2118
2 वृष	20-07-2098	3 मिथुन	20-10-2105	3 मिथुन	21-10-2110	12 मीन	20-09-2118
3 मिथुन	20-10-2098	2 वृष	19-02-2106	2 वृष	21-06-2111	1 मेष	21-04-2119
4 कर्क	21-07-2099	1 मेष	21-06-2106	1 मेष	20-02-2112	2 वृष	20-11-2119
5 सिंह	21-04-2100	12 मीन	21-10-2106	5 सिंह	20-10-2112	3 मिथुन	20-06-2120
6 कन्या	19-01-2101	11 कुंभ	19-02-2107	6 कन्या	21-07-2113	8 वृश्चिक	20-10-2120
वृष (5व)	120व 0म	वृष (5व)	124व 11म	कुंभ (4व)	132व 0म	कन्या (12व)	140व 0म
आरम्भ	21-03-2121	आरम्भ	21-05-2126	आरम्भ	19-02-2131	आरम्भ	21-10-2139
अन्त	21-05-2126	अन्त	19-02-2131	अन्त	21-10-2139	अन्त	19-02-2149
7 तुला	21-03-2121	7 तुला	21-05-2126	3 मिथुन	19-02-2131	2 वृष	21-10-2139
6 कन्या	20-08-2121	6 कन्या	20-12-2126	4 कर्क	21-06-2131	1 मेष	20-10-2140
5 सिंह	20-01-2122	5 सिंह	21-07-2127	5 सिंह	21-10-2131	12 मीन	20-10-2141
4 कर्क	21-06-2122	6 कन्या	19-02-2128	6 कन्या	20-06-2132	11 कुंभ	20-10-2142
3 मिथुन	20-11-2122	7 तुला	20-06-2128	7 तुला	19-02-2133	10 मकर	21-10-2143
2 वृष	21-04-2123	8 वृश्चिक	20-10-2128	8 वृश्चिक	20-10-2133	9 धनु	20-10-2144
1 मेष	20-09-2123	9 धनु	19-02-2129	9 धनु	21-06-2134	8 वृश्चिक	20-10-2145
12 मीन	20-02-2124	10 मकर	20-06-2129	10 मकर	19-02-2135	7 तुला	20-10-2146
11 कुंभ	21-07-2124	11 कुंभ	20-10-2129	6 कन्या	21-10-2135	6 कन्या	21-10-2147
10 मकर	20-12-2124	12 मीन	19-02-2130	5 सिंह	20-10-2136	5 सिंह	19-02-2148
9 धनु	21-05-2125	1 मेष	21-06-2130	4 कर्क	20-10-2137	4 कर्क	20-06-2148
8 वृश्चिक	20-10-2125	2 वृष	20-10-2130	3 मिथुन	20-10-2138	3 मिथुन	20-10-2148



द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मिथुन (3व)	०व ०म*	कन्या (12व)	२व ११म	धनु (11व)	१४व ११म	मीन (4व)	२५व ११म
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	20-10-1998	आरम्भ	20-10-2010	आरम्भ	20-10-2021
अन्त	20-10-1998	अन्त	20-10-2010	अन्त	20-10-2021	अन्त	20-10-2025
३ मिथुन	21-10-1995	६ कन्या	20-10-1998	३ मिथुन	20-10-2010	६ कन्या	20-10-2021
४ कर्क	20-01-1996	५ सिंह	21-10-1999	४ कर्क	20-09-2011	५ सिंह	19-02-2022
५ सिंह	20-04-1996	४ कर्क	20-10-2000	५ सिंह	20-08-2012	४ कर्क	21-06-2022
६ कन्या	21-07-1996	३ मिथुन	20-10-2001	६ कन्या	21-07-2013	३ मिथुन	20-10-2022
७ तुला	20-10-1996	२ वृष	20-10-2002	७ तुला	21-06-2014	२ वृष	19-02-2023
८ वृश्चिक	19-01-1997	१ मेष	21-10-2003	८ वृश्चिक	21-05-2015	१ मेष	21-06-2023
९ धनु	21-04-1997	१२ मीन	20-10-2004	९ धनु	20-04-2016	१२ मीन	21-10-2023
१० मकर	21-07-1997	११ कुंभ	20-10-2005	१० मकर	21-03-2017	११ कुंभ	19-02-2024
११ कुंभ	20-10-1997	१० मकर	20-10-2006	११ कुंभ	19-02-2018	१० मकर	20-06-2024
१२ मीन	20-01-1998	९ धनु	21-10-2007	१२ मीन	20-01-2019	९ धनु	20-10-2024
१ मेष	21-04-1998	८ वृश्चिक	20-10-2008	१ मेष	20-12-2019	८ वृश्चिक	19-02-2025
२ वृष	21-07-1998	७ तुला	20-10-2009	२ वृष	19-11-2020	७ तुला	20-06-2025

कर्क (11व)	२९व ११म	वृष (5व)	४०व ११म	मिथुन (3व)	४५व ११म	मीन (4व)	४८व ११म
आरम्भ	20-10-2025	आरम्भ	20-10-2036	आरम्भ	20-10-2041	आरम्भ	20-10-2044
अन्त	20-10-2036	अन्त	20-10-2041	अन्त	20-10-2044	अन्त	20-10-2048
१० मकर	20-10-2025	८ वृश्चिक	20-10-2036	३ मिथुन	20-10-2041	६ कन्या	20-10-2044
९ धनु	20-09-2026	७ तुला	21-03-2037	४ कर्क	19-01-2042	५ सिंह	18-02-2045
८ वृश्चिक	21-08-2027	६ कन्या	20-08-2037	५ सिंह	21-04-2042	४ कर्क	20-06-2045
७ तुला	20-07-2028	५ सिंह	19-01-2038	६ कन्या	21-07-2042	३ मिथुन	20-10-2045
६ कन्या	20-06-2029	४ कर्क	20-06-2038	७ तुला	20-10-2042	२ वृष	19-02-2046
५ सिंह	21-05-2030	३ मिथुन	20-11-2038	८ वृश्चिक	19-01-2043	१ मेष	20-06-2046
४ कर्क	21-04-2031	२ वृष	21-04-2039	९ धनु	21-04-2043	१२ मीन	20-10-2046
३ मिथुन	21-03-2032	१ मेष	20-09-2039	१० मकर	21-07-2043	११ कुंभ	19-02-2047
२ वृष	18-02-2033	१२ मीन	19-02-2040	११ कुंभ	20-10-2043	१० मकर	21-06-2047
१ मेष	19-01-2034	११ कुंभ	20-07-2040	१२ मीन	20-01-2044	९ धनु	20-10-2047
१२ मीन	20-12-2034	१० मकर	20-12-2040	१ मेष	20-04-2044	८ वृश्चिक	19-02-2048
११ कुंभ	20-11-2035	९ धनु	21-05-2041	२ वृष	20-07-2044	७ तुला	20-06-2048

सिंह (9व)	५२व ११म	मेष (7व)	६१व ११म	वृष (5व)	६८व ११म	कुंभ (4व)	७३व ११म
आरम्भ	20-10-2048	आरम्भ	20-10-2057	आरम्भ	19-10-2064	आरम्भ	20-10-2069
अन्त	20-10-2057	अन्त	19-10-2064	अन्त	20-10-2069	अन्त	20-10-2073
५ सिंह	20-10-2048	७ तुला	20-10-2057	८ वृश्चिक	19-10-2064	५ सिंह	20-10-2069
६ कन्या	21-07-2049	८ वृश्चिक	21-05-2058	७ तुला	21-03-2065	६ कन्या	18-02-2070
७ तुला	20-04-2050	९ धनु	20-12-2058	६ कन्या	20-08-2065	७ तुला	20-06-2070
८ वृश्चिक	19-01-2051	१० मकर	21-07-2059	५ सिंह	19-01-2066	८ वृश्चिक	20-10-2070
९ धनु	20-10-2051	११ कुंभ	19-02-2060	४ कर्क	20-06-2066	९ धनु	19-02-2071
१० मकर	20-07-2052	१२ मीन	19-09-2060	३ मिथुन	19-11-2066	१० मकर	20-06-2071
११ कुंभ	20-04-2053	१ मेष	20-04-2061	२ वृष	21-04-2067	११ कुंभ	20-10-2071
१२ मीन	19-01-2054	२ वृष	19-11-2061	१ मेष	20-09-2067	१२ मीन	19-02-2072
१ मेष	20-10-2054	३ मिथुन	20-06-2062	१२ मीन	19-02-2068	१ मेष	20-06-2072
२ वृष	21-07-2055	४ कर्क	19-01-2063	११ कुंभ	20-07-2068	२ वृष	19-10-2072
३ मिथुन	20-04-2056	५ सिंह	20-08-2063	१० मकर	19-12-2068	३ मिथुन	18-02-2073
४ कर्क	19-01-2057	६ कन्या	20-03-2064	९ धनु	20-05-2069	४ कर्क	20-06-2073



द्वगदशा

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मीन (4व)	77व 11म	मीन (4व)	85व 11म	मेष (7व)	90व 11म	वृष (5व)	91व 11म
आरम्भ	20-10-2073	आरम्भ	20-10-2077	आरम्भ	20-04-2085	आरम्भ	20-09-2091
अन्त	20-10-2077	अन्त	20-04-2085	अन्त	20-09-2091	अन्त	19-10-2096
6 कन्या	20-10-2073	6 कन्या	20-10-2077	1 मेष	20-04-2085	1 मेष	20-09-2091
5 सिंह	18-02-2074	5 सिंह	20-06-2078	2 वृष	19-11-2085	12 मीन	19-02-2092
4 कर्क	20-06-2074	4 कर्क	19-02-2079	3 मिथुन	20-06-2086	11 कुंभ	20-07-2092
3 मिथुन	20-10-2074	3 मिथुन	20-10-2079	10 मकर	20-10-2086	10 मकर	19-12-2092
2 वृष	19-02-2075	2 वृष	20-06-2080	9 धनु	20-09-2087	9 धनु	20-05-2093
1 मेष	20-06-2075	1 मेष	18-02-2081	10 मकर	20-10-2087	8 वृश्चिक	19-10-2093
12 मीन	20-10-2075	7 तुला	20-10-2081	9 धनु	19-09-2088	7 तुला	21-05-2094
11 कुंभ	19-02-2076	8 वृश्चिक	21-05-2082	6 कन्या	20-08-2089	6 कन्या	20-12-2094
10 मकर	20-06-2076	9 धनु	20-12-2082	5 सिंह	19-01-2090	5 सिंह	21-07-2095
9 धनु	19-10-2076	10 मकर	21-07-2083	4 कर्क	20-06-2090	4 कर्क	19-01-2096
8 वृश्चिक	18-02-2077	11 कुंभ	19-02-2084	3 मिथुन	19-11-2090	5 सिंह	20-04-2096
7 तुला	20-06-2077	12 मीन	19-09-2084	2 वृष	20-04-2091	6 कन्या	20-07-2096
मिथुन (3व)	92व 11म	मिथुन (3व)	99व 11म	मीन (4व)	108व 11म	सिंह (9व)	116व 11म
आरम्भ	19-10-2096	आरम्भ	20-10-2101	आरम्भ	21-06-2107	आरम्भ	21-04-2114
अन्त	20-10-2101	अन्त	21-06-2107	अन्त	21-04-2114	अन्त	21-03-2121
7 तुला	19-10-2096	7 तुला	20-10-2101	10 मकर	21-06-2107	7 तुला	21-04-2114
8 वृश्चिक	19-01-2097	8 वृश्चिक	21-07-2102	9 धनु	21-10-2107	8 वृश्चिक	20-01-2115
9 धनु	20-04-2097	9 धनु	21-04-2103	8 वृश्चिक	20-02-2108	7 तुला	21-10-2115
10 मकर	20-07-2097	10 मकर	20-01-2104	7 तुला	20-06-2108	8 वृश्चिक	21-05-2116
11 कुंभ	19-10-2097	6 कन्या	20-10-2104	6 कन्या	20-10-2108	9 धनु	20-12-2116
12 मीन	19-01-2098	5 सिंह	19-02-2105	5 सिंह	21-06-2109	10 मकर	21-07-2117
1 मेष	20-04-2098	4 कर्क	21-06-2105	4 कर्क	19-02-2110	11 कुंभ	19-02-2118
2 वृष	20-07-2098	3 मिथुन	20-10-2105	3 मिथुन	21-10-2110	12 मीन	20-09-2118
3 मिथुन	20-10-2098	2 वृष	19-02-2106	2 वृष	21-06-2111	1 मेष	21-04-2119
4 कर्क	21-07-2099	1 मेष	21-06-2106	1 मेष	20-02-2112	2 वृष	20-11-2119
5 सिंह	21-04-2100	12 मीन	21-10-2106	5 सिंह	20-10-2112	3 मिथुन	20-06-2120
6 कन्या	19-01-2101	11 कुंभ	19-02-2107	6 कन्या	21-07-2113	8 वृश्चिक	20-10-2120
वृष (5व)	120व 0म	वृष (5व)	124व 11म	कुंभ (4व)	132व 0म	कन्या (12व)	140व 0म
आरम्भ	21-03-2121	आरम्भ	21-05-2126	आरम्भ	19-02-2131	आरम्भ	21-10-2139
अन्त	21-05-2126	अन्त	19-02-2131	अन्त	21-10-2139	अन्त	19-02-2149
7 तुला	21-03-2121	7 तुला	21-05-2126	3 मिथुन	19-02-2131	2 वृष	21-10-2139
6 कन्या	20-08-2121	6 कन्या	20-12-2126	4 कर्क	21-06-2131	1 मेष	20-10-2140
5 सिंह	20-01-2122	5 सिंह	21-07-2127	5 सिंह	21-10-2131	12 मीन	20-10-2141
4 कर्क	21-06-2122	6 कन्या	19-02-2128	6 कन्या	20-06-2132	11 कुंभ	20-10-2142
3 मिथुन	20-11-2122	7 तुला	20-06-2128	7 तुला	19-02-2133	10 मकर	21-10-2143
2 वृष	21-04-2123	8 वृश्चिक	20-10-2128	8 वृश्चिक	20-10-2133	9 धनु	20-10-2144
1 मेष	20-09-2123	9 धनु	19-02-2129	9 धनु	21-06-2134	8 वृश्चिक	20-10-2145
12 मीन	20-02-2124	10 मकर	20-06-2129	10 मकर	19-02-2135	7 तुला	20-10-2146
11 कुंभ	21-07-2124	11 कुंभ	20-10-2129	6 कन्या	21-10-2135	6 कन्या	21-10-2147
10 मकर	20-12-2124	12 मीन	19-02-2130	5 सिंह	20-10-2136	5 सिंह	19-02-2148
9 धनु	21-05-2125	1 मेष	21-06-2130	4 कर्क	20-10-2137	4 कर्क	20-06-2148
8 वृश्चिक	20-10-2125	2 वृष	20-10-2130	3 मिथुन	20-10-2138	3 मिथुन	20-10-2148



नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

धनु (11व)	०व ०म	मकर (1व)	१०व ११म	कुंभ (12व)	१२व ०म	मीन (८व)	२४व ०म
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	20-10-2006	आरम्भ	21-10-2007	आरम्भ	21-10-2019
अन्त	20-10-2006	अन्त	21-10-2007	अन्त	21-10-2019	अन्त	21-10-2027
3 मिथुन	21-10-1995	10 मकर	20-10-2006	5 सिंह	21-10-2007	6 कन्या	21-10-2019
4 कर्क	20-09-1996	9 धनु	20-11-2006	6 कन्या	20-10-2008	5 सिंह	20-06-2020
5 सिंह	20-08-1997	8 वृश्चिक	20-12-2006	7 तुला	20-10-2009	4 कर्क	19-02-2021
6 कन्या	21-07-1998	7 तुला	20-01-2007	8 वृश्चिक	20-10-2010	3 मिथुन	20-10-2021
7 तुला	21-06-1999	6 कन्या	19-02-2007	9 धनु	21-10-2011	2 वृष	21-06-2022
8 वृश्चिक	21-05-2000	5 सिंह	22-03-2007	10 मकर	20-10-2012	1 मेष	19-02-2023
9 धनु	21-04-2001	4 कर्क	21-04-2007	11 कुंभ	20-10-2013	12 मीन	21-10-2023
10 मकर	21-03-2002	3 मिथुन	21-05-2007	12 मीन	20-10-2014	11 कुंभ	20-06-2024
11 कुंभ	19-02-2003	2 वृष	21-06-2007	1 मेष	21-10-2015	10 मकर	19-02-2025
12 मीन	20-01-2004	1 मेष	21-07-2007	2 वृष	20-10-2016	9 धनु	20-10-2025
1 मेष	20-12-2004	12 मीन	21-08-2007	3 मिथुन	20-10-2017	8 वृश्चिक	21-06-2026
2 वृष	20-11-2005	11 कुंभ	20-09-2007	4 कर्क	20-10-2018	7 तुला	19-02-2027
मेष (७व)	३२व ०म	वृष (५व)	३८व ११म	मिथुन (३व)	४३व ११म	कर्क (१व)	४६व ११म
आरम्भ	21-10-2027	आरम्भ	20-10-2034	आरम्भ	20-10-2039	आरम्भ	20-10-2042
अन्त	20-10-2034	अन्त	20-10-2039	अन्त	20-10-2042	अन्त	20-10-2043
7 तुला	21-10-2027	8 वृश्चिक	20-10-2034	3 मिथुन	20-10-2039	10 मकर	20-10-2042
8 वृश्चिक	21-05-2028	7 तुला	21-03-2035	4 कर्क	20-01-2040	9 धनु	20-11-2042
9 धनु	20-12-2028	6 कन्या	21-08-2035	5 सिंह	20-04-2040	8 वृश्चिक	20-12-2042
10 मकर	21-07-2029	5 सिंह	20-01-2036	6 कन्या	20-07-2040	7 तुला	19-01-2043
11 कुंभ	19-02-2030	4 कर्क	20-06-2036	7 तुला	20-10-2040	6 कन्या	19-02-2043
12 मीन	20-09-2030	3 मिथुन	19-11-2036	8 वृश्चिक	19-01-2041	5 सिंह	21-03-2043
1 मेष	21-04-2031	2 वृष	20-04-2037	9 धनु	20-04-2041	4 कर्क	21-04-2043
2 वृष	20-11-2031	1 मेष	19-09-2037	10 मकर	21-07-2041	3 मिथुन	21-05-2043
3 मिथुन	20-06-2032	12 मीन	19-02-2038	11 कुंभ	20-10-2041	2 वृष	21-06-2043
4 कर्क	19-01-2033	11 कुंभ	21-07-2038	12 मीन	19-01-2042	1 मेष	21-07-2043
5 सिंह	20-08-2033	10 मकर	20-12-2038	1 मेष	21-04-2042	12 मीन	21-08-2043
6 कन्या	21-03-2034	9 धनु	21-05-2039	2 वृष	21-07-2042	11 कुंभ	20-09-2043
सिंह (२व)	४७व ११म	कन्या (१२व)	४९व ११म	तुला (१२व)	६१व ११म	वृश्चिक (१२व)	७३व ११म
आरम्भ	20-10-2043	आरम्भ	20-10-2045	आरम्भ	20-10-2057	आरम्भ	20-10-2069
अन्त	20-10-2045	अन्त	20-10-2057	अन्त	20-10-2069	अन्त	20-10-2081
5 सिंह	20-10-2043	6 कन्या	20-10-2045	7 तुला	20-10-2057	8 वृश्चिक	20-10-2069
6 कन्या	20-12-2043	5 सिंह	20-10-2046	8 वृश्चिक	20-10-2058	7 तुला	20-10-2070
7 तुला	19-02-2044	4 कर्क	20-10-2047	9 धनु	20-10-2059	6 कन्या	20-10-2071
8 वृश्चिक	20-04-2044	3 मिथुन	20-10-2048	10 मकर	19-10-2060	5 सिंह	19-10-2072
9 धनु	20-06-2044	2 वृष	20-10-2049	11 कुंभ	20-10-2061	4 कर्क	20-10-2073
10 मकर	20-08-2044	1 मेष	20-10-2050	12 मीन	20-10-2062	3 मिथुन	20-10-2074
11 कुंभ	20-10-2044	12 मीन	20-10-2051	1 मेष	20-10-2063	2 वृष	20-10-2075
12 मीन	19-12-2044	11 कुंभ	20-10-2052	2 वृष	19-10-2064	1 मेष	19-10-2076
1 मेष	18-02-2045	10 मकर	20-10-2053	3 मिथुन	20-10-2065	12 मीन	20-10-2077
2 वृष	20-04-2045	9 धनु	20-10-2054	4 कर्क	20-10-2066	11 कुंभ	20-10-2078
3 मिथुन	20-06-2045	8 वृश्चिक	20-10-2055	5 सिंह	20-10-2067	10 मकर	20-10-2079
4 कर्क	20-08-2045	7 तुला	20-10-2056	6 कन्या	19-10-2068	9 धनु	19-10-2080



नवांश दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

धनु (11व)	85व 11म	मकर (1व)	96व 11म	कुंभ (12व)	97व 11म	मीन (8व)	109व 11म
आरम्भ	20-10-2081	आरम्भ	19-10-2092	आरम्भ	19-10-2093	आरम्भ	20-10-2105
अन्त	19-10-2092	अन्त	19-10-2093	अन्त	20-10-2105	अन्त	20-10-2113
3 मिथुन	20-10-2081	10 मकर	19-10-2092	5 सिंह	19-10-2093	6 कन्या	20-10-2105
4 कर्क	19-09-2082	9 धनु	19-11-2092	6 कन्या	20-10-2094	5 सिंह	21-06-2106
5 सिंह	20-08-2083	8 वृश्चिक	19-12-2092	7 तुला	20-10-2095	4 कर्क	19-02-2107
6 कन्या	20-07-2084	7 तुला	19-01-2093	8 वृश्चिक	19-10-2096	3 मिथुन	21-10-2107
7 तुला	20-06-2085	6 कन्या	18-02-2093	9 धनु	19-10-2097	2 वृष	20-06-2108
8 वृश्चिक	21-05-2086	5 सिंह	20-03-2093	10 मकर	20-10-2098	1 मेष	19-02-2109
9 धनु	20-04-2087	4 कर्क	20-04-2093	11 कुंभ	20-10-2099	12 मीन	20-10-2109
10 मकर	20-03-2088	3 मिथुन	20-05-2093	12 मीन	20-10-2100	11 कुंभ	21-06-2110
11 कुंभ	18-02-2089	2 वृष	20-06-2093	1 मेष	20-10-2101	10 मकर	19-02-2111
12 मीन	19-01-2090	1 मेष	20-07-2093	2 वृष	21-10-2102	9 धनु	21-10-2111
1 मेष	20-12-2090	12 मीन	20-08-2093	3 मिथुन	21-10-2103	8 वृश्चिक	20-06-2112
2 वृष	19-11-2091	11 कुंभ	19-09-2093	4 कर्क	20-10-2104	7 तुला	19-02-2113
मेष (7व)	117व 11म	वृष (5व)	124व 11म	मिथुन (3व)	129व 11म	कर्क (1व)	132व 11म
आरम्भ	20-10-2113	आरम्भ	20-10-2120	आरम्भ	20-10-2125	आरम्भ	20-10-2128
अन्त	20-10-2120	अन्त	20-10-2125	अन्त	20-10-2128	अन्त	20-10-2129
7 तुला	20-10-2113	8 वृश्चिक	20-10-2120	3 मिथुन	20-10-2125	10 मकर	20-10-2128
8 वृश्चिक	21-05-2114	7 तुला	21-03-2121	4 कर्क	20-01-2126	9 धनु	19-11-2128
9 धनु	20-12-2114	6 कन्या	20-08-2121	5 सिंह	21-04-2126	8 वृश्चिक	20-12-2128
10 मकर	22-07-2115	5 सिंह	20-01-2122	6 कन्या	21-07-2126	7 तुला	19-01-2129
11 कुंभ	20-02-2116	4 कर्क	21-06-2122	7 तुला	20-10-2126	6 कन्या	19-02-2129
12 मीन	20-09-2116	3 मिथुन	20-11-2122	8 वृश्चिक	20-01-2127	5 सिंह	21-03-2129
1 मेष	21-04-2117	2 वृष	21-04-2123	9 धनु	21-04-2127	4 कर्क	21-04-2129
2 वृष	20-11-2117	1 मेष	20-09-2123	10 मकर	21-07-2127	3 मिथुन	21-05-2129
3 मिथुन	21-06-2118	12 मीन	20-02-2124	11 कुंभ	21-10-2127	2 वृष	20-06-2129
4 कर्क	20-01-2119	11 कुंभ	21-07-2124	12 मीन	20-01-2128	1 मेष	21-07-2129
5 सिंह	21-08-2119	10 मकर	20-12-2124	1 मेष	20-04-2128	12 मीन	20-08-2129
6 कन्या	21-03-2120	9 धनु	21-05-2125	2 वृष	21-07-2128	11 कुंभ	20-09-2129
सिंह (2व)	133व 11म	कन्या (12व)	136व 0म	तुला (12व)	148व 0म	वृश्चिक (12व)	160व 0म
आरम्भ	20-10-2129	आरम्भ	21-10-2131	आरम्भ	21-10-2143	आरम्भ	21-10-2155
अन्त	21-10-2131	अन्त	21-10-2143	अन्त	21-10-2155	अन्त	20-10-2167
5 सिंह	20-10-2129	6 कन्या	21-10-2131	7 तुला	21-10-2143	8 वृश्चिक	21-10-2155
6 कन्या	20-12-2129	5 सिंह	20-10-2132	8 वृश्चिक	20-10-2144	7 तुला	20-10-2156
7 तुला	19-02-2130	4 कर्क	20-10-2133	9 धनु	20-10-2145	6 कन्या	20-10-2157
8 वृश्चिक	21-04-2130	3 मिथुन	20-10-2134	10 मकर	20-10-2146	5 सिंह	20-10-2158
9 धनु	21-06-2130	2 वृष	21-10-2135	11 कुंभ	21-10-2147	4 कर्क	20-10-2159
10 मकर	21-08-2130	1 मेष	20-10-2136	12 मीन	20-10-2148	3 मिथुन	20-10-2160
11 कुंभ	20-10-2130	12 मीन	20-10-2137	1 मेष	20-10-2149	2 वृष	20-10-2161
12 मीन	20-12-2130	11 कुंभ	20-10-2138	2 वृष	20-10-2150	1 मेष	20-10-2162
1 मेष	19-02-2131	10 मकर	21-10-2139	3 मिथुन	21-10-2151	12 मीन	20-10-2163
2 वृष	21-04-2131	9 धनु	20-10-2140	4 कर्क	20-10-2152	11 कुंभ	20-10-2164
3 मिथुन	21-06-2131	8 वृश्चिक	20-10-2141	5 सिंह	20-10-2153	10 मकर	20-10-2165
4 कर्क	21-08-2131	7 तुला	20-10-2142	6 कन्या	20-10-2154	9 धनु	20-10-2166



नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (12व)	०व ०म	वृश्चिक (5व)	१२व ०म	धनु (11व)	१६व ११म	मकर (11व)	२८व ०म
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	21-10-2007	आरम्भ	20-10-2012	आरम्भ	21-10-2023
अन्त	21-10-2007	अन्त	20-10-2012	अन्त	21-10-2023	अन्त	20-10-2034
7 तुला	21-10-1995	8 वृश्चिक	21-10-2007	3 मिथुन	20-10-2012	10 मकर	21-10-2023
8 वृश्चिक	20-10-1996	7 तुला	21-03-2008	4 कर्क	20-09-2013	9 धनु	19-09-2024
9 धनु	20-10-1997	6 कन्या	20-08-2008	5 सिंह	20-08-2014	8 वृश्चिक	20-08-2025
10 मकर	20-10-1998	5 सिंह	19-01-2009	6 कन्या	21-07-2015	7 तुला	21-07-2026
11 कुंभ	21-10-1999	4 कर्क	20-06-2009	7 तुला	20-06-2016	6 कन्या	21-06-2027
12 मीन	20-10-2000	3 मिथुन	20-11-2009	8 वृश्चिक	21-05-2017	5 सिंह	21-05-2028
1 मेष	20-10-2001	2 वृष	21-04-2010	9 धनु	21-04-2018	4 कर्क	20-04-2029
2 वृष	20-10-2002	1 मेष	20-09-2010	10 मकर	22-03-2019	3 मिथुन	21-03-2030
3 मिथुन	21-10-2003	12 मीन	19-02-2011	11 कुंभ	19-02-2020	2 वृष	19-02-2031
4 कर्क	20-10-2004	11 कुंभ	21-07-2011	12 मीन	19-01-2021	1 मेष	20-01-2032
5 सिंह	20-10-2005	10 मकर	21-12-2011	1 मेष	20-12-2021	12 मीन	20-12-2032
6 कन्या	20-10-2006	9 धनु	21-05-2012	2 वृष	20-11-2022	11 कुंभ	19-11-2033
कुंभ (4व)	३८व ११म	मीन (4व)	४२व ११म	मेष (७व)	४६व ११म	वृष (५व)	५३व ११म
आरम्भ	20-10-2034	आरम्भ	20-10-2038	आरम्भ	20-10-2042	आरम्भ	20-10-2049
अन्त	20-10-2038	अन्त	20-10-2042	अन्त	20-10-2049	अन्त	20-10-2054
5 सिंह	20-10-2034	6 कन्या	20-10-2038	7 तुला	20-10-2042	8 वृश्चिक	20-10-2049
6 कन्या	19-02-2035	5 सिंह	19-02-2039	8 वृश्चिक	21-05-2043	7 तुला	21-03-2050
7 तुला	21-06-2035	4 कर्क	21-06-2039	9 धनु	20-12-2043	6 कन्या	20-08-2050
8 वृश्चिक	20-10-2035	3 मिथुन	20-10-2039	10 मकर	20-07-2044	5 सिंह	19-01-2051
9 धनु	19-02-2036	2 वृष	19-02-2040	11 कुंभ	18-02-2045	4 कर्क	21-06-2051
10 मकर	20-06-2036	1 मेष	20-06-2040	12 मीन	19-09-2045	3 मिथुन	20-11-2051
11 कुंभ	20-10-2036	12 मीन	20-10-2040	1 मेष	20-04-2046	2 वृष	20-04-2052
12 मीन	18-02-2037	11 कुंभ	18-02-2041	2 वृष	20-11-2046	1 मेष	19-09-2052
1 मेष	20-06-2037	10 मकर	20-06-2041	3 मिथुन	21-06-2047	12 मीन	18-02-2053
2 वृष	20-10-2037	9 धनु	20-10-2041	4 कर्क	20-01-2048	11 कुंभ	20-07-2053
3 मिथुन	19-02-2038	8 वृश्चिक	19-02-2042	5 सिंह	20-08-2048	10 मकर	20-12-2053
4 कर्क	20-06-2038	7 तुला	20-06-2042	6 कन्या	21-03-2049	9 धनु	21-05-2054
मिथुन (३व)	५८व ११म	कर्क (११व)	६१व ११म	सिंह (९व)	७२व ११म	कन्या (१२व)	८१व ११म
आरम्भ	20-10-2054	आरम्भ	20-10-2057	आरम्भ	19-10-2068	आरम्भ	20-10-2077
अन्त	20-10-2057	अन्त	19-10-2068	अन्त	20-10-2077	अन्त	20-10-2089
3 मिथुन	20-10-2054	10 मकर	20-10-2057	5 सिंह	19-10-2068	6 कन्या	20-10-2077
4 कर्क	19-01-2055	9 धनु	20-09-2058	6 कन्या	20-07-2069	5 सिंह	20-10-2078
5 सिंह	21-04-2055	8 वृश्चिक	20-08-2059	7 तुला	20-04-2070	4 कर्क	20-10-2079
6 कन्या	21-07-2055	7 तुला	20-07-2060	8 वृश्चिक	19-01-2071	3 मिथुन	19-10-2080
7 तुला	20-10-2055	6 कन्या	20-06-2061	9 धनु	20-10-2071	2 वृष	20-10-2081
8 वृश्चिक	20-01-2056	5 सिंह	21-05-2062	10 मकर	20-07-2072	1 मेष	20-10-2082
9 धनु	20-04-2056	4 कर्क	21-04-2063	11 कुंभ	20-04-2073	12 मीन	20-10-2083
10 मकर	20-07-2056	3 मिथुन	20-03-2064	12 मीन	19-01-2074	11 कुंभ	19-10-2084
11 कुंभ	20-10-2056	2 वृष	18-02-2065	1 मेष	20-10-2074	10 मकर	20-10-2085
12 मीन	19-01-2057	1 मेष	19-01-2066	2 वृष	21-07-2075	9 धनु	20-10-2086
1 मेष	20-04-2057	12 मीन	20-12-2066	3 मिथुन	20-04-2076	8 वृश्चिक	20-10-2087
2 वृष	20-07-2057	11 कुंभ	20-11-2067	4 कर्क	19-01-2077	7 तुला	19-10-2088



नारायण दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

वृश्चिक (5व)	93व 11म	वृश्चिक (5व)	100व 11म	कुंभ (4व)	101व 11म	मीन (4व)	102व 11म
आरम्भ	20-10-2089	आरम्भ	20-10-2094	आरम्भ	20-10-2100	आरम्भ	21-10-2106
अन्त	20-10-2094	अन्त	20-10-2100	अन्त	21-10-2106	अन्त	21-10-2110
8 वृश्चिक	20-10-2089	8 वृश्चिक	20-10-2094	11 कुंभ	20-10-2100	6 कन्या	21-10-2106
7 तुला	21-03-2090	7 तुला	21-05-2095	12 मीन	19-02-2101	5 सिंह	19-02-2107
6 कन्या	20-08-2090	6 कन्या	20-12-2095	1 मेष	21-06-2101	4 कर्क	21-06-2107
5 सिंह	19-01-2091	5 सिंह	20-07-2096	2 वृष	20-10-2101	3 मिथुन	21-10-2107
4 कर्क	20-06-2091	3 मिथुन	19-10-2096	3 मिथुन	19-02-2102	2 वृष	20-02-2108
3 मिथुन	19-11-2091	4 कर्क	19-09-2097	4 कर्क	21-06-2102	1 मेष	20-06-2108
2 वृष	20-04-2092	10 मकर	19-10-2097	5 सिंह	21-10-2102	12 मीन	20-10-2108
1 मेष	19-09-2092	9 धनु	19-09-2098	6 कन्या	21-06-2103	11 कुंभ	19-02-2109
12 मीन	18-02-2093	7 तुला	20-06-2099	7 तुला	20-02-2104	10 मकर	21-06-2109
11 कुंभ	20-07-2093	8 वृश्चिक	20-10-2099	8 वृश्चिक	20-10-2104	9 धनु	20-10-2109
10 मकर	19-12-2093	9 धनु	19-02-2100	9 धनु	21-06-2105	8 वृश्चिक	19-02-2110
9 धनु	21-05-2094	10 मकर	20-06-2100	10 मकर	19-02-2106	7 तुला	21-06-2110
मीन (4व)	111व 0म	मेष (7व)	119व 0म	वृष (5व)	124व 0म	मिथुन (3व)	130व 11म
आरम्भ	21-10-2110	आरम्भ	21-04-2118	आरम्भ	21-07-2123	आरम्भ	20-04-2128
अन्त	21-04-2118	अन्त	21-07-2123	अन्त	20-04-2128	अन्त	21-04-2134
6 कन्या	21-10-2110	1 मेष	21-04-2118	11 कुंभ	21-07-2123	9 धनु	20-04-2128
5 सिंह	21-06-2111	2 वृष	20-11-2118	10 मकर	21-12-2123	10 मकर	21-07-2128
4 कर्क	20-02-2112	3 मिथुन	21-06-2119	9 धनु	21-05-2124	11 कुंभ	20-10-2128
3 मिथुन	20-10-2112	8 वृश्चिक	21-10-2119	8 वृश्चिक	20-10-2124	12 मीन	19-01-2129
2 वृष	21-06-2113	7 तुला	21-03-2120	7 तुला	21-05-2125	1 मेष	21-04-2129
1 मेष	19-02-2114	6 कन्या	20-08-2120	6 कन्या	20-12-2125	2 वृष	21-07-2129
7 तुला	21-10-2114	5 सिंह	19-01-2121	5 सिंह	21-07-2126	3 मिथुन	20-10-2129
8 वृश्चिक	22-05-2115	4 कर्क	21-06-2121	4 कर्क	20-01-2127	4 कर्क	21-07-2130
9 धनु	21-12-2115	3 मिथुन	20-11-2121	5 सिंह	21-04-2127	5 सिंह	21-04-2131
10 मकर	21-07-2116	2 वृष	21-04-2122	6 कन्या	21-07-2127	6 कन्या	20-01-2132
11 कुंभ	19-02-2117	1 मेष	20-09-2122	7 तुला	21-10-2127	7 तुला	20-10-2132
12 मीन	20-09-2117	12 मीन	19-02-2123	8 वृश्चिक	20-01-2128	8 वृश्चिक	21-07-2133
मिथुन (3व)	140व 0म	तुला (12व)	140व 11म	वृश्चिक (5व)	144व 0म	धनु (11व)	156व 0म
आरम्भ	21-04-2134	आरम्भ	20-10-2144	आरम्भ	19-11-2153	आरम्भ	21-05-2161
अन्त	20-10-2144	अन्त	19-11-2153	अन्त	21-05-2161	अन्त	20-05-2172
9 धनु	21-04-2134	12 मीन	20-10-2144	3 मिथुन	19-11-2153	8 वृश्चिक	21-05-2161
10 मकर	20-01-2135	1 मेष	20-10-2145	2 वृष	21-04-2154	9 धनु	21-04-2162
10 मकर	21-10-2135	2 वृष	20-10-2146	1 मेष	20-09-2154	10 मकर	21-03-2163
9 धनु	19-09-2136	3 मिथुन	21-10-2147	12 मीन	19-02-2155	11 कुंभ	19-02-2164
6 कन्या	21-07-2137	4 कर्क	20-10-2148	11 कुंभ	21-07-2155	12 मीन	19-01-2165
7 तुला	21-04-2138	5 सिंह	20-10-2149	10 मकर	20-12-2155	1 मेष	20-12-2165
8 वृश्चिक	20-01-2139	6 कन्या	20-10-2150	9 धनु	21-05-2156	2 वृष	20-11-2166
7 तुला	21-10-2139	8 वृश्चिक	21-10-2151	3 मिथुन	20-10-2156	10 मकर	20-10-2167
8 वृश्चिक	20-10-2140	7 तुला	21-03-2152	4 कर्क	20-09-2157	9 धनु	19-09-2168
9 धनु	20-10-2141	6 कन्या	20-08-2152	5 सिंह	20-08-2158	8 वृश्चिक	20-08-2169
10 मकर	20-10-2142	5 सिंह	19-01-2153	6 कन्या	21-07-2159	7 तुला	21-07-2170
11 कुंभ	21-10-2143	4 कर्क	20-06-2153	7 तुला	20-06-2160	6 कन्या	21-06-2171



लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (12व)	०व ०म	मकर (11व)	१२व ०म	मेष (७व)	२२व ११म	कर्क (११व)	२९व ११म
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	21-10-2007	आरम्भ	20-10-2018	आरम्भ	20-10-2025
अन्त	21-10-2007	अन्त	20-10-2018	अन्त	20-10-2025	अन्त	20-10-2036
7 तुला	21-10-1995	10 मकर	21-10-2007	7 तुला	20-10-2018	10 मकर	20-10-2025
8 वृश्चिक	20-10-1996	9 धनु	19-09-2008	8 वृश्चिक	21-05-2019	9 धनु	20-09-2026
9 धनु	20-10-1997	8 वृश्चिक	20-08-2009	9 धनु	20-12-2019	8 वृश्चिक	21-08-2027
10 मकर	20-10-1998	7 तुला	21-07-2010	10 मकर	20-07-2020	7 तुला	20-07-2028
11 कुंभ	21-10-1999	6 कन्या	21-06-2011	11 कुंभ	19-02-2021	6 कन्या	20-06-2029
12 मीन	20-10-2000	5 सिंह	21-05-2012	12 मीन	20-09-2021	5 सिंह	21-05-2030
1 मेष	20-10-2001	4 कर्क	20-04-2013	1 मेष	21-04-2022	4 कर्क	21-04-2031
2 वृष	20-10-2002	3 मिथुन	21-03-2014	2 वृष	20-11-2022	3 मिथुन	21-03-2032
3 मिथुन	21-10-2003	2 वृष	19-02-2015	3 मिथुन	21-06-2023	2 वृष	18-02-2033
4 कर्क	20-10-2004	1 मेष	20-01-2016	4 कर्क	20-01-2024	1 मेष	19-01-2034
5 सिंह	20-10-2005	12 मीन	20-12-2016	5 सिंह	20-08-2024	12 मीन	20-12-2034
6 कन्या	20-10-2006	11 कुंभ	20-11-2017	6 कन्या	21-03-2025	11 कुंभ	20-11-2035
वृश्चिक (५व)	४०व ११म	कुंभ (४व)	४५व ११म	वृष (५व)	४९व ११म	सिंह (९व)	५४व ११म
आरम्भ	20-10-2036	आरम्भ	20-10-2041	आरम्भ	20-10-2045	आरम्भ	20-10-2050
अन्त	20-10-2041	अन्त	20-10-2045	अन्त	20-10-2050	अन्त	20-10-2059
8 वृश्चिक	20-10-2036	5 सिंह	20-10-2041	8 वृश्चिक	20-10-2045	5 सिंह	20-10-2050
7 तुला	21-03-2037	6 कन्या	19-02-2042	7 तुला	21-03-2046	6 कन्या	21-07-2051
6 कन्या	20-08-2037	7 तुला	20-06-2042	6 कन्या	20-08-2046	7 तुला	20-04-2052
5 सिंह	19-01-2038	8 वृश्चिक	20-10-2042	5 सिंह	19-01-2047	8 वृश्चिक	19-01-2053
4 कर्क	20-06-2038	9 धनु	19-02-2043	4 कर्क	21-06-2047	9 धनु	20-10-2053
3 मिथुन	20-11-2038	10 मकर	21-06-2043	3 मिथुन	20-11-2047	10 मकर	21-07-2054
2 वृष	21-04-2039	11 कुंभ	20-10-2043	2 वृष	20-04-2048	11 कुंभ	21-04-2055
1 मेष	20-09-2039	12 मीन	19-02-2044	1 मेष	19-09-2048	12 मीन	20-01-2056
12 मीन	19-02-2040	1 मेष	20-06-2044	12 मीन	18-02-2049	1 मेष	20-10-2056
11 कुंभ	20-07-2040	2 वृष	20-10-2044	11 कुंभ	21-07-2049	2 वृष	20-07-2057
10 मकर	20-12-2040	3 मिथुन	18-02-2045	10 मकर	20-12-2049	3 मिथुन	20-04-2058
9 धनु	21-05-2041	4 कर्क	20-06-2045	9 धनु	21-05-2050	4 कर्क	19-01-2059
धनु (११व)	६३व ११म	मीन (४व)	७४व ११म	मिथुन (३व)	७८व ११म	कन्या (१२व)	८१व ११म
आरम्भ	20-10-2059	आरम्भ	20-10-2070	आरम्भ	20-10-2074	आरम्भ	20-10-2077
अन्त	20-10-2070	अन्त	20-10-2074	अन्त	20-10-2077	अन्त	20-10-2089
3 मिथुन	20-10-2059	6 कन्या	20-10-2070	3 मिथुन	20-10-2074	6 कन्या	20-10-2077
4 कर्क	19-09-2060	5 सिंह	19-02-2071	4 कर्क	19-01-2075	5 सिंह	20-10-2078
5 सिंह	20-08-2061	4 कर्क	20-06-2071	5 सिंह	21-04-2075	4 कर्क	20-10-2079
6 कन्या	21-07-2062	3 मिथुन	20-10-2071	6 कन्या	21-07-2075	3 मिथुन	19-10-2080
7 तुला	20-06-2063	2 वृष	19-02-2072	7 तुला	20-10-2075	2 वृष	20-10-2081
8 वृश्चिक	20-05-2064	1 मेष	20-06-2072	8 वृश्चिक	19-01-2076	1 मेष	20-10-2082
9 धनु	20-04-2065	12 मीन	19-10-2072	9 धनु	20-04-2076	12 मीन	20-10-2083
10 मकर	21-03-2066	11 कुंभ	18-02-2073	10 मकर	20-07-2076	11 कुंभ	19-10-2084
11 कुंभ	19-02-2067	10 मकर	20-06-2073	11 कुंभ	19-10-2076	10 मकर	20-10-2085
12 मीन	20-01-2068	9 धनु	20-10-2073	12 मीन	19-01-2077	9 धनु	20-10-2086
1 मेष	19-12-2068	8 वृश्चिक	18-02-2074	1 मेष	20-04-2077	8 वृश्चिक	20-10-2087
2 वृष	19-11-2069	7 तुला	20-06-2074	2 वृष	20-07-2077	7 तुला	19-10-2088



लग्न केन्द्रादि राशी दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

मकर (11व)	93व 11म	कुंभ (4व)	94व 11म	कुंभ (4व)	99व 11म	वृष (5व)	100व 11म
आरम्भ	20-10-2089	आरम्भ	20-06-2097	आरम्भ	19-02-2102	आरम्भ	20-02-2108
अन्त	20-08-2097	अन्त	19-02-2102	अन्त	20-02-2108	अन्त	21-10-2114
10 मकर	20-10-2089	7 तुला	20-06-2097	7 तुला	19-02-2102	12 मीन	20-02-2108
9 धनु	19-09-2090	8 वृश्चिक	19-10-2097	8 वृश्चिक	21-10-2102	11 कुंभ	21-07-2108
8 वृश्चिक	21-05-2091	9 धनु	18-02-2098	9 धनु	21-06-2103	10 मकर	20-12-2108
9 धनु	20-12-2091	10 मकर	20-06-2098	10 मकर	20-02-2104	9 धनु	21-05-2109
10 मकर	20-07-2092	11 कुंभ	20-10-2098	8 वृश्चिक	20-10-2104	8 वृश्चिक	20-10-2109
11 कुंभ	18-02-2093	12 मीन	18-02-2099	7 तुला	21-03-2105	7 तुला	21-05-2110
12 मीन	19-09-2093	1 मेष	20-06-2099	6 कन्या	21-08-2105	6 कन्या	20-12-2110
1 मेष	20-04-2094	2 वृष	20-10-2099	5 सिंह	20-01-2106	5 सिंह	22-07-2111
2 वृष	19-11-2094	3 मिथुन	19-02-2100	4 कर्क	21-06-2106	5 सिंह	21-10-2111
3 मिथुन	20-06-2095	4 कर्क	20-06-2100	3 मिथुन	20-11-2106	6 कन्या	21-07-2112
10 मकर	20-10-2095	5 सिंह	20-10-2100	2 वृष	21-04-2107	7 तुला	21-04-2113
9 धनु	19-09-2096	6 कन्या	21-06-2101	1 मेष	20-09-2107	8 वृश्चिक	20-01-2114
वृश्चिक (5व)	108व 11म	वृश्चिक (5व)	116व 0म	मीन (4व)	119व 0म	मिथुन (3व)	125व 11म
आरम्भ	21-10-2114	आरम्भ	21-10-2119	आरम्भ	20-10-2124	आरम्भ	21-07-2130
अन्त	21-10-2119	अन्त	20-10-2124	अन्त	21-07-2130	अन्त	20-01-2135
8 वृश्चिक	21-10-2114	8 वृश्चिक	21-10-2119	9 धनु	20-10-2124	6 कन्या	21-07-2130
7 तुला	22-03-2115	7 तुला	21-05-2120	8 वृश्चिक	19-02-2125	7 तुला	20-10-2130
6 कन्या	21-08-2115	6 कन्या	20-12-2120	7 तुला	20-06-2125	8 वृश्चिक	20-01-2131
5 सिंह	20-01-2116	5 सिंह	21-07-2121	6 कन्या	20-10-2125	9 धनु	21-04-2131
4 कर्क	20-06-2116	5 सिंह	19-02-2122	5 सिंह	21-06-2126	10 मकर	21-07-2131
3 मिथुन	19-11-2116	4 कर्क	21-06-2122	4 कर्क	19-02-2127	11 कुंभ	21-10-2131
2 वृष	21-04-2117	3 मिथुन	21-10-2122	3 मिथुन	21-10-2127	12 मीन	20-01-2132
1 मेष	20-09-2117	2 वृष	19-02-2123	2 वृष	20-06-2128	1 मेष	20-04-2132
12 मीन	19-02-2118	1 मेष	21-06-2123	1 मेष	19-02-2129	2 वृष	21-07-2132
11 कुंभ	21-07-2118	12 मीन	21-10-2123	3 मिथुन	20-10-2129	3 मिथुन	20-10-2132
10 मकर	20-12-2118	11 कुंभ	20-02-2124	4 कर्क	20-01-2130	4 कर्क	21-07-2133
9 धनु	22-05-2119	10 मकर	20-06-2124	5 सिंह	21-04-2130	5 सिंह	21-04-2134
मिथुन (3व)	133व 11म	मेष (7व)	142व 11म	कर्क (11व)	144व 0म	तुला (12व)	150व 11म
आरम्भ	20-01-2135	आरम्भ	21-04-2143	आरम्भ	20-04-2152	आरम्भ	20-10-2163
अन्त	21-04-2143	अन्त	20-04-2152	अन्त	20-10-2163	अन्त	21-04-2175
6 कन्या	20-01-2135	1 मेष	21-04-2143	4 कर्क	20-04-2152	1 मेष	20-10-2163
7 तुला	21-10-2135	2 वृष	20-11-2143	3 मिथुन	21-03-2153	2 वृष	20-10-2164
8 वृश्चिक	21-07-2136	3 मिथुन	20-06-2144	2 वृष	19-02-2154	3 मिथुन	20-10-2165
9 धनु	21-04-2137	4 कर्क	19-01-2145	1 मेष	20-01-2155	4 कर्क	20-10-2166
10 मकर	19-01-2138	5 सिंह	20-08-2145	12 मीन	20-12-2155	5 सिंह	20-10-2167
3 मिथुन	20-10-2138	6 कन्या	21-03-2146	11 कुंभ	19-11-2156	6 कन्या	20-10-2168
4 कर्क	20-09-2139	10 मकर	20-10-2146	7 तुला	20-10-2157	10 मकर	20-10-2169
8 वृश्चिक	21-05-2140	9 धनु	20-09-2147	8 वृश्चिक	20-10-2158	9 धनु	20-09-2170
9 धनु	20-12-2140	8 वृश्चिक	20-08-2148	9 धनु	20-10-2159	8 वृश्चिक	21-08-2171
10 मकर	21-07-2141	7 तुला	21-07-2149	10 मकर	20-10-2160	7 तुला	20-07-2172
11 कुंभ	19-02-2142	6 कन्या	21-06-2150	11 कुंभ	20-10-2161	6 कन्या	20-06-2173
12 मीन	20-09-2142	5 सिंह	21-05-2151	12 मीन	20-10-2162	5 सिंह	21-05-2174



शूल दशाएं

नीचे दी गई तिथियां दशा आरम्भ काल की हैं। * आयु दशा आरम्भ काल की दी गई है।

तुला (9व)	०व ०म	वृश्चिक (9व)	८व ११म	धनु (9व)	१७व ११म	मकर (9व)	२६व ११म
आरम्भ	21-10-1995	आरम्भ	20-10-2004	आरम्भ	20-10-2013	आरम्भ	20-10-2022
अन्त	20-10-2004	अन्त	20-10-2013	अन्त	20-10-2022	अन्त	20-10-2031
7 तुला	21-10-1995	8 वृश्चिक	20-10-2004	9 धनु	20-10-2013	10 मकर	20-10-2022
8 वृश्चिक	21-07-1996	7 तुला	21-07-2005	10 मकर	21-07-2014	9 धनु	21-07-2023
9 धनु	21-04-1997	6 कन्या	21-04-2006	11 कुंभ	21-04-2015	8 वृश्चिक	20-04-2024
10 मकर	20-01-1998	5 सिंह	20-01-2007	12 मीन	20-01-2016	7 तुला	19-01-2025
11 कुंभ	20-10-1998	4 कर्क	21-10-2007	1 मेष	20-10-2016	6 कन्या	20-10-2025
12 मीन	21-07-1999	3 मिथुन	21-07-2008	2 वृष	21-07-2017	5 सिंह	21-07-2026
1 मेष	20-04-2000	2 वृष	21-04-2009	3 मिथुन	21-04-2018	4 कर्क	21-04-2027
2 वृष	19-01-2001	1 मेष	19-01-2010	4 कर्क	20-01-2019	3 मिथुन	20-01-2028
3 मिथुन	20-10-2001	12 मीन	20-10-2010	5 सिंह	21-10-2019	2 वृष	20-10-2028
4 कर्क	21-07-2002	11 कुंभ	21-07-2011	6 कन्या	20-07-2020	1 मेष	21-07-2029
5 सिंह	21-04-2003	10 मकर	20-04-2012	7 तुला	20-04-2021	12 मीन	21-04-2030
6 कन्या	20-01-2004	9 धनु	19-01-2013	8 वृश्चिक	19-01-2022	11 कुंभ	20-01-2031

कुंभ (9व)	३५व ११म	मीन (9व)	४४व ११म	मेष (9व)	५३व ११म	वृष (9व)	६२व ११म
आरम्भ	20-10-2031	आरम्भ	20-10-2040	आरम्भ	20-10-2049	आरम्भ	20-10-2058
अन्त	20-10-2040	अन्त	20-10-2049	अन्त	20-10-2058	अन्त	20-10-2067
11 कुंभ	20-10-2031	12 मीन	20-10-2040	1 मेष	20-10-2049	2 वृष	20-10-2058
12 मीन	20-07-2032	11 कुंभ	21-07-2041	2 वृष	21-07-2050	1 मेष	21-07-2059
1 मेष	20-04-2033	10 मकर	21-04-2042	3 मिथुन	21-04-2051	12 मीन	20-04-2060
2 वृष	19-01-2034	9 धनु	19-01-2043	4 कर्क	20-01-2052	11 कुंभ	19-01-2061
3 मिथुन	20-10-2034	8 वृश्चिक	20-10-2043	5 सिंह	20-10-2052	10 मकर	20-10-2061
4 कर्क	21-07-2035	7 तुला	20-07-2044	6 कन्या	20-07-2053	9 धनु	21-07-2062
5 सिंह	20-04-2036	6 कन्या	20-04-2045	7 तुला	20-04-2054	8 वृश्चिक	21-04-2063
6 कन्या	19-01-2037	5 सिंह	19-01-2046	8 वृश्चिक	19-01-2055	7 तुला	20-01-2064
7 तुला	20-10-2037	4 कर्क	20-10-2046	9 धनु	20-10-2055	6 कन्या	19-10-2064
8 वृश्चिक	21-07-2038	3 मिथुन	21-07-2047	10 मकर	20-07-2056	5 सिंह	20-07-2065
9 धनु	21-04-2039	2 वृष	20-04-2048	11 कुंभ	20-04-2057	4 कर्क	20-04-2066
10 मकर	20-01-2040	1 मेष	19-01-2049	12 मीन	19-01-2058	3 मिथुन	19-01-2067

मिथुन (9व)	७१व ११म	कर्क (9व)	८०व ११म	सिंह (9व)	८९व ११म	कन्या (9व)	९८व ११म
आरम्भ	20-10-2067	आरम्भ	19-10-2076	आरम्भ	20-10-2085	आरम्भ	20-10-2094
अन्त	19-10-2076	अन्त	20-10-2085	अन्त	20-10-2094	अन्त	21-10-2103
3 मिथुन	20-10-2067	4 कर्क	19-10-2076	5 सिंह	20-10-2085	6 कन्या	20-10-2094
4 कर्क	20-07-2068	3 मिथुन	20-07-2077	6 कन्या	20-07-2086	5 सिंह	21-07-2095
5 सिंह	20-04-2069	2 वृष	20-04-2078	7 तुला	20-04-2087	4 कर्क	20-04-2096
6 कन्या	19-01-2070	1 मेष	19-01-2079	8 वृश्चिक	19-01-2088	3 मिथुन	19-01-2097
7 तुला	20-10-2070	12 मीन	20-10-2079	9 धनु	19-10-2088	2 वृष	19-10-2097
8 वृश्चिक	21-07-2071	11 कुंभ	20-07-2080	10 मकर	20-07-2089	1 मेष	20-07-2098
9 धनु	20-04-2072	10 मकर	20-04-2081	11 कुंभ	20-04-2090	12 मीन	20-04-2099
10 मकर	19-01-2073	9 धनु	19-01-2082	12 मीन	19-01-2091	11 कुंभ	19-01-2100
11 कुंभ	20-10-2073	8 वृश्चिक	20-10-2082	1 मेष	20-10-2091	10 मकर	20-10-2100
12 मीन	21-07-2074	7 तुला	21-07-2083	2 वृष	20-07-2092	9 धनु	21-07-2101
1 मेष	21-04-2075	6 कन्या	20-04-2084	3 मिथुन	20-04-2093	8 वृश्चिक	21-04-2102
2 वृष	19-01-2076	5 सिंह	19-01-2085	4 कर्क	19-01-2094	7 तुला	20-01-2103



त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ३व ७म ३दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल		
राहु		
गुरु		
शनि	21-10-1995	22-09-1996
बुध	22-09-1996	13-08-1998
केतु	13-08-1998	24-05-1999

सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-05-1999	05-08-1999
चन्द्र	05-08-1999	05-12-1999
मंगल	05-12-1999	28-02-2000
राहु	28-02-2000	04-10-2000
गुरु	04-10-2000	17-04-2001
शनि	17-04-2001	04-12-2001
बुध	04-12-2001	29-06-2002
केतु	29-06-2002	23-09-2002
शुक्र	23-09-2002	24-05-2003

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-05-2003	13-12-2003
मंगल	13-12-2003	03-05-2004
राहु	03-05-2004	03-05-2005
गुरु	03-05-2005	24-03-2006
शनि	24-03-2006	13-04-2007
बुध	13-04-2007	23-03-2008
केतु	23-03-2008	12-08-2008
शुक्र	12-08-2008	22-09-2009
सूर्य	22-09-2009	22-01-2010

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	22-01-2010	01-05-2010
राहु	01-05-2010	12-01-2011
गुरु	12-01-2011	27-08-2011
शनि	27-08-2011	23-05-2012
बुध	23-05-2012	20-01-2013
केतु	20-01-2013	29-04-2013
शुक्र	29-04-2013	07-02-2014
सूर्य	07-02-2014	03-05-2014
चन्द्र	03-05-2014	22-09-2014

राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	22-09-2014	11-07-2016
गुरु	11-07-2016	15-02-2018
शनि	15-02-2018	10-01-2020
बुध	10-01-2020	22-09-2021
केतु	22-09-2021	05-06-2022
शुक्र	05-06-2022	04-06-2024
सूर्य	04-06-2024	09-01-2025
चन्द्र	09-01-2025	10-01-2026
मंगल	10-01-2026	22-09-2026

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	22-09-2026	24-02-2028
शनि	24-02-2028	02-11-2029
बुध	02-11-2029	08-05-2031
केतु	08-05-2031	21-12-2031
शुक्र	21-12-2031	30-09-2033
सूर्य	30-09-2033	13-04-2034
चन्द्र	13-04-2034	04-03-2035
मंगल	04-03-2035	17-10-2035
राहु	17-10-2035	23-05-2037

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	23-05-2037	26-05-2039
बुध	26-05-2039	11-03-2041
केतु	11-03-2041	06-12-2041
शुक्र	06-12-2041	16-01-2044
सूर्य	16-01-2044	03-09-2044
चन्द्र	03-09-2044	24-09-2045
मंगल	24-09-2045	21-06-2046
राहु	21-06-2046	15-05-2048
गुरु	15-05-2048	22-01-2050

बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	22-01-2050	31-08-2051
केतु	31-08-2051	29-04-2052
शुक्र	29-04-2052	19-03-2054
सूर्य	19-03-2054	12-10-2054
चन्द्र	12-10-2054	22-09-2055
मंगल	22-09-2055	21-05-2056
राहु	21-05-2056	01-02-2058
गुरु	01-02-2058	07-08-2059
शनि	07-08-2059	23-05-2061

केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	23-05-2061	30-08-2061
शुक्र	30-08-2061	11-06-2062
सूर्य	11-06-2062	04-09-2062
चन्द्र	04-09-2062	24-01-2063
मंगल	24-01-2063	03-05-2063
राहु	03-05-2063	14-01-2064
गुरु	14-01-2064	28-08-2064
शनि	28-08-2064	25-05-2065
बुध	25-05-2065	22-01-2066



त्रिभागी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र ३व ७म ३दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	22-01-2066	12-04-2068
सूर्य	12-04-2068	12-12-2068
चन्द्र	12-12-2068	21-01-2070
मंगल	21-01-2070	02-11-2070
राहु	02-11-2070	01-11-2072
गुरु	01-11-2072	12-08-2074
शनि	12-08-2074	21-09-2076
बुध	21-09-2076	12-08-2078
केतु	12-08-2078	23-05-2079

सूर्य (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	23-05-2079	04-08-2079
चन्द्र	04-08-2079	04-12-2079
मंगल	04-12-2079	27-02-2080
राहु	27-02-2080	04-10-2080
गुरु	04-10-2080	16-04-2081
शनि	16-04-2081	04-12-2081
बुध	04-12-2081	29-06-2082
केतु	29-06-2082	22-09-2082
शुक्र	22-09-2082	23-05-2083

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	23-05-2083	12-12-2083
मंगल	12-12-2083	02-05-2084
राहु	02-05-2084	03-05-2085
गुरु	03-05-2085	23-03-2086
शनि	23-03-2086	13-04-2087
बुध	13-04-2087	23-03-2088
केतु	23-03-2088	12-08-2088
शुक्र	12-08-2088	22-09-2089
सूर्य	22-09-2089	21-01-2090

मंगल (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	21-01-2090	01-05-2090
राहु	01-05-2090	11-01-2091
गुरु	11-01-2091	27-08-2091
शनि	27-08-2091	23-05-2092
बुध	23-05-2092	19-01-2093
केतु	19-01-2093	28-04-2093
शुक्र	28-04-2093	07-02-2094
सूर्य	07-02-2094	03-05-2094
चन्द्र	03-05-2094	22-09-2094

राहु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	22-09-2094	10-07-2096
गुरु	10-07-2096	15-02-2098
शनि	15-02-2098	10-01-2100
बुध	10-01-2100	22-09-2101
केतु	22-09-2101	05-06-2102
शुक्र	05-06-2102	05-06-2104
सूर्य	05-06-2104	10-01-2105
चन्द्र	10-01-2105	10-01-2106
मंगल	10-01-2106	23-09-2106

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	23-09-2106	24-02-2108
शनि	24-02-2108	02-11-2109
बुध	02-11-2109	08-05-2111
केतु	08-05-2111	21-12-2111
शुक्र	21-12-2111	01-10-2113
सूर्य	01-10-2113	13-04-2114
चन्द्र	13-04-2114	04-03-2115
मंगल	04-03-2115	17-10-2115
राहु	17-10-2115	24-05-2117

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	24-05-2117	26-05-2119
बुध	26-05-2119	12-03-2121
केतु	12-03-2121	06-12-2121
शुक्र	06-12-2121	16-01-2124
सूर्य	16-01-2124	04-09-2124
चन्द्र	04-09-2124	24-09-2125
मंगल	24-09-2125	21-06-2126
राहु	21-06-2126	15-05-2128
गुरु	15-05-2128	22-01-2130

बुध (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	22-01-2130	31-08-2131
केतु	31-08-2131	29-04-2132
शुक्र	29-04-2132	20-03-2134
सूर्य	20-03-2134	13-10-2134
चन्द्र	13-10-2134	23-09-2135
मंगल	23-09-2135	21-05-2136
राहु	21-05-2136	01-02-2138
गुरु	01-02-2138	07-08-2139
शनि	07-08-2139	23-05-2141

केतु (4व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	23-05-2141	31-08-2141
शुक्र	31-08-2141	11-06-2142
सूर्य	11-06-2142	04-09-2142
चन्द्र	04-09-2142	24-01-2143
मंगल	24-01-2143	04-05-2143
राहु	04-05-2143	14-01-2144
गुरु	14-01-2144	29-08-2144
शनि	29-08-2144	25-05-2145
बुध	25-05-2145	22-01-2146



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र १व ९म १५दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र		
सूर्य		
चन्द्र		
मंगल		
राहु		
गुरु		
शनि	21-10-1995	06-04-1996
बुध	06-04-1996	17-03-1997
केतु	17-03-1997	06-08-1997

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	06-08-1997	12-09-1997
चन्द्र	12-09-1997	12-11-1997
मंगल	12-11-1997	24-12-1997
राहु	24-12-1997	13-04-1998
गुरु	13-04-1998	19-07-1998
शनि	19-07-1998	12-11-1998
बुध	12-11-1998	24-02-1999
केतु	24-02-1999	07-04-1999
शुक्र	07-04-1999	07-08-1999

चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-08-1999	16-11-1999
मंगल	16-11-1999	26-01-2000
राहु	26-01-2000	27-07-2000
गुरु	27-07-2000	05-01-2001
शनि	05-01-2001	17-07-2001
बुध	17-07-2001	06-01-2002
केतु	06-01-2002	18-03-2002
शुक्र	18-03-2002	06-10-2002
सूर्य	06-10-2002	06-12-2002

मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-12-2002	25-01-2003
राहु	25-01-2003	02-06-2003
गुरु	02-06-2003	24-09-2003
शनि	24-09-2003	05-02-2004
बुध	05-02-2004	05-06-2004
केतु	05-06-2004	25-07-2004
शुक्र	25-07-2004	14-12-2004
सूर्य	14-12-2004	26-01-2005
चन्द्र	26-01-2005	07-04-2005

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	07-04-2005	01-03-2006
गुरु	01-03-2006	19-12-2006
शनि	19-12-2006	30-11-2007
बुध	30-11-2007	06-10-2008
केतु	06-10-2008	11-02-2009
शुक्र	11-02-2009	11-02-2010
सूर्य	11-02-2010	01-06-2010
चन्द्र	01-06-2010	30-11-2010
मंगल	30-11-2010	07-04-2011

गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	07-04-2011	23-12-2011
शनि	23-12-2011	26-10-2012
बुध	26-10-2012	29-07-2013
केतु	29-07-2013	20-11-2013
शुक्र	20-11-2013	10-10-2014
सूर्य	10-10-2014	16-01-2015
चन्द्र	16-01-2015	27-06-2015
मंगल	27-06-2015	19-10-2015
राहु	19-10-2015	06-08-2016

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	06-08-2016	07-08-2017
बुध	07-08-2017	01-07-2018
केतु	01-07-2018	13-11-2018
शुक्र	13-11-2018	03-12-2019
सूर्य	03-12-2019	28-03-2020
चन्द्र	28-03-2020	07-10-2020
मंगल	07-10-2020	19-02-2021
राहु	19-02-2021	01-02-2022
गुरु	01-02-2022	06-12-2022

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-12-2022	25-09-2023
केतु	25-09-2023	24-01-2024
शुक्र	24-01-2024	03-01-2025
सूर्य	03-01-2025	17-04-2025
चन्द्र	17-04-2025	06-10-2025
मंगल	06-10-2025	04-02-2026
राहु	04-02-2026	11-12-2026
गुरु	11-12-2026	13-09-2027
शनि	13-09-2027	06-08-2028

केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	06-08-2028	25-09-2028
शुक्र	25-09-2028	14-02-2029
सूर्य	14-02-2029	28-03-2029
चन्द्र	28-03-2029	07-06-2029
मंगल	07-06-2029	27-07-2029
राहु	27-07-2029	02-12-2029
गुरु	02-12-2029	25-03-2030
शनि	25-03-2030	07-08-2030
बुध	07-08-2030	06-12-2030



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र १व ९म १५दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	06-12-2030	16-01-2032
सूर्य	16-01-2032	17-05-2032
चन्द्र	17-05-2032	06-12-2032
मंगल	06-12-2032	27-04-2033
राहु	27-04-2033	27-04-2034
गुरु	27-04-2034	18-03-2035
शनि	18-03-2035	06-04-2036
बुध	06-04-2036	17-03-2037
केतु	17-03-2037	06-08-2039

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	06-08-2037	12-09-2037
चन्द्र	12-09-2037	11-11-2037
मंगल	11-11-2037	24-12-2037
राहु	24-12-2037	13-04-2038
गुरु	13-04-2038	19-07-2038
शनि	19-07-2038	12-11-2038
बुध	12-11-2038	23-02-2039
केतु	23-02-2039	07-04-2039
शुक्र	07-04-2039	07-08-2039

चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	07-08-2039	16-11-2039
मंगल	16-11-2039	26-01-2040
राहु	26-01-2040	27-07-2040
गुरु	27-07-2040	05-01-2041
शनि	05-01-2041	17-07-2041
बुध	17-07-2041	05-01-2042
केतु	05-01-2042	17-03-2042
शुक्र	17-03-2042	06-10-2042
सूर्य	06-10-2042	06-12-2042

मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-12-2042	25-01-2043
राहु	25-01-2043	02-06-2043
गुरु	02-06-2043	23-09-2043
शनि	23-09-2043	05-02-2044
बुध	05-02-2044	05-06-2044
केतु	05-06-2044	25-07-2044
शुक्र	25-07-2044	14-12-2044
सूर्य	14-12-2044	25-01-2045
चन्द्र	25-01-2045	06-04-2045

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-04-2045	01-03-2046
गुरु	01-03-2046	18-12-2046
शनि	18-12-2046	30-11-2047
बुध	30-11-2047	06-10-2048
केतु	06-10-2048	10-02-2049
शुक्र	10-02-2049	11-02-2050
सूर्य	11-02-2050	31-05-2050
चन्द्र	31-05-2050	30-11-2050
मंगल	30-11-2050	07-04-2051

गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	07-04-2051	22-12-2051
शनि	22-12-2051	26-10-2052
बुध	26-10-2052	29-07-2053
केतु	29-07-2053	19-11-2053
शुक्र	19-11-2053	10-10-2054
सूर्य	10-10-2054	16-01-2055
चन्द्र	16-01-2055	27-06-2055
मंगल	27-06-2055	18-10-2055
राहु	18-10-2055	06-08-2056

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	06-08-2056	07-08-2057
बुध	07-08-2057	01-07-2058
केतु	01-07-2058	13-11-2058
शुक्र	13-11-2058	03-12-2059
सूर्य	03-12-2059	28-03-2060
चन्द्र	28-03-2060	07-10-2060
मंगल	07-10-2060	18-02-2061
राहु	18-02-2061	31-01-2062
गुरु	31-01-2062	06-12-2062

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	06-12-2062	25-09-2063
केतु	25-09-2063	24-01-2064
शुक्र	24-01-2064	03-01-2065
सूर्य	03-01-2065	16-04-2065
चन्द्र	16-04-2065	06-10-2065
मंगल	06-10-2065	03-02-2066
राहु	03-02-2066	11-12-2066
गुरु	11-12-2066	13-09-2067
शनि	13-09-2067	06-08-2068

केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	06-08-2068	24-09-2068
शुक्र	24-09-2068	13-02-2069
सूर्य	13-02-2069	28-03-2069
चन्द्र	28-03-2069	07-06-2069
मंगल	07-06-2069	27-07-2069
राहु	27-07-2069	02-12-2069
गुरु	02-12-2069	25-03-2070
शनि	25-03-2070	07-08-2070
बुध	07-08-2070	06-12-2070



त्रिभागी 40 महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शुक्र १व ९म १५दि
जन्मकालीन दशा : शु-ल-ल-ल-ल

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	06-12-2070	16-01-2072
सूर्य	16-01-2072	16-05-2072
चन्द्र	16-05-2072	05-12-2072
मंगल	05-12-2072	26-04-2073
राहु	26-04-2073	27-04-2074
गुरु	27-04-2074	17-03-2075
शनि	17-03-2075	06-04-2076
बुध	06-04-2076	17-03-2077
केतु	17-03-2077	06-08-2077

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	06-08-2077	11-09-2077
चन्द्र	11-09-2077	11-11-2077
मंगल	11-11-2077	24-12-2077
राहु	24-12-2077	12-04-2078
गुरु	12-04-2078	19-07-2078
शनि	19-07-2078	11-11-2078
बुध	11-11-2078	23-02-2079
केतु	23-02-2079	07-04-2079
शुक्र	07-04-2079	06-08-2079

चन्द्र (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	06-08-2079	16-11-2079
मंगल	16-11-2079	26-01-2080
राहु	26-01-2080	26-07-2080
गुरु	26-07-2080	05-01-2081
शनि	05-01-2081	16-07-2081
बुध	16-07-2081	05-01-2082
केतु	05-01-2082	17-03-2082
शुक्र	17-03-2082	06-10-2082
सूर्य	06-10-2082	06-12-2082

मंगल (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	06-12-2082	24-01-2083
राहु	24-01-2083	01-06-2083
गुरु	01-06-2083	23-09-2083
शनि	23-09-2083	05-02-2084
बुध	05-02-2084	05-06-2084
केतु	05-06-2084	24-07-2084
शुक्र	24-07-2084	13-12-2084
सूर्य	13-12-2084	25-01-2085
चन्द्र	25-01-2085	06-04-2085

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	06-04-2085	01-03-2086
गुरु	01-03-2086	18-12-2086
शनि	18-12-2086	30-11-2087
बुध	30-11-2087	05-10-2088
केतु	05-10-2088	10-02-2089
शुक्र	10-02-2089	10-02-2090
सूर्य	10-02-2090	31-05-2090
चन्द्र	31-05-2090	30-11-2090
मंगल	30-11-2090	06-04-2091

गुरु (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	06-04-2091	22-12-2091
शनि	22-12-2091	26-10-2092
बुध	26-10-2092	29-07-2093
केतु	29-07-2093	19-11-2093
शुक्र	19-11-2093	10-10-2094
सूर्य	10-10-2094	15-01-2095
चन्द्र	15-01-2095	27-06-2095
मंगल	27-06-2095	18-10-2095
राहु	18-10-2095	05-08-2096

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	05-08-2096	07-08-2097
बुध	07-08-2097	30-06-2098
केतु	30-06-2098	12-11-2098
शुक्र	12-11-2098	03-12-2099
सूर्य	03-12-2099	28-03-2100
चन्द्र	28-03-2100	07-10-2100
मंगल	07-10-2100	19-02-2101
राहु	19-02-2101	01-02-2102
गुरु	01-02-2102	07-12-2102

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	07-12-2102	26-09-2103
केतु	26-09-2103	25-01-2104
शुक्र	25-01-2104	03-01-2105
सूर्य	03-01-2105	17-04-2105
चन्द्र	17-04-2105	06-10-2105
मंगल	06-10-2105	04-02-2106
राहु	04-02-2106	12-12-2106
गुरु	12-12-2106	14-09-2107
शनि	14-09-2107	06-08-2108

केतु (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	06-08-2108	25-09-2108
शुक्र	25-09-2108	14-02-2109
सूर्य	14-02-2109	29-03-2109
चन्द्र	29-03-2109	08-06-2109
मंगल	08-06-2109	27-07-2109
राहु	27-07-2109	02-12-2109
गुरु	02-12-2109	26-03-2110
शनि	26-03-2110	08-08-2110
बुध	08-08-2110	07-12-2110



षोडशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : शनि ३व ९म ८दि
जन्मकालीन दशा : श-ल-ल-ल-ल

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि		
केतु		
चन्द्र		
बुध		
शुक्र		
सूर्य	21-10-1995	22-07-1996
मंगल	22-07-1996	02-01-1998
गुरु	02-01-1998	29-07-1999

केतु (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	29-07-1999	06-07-2001
चन्द्र	06-07-2001	01-08-2003
बुध	01-08-2003	12-10-2005
शुक्र	12-10-2005	09-02-2008
सूर्य	09-02-2008	12-07-2009
मंगल	12-07-2009	30-01-2011
गुरु	30-01-2011	05-10-2012
शनि	05-10-2012	28-07-2014

चन्द्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	28-07-2014	11-10-2016
बुध	11-10-2016	15-02-2019
शुक्र	15-02-2019	10-08-2021
सूर्य	10-08-2021	15-02-2023
मंगल	15-02-2023	11-10-2024
गुरु	11-10-2024	28-07-2026
शनि	28-07-2026	02-07-2028
केतु	02-07-2028	28-07-2030

बुध (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	28-07-2030	23-01-2033
शुक्र	23-01-2033	14-09-2035
सूर्य	14-09-2035	24-04-2037
मंगल	24-04-2037	27-01-2039
गुरु	27-01-2039	23-12-2040
शनि	23-12-2040	11-01-2043
केतु	11-01-2043	24-03-2045
चन्द्र	24-03-2045	28-07-2047

शुक्र (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	28-07-2047	13-05-2050
सूर्य	13-05-2050	27-01-2052
मंगल	27-01-2052	07-12-2053
गुरु	07-12-2053	14-12-2055
शनि	14-12-2055	14-02-2058
केतु	14-02-2058	13-06-2060
चन्द्र	13-06-2060	07-12-2062
बुध	07-12-2062	28-07-2065

सूर्य (11व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	28-07-2065	13-08-2066
मंगल	13-08-2066	02-10-2067
गुरु	02-10-2067	25-12-2068
शनि	25-12-2068	24-04-2070
केतु	24-04-2070	26-09-2071
चन्द्र	26-09-2071	02-04-2073
बुध	02-04-2073	12-11-2074
शुक्र	12-11-2074	27-07-2076

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	27-07-2076	24-10-2077
गुरु	24-10-2077	27-02-2079
शनि	27-02-2079	09-08-2080
केतु	09-08-2080	27-02-2082
चन्द्र	27-02-2082	24-10-2083
बुध	24-10-2083	27-07-2085
शुक्र	27-07-2085	08-06-2087
सूर्य	08-06-2087	27-07-2088

गुरु (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-07-2088	10-01-2090
शनि	10-01-2090	06-08-2091
केतु	06-08-2091	11-04-2093
चन्द्र	11-04-2093	26-01-2095
बुध	26-01-2095	22-12-2096
शुक्र	22-12-2096	29-12-2098
सूर्य	29-12-2098	24-03-2100
मंगल	24-03-2100	28-07-2101

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	28-07-2101	06-04-2103
केतु	06-04-2103	27-01-2105
चन्द्र	27-01-2105	02-01-2107
बुध	02-01-2107	20-01-2109
शुक्र	20-01-2109	25-03-2111
सूर्य	25-03-2111	22-07-2112
मंगल	22-07-2112	02-01-2114
गुरु	02-01-2114	29-07-2115



द्वादशोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : सूर्य १व १०म १७दि
जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
गुरु		
केतु		
बुध		
राहु		
मंगल		
शनि	21-10-1995	17-05-1996
चन्द्र	17-05-1996	08-09-1997

गुरु (९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	08-09-1997	30-05-1998
केतु	30-05-1998	18-04-1999
बुध	18-04-1999	04-05-2000
राहु	04-05-2000	18-07-2001
मंगल	18-07-2001	29-11-2002
शनि	29-11-2002	09-06-2004
चन्द्र	09-06-2004	15-02-2006
सूर्य	15-02-2006	08-09-2006

केतु (११व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
केतु	08-09-2006	08-10-2007
बुध	08-10-2007	16-01-2009
राहु	16-01-2009	08-07-2010
मंगल	08-07-2010	09-03-2012
शनि	09-03-2012	20-01-2014
चन्द्र	20-01-2014	12-02-2016
सूर्य	12-02-2016	20-10-2016
गुरु	20-10-2016	08-09-2017

बुध (१३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	08-09-2017	13-03-2019
राहु	13-03-2019	08-12-2020
मंगल	08-12-2020	29-11-2022
शनि	29-11-2022	11-02-2025
चन्द्र	11-02-2025	22-07-2027
सूर्य	22-07-2027	13-05-2028
गुरु	13-05-2028	30-05-2029
केतु	30-05-2029	08-09-2030

राहु (१५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	08-09-2030	11-09-2032
मंगल	11-09-2032	21-12-2034
शनि	21-12-2034	08-07-2037
चन्द्र	08-07-2037	30-04-2040
सूर्य	30-04-2040	08-04-2041
गुरु	08-04-2041	22-06-2042
केतु	22-06-2042	12-12-2043
बुध	12-12-2043	08-09-2045

मंगल (१७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	08-09-2045	07-04-2048
शनि	07-04-2048	25-02-2051
चन्द्र	25-02-2051	04-05-2054
सूर्य	04-05-2054	27-05-2055
गुरु	27-05-2055	07-10-2056
केतु	07-10-2056	09-06-2058
बुध	09-06-2058	29-05-2060
राहु	29-05-2060	08-09-2062

शनि (१९व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	08-09-2062	28-11-2065
चन्द्र	28-11-2065	21-06-2069
सूर्य	21-06-2069	29-08-2070
गुरु	29-08-2070	09-03-2072
केतु	09-03-2072	19-01-2074
बुध	19-01-2074	04-04-2076
राहु	04-04-2076	20-10-2078
मंगल	20-10-2078	08-09-2081

चन्द्र (२१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	08-09-2081	16-08-2085
सूर्य	16-08-2085	08-12-2086
गुरु	08-12-2086	15-08-2088
केतु	15-08-2088	08-09-2090
बुध	08-09-2090	14-02-2093
राहु	14-02-2093	08-12-2095
मंगल	08-12-2095	14-02-2099
शनि	14-02-2099	09-09-2102

सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	09-09-2102	15-02-2103
गुरु	15-02-2103	09-09-2103
केतु	09-09-2103	17-05-2104
बुध	17-05-2104	10-03-2105
राहु	10-03-2105	15-02-2106
मंगल	15-02-2106	10-03-2107
शनि	10-03-2107	17-05-2108
चन्द्र	17-05-2108	08-09-2109



द्विसप्ततिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध २व म ३दि
 जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध		
गुरु		
शुक्र		
शनि		
राहु		
सूर्य	21-10-1995	23-12-1995
चन्द्र	23-12-1995	06-02-1997
मंगल	06-02-1997	24-03-1998

गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	24-03-1998	09-05-1999
शुक्र	09-05-1999	23-06-2000
शनि	23-06-2000	08-08-2001
राहु	08-08-2001	22-09-2002
सूर्य	22-09-2002	07-11-2003
चन्द्र	07-11-2003	22-12-2004
मंगल	22-12-2004	06-02-2006
बुध	06-02-2006	24-03-2007

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	24-03-2007	08-05-2008
शनि	08-05-2008	23-06-2009
राहु	23-06-2009	08-08-2010
सूर्य	08-08-2010	23-09-2011
चन्द्र	23-09-2011	07-11-2012
मंगल	07-11-2012	22-12-2013
बुध	22-12-2013	06-02-2015
गुरु	06-02-2015	23-03-2016

शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	23-03-2016	08-05-2017
राहु	08-05-2017	23-06-2018
सूर्य	23-06-2018	08-08-2019
चन्द्र	08-08-2019	22-09-2020
मंगल	22-09-2020	07-11-2021
बुध	07-11-2021	23-12-2022
गुरु	23-12-2022	07-02-2024
शुक्र	07-02-2024	23-03-2025

राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	23-03-2025	08-05-2026
सूर्य	08-05-2026	23-06-2027
चन्द्र	23-06-2027	07-08-2028
मंगल	07-08-2028	22-09-2029
बुध	22-09-2029	07-11-2030
गुरु	07-11-2030	23-12-2031
शुक्र	23-12-2031	06-02-2033
शनि	06-02-2033	24-03-2034

सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	24-03-2034	08-05-2035
चन्द्र	08-05-2035	22-06-2036
मंगल	22-06-2036	07-08-2037
बुध	07-08-2037	22-09-2038
गुरु	22-09-2038	07-11-2039
शुक्र	07-11-2039	22-12-2040
शनि	22-12-2040	06-02-2042
राहु	06-02-2042	24-03-2043

चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	24-03-2043	08-05-2044
मंगल	08-05-2044	23-06-2045
बुध	23-06-2045	07-08-2046
गुरु	07-08-2046	22-09-2047
शुक्र	22-09-2047	06-11-2048
शनि	06-11-2048	22-12-2049
राहु	22-12-2049	06-02-2051
सूर्य	06-02-2051	23-03-2052

मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	23-03-2052	08-05-2053
बुध	08-05-2053	23-06-2054
गुरु	23-06-2054	08-08-2055
शुक्र	08-08-2055	22-09-2056
शनि	22-09-2056	06-11-2057
राहु	06-11-2057	22-12-2058
सूर्य	22-12-2058	06-02-2060
चन्द्र	06-02-2060	23-03-2061

बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	23-03-2061	08-05-2062
गुरु	08-05-2062	23-06-2063
शुक्र	23-06-2063	07-08-2064
शनि	07-08-2064	22-09-2065
राहु	22-09-2065	07-11-2066
सूर्य	07-11-2066	23-12-2067
चन्द्र	23-12-2067	05-02-2069
मंगल	05-02-2069	23-03-2070



द्विसप्तति समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : बुध २व ५म ३दि
जन्मकालीन दशा : बु-ल-ल-ल-ल

गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु 23-03-2070	08-05-2071	
शुक्र 08-05-2071	22-06-2072	
शनि 22-06-2072	07-08-2073	
राहु 07-08-2073	22-09-2074	
सूर्य 22-09-2074	07-11-2075	
चन्द्र 07-11-2075	22-12-2076	
मंगल 22-12-2076	06-02-2078	
बुध 06-02-2078	23-03-2079	

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र 23-03-2079	07-05-2080	
शनि 07-05-2080	22-06-2081	
राहु 22-06-2081	07-08-2082	
सूर्य 07-08-2082	22-09-2083	
चन्द्र 22-09-2083	06-11-2084	
मंगल 06-11-2084	22-12-2085	
बुध 22-12-2085	06-02-2087	
गुरु 06-02-2087	23-03-2088	

शनि (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि 23-03-2088	08-05-2089	
राहु 08-05-2089	22-06-2090	
सूर्य 22-06-2090	07-08-2091	
चन्द्र 07-08-2091	21-09-2092	
मंगल 21-09-2092	06-11-2093	
बुध 06-11-2093	22-12-2094	
गुरु 22-12-2094	06-02-2096	
शुक्र 06-02-2096	23-03-2097	

राहु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु 23-03-2097	08-05-2098	
सूर्य 08-05-2098	23-06-2099	
चन्द्र 23-06-2099	08-08-2100	
मंगल 08-08-2100	22-09-2101	
बुध 22-09-2101	07-11-2102	
गुरु 07-11-2102	23-12-2103	
शुक्र 23-12-2103	06-02-2105	
शनि 06-02-2105	24-03-2106	

सूर्य (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य 24-03-2106	09-05-2107	
चन्द्र 09-05-2107	23-06-2108	
मंगल 23-06-2108	08-08-2109	
बुध 08-08-2109	23-09-2110	
गुरु 23-09-2110	08-11-2111	
शुक्र 08-11-2111	22-12-2112	
शनि 22-12-2112	06-02-2114	
राहु 06-02-2114	24-03-2115	

चन्द्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र 24-03-2115	08-05-2116	
मंगल 08-05-2116	23-06-2117	
बुध 23-06-2117	08-08-2118	
गुरु 08-08-2118	23-09-2119	
शुक्र 23-09-2119	07-11-2120	
शनि 07-11-2120	23-12-2121	
राहु 23-12-2121	06-02-2123	
सूर्य 06-02-2123	23-03-2124	

मंगल (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल 23-03-2124	08-05-2125	
बुध 08-05-2125	23-06-2126	
गुरु 23-06-2126	08-08-2127	
शुक्र 08-08-2127	22-09-2128	
शनि 22-09-2128	07-11-2129	
राहु 07-11-2129	23-12-2130	
सूर्य 23-12-2130	07-02-2132	
चन्द्र 07-02-2132	24-03-2133	

बुध (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध 24-03-2133	08-05-2134	
गुरु 08-05-2134	23-06-2135	
शुक्र 23-06-2135	07-08-2136	
शनि 07-08-2136	22-09-2137	
राहु 22-09-2137	07-11-2138	
सूर्य 07-11-2138	23-12-2139	
चन्द्र 23-12-2139	06-02-2141	
मंगल 06-02-2141	24-03-2142	

गुरु (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु 24-03-2142	09-05-2143	
शुक्र 09-05-2143	23-06-2144	
शनि 23-06-2144	07-08-2145	
राहु 07-08-2145	22-09-2146	
सूर्य 22-09-2146	07-11-2147	
चन्द्र 07-11-2147	22-12-2148	
मंगल 22-12-2148	06-02-2150	
बुध 06-02-2150	24-03-2151	



षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ४व १०म २४दि
जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
बुध	21-10-1995	28-11-1995
शुक्र	28-11-1995	04-07-1996
शनि	04-07-1996	08-02-1997
राहु	08-02-1997	15-09-1997
गुरु	15-09-1997	15-09-1998
सूर्य	15-09-1998	16-09-1999
मंगल	16-09-1999	15-09-2000

बुध (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	15-09-2000	22-04-2001
शुक्र	22-04-2001	27-11-2001
शनि	27-11-2001	04-07-2002
राहु	04-07-2002	08-02-2003
गुरु	08-02-2003	09-02-2004
सूर्य	09-02-2004	08-02-2005
मंगल	08-02-2005	08-02-2006
चन्द्र	08-02-2006	15-09-2006

शुक्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	15-09-2006	22-04-2007
शनि	22-04-2007	28-11-2007
राहु	28-11-2007	04-07-2008
गुरु	04-07-2008	04-07-2009
सूर्य	04-07-2009	04-07-2010
मंगल	04-07-2010	04-07-2011
चन्द्र	04-07-2011	09-02-2012
बुध	09-02-2012	15-09-2012

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	15-09-2012	22-04-2013
राहु	22-04-2013	27-11-2013
गुरु	27-11-2013	27-11-2014
सूर्य	27-11-2014	28-11-2015
मंगल	28-11-2015	27-11-2016
चन्द्र	27-11-2016	04-07-2017
बुध	04-07-2017	08-02-2018
शुक्र	08-02-2018	15-09-2018

राहु (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-09-2018	22-04-2019
गुरु	22-04-2019	22-04-2020
सूर्य	22-04-2020	22-04-2021
मंगल	22-04-2021	22-04-2022
चन्द्र	22-04-2022	27-11-2022
बुध	27-11-2022	04-07-2023
शुक्र	04-07-2023	09-02-2024
शनि	09-02-2024	15-09-2024

गुरु (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	15-09-2024	16-05-2026
सूर्य	16-05-2026	15-01-2028
मंगल	15-01-2028	15-09-2029
चन्द्र	15-09-2029	15-09-2030
बुध	15-09-2030	15-09-2031
शुक्र	15-09-2031	15-09-2032
शनि	15-09-2032	15-09-2033
राहु	15-09-2033	15-09-2034

सूर्य (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-09-2034	16-05-2036
मंगल	16-05-2036	15-01-2038
चन्द्र	15-01-2038	15-01-2039
बुध	15-01-2039	15-01-2040
शुक्र	15-01-2040	14-01-2041
शनि	14-01-2041	15-01-2042
राहु	15-01-2042	15-01-2043
गुरु	15-01-2043	15-09-2044

मंगल (१०व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	15-09-2044	16-05-2046
चन्द्र	16-05-2046	16-05-2047
बुध	16-05-2047	16-05-2048
शुक्र	16-05-2048	16-05-2049
शनि	16-05-2049	16-05-2050
राहु	16-05-2050	16-05-2051
गुरु	16-05-2051	14-01-2053
सूर्य	14-01-2053	15-09-2054

चन्द्र (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	15-09-2054	22-04-2055
बुध	22-04-2055	27-11-2055
शुक्र	27-11-2055	03-07-2056
शनि	03-07-2056	08-02-2057
राहु	08-02-2057	15-09-2057
गुरु	15-09-2057	15-09-2058
सूर्य	15-09-2058	15-09-2059
मंगल	15-09-2059	14-09-2060



षष्ठिहायनी महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र 4व 10म 24दि
जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	14-09-2060	22-04-2061
शुक्र	22-04-2061	27-11-2061
शनि	27-11-2061	04-07-2062
राहु	04-07-2062	08-02-2063
गुरु	08-02-2063	08-02-2064
सूर्य	08-02-2064	07-02-2065
मंगल	07-02-2065	08-02-2066
चन्द्र	08-02-2066	15-09-2066

शुक्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	15-09-2066	22-04-2067
शनि	22-04-2067	27-11-2067
राहु	27-11-2067	03-07-2068
गुरु	03-07-2068	04-07-2069
सूर्य	04-07-2069	04-07-2070
मंगल	04-07-2070	04-07-2071
चन्द्र	04-07-2071	08-02-2072
बुध	08-02-2072	14-09-2072

शनि (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	14-09-2072	21-04-2073
राहु	21-04-2073	27-11-2073
गुरु	27-11-2073	27-11-2074
सूर्य	27-11-2074	27-11-2075
मंगल	27-11-2075	26-11-2076
चन्द्र	26-11-2076	03-07-2077
बुध	03-07-2077	08-02-2078
शुक्र	08-02-2078	15-09-2078

राहु (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	15-09-2078	22-04-2079
गुरु	22-04-2079	21-04-2080
सूर्य	21-04-2080	21-04-2081
मंगल	21-04-2081	22-04-2082
चन्द्र	22-04-2082	27-11-2082
बुध	27-11-2082	04-07-2083
शुक्र	04-07-2083	08-02-2084
शनि	08-02-2084	14-09-2084

गुरु (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	14-09-2084	16-05-2086
सूर्य	16-05-2086	15-01-2088
मंगल	15-01-2088	14-09-2089
चन्द्र	14-09-2089	15-09-2090
बुध	15-09-2090	15-09-2091
शुक्र	15-09-2091	14-09-2092
शनि	14-09-2092	14-09-2093
राहु	14-09-2093	15-09-2094

सूर्य (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	15-09-2094	15-05-2096
मंगल	15-05-2096	14-01-2098
चन्द्र	14-01-2098	14-01-2099
बुध	14-01-2099	15-01-2100
शुक्र	15-01-2100	15-01-2101
शनि	15-01-2101	15-01-2102
राहु	15-01-2102	15-01-2103
गुरु	15-01-2103	15-09-2104

मंगल (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	15-09-2104	17-05-2106
चन्द्र	17-05-2106	17-05-2107
बुध	17-05-2107	16-05-2108
शुक्र	16-05-2108	17-05-2109
शनि	17-05-2109	17-05-2110
राहु	17-05-2110	17-05-2111
गुरु	17-05-2111	15-01-2113
सूर्य	15-01-2113	15-09-2114

चन्द्र (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	15-09-2114	23-04-2115
बुध	23-04-2115	28-11-2115
शुक्र	28-11-2115	04-07-2116
शनि	04-07-2116	08-02-2117
राहु	08-02-2117	15-09-2117
गुरु	15-09-2117	15-09-2118
सूर्य	15-09-2118	16-09-2119
मंगल	16-09-2119	15-09-2120

बुध (6व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	15-09-2120	22-04-2121
शुक्र	22-04-2121	27-11-2121
शनि	27-11-2121	04-07-2122
राहु	04-07-2122	09-02-2123
गुरु	09-02-2123	09-02-2124
सूर्य	09-02-2124	08-02-2125
मंगल	08-02-2125	08-02-2126
चन्द्र	08-02-2126	15-09-2126



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ०व ३म ६दि
जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र		
सूर्य		
गुरु		
मंगल		
बुध		
शनि		
शुक्र	21-10-1995	07-11-1995
राहु	07-11-1995	27-01-1996

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-01-1996	08-03-1996
गुरु	08-03-1996	08-05-1996
मंगल	08-05-1996	28-07-1996
बुध	28-07-1996	06-11-1996
शनि	06-11-1996	08-03-1997
शुक्र	08-03-1997	28-07-1997
राहु	28-07-1997	06-01-1998
चन्द्र	06-01-1998	27-01-1998

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-01-1998	28-04-1998
मंगल	28-04-1998	28-08-1998
बुध	28-08-1998	27-01-1999
शनि	27-01-1999	28-07-1999
शुक्र	28-07-1999	27-02-2000
राहु	27-02-2000	27-10-2000
चन्द्र	27-10-2000	26-11-2000
सूर्य	26-11-2000	26-01-2001

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	26-01-2001	08-07-2001
बुध	08-07-2001	27-01-2002
शनि	27-01-2002	27-09-2002
शुक्र	27-09-2002	08-07-2003
राहु	08-07-2003	28-05-2004
चन्द्र	28-05-2004	07-07-2004
सूर्य	07-07-2004	27-09-2004
गुरु	27-09-2004	26-01-2005

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	26-01-2005	07-10-2005
शनि	07-10-2005	07-08-2006
शुक्र	07-08-2006	28-07-2007
राहु	28-07-2007	06-09-2008
चन्द्र	06-09-2008	27-10-2008
सूर्य	27-10-2008	05-02-2009
गुरु	05-02-2009	08-07-2009
मंगल	08-07-2009	26-01-2010

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	26-01-2010	27-01-2011
शुक्र	27-01-2011	28-03-2012
राहु	28-03-2012	28-07-2013
चन्द्र	28-07-2013	27-09-2013
सूर्य	27-09-2013	26-01-2014
गुरु	26-01-2014	28-07-2014
मंगल	28-07-2014	29-03-2015
बुध	29-03-2015	27-01-2016

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-01-2016	07-06-2017
राहु	07-06-2017	27-12-2018
चन्द्र	27-12-2018	08-03-2019
सूर्य	08-03-2019	28-07-2019
गुरु	28-07-2019	26-02-2020
मंगल	26-02-2020	06-12-2020
बुध	06-12-2020	27-11-2021
शनि	27-11-2021	27-01-2023

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	27-01-2023	06-11-2024
चन्द्र	06-11-2024	26-01-2025
सूर्य	26-01-2025	07-07-2025
गुरु	07-07-2025	08-03-2026
मंगल	08-03-2026	27-01-2027
बुध	27-01-2027	07-03-2028
शनि	07-03-2028	07-07-2029
शुक्र	07-07-2029	27-01-2031

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	27-01-2031	06-02-2031
सूर्य	06-02-2031	26-02-2031
गुरु	26-02-2031	28-03-2031
मंगल	28-03-2031	08-05-2031
बुध	08-05-2031	28-06-2031
शनि	28-06-2031	28-08-2031
शुक्र	28-08-2031	07-11-2031
राहु	07-11-2031	27-01-2032



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ०व ३म ६दि
 भोग्य दशा : चं-ल-ल-ल-ल

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-01-2032	07-03-2032
गुरु	07-03-2032	07-05-2032
मंगल	07-05-2032	27-07-2032
बुध	27-07-2032	06-11-2032
शनि	06-11-2032	08-03-2033
शुक्र	08-03-2033	28-07-2033
राहु	28-07-2033	06-01-2034
चन्द्र	06-01-2034	26-01-2034

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	26-01-2034	28-04-2034
मंगल	28-04-2034	27-08-2034
बुध	27-08-2034	27-01-2035
शनि	27-01-2035	28-07-2035
शुक्र	28-07-2035	26-02-2036
राहु	26-02-2036	27-10-2036
चन्द्र	27-10-2036	26-11-2036
सूर्य	26-11-2036	26-01-2037

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	26-01-2037	07-07-2037
बुध	07-07-2037	26-01-2038
शनि	26-01-2038	27-09-2038
शुक्र	27-09-2038	08-07-2039
राहु	08-07-2039	28-05-2040
चन्द्र	28-05-2040	07-07-2040
सूर्य	07-07-2040	26-09-2040
गुरु	26-09-2040	26-01-2041

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	26-01-2041	07-10-2041
शनि	07-10-2041	07-08-2042
शुक्र	07-08-2042	28-07-2043
राहु	28-07-2043	06-09-2044
चन्द्र	06-09-2044	27-10-2044
सूर्य	27-10-2044	05-02-2045
गुरु	05-02-2045	07-07-2045
मंगल	07-07-2045	26-01-2046

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	26-01-2046	26-01-2047
शुक्र	26-01-2047	28-03-2048
राहु	28-03-2048	28-07-2049
चन्द्र	28-07-2049	26-09-2049
सूर्य	26-09-2049	26-01-2050
गुरु	26-01-2050	28-07-2050
मंगल	28-07-2050	28-03-2051
बुध	28-03-2051	27-01-2052

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	27-01-2052	07-06-2053
राहु	07-06-2053	27-12-2054
चन्द्र	27-12-2054	08-03-2055
सूर्य	08-03-2055	28-07-2055
गुरु	28-07-2055	26-02-2056
मंगल	26-02-2056	06-12-2056
बुध	06-12-2056	26-11-2057
शनि	26-11-2057	26-01-2059

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	26-01-2059	06-11-2060
चन्द्र	06-11-2060	26-01-2061
सूर्य	26-01-2061	07-07-2061
गुरु	07-07-2061	08-03-2062
मंगल	08-03-2062	26-01-2063
बुध	26-01-2063	07-03-2064
शनि	07-03-2064	07-07-2065
शुक्र	07-07-2065	26-01-2067

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	26-01-2067	05-02-2067
सूर्य	05-02-2067	26-02-2067
गुरु	26-02-2067	28-03-2067
मंगल	28-03-2067	08-05-2067
बुध	08-05-2067	27-06-2067
शनि	27-06-2067	27-08-2067
शुक्र	27-08-2067	06-11-2067
राहु	06-11-2067	27-01-2068

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-01-2068	07-03-2068
गुरु	07-03-2068	07-05-2068
मंगल	07-05-2068	27-07-2068
बुध	27-07-2068	06-11-2068
शनि	06-11-2068	07-03-2069
शुक्र	07-03-2069	27-07-2069
राहु	27-07-2069	06-01-2070
चन्द्र	06-01-2070	26-01-2070



षट्त्रिंशत्समा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : चन्द्र ०व ३उ ६क
जन्मकालीन दशा : चं-ल-ल-ल-ल

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	26-01-2070	27-04-2070
मंगल	27-04-2070	27-08-2070
बुध	27-08-2070	26-01-2071
शनि	26-01-2071	28-07-2071
शुक्र	28-07-2071	26-02-2072
राहु	26-02-2072	26-10-2072
चन्द्र	26-10-2072	26-11-2072
सूर्य	26-11-2072	26-01-2073

मंगल (४व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	26-01-2073	07-07-2073
बुध	07-07-2073	26-01-2074
शनि	26-01-2074	26-09-2074
शुक्र	26-09-2074	08-07-2075
राहु	08-07-2075	27-05-2076
चन्द्र	27-05-2076	07-07-2076
सूर्य	07-07-2076	26-09-2076
गुरु	26-09-2076	26-01-2077

बुध (५व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	26-01-2077	06-10-2077
शनि	06-10-2077	07-08-2078
शुक्र	07-08-2078	28-07-2079
राहु	28-07-2079	06-09-2080
चन्द्र	06-09-2080	26-10-2080
सूर्य	26-10-2080	05-02-2081
गुरु	05-02-2081	07-07-2081
मंगल	07-07-2081	26-01-2082

शनि (६व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	26-01-2082	26-01-2083
शुक्र	26-01-2083	27-03-2084
राहु	27-03-2084	27-07-2085
चन्द्र	27-07-2085	26-09-2085
सूर्य	26-09-2085	26-01-2086
गुरु	26-01-2086	28-07-2086
मंगल	28-07-2086	28-03-2087
बुध	28-03-2087	26-01-2088

शुक्र (७व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	26-01-2088	07-06-2089
राहु	07-06-2089	27-12-2090
चन्द्र	27-12-2090	08-03-2091
सूर्य	08-03-2091	28-07-2091
गुरु	28-07-2091	26-02-2092
मंगल	26-02-2092	06-12-2092
बुध	06-12-2092	26-11-2093
शनि	26-11-2093	26-01-2095

राहु (८व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
राहु	26-01-2095	05-11-2096
चन्द्र	05-11-2096	26-01-2097
सूर्य	26-01-2097	07-07-2097
गुरु	07-07-2097	07-03-2098
मंगल	07-03-2098	26-01-2099
बुध	26-01-2099	08-03-2100
शनि	08-03-2100	08-07-2101
शुक्र	08-07-2101	27-01-2103

चन्द्र (१व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	27-01-2103	06-02-2103
सूर्य	06-02-2103	26-02-2103
गुरु	26-02-2103	29-03-2103
मंगल	29-03-2103	08-05-2103
बुध	08-05-2103	28-06-2103
शनि	28-06-2103	28-08-2103
शुक्र	28-08-2103	07-11-2103
राहु	07-11-2103	27-01-2104

सूर्य (२व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	27-01-2104	08-03-2104
गुरु	08-03-2104	08-05-2104
मंगल	08-05-2104	28-07-2104
बुध	28-07-2104	06-11-2104
शनि	06-11-2104	08-03-2105
शुक्र	08-03-2105	28-07-2105
राहु	28-07-2105	06-01-2106
चन्द्र	06-01-2106	27-01-2106

गुरु (३व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	27-01-2106	28-04-2106
मंगल	28-04-2106	28-08-2106
बुध	28-08-2106	27-01-2107
शनि	27-01-2107	29-07-2107
शुक्र	29-07-2107	27-02-2108
राहु	27-02-2108	27-10-2108
चन्द्र	27-10-2108	27-11-2108
सूर्य	27-11-2108	26-01-2109



पंचोत्तरी महा व अन्तर दशाएं

भोग दशा : सूर्य ३व २म २२दि
 जन्मकालीन दशा : सू-ल-ल-ल-ल

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य		
बुध		
शनि		
मंगल		
शुक्र		
चन्द्र	21-10-1995	23-12-1996
गुरु	23-12-1996	13-01-1999

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-01-1999	23-08-2000
शनि	23-08-2000	18-05-2002
मंगल	18-05-2002	26-03-2004
शुक्र	26-03-2004	20-03-2006
चन्द्र	20-03-2006	26-04-2008
गुरु	26-04-2008	19-07-2010
सूर्य	19-07-2010	13-01-2012

शनि (14व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	13-01-2012	25-11-2013
मंगल	25-11-2013	25-11-2015
शुक्र	25-11-2015	13-01-2018
चन्द्र	13-01-2018	19-04-2020
गुरु	19-04-2020	13-09-2022
सूर्य	13-09-2022	19-04-2024
बुध	19-04-2024	12-01-2026

मंगल (15व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	12-01-2026	05-03-2028
शुक्र	05-03-2028	18-06-2030
चन्द्र	18-06-2030	21-11-2032
गुरु	21-11-2032	18-06-2035
सूर्य	18-06-2035	05-03-2037
बुध	05-03-2037	13-01-2039
शनि	13-01-2039	12-01-2041

शुक्र (16व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	12-01-2041	22-06-2043
चन्द्र	22-06-2043	23-01-2046
गुरु	23-01-2046	21-10-2048
सूर्य	21-10-2048	19-08-2050
बुध	19-08-2050	12-08-2052
शनि	12-08-2052	30-09-2054
मंगल	30-09-2054	12-01-2057

चन्द्र (17व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-01-2057	14-10-2059
गुरु	14-10-2059	13-09-2062
सूर्य	13-09-2062	22-08-2064
बुध	22-08-2064	30-09-2066
शनि	30-09-2066	05-01-2069
मंगल	05-01-2069	11-06-2071
शुक्र	11-06-2071	12-01-2074

गुरु (18व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	12-01-2074	12-02-2077
सूर्य	12-02-2077	05-03-2079
बुध	05-03-2079	27-05-2081
शनि	27-05-2081	21-10-2083
मंगल	21-10-2083	17-05-2086
शुक्र	17-05-2086	12-02-2089
चन्द्र	12-02-2089	12-01-2092

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	12-01-2092	27-05-2093
बुध	27-05-2093	21-11-2094
शनि	21-11-2094	27-06-2096
मंगल	27-06-2096	16-03-2098
शुक्र	16-03-2098	12-01-2100
चन्द्र	12-01-2100	23-12-2101
गुरु	23-12-2101	13-01-2104

बुध (13व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-01-2104	23-08-2105
शनि	23-08-2105	18-05-2107
मंगल	18-05-2107	27-03-2109
शुक्र	27-03-2109	20-03-2111
चन्द्र	20-03-2111	27-04-2113
गुरु	27-04-2113	20-07-2115
सूर्य	20-07-2115	12-01-2117



शताब्दीका महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : गुरु ५व ४म १९दि
 जन्मकालीन दशा : गु-ल-ल-ल-ल

गुरु (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु		
मंगल		
शनि		
सूर्य	21-10-1995	09-03-1996
चन्द्र	09-03-1996	10-03-1997
शुक्र	10-03-1997	10-03-1999
बुध	10-03-1999	10-03-2001

मंगल (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-03-2001	10-03-2005
शनि	10-03-2005	10-03-2011
सूर्य	10-03-2011	09-03-2012
चन्द्र	09-03-2012	10-03-2013
शुक्र	10-03-2013	10-03-2015
बुध	10-03-2015	10-03-2017
गुरु	10-03-2017	10-03-2021

शनि (30व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	10-03-2021	10-03-2030
सूर्य	10-03-2030	09-09-2031
चन्द्र	09-09-2031	09-03-2033
शुक्र	09-03-2033	09-03-2036
बुध	09-03-2036	10-03-2039
गुरु	10-03-2039	09-03-2045
मंगल	09-03-2045	10-03-2051

सूर्य (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	10-03-2051	09-06-2051
चन्द्र	09-06-2051	08-09-2051
शुक्र	08-09-2051	09-03-2052
बुध	09-03-2052	08-09-2052
गुरु	08-09-2052	08-09-2053
मंगल	08-09-2053	08-09-2054
शनि	08-09-2054	09-03-2056

चन्द्र (5व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	09-03-2056	08-06-2056
शुक्र	08-06-2056	08-12-2056
बुध	08-12-2056	09-06-2057
गुरु	09-06-2057	09-06-2058
मंगल	09-06-2058	09-06-2059
शनि	09-06-2059	08-12-2060
सूर्य	08-12-2060	09-03-2061

शुक्र (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	09-03-2061	09-03-2062
बुध	09-03-2062	10-03-2063
गुरु	10-03-2063	09-03-2065
मंगल	09-03-2065	10-03-2067
शनि	10-03-2067	09-03-2070
सूर्य	09-03-2070	08-09-2070
चन्द्र	08-09-2070	10-03-2071

बुध (10व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	10-03-2071	09-03-2072
गुरु	09-03-2072	09-03-2074
मंगल	09-03-2074	09-03-2076
शनि	09-03-2076	10-03-2079
सूर्य	10-03-2079	08-09-2079
चन्द्र	08-09-2079	09-03-2080
शुक्र	09-03-2080	09-03-2081

गुरु (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	09-03-2081	09-03-2085
मंगल	09-03-2085	09-03-2089
शनि	09-03-2089	09-03-2095
सूर्य	09-03-2095	09-03-2096
चन्द्र	09-03-2096	09-03-2097
शुक्र	09-03-2097	09-03-2099
बुध	09-03-2099	10-03-2101

मंगल (20व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	10-03-2101	10-03-2105
शनि	10-03-2105	10-03-2111
सूर्य	10-03-2111	10-03-2112
चन्द्र	10-03-2112	10-03-2113
शुक्र	10-03-2113	10-03-2115
बुध	10-03-2115	10-03-2117
गुरु	10-03-2117	10-03-2121



चतुर्शीतिसमा महा व अन्तर दशाएं

भोग्य दशा : मंगल ३व २म २२दि
 जन्मकालीन दशा : मं-ल-ल-ल-ल

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल		
बुध		
गुरु		
शुक्र		
शनि		
सूर्य	21-10-1995	27-04-1997
चन्द्र	27-04-1997	13-01-1999

बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	13-01-1999	30-09-2000
गुरु	30-09-2000	18-06-2002
शुक्र	18-06-2002	05-03-2004
शनि	05-03-2004	21-11-2005
सूर्य	21-11-2005	10-08-2007
चन्द्र	10-08-2007	27-04-2009
मंगल	27-04-2009	13-01-2011

गुरु (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
गुरु	13-01-2011	30-09-2012
शुक्र	30-09-2012	18-06-2014
शनि	18-06-2014	05-03-2016
सूर्य	05-03-2016	21-11-2017
चन्द्र	21-11-2017	09-08-2019
मंगल	09-08-2019	27-04-2021
बुध	27-04-2021	13-01-2023

शुक्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शुक्र	13-01-2023	30-09-2024
शनि	30-09-2024	18-06-2026
सूर्य	18-06-2026	05-03-2028
चन्द्र	05-03-2028	21-11-2029
मंगल	21-11-2029	09-08-2031
बुध	09-08-2031	27-04-2033
गुरु	27-04-2033	13-01-2035

शनि (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
शनि	13-01-2035	30-09-2036
सूर्य	30-09-2036	18-06-2038
चन्द्र	18-06-2038	05-03-2040
मंगल	05-03-2040	21-11-2041
बुध	21-11-2041	09-08-2043
गुरु	09-08-2043	26-04-2045
शुक्र	26-04-2045	13-01-2047

सूर्य (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
सूर्य	13-01-2047	30-09-2048
चन्द्र	30-09-2048	18-06-2050
मंगल	18-06-2050	05-03-2052
बुध	05-03-2052	21-11-2053
गुरु	21-11-2053	09-08-2055
शुक्र	09-08-2055	26-04-2057
शनि	26-04-2057	12-01-2059

चन्द्र (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
चन्द्र	12-01-2059	30-09-2060
मंगल	30-09-2060	18-06-2062
बुध	18-06-2062	05-03-2064
गुरु	05-03-2064	21-11-2065
शुक्र	21-11-2065	09-08-2067
शनि	09-08-2067	26-04-2069
सूर्य	26-04-2069	12-01-2071

मंगल (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
मंगल	12-01-2071	29-09-2072
बुध	29-09-2072	18-06-2074
गुरु	18-06-2074	05-03-2076
शुक्र	05-03-2076	21-11-2077
शनि	21-11-2077	09-08-2079
सूर्य	09-08-2079	26-04-2081
चन्द्र	26-04-2081	12-01-2083

बुध (12व)

अन्तर	आरम्भ	अन्त
बुध	12-01-2083	29-09-2084
गुरु	29-09-2084	18-06-2086
शुक्र	18-06-2086	05-03-2088
शनि	05-03-2088	21-11-2089
सूर्य	21-11-2089	09-08-2091
चन्द्र	09-08-2091	26-04-2093
मंगल	26-04-2093	12-01-2095



शनि की साढ़ेसाती का विचार

ज्योतिष तत्व प्रकाश के अनुसार -

द्वादशे जन्मगे राशौ द्वितीये च शनैश्चरः।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुःखैर्युतो भवेत्॥

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से गोचर में जब शनि द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थानों में भ्रमण करता है, तो साढ़े-सात वर्ष के समय को शनि की साढ़ेसाती कहते हैं।

आपकी जन्म राशि सिंह है, अतः शनि जब कर्क, सिंह व कन्या राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की साढ़ेसाती कहलायेगी।

एक साढ़ेसाती तीन ढैया से मिलकर बनती है। क्योंकि शनि एक राशि में लगभग ढाई वर्षों तक चलता है।

प्रायः जीवन में तीन बार साढ़ेसाती आती है।

निम्नलिखित सारणी में प्रत्येक साढ़ेसाती के प्रारम्भ और समाप्ति का समय दर्शाया जा रहा है।

साढ़ेसाती चक्र	शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	सर्व
प्रथम चक्र की साढ़े साती						
प्रथम ढैया (जन्म राशि से द्वादश)	कर्क	05-09-2004	13-01-2005	0-4-8	4	31
	कर्क (व)	26-05-2005	01-11-2006	1-5-5		
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)						
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)	सिंह	01-11-2006	10-01-2007	0-2-9	5	38
	सिंह (व)	15-07-2007	09-09-2009	2-1-24		
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)						
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)	कन्या	09-09-2009	15-11-2011	2-2-6	3	30
	कन्या (व)	16-05-2012	04-08-2012	0-2-18		
द्वितीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम ढैया (जन्म राशि से द्वादश)	कर्क	12-07-2034	27-08-2036	2-1-15	4	31
	कर्क (व)			--		
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)						
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)	सिंह	27-08-2036	22-10-2038	2-1-25	5	38
	सिंह (व)	05-04-2039	12-07-2039	0-3-7		
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)						
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)	कन्या	22-10-2038	05-04-2039	0-5-13	3	30
	कन्या (व)	12-07-2039	27-01-2041	1-6-15		
तृतीय चक्र की साढ़ेसाती						
प्रथम ढैया (जन्म राशि से द्वादश)	कर्क	24-08-2063	05-02-2064	0-5-11	4	31
	कर्क (व)	09-05-2064	12-10-2065	1-5-3		
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)						
द्वितीय ढैया (जन्म राशि पर)	सिंह	12-10-2065	03-02-2066	0-3-21	5	38
	सिंह (व)	03-07-2066	30-08-2068	2-1-27		
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)						
तृतीय ढैया (जन्म राशि से द्वितीय)	कन्या	30-08-2068	04-11-2070	2-2-4	3	30
	कन्या (व)			--		



शनि की लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि

जन्म राशि (चन्द्र राशि) से चतुर्थ एवं अष्टम् स्थान में शनि का भ्रमण लघु कल्याणी दैया कहलाता है -

कल्याणी प्रददाति वै रविसुतो राशेश्वर्त्थाष्टमे ।

आपकी जन्म राशि सिंह है, जब शनि चतुर्थ अर्थात् वृश्चिक राशि में तथा अष्टम् अर्थात् मीन राशि में भ्रमण करेगा तो शनि की लघु कल्याणी दैया कहलायेगी।

चन्द्र लग्न से गोचर में शनि चतुर्थ, सप्तम, दशम स्थान में हो तो कंटक शनि कहलाता है।

आपकी जन्म राशि सिंह है अतः जब शनि वृश्चिक, कुंभ और वृष में भ्रमण करेगा तो कंटक शनि कहा जायेगा।

आपके जीवन में लघु कल्याणी दैया व कंटक शनि कब-कब चलेगा इसकी जानकारी निम्न तालिका से करें -

शनि का गोचर	प्रारम्भ तिथि	समाप्ति तिथि	अंतराल वर्ष-मास-दिन	अष्टकवर्ग शनि	अष्टकवर्ग सर्व
दैया की प्रथम आवृत्ति					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	वृश्चिक वृश्चिक (व)		--	1	26
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	कुंभ कुंभ (व)		--	1	25
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया					
मीन			--	4	24
मीन (व)	16-02-1996	17-04-1998	2-2-1		
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	वृष वृष (व)	06-06-2000 08-01-2003	23-07-2002 07-04-2003	2-1-17 0-2-29	2 28
दैया की द्वितीय आवृत्ति					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	वृश्चिक वृश्चिक (व)	02-11-2014 20-06-2017	26-01-2017 26-10-2017	2-2-24 0-4-6	1 26
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	कुंभ कुंभ (व)	29-04-2022 17-01-2023	12-07-2022 29-03-2025	0-2-13 2-2-12	1 25
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	मीन मीन (व)	29-03-2025 20-10-2027	02-06-2027 23-02-2028	2-2-3 0-4-3	4 24
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	वृष वृष (व)	08-08-2029 17-04-2030	05-10-2029 30-05-2032	0-1-27 2-1-13	2 28
दैया की तृतीय आवृत्ति					
चतुर्थ स्थानस्थ कंटक शनि व लघु कल्याणी दैया	वृश्चिक वृश्चिक (व)	11-12-2043 30-08-2044	23-06-2044 07-12-2046	0-6-12 2-3-7	1 26
सप्तम स्थानस्थ कंटक शनि	कुंभ कुंभ (व)	24-02-2052 01-09-2054	14-05-2054 05-02-2055	2-2-20 0-5-4	1 25
अष्टम स्थानस्थ लघु कल्याणी दैया	मीन मीन (व)	14-05-2054 05-02-2055	01-09-2054 07-04-2057	0-3-17 2-2-2	4 24
दशम स्थानस्थ कंटक शनि	वृष वृष (व)	27-05-2059 13-02-2062	10-07-2061 06-03-2062	2-1-13 0-0-23	2 28

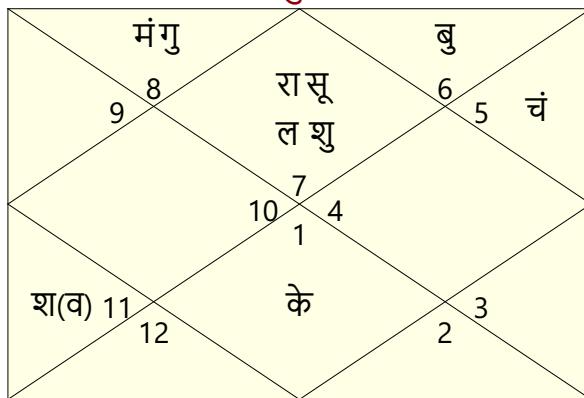


कृष्णमूर्ति पद्धति

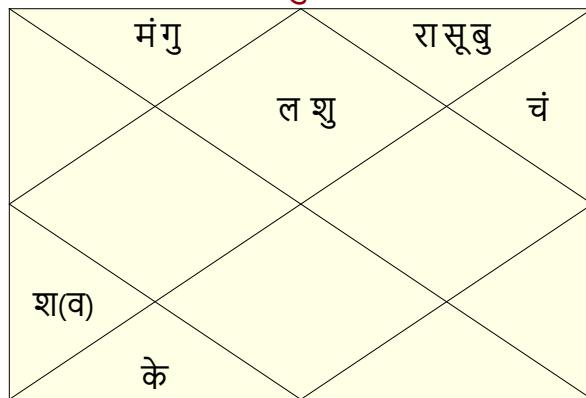
21 अक्टूबर 1995 • 06:06 घंटे • Khagaria, Bihar, India

ग्रह	व/अ	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
लग्न		तुला	07:11:36	स्वाति	1	शु	रा	रा	गु
सूर्य		तुला	02:27:29	चित्रा	3	शु	मं	के	श
चन्द्र		सिंह	23:10:23	पूर्वाफाल्युनी	3	सू	शु	श	चं
मंगल		वृश्चिक	06:24:09	अनुराधा	1	मं	श	मं	मं
बुध		कन्या	15:18:03	हस्त	2	बु	गु	मं	मं
गुरु		वृश्चिक	20:10:58	ज्येष्ठा	2	बु	शु	रा	रा
शुक्र		तुला	19:36:47	स्वाति	4	शु	रा	बु	बु
शनि	(व)	कुंभ	25:08:51	पूर्वाभाद्रपद	2	श	गु	बु	रा
राहु		तुला	02:48:50	चित्रा	3	शु	मं	शु	शु
केतु		मेष	02:48:50	अश्विनी	1	मं	के	गु	बु
यूरेनस		मकर	02:54:41	उत्तराषाढ़ा	2	श	सू	गु	रा
नेपच्यून		धनु	29:08:26	उत्तराषाढ़ा	1	गु	सू	मं	सू
प्लूटो		वृश्चिक	05:31:17	अनुराधा	1	मं	श	बु	बु

जन्म कुण्डली



कस्प कुण्डली



भाव विवरण

भाव कस्प	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	रा.स्वा.	न.स्वा.	न.उप.	उप.उप.
1. प्रथम	तुला	07:11:36	स्वाति	1	शु	रा	रा	गु
2. द्वितीय	वृश्चिक	06:14:38	अनुराधा	1	मं	श	बु	चं
3. तृतीय	धनु	06:45:25	मूल	3	गु	के	रा	के
4. चतुर्थ	मकर	08:30:40	उत्तराषाढ़ा	4	श	सू	शु	मं
5. पंचम	कुंभ	10:29:53	शतभिषा	2	श	रा	श	श
6. षष्ठ	मीन	10:35:13	उत्तराभाद्रपद	3	गु	श	सू	गु
7. सप्तम	मेष	07:11:36	अश्विनी	3	मं	के	रा	सू
8. अष्टम	वृष	06:14:38	कृतिका	3	शु	सू	बु	रा
9. नवम	मिथुन	06:45:25	आर्द्रा	1	बु	रा	रा	रा
10. दशम	कर्क	08:30:40	पुष्य	2	चं	श	शु	सू
11. एकादश	सिंह	10:29:53	मघा	4	सू	के	चं	सू
12. द्वादश	कन्या	10:35:13	हस्त	1	बु	चं	चं	श



कृष्णमूर्ति पद्धति

भावों के कारक ग्रह

भाव	भाव स्थित ग्रहों के नक्षत्र में ग्रह	भाव स्थित ग्रह	भाव कस्प स्वामी के नक्षत्र में ग्रह	भाव कस्प स्वामी
1. प्रथम	चं	शु	चं	शु
2. द्वितीय	सूरा, श	मं, गु	सूरा	मं
3. तृतीय			श	गु
4. चतुर्थ			मं	श
5. पंचम	मं	श	मं	श
6. षष्ठि	के	के	श	गु
7. सप्तम			सूरा	मं
8. अष्टम			चं	शु
9. नवम			गु	बु
10. दशम			बु	चं
11. एकादश	बु	चं		सू
12. द्वादश	गु, शु	सूरा, बु	गु	बु

ग्रहों द्वारा अभिसूचित भाव

ग्रह	ग्रहों से अभिप्राय भाव			
	अत्यधिक बली कारक	बली कारक	सामान्य कारक	निर्बल कारक
सूर्य		2	12	7 11
चन्द्र		1	11	8 10
मंगल	2 5			4 7
बुध	12	11		9 10
गुरु	12	2		3 6 9
शुक्र	1	12		8
शनि	5	2		3 4 6
राहु	2	12		7
केतु	6			

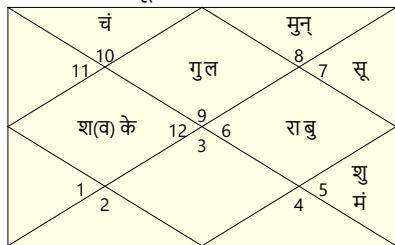
स्वामी ग्रह

वारेश	:	शनि	फॉरच्यूना	:	सिंह 26:55:42
लग्नेश	:	शुक्र	भोग्य दशा	:	शुक्र 5व.-2म.-25दि.
लग्न नक्षत्र स्वामी	:	राहु	के.पी. आयनांश	:	-23:42:13
लग्न नक्षत्र उपस्वामी	:	राहु			
चन्द्र राशि स्वामी	:	सूर्य			
चन्द्र नक्षत्र स्वामी	:	शुक्र			
चन्द्र नक्षत्र उपस्वामी	:	शनि			



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:1

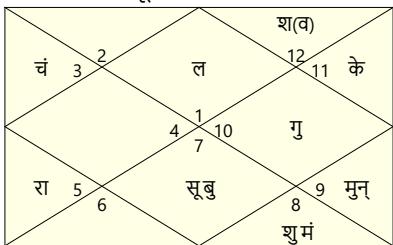
20 अक्टूबर 1996 12:09 घंटे



लग्र	28:47	मंगल	00:31	शुक्र	25:08
सूर्य	03:20	बुध	24:41	शनि	08:24
चन्द्र	10:12	गुरु	17:16	राहु	14:04
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृश्चिक	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:2

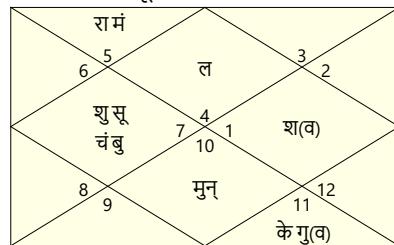
20 अक्टूबर 1997 18:23 घंटे



लग्र	26:10	मंगल	21:35	शुक्र	19:35
सूर्य	03:20	बुध	07:52	शनि	22:16
चन्द्र	01:48	गुरु	18:31	राहु	25:14
वर्षश	बुध	मुन्धा	धनु	07:05:48	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:3

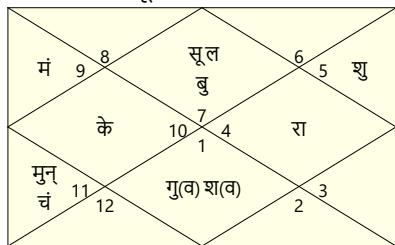
21 अक्टूबर 1998 00:26 घंटे



लग्र	21:19	मंगल	14:13	शुक्र	00:56
सूर्य	03:20	बुध	19:25	शनि	06:33
चन्द्र	07:18	गुरु	25:16	राहु	06:04
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मकर	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:4

21 अक्टूबर 1999 06:36 घंटे



लग्र	13:41	मंगल	09:01	शुक्र	17:14
सूर्य	03:20	बुध	27:09	शनि	21:09
चन्द्र	13:01	गुरु	06:26	राहु	15:54
वर्षश	बुध	मुन्धा	कुम्भ	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5

21 अक्टूबर 2000 01:00 घंटे



लग्र	28:51	मंगल	09:20	शुक्र	19:42
सूर्य	03:20	बुध	17:50	शनि	05:06
चन्द्र	27:59	गुरु	21:10	राहु	15:25
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृष	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:6

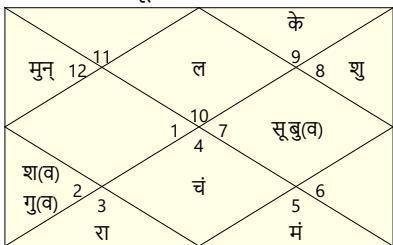
20 अक्टूबर 2005 19:32 घंटे



लग्र	14:54	मंगल	26:53	शुक्र	19:45
सूर्य	03:20	बुध	23:25	शनि	16:23
चन्द्र	12:16	गुरु	04:51	राहु	19:39
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	सिंह	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:5

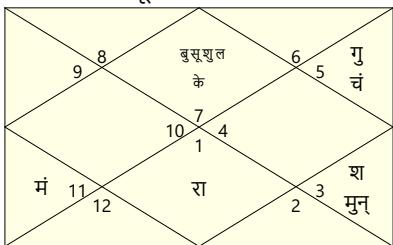
20 अक्टूबर 2000 12:52 घंटे



लग्र	10:24	मंगल	26:59	शुक्र	07:24
सूर्य	03:20	बुध	21:44	शनि	05:53
चन्द्र	03:00	गुरु	16:39	राहु	25:28
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मीन	07:05:48	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:8

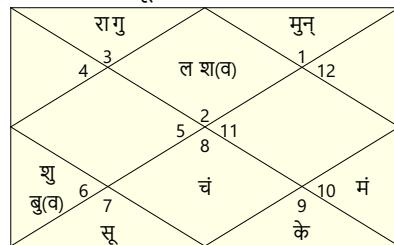
21 अक्टूबर 2003 07:15 घंटे



लग्र	22:20	मंगल	09:46	शुक्र	20:07
सूर्य	03:20	बुध	00:21	शनि	19:18
चन्द्र	03:42	गुरु	17:17	राहु	26:46
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मिथुन	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:9

20 अक्टूबर 2004 13:17 घंटे



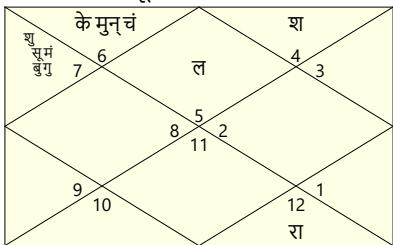
लग्र	03:51	मंगल	01:16	शुक्र	12:24
सूर्य	03:20	बुध	20:53	शनि	20:35
चन्द्र	22:09	गुरु	21:31	राहु	05:09
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मेष	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:10

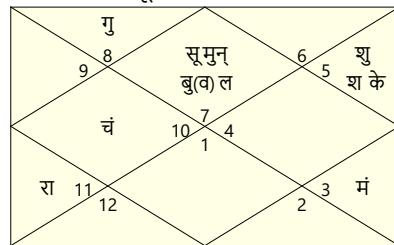
20 अक्टूबर 2005 19:32 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:11

21 अक्टूबर 2006 01:40 घंटे



लग्र	07:35	मंगल	04:07	शुक्र	01:34
सूर्य	03:20	बुध	27:37	शनि	29:12
चन्द्र	18:17	गुरु	28:32	राहु	01:14
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	कन्या	07:05:47	

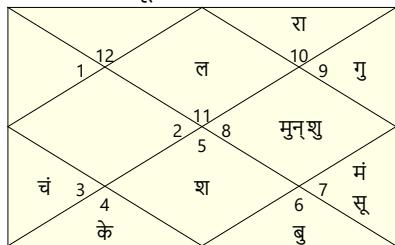


लग्र	29:40	मंगल	14:28	शुक्र	17:05
सूर्य	03:20	बुध	09:46	शनि	11:33
चन्द्र	24:17	गुरु	23:34	राहु	11:47
वर्षश	बुध	मुन्धा	तुला	07:05:47	



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:13

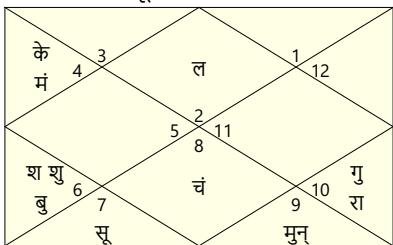
20 अक्टूबर 2008 14:06 घंटे



लग्र	02:14	मंगल	17:03	शुक्र	07:56
सूर्य	03:20	बुध	15:21	शनि	23:28
चन्द्र	18:29	गुरु	21:15	राहु	21:40
वर्षश	शनि	मुन्या	वृश्चिक	07:05:48	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:14

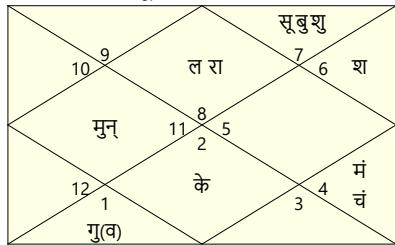
20 अक्टूबर 2009 20:03 घंटे



लग्र	22:40	मंगल	07:57	शुक्र	13:01
सूर्य	03:20	बुध	22:45	शनि	04:59
चन्द्र	02:38	गुरु	23:15	राहु	01:17
वर्षश	मंगल	मुन्या	धनु	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:15

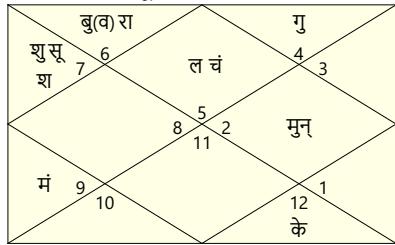
21 अक्टूबर 2010 02:13 घंटे



लग्र	08:35	मंगल	24:46	शुक्र	20:44
सूर्य	03:20	बुध	17:51	शनि	27:02
चन्द्र	15:23	गुरु	12:19	राहु	21:24
वर्षश	शनि	मुन्या	कुम्भ	07:05:48	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:16

21 अक्टूबर 2011 08:30 घंटे



लग्र	23:58	मंगल	01:51	शुक्र	02:12
सूर्य	03:20	बुध	24:55	शनि	28:32
चन्द्र	28:58	गुरु	24:57	राहु	25:13
वर्षश	शुक्र	मुन्या	वृष	07:05:47	

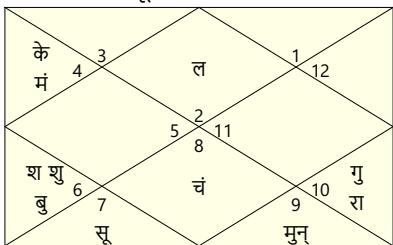
वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:17

21 अक्टूबर 2014 02:53 घंटे

लग्र	10:08	मंगल	04:33	शुक्र	13:38
सूर्य	03:20	बुध	11:16	शनि	29:30
चन्द्र	13:16	गुरु	08:05	राहु	27:52
वर्षश	बुध	मुन्या	सिंह	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:18

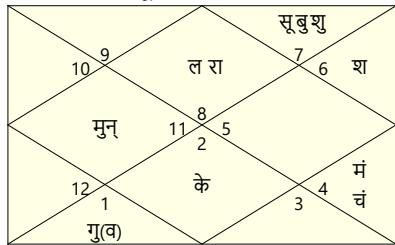
20 अक्टूबर 2012 14:33 घंटे



लग्र	10:57	मंगल	15:26	शुक्र	26:08
सूर्य	03:20	बुध	26:26	शनि	07:41
चन्द्र	10:21	गुरु	21:55	राहु	02:18
वर्षश	शनि	मुन्या	मीन	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:19

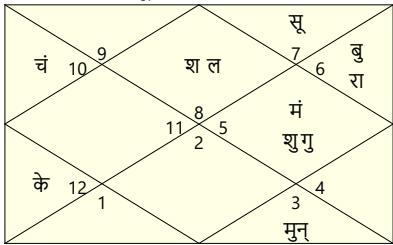
21 अक्टूबर 2014 02:53 घंटे



लग्र	02:58	मंगल	09:01	शुक्र	19:54
सूर्य	03:20	बुध	24:18	शनि	18:10
चन्द्र	22:56	गुरु	25:57	राहु	13:39
वर्षश	बुध	मुन्या	मेष	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:20

21 अक्टूबर 2015 09:00 घंटे



लग्र	14:53	मंगल	22:04	शुक्र	16:59
सूर्य	03:20	बुध	16:31	शनि	08:50
चन्द्र	06:58	गुरु	20:42	राहु	06:37
वर्षश	बुध	मुन्या	मिथुन	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:21

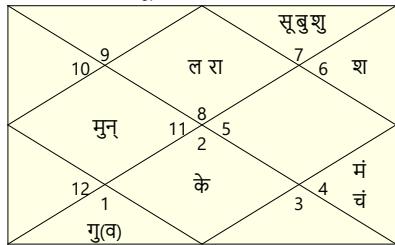
20 अक्टूबर 2016 15:17 घंटे



लग्र	02:58	मंगल	09:01	शुक्र	19:54
सूर्य	03:20	बुध	24:18	शनि	18:10
चन्द्र	22:56	गुरु	25:57	राहु	13:39
वर्षश	बुध	मुन्या	मेष	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:22

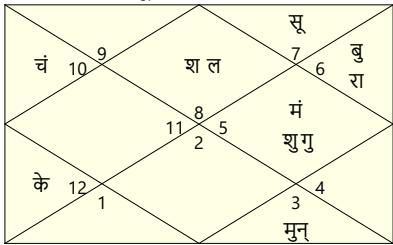
20 अक्टूबर 2017 21:17 घंटे



लग्र	25:40	मंगल	21:37	शुक्र	08:28
सूर्य	03:20	बुध	28:21	शनि	19:08
चन्द्र	02:30	गुरु	14:41	राहु	17:36
वर्षश	शनि	मुन्या	कर्क	07:05:48	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:23

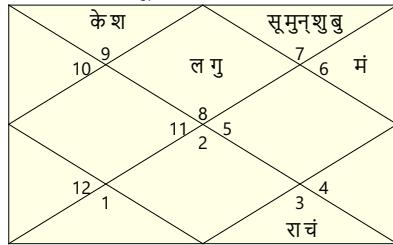
21 अक्टूबर 2018 03:29 घंटे



लग्र	01:59	मंगल	21:00	शुक्र	12:20
सूर्य	03:20	बुध	22:06	शनि	09:59
चन्द्र	18:49	गुरु	01:54	राहु	07:56
वर्षश	शनि	मुन्या	कन्या	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:24

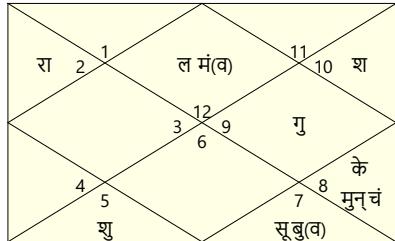
21 अक्टूबर 2019 09:47 घंटे



लग्र	25:23	मंगल	16:50	शुक्र	21:21
सूर्य	03:20	बुध	27:46	शनि	20:39
चन्द्र	28:56	गुरु	27:13	राहु	17:16
वर्षश	मंगल	मुन्या	तुला	07:05:48	

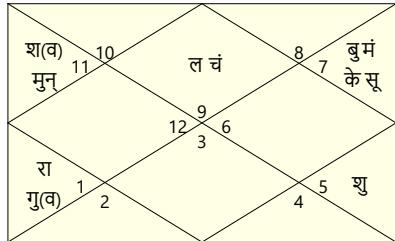


वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:25
20 अक्टूबर 2020 15:48 घंटे



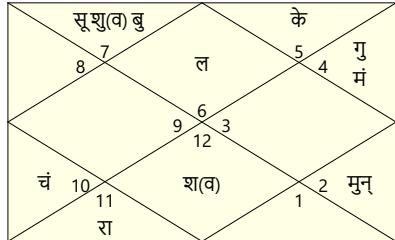
लग्र 06:21 मंगल 24:57 शुक्र 26:38
सूर्य 03:20 बुध 14:44 शनि 01:34
चन्द्र 23:50 गुरु 25:26 राहु 27:09
वर्षश मंगल मुन्धा वृश्चिक 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:28
21 अक्टूबर 2023 10:13 घंटे



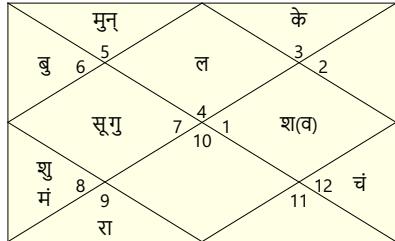
लग्र 01:02 मंगल 11:56 शुक्र 16:57
सूर्य 03:20 बुध 03:59 शनि 06:29
चन्द्र 21:04 गुरु 18:03 राहु 00:41
वर्षश शनि मुन्धा कुम्भ 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:31
21 अक्टूबर 2026 04:36 घंटे



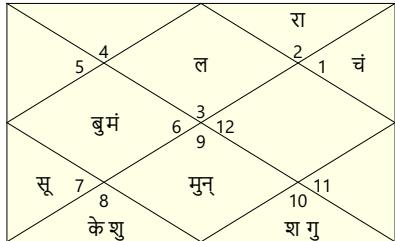
लग्र 17:03 मंगल 18:38 शुक्र 08:26
सूर्य 03:20 बुध 26:03 शनि 15:48
चन्द्र 28:45 गुरु 28:36 राहु 03:49
वर्षश शनि मुन्धा वृष 07:05:45

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:34
20 अक्टूबर 2029 23:10 घंटे



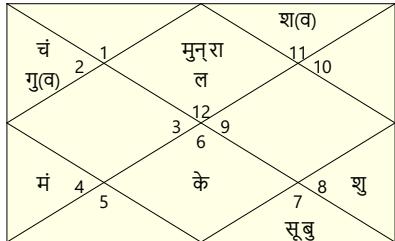
लग्र 04:48 मंगल 25:10 शुक्र 20:07
सूर्य 03:20 बुध 26:21 शनि 29:05
चन्द्र 15:14 गुरु 11:19 राहु 03:08
वर्षश मंगल मुन्धा सिंह 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:26
20 अक्टूबर 2021 21:58 घंटे



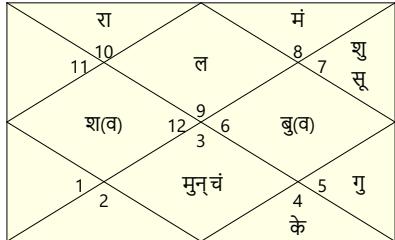
लग्र 19:12 मंगल 29:13 शुक्र 20:01
सूर्य 03:20 बुध 16:20 शनि 12:47
चन्द्र 04:03 गुरु 28:10 राहु 07:50
वर्षश बुध मुन्धा धनु 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:29
20 अक्टूबर 2024 16:28 घंटे



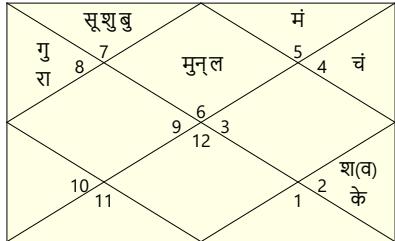
लग्र 20:16 मंगल 00:02 शुक्र 08:59
सूर्य 03:20 बुध 16:13 शनि 19:04
चन्द्र 14:47 गुरु 26:55 राहु 12:18
वर्षश शुक्र मुन्धा मीन 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:32
21 अक्टूबर 2027 10:54 घंटे



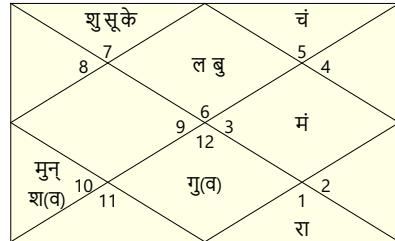
लग्र 10:27 मंगल 09:30 शुक्र 21:58
सूर्य 03:20 बुध 29:52 शनि 29:54
चन्द्र 13:49 गुरु 24:03 राहु 13:31
वर्षश बुध मुन्धा मिथुन 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:35
21 अक्टूबर 2030 05:24 घंटे



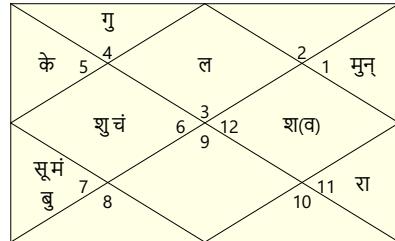
लग्र 27:47 मंगल 17:05 शुक्र 03:28
सूर्य 03:20 बुध 09:26 शनि 13:51
चन्द्र 18:56 गुरु 05:18 राहु 13:49
वर्षश बुध मुन्धा कन्या 07:05:48

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:27
21 अक्टूबर 2022 04:06 घंटे



लग्र 10:24 मंगल 00:47 शुक्र 02:50
सूर्य 03:20 बुध 20:53 शनि 24:25
चन्द्र 09:00 गुरु 06:31 राहु 19:19
वर्षश बुध मुन्धा मकर 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:30
20 अक्टूबर 2025 22:29 घंटे



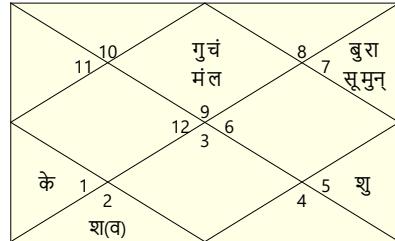
लग्र 25:54 मंगल 25:15 शुक्र 14:15
सूर्य 03:20 बुध 25:30 शनि 02:10
चन्द्र 24:26 गुरु 00:09 राहु 23:40
वर्षश शुक्र मुन्धा मेष 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:33
20 अक्टूबर 2028 16:57 घंटे



लग्र 29:48 मंगल 03:40 शुक्र 27:09
सूर्य 03:20 बुध 15:35 शनि 14:23
चन्द्र 05:43 गुरु 17:55 राहु 23:11
वर्षश गुरु मुन्धा कर्क 07:05:46

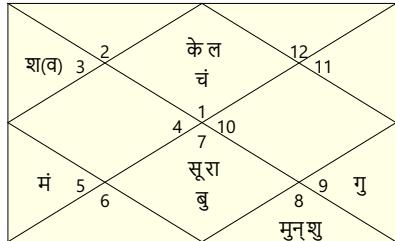
वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:36
21 अक्टूबर 2031 11:31 घंटे



लग्र 19:27 मंगल 13:18 शुक्र 16:57
सूर्य 03:20 बुध 20:41 शनि 28:29
चन्द्र 06:07 गुरु 00:57 राहु 24:47
वर्षश गुरु मुन्धा तुला 07:05:47



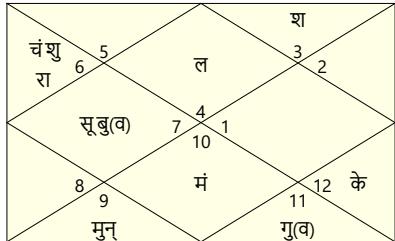
वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:37
20 अक्टूबर 2032 17:45 घंटे



लग्र 15:08 मंगल 29:44 शुक्र 09:31
सूर्य 03:20 बुध 27:34 शनि 12:51
चन्द्र 26:19 गुरु 29:40 राहु 06:10
वर्षश मंगल मुन्धा वृश्चिक 07:05:48

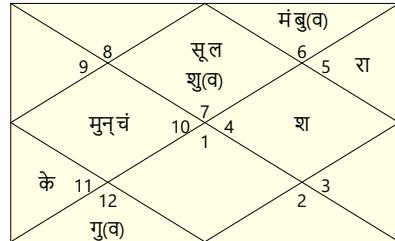
वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38
21 अक्टूबर 2033 23:46 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:38
20 अक्टूबर 2033 23:46 घंटे



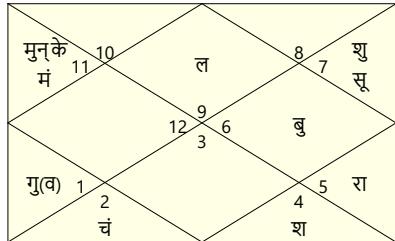
लग्र 12:42 मंगल 07:27 शुक्र 14:52
सूर्य 03:20 बुध 18:56 शनि 26:51
चन्द्र 05:49 गुरु 03:08 राहु 17:58
वर्षश बुध मुन्धा धनु 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:39
21 अक्टूबर 2034 05:52 घंटे



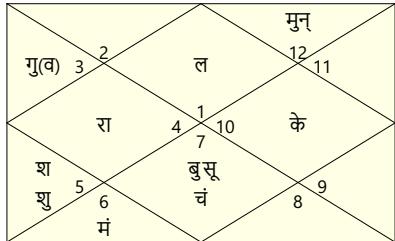
लग्र 03:56 मंगल 12:03 शुक्र 04:27
सूर्य 03:20 बुध 18:22 शनि 10:23
चन्द्र 09:14 गुरु 12:08 राहु 29:05
वर्षश शुक्र मुन्धा मकर 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:40
21 अक्टूबर 2035 12:09 घंटे



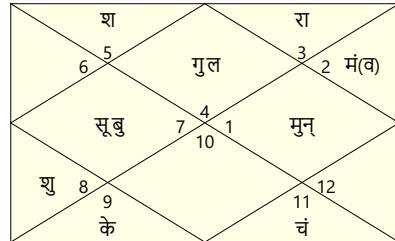
लग्र 29:00 मंगल 23:37 शुक्र 22:35
सूर्य 03:20 बुध 19:09 शनि 23:26
चन्द्र 28:54 गुरु 23:38 राहु 09:36
वर्षश शुक्र मुन्धा कुम्भ 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:41
21 अक्टूबर 2036 18:12 घंटे



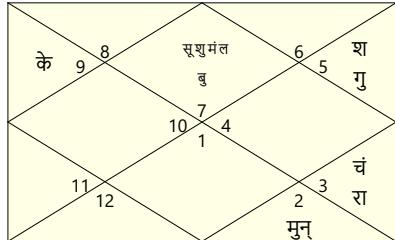
लग्र 23:09 मंगल 24:21 शुक्र 27:41
सूर्य 03:20 बुध 02:01 शनि 06:00
चन्द्र 16:53 गुरु 01:47 राहु 19:48
वर्षश गुरु मुन्धा मीन 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:42
21 अक्टूबर 2037 00:20 घंटे



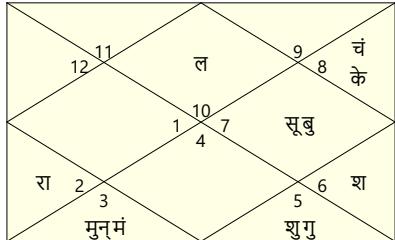
लग्र 19:52 मंगल 11:25 शुक्र 20:09
सूर्य 03:20 बुध 14:31 शनि 18:08
चन्द्र 26:04 गुरु 04:17 राहु 29:50
वर्षश शुक्र मुन्धा मेष 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:43
21 अक्टूबर 2038 06:31 घंटे



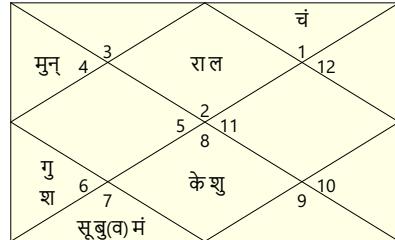
लग्र 12:43 मंगल 06:54 शुक्र 04:06
सूर्य 03:20 बुध 24:26 शनि 29:50
चन्द्र 29:46 गुरु 02:15 राहु 09:07
वर्षश शुक्र मुन्धा वृष 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:44
21 अक्टूबर 2039 12:37 घंटे



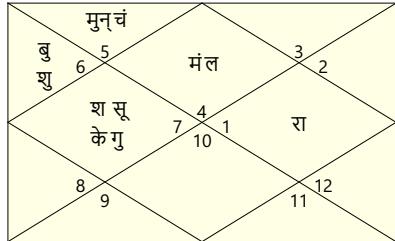
लग्र 06:18 मंगल 20:43 शुक्र 16:59
सूर्य 03:20 बुध 27:09 शनि 11:10
चन्द्र 20:56 गुरु 27:25 राहु 19:24
वर्षश बुध मुन्धा मिथुन 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:45
21 अक्टूबर 2040 18:51 घंटे



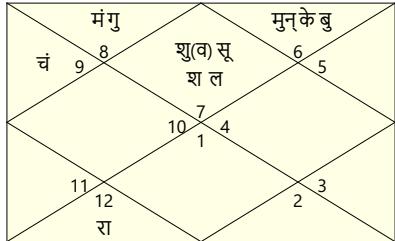
लग्र 04:10 मंगल 19:58 शुक्र 10:01
सूर्य 03:20 बुध 05:17 शनि 22:12
चन्द्र 07:48 गुरु 21:11 राहु 00:19
वर्षश शुक्र मुन्धा कर्क 07:05:47

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:46
21 अक्टूबर 2041 00:57 घंटे



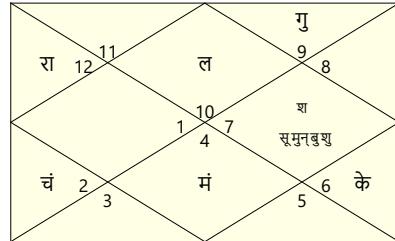
लग्र 28:02 मंगल 12:01 शुक्र 15:29
सूर्य 03:20 बुध 15:10 शनि 02:57
चन्द्र 16:31 गुरु 14:37 राहु 11:44
वर्षश मंगल मुन्धा सिंह 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:47
21 अक्टूबर 2042 07:06 घंटे



लग्र 20:13 मंगल 03:49 शुक्र 00:27
सूर्य 03:20 बुध 24:22 शनि 13:31
चन्द्र 20:45 गुरु 08:44 राहु 23:23
वर्षश शुक्र मुन्धा कन्या 07:05:46

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:48
21 अक्टूबर 2043 13:25 घंटे

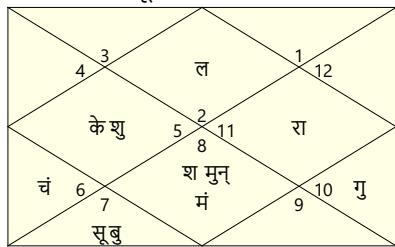


लग्र 19:53 मंगल 28:04 शुक्र 23:12
सूर्य 03:20 बुध 07:33 शनि 23:57
चन्द्र 12:56 गुरु 04:40 राहु 04:51
वर्षश शुक्र मुन्धा तुला 07:05:48



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:49

20 अक्टूबर 2044 19:29 घंटे



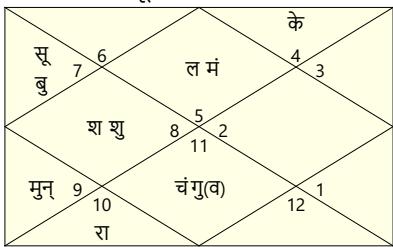
लग्र	14:07	मंगल	18:50	शुक्र	28:13
सूर्य	03:20	बुध	19:10	शनि	04:18
चन्द्र	28:28	गुरु	03:52	राहु	15:44
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृश्चिक	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

21 अक्टूबर 2045 01:35 घंटे

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:50

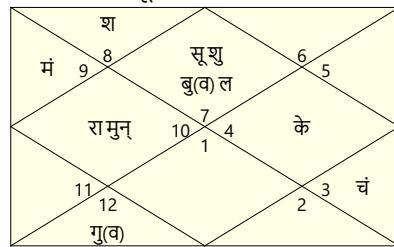
21 अक्टूबर 2045 01:35 घंटे



लग्र	06:22	मंगल	11:58	शुक्र	20:10
सूर्य	03:20	बुध	27:03	शनि	14:36
चन्द्र	06:24	गुरु	08:01	राहु	26:02
वर्षश	शनि	मुन्धा	धनु	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:51

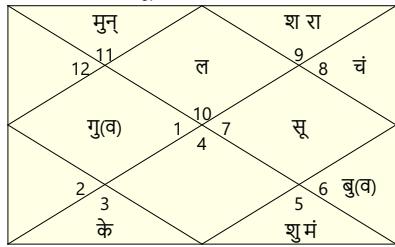
21 अक्टूबर 2046 07:48 घंटे



लग्र	29:26	मंगल	05:47	शुक्र	04:44
सूर्य	03:20	बुध	22:13	शनि	24:57
चन्द्र	12:16	गुरु	17:36	राहु	05:18
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मकर	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:52

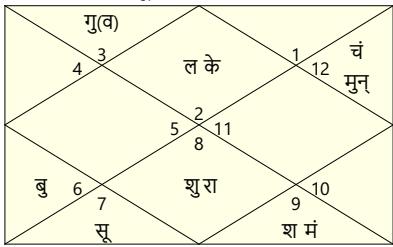
21 अक्टूबर 2047 13:56 घंटे



लग्र	29:13	मंगल	24:52	शुक्र	17:04
सूर्य	03:20	बुध	21:29	शनि	05:23
चन्द्र	04:39	गुरु	28:59	राहु	14:58
वर्षश	शनि	मुन्धा	कुम्भ	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:53

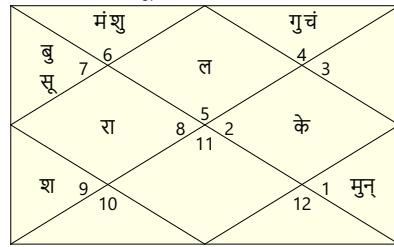
21 अक्टूबर 2048 20:08 घंटे



लग्र	23:53	मंगल	26:49	शुक्र	10:32
सूर्य	03:20	बुध	17:36	शनि	15:58
चन्द्र	19:42	गुरु	06:28	राहु	25:15
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मीन	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:54

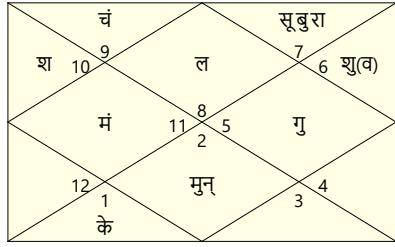
21 अक्टूबर 2049 02:11 घंटे



लग्र	14:29	मंगल	07:16	शुक्र	16:07
सूर्य	03:20	बुध	00:01	शनि	26:46
चन्द्र	26:22	गुरु	08:19	राहु	06:12
वर्षश	सूर्य	मुन्धा	मेष	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:55

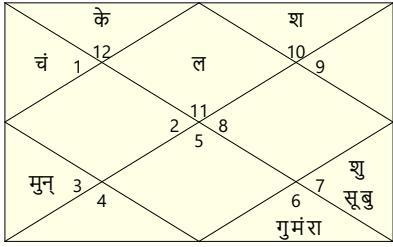
21 अक्टूबर 2050 08:17 घंटे



लग्र	05:31	मंगल	00:39	शुक्र	26:31
सूर्य	03:20	बुध	12:46	शनि	07:52
चन्द्र	03:38	गुरु	05:51	राहु	17:12
वर्षश	मंगल	मुन्धा	वृष	07:05:45	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:58

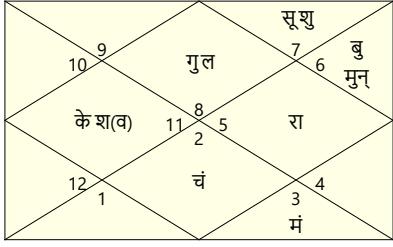
21 अक्टूबर 2053 02:45 घंटे



लग्र	10:51	मंगल	19:33	शुक्र	23:48
सूर्य	03:20	बुध	23:12	शनि	19:20
चन्द्र	25:43	गुरु	00:46	राहु	28:57
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	मिथुन	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:59

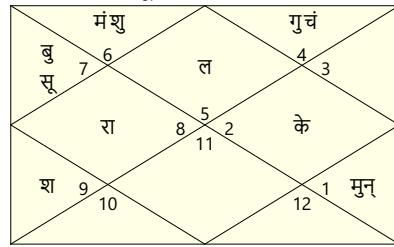
21 अक्टूबर 2054 09:01 घंटे



लग्र	15:07	मंगल	09:00	शुक्र	05:22
सूर्य	03:20	बुध	15:27	शनि	26:30
चन्द्र	25:52	गुरु	12:09	राहु	01:38
वर्षश	बुध	मुन्धा	कन्या	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:57

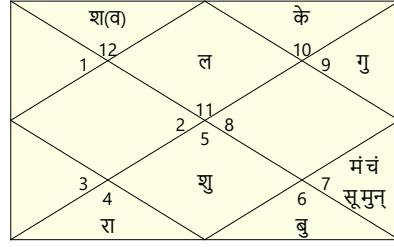
21 अक्टूबर 2052 20:37 घंटे



लग्र	00:51	मंगल	13:32	शुक्र	28:45
सूर्य	03:20	बुध	27:41	शनि	01:13
चन्द्र	10:40	गुरु	24:25	राहु	10:37
वर्षश	बुध	मुन्धा	कर्क	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:60

21 अक्टूबर 2055 15:09 घंटे



लग्र	23:27	मंगल	14:48	शुक्र	17:11
सूर्य	03:20	बुध	22:26	शनि	09:56
चन्द्र	16:54	गुरु	08:25	राहु	11:41
वर्षश	गुरु	मुन्धा	तुला	07:05:47	



वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:61

20 अक्टूबर 2056 21:19 घंटे



लग्र	10:23	मंगल	04:38	शुक्र	11:02
सूर्य	03:20	बुध	05:37	शनि	23:51
चन्द्र	01:41	गुरु	08:12	राहु	21:30
वर्षश	बुध	मुन्धा	वृश्चिक	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62

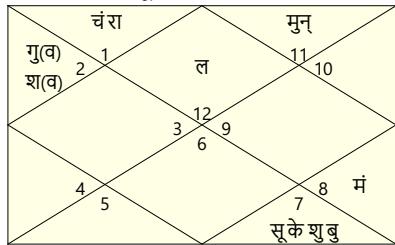
21 अक्टूबर 2057 03:24 घंटे



लग्र	00:41	मंगल	28:18	शुक्र	16:44
सूर्य	03:20	बुध	17:35	शनि	08:12
चन्द्र	05:57	गुरु	13:08	राहु	01:22
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	धनु	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:64

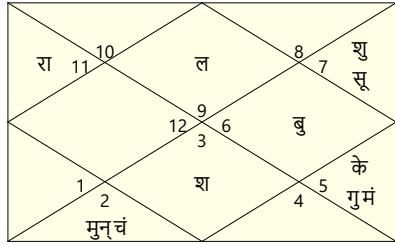
21 अक्टूबर 2059 15:46 घंटे



लग्र	06:02	मंगल	12:48	शुक्र	24:24
सूर्य	03:20	बुध	24:39	शनि	07:36
चन्द्र	08:00	गुरु	04:30	राहु	22:44
वर्षश	गुरु	मुन्धा	कुम्भ	07:05:47	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:67

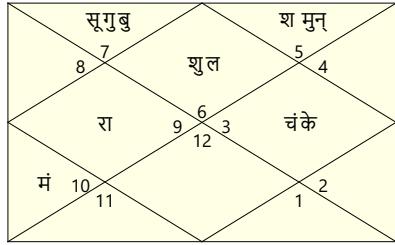
21 अक्टूबर 2062 10:11 घंटे



लग्र	00:35	मंगल	19:55	शुक्र	06:00
सूर्य	03:20	बुध	28:01	शनि	20:56
चन्द्र	09:41	गुरु	09:22	राहु	27:05
वर्षश	गुरु	मुन्धा	वृष	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:70

21 अक्टूबर 2065 04:39 घंटे



लग्र	17:42	मंगल	14:32	शुक्र	17:21
सूर्य	03:20	बुध	27:46	शनि	00:41
चन्द्र	16:15	गुरु	21:02	राहु	27:04
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	सिंह	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:62

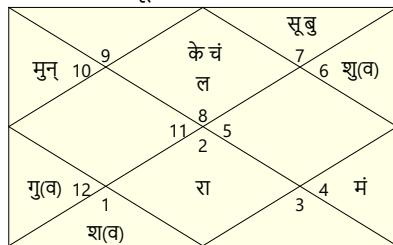
21 अक्टूबर 2057 03:24 घंटे



लग्र	00:41	मंगल	28:18	शुक्र	16:44
सूर्य	03:20	बुध	17:35	शनि	08:12
चन्द्र	05:57	गुरु	13:08	राहु	01:22
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	धनु	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:63

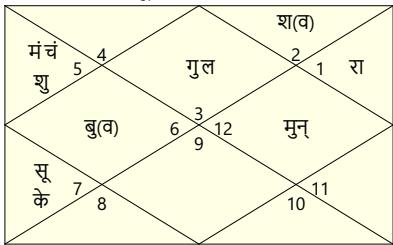
21 अक्टूबर 2058 09:30 घंटे



लग्र	21:28	मंगल	22:09	शुक्र	22:40
सूर्य	03:20	बुध	26:17	शनि	22:50
चन्द्र	17:38	गुरु	23:20	राहु	11:39
वर्षश	मंगल	मुन्धा	मकर	07:05:45	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:65

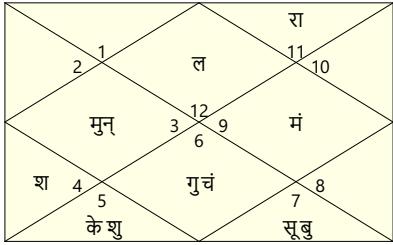
20 अक्टूबर 2060 21:53 घंटे



लग्र	18:00	मंगल	06:43	शुक्र	29:17
सूर्य	03:20	बुध	25:43	शनि	22:18
चन्द्र	22:50	गुरु	11:13	राहु	04:28
वर्षश	बुध	मुन्धा	मीन	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:68

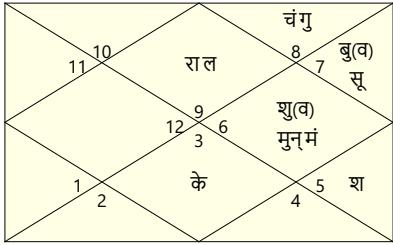
21 अक्टूबर 2063 16:20 घंटे



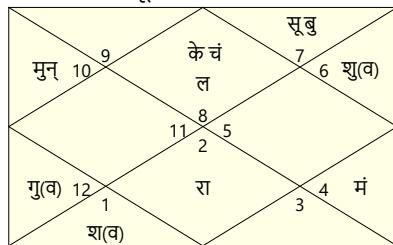
लग्र	17:43	मंगल	17:49	शुक्र	17:20
सूर्य	03:20	बुध	10:58	शनि	04:40
चन्द्र	28:49	गुरु	04:01	राहु	07:53
वर्षश	गुरु	मुन्धा	मिथुन	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:71

21 अक्टूबर 2066 10:47 घंटे



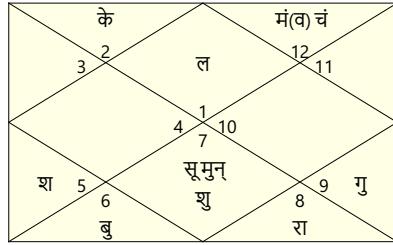
लग्र	08:53	मंगल	14:45	शुक्र	18:59
सूर्य	03:20	बुध	15:30	शनि	12:58
चन्द्र	01:40	गुरु	15:30	राहु	06:58
वर्षश	शनि	मुन्धा	कन्या	07:05:46	



लग्र	26:01	मंगल	02:28	शुक्र	11:32
सूर्य	03:20	बुध	21:52	शनि	17:55
चन्द्र	13:23	गुरु	27:32	राहु	18:06
वर्षश	बुध	मुन्धा	कर्क	07:05:46	

वर्ष कुण्डली - पूर्ण वर्ष:72

21 अक्टूबर 2067 17:01 घंटे



लग्र	01:12	मंगल	10:21	शुक्र	25:01
सूर्य	03:20	बुध	16:36	शनि	24:50
चन्द्र	20:22	गुरु	12:12	राहु	17:26
वर्षश	शुक्र	मुन्धा	तुला	07:05:47	



जन्मकालिक पंचांगादि विवरण

वेद सर्वग्रन्थों में आद्य ग्रन्थ हैं। जगत के सब शास्त्रों की उत्पत्ति का आधार वेद ही हैं। वेद शब्द की उत्पत्ति विद् धातु से हुई है जिसका अर्थ है, ज्ञान। ज्योतिष शास्त्र द्वारा जीवात्मा के ज्ञान के साथ-साथ परमात्मा का ज्ञान भी सहज प्राप्त हो सकता है। इसीलिये ज्योतिष को वेद के चक्षु कहते हैं। त्रिकालज्ञ महषिर्यों ने हजारों वर्ष पूर्व अपने तपोबल व योगबल द्वारा ग्रहों के गुण, धर्म, रंग, रूप, स्वभाव आदि का चराचर जगत पर पढ़ने वाले शुभाशुभ परिणामों का वर्णन ज्योतिष फलित शास्त्रों में विस्तार पूर्वक किया है। प्रत्येक व्यक्ति के जन्म के स्थान, दिन व समय के अनुसार उस क्षण ब्रह्माण्ड में ग्रह-राशि-नक्षत्रों की स्थिति के चित्रण को 'जन्म कुण्डली' कहा जाता है। जन्म के समय पूर्व क्षितिज में जो राशि उदित होती है उसे 'लग्न' कहते हैं। चन्द्र जिस राशि में होता है उसे 'जन्म राशि' और जिस नक्षत्र में होता है उसे 'जन्म नक्षत्र' कहा जाता है। आपके जन्म के समय पंचांग के विभिन्न अंगों का विवरण नीचे दिया गया है।

अवकहडा चक्र

लग्न	:	तुला
चन्द्र राशि	:	सिंह
चन्द्र राशि स्वामी	:	सूर्य
जन्मकालीन नक्षत्र	:	पूर्वफाल्गुनी
नक्षत्र चरण	:	3
नामाक्षर	:	टी
राशि पाया	:	सुवर्ण
नक्षत्र पाया	:	चांदी
वर्ण	:	क्षत्रिय
वश्य	:	वनचर
नाड़ी	:	मध्य
योनि	:	मूषक
गण	:	मनुष्य

जन्मकालीन पंचांगादि

विक्रम संवत्	:	2052
मास	:	कार्तिक
जन्मकालीन तिथि	:	कृष्ण द्वादशी
जन्मकालीन योग	:	ब्रह्म
जन्मकालीन करण	:	तैतिल
आधुनिक जन्म वार	:	शनिवार
ज्योतिषिय जन्म वार	:	शनिवार

घात चक्र

घात मास	:	ज्येष्ठ
घात तिथि	:	3/8/13
घात वार	:	शनिवार
घात नक्षत्र	:	मूल
घात योग	:	धृति
घात करण	:	बव
घात प्रहर	:	1
घात चन्द्र	:	मकर



कुण्डली फल

ज्योतिष शास्त्र के ज्ञान से मनुष्य को श्रेष्ठ लाभ यह है कि उसे पूर्वजन्म के शुभाशुभ कर्मों का ज्ञान, वर्तमान जन्म में शुभकर्म करने की आवश्यकता, मानवीय जन्म का उद्देश्य, ईश्वरीय व मानवीय शक्ति में अन्तर, कर्म और भोग की मर्यादा, प्रारब्ध और प्रयत्न की सीमा व दोनों का परस्पर सम्बन्ध, अनुकूल व प्रतिकूल समय का ज्ञान व संकट समय मन में धैर्य रख उस पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्राप्त होती है। इस शक्ति से मन में सन्तोष, सन्तोष से चिन्ता का नाश, चिन्ता-नाश से धर्म की प्राप्ति, धर्म से धैर्य व शक्ति की प्राप्ति और शक्ति से ईश्वर के प्रति भक्ति व विश्वास क्रमशः प्राप्त करते हुए व संसारिक आपत्तियों को सहर्ष स्वीकार करने की क्षमता प्राप्त होती है।

प्रकृति एवं स्वभाव

- 1 - रूप और सौंदर्य की साधना आपका मूल गुण होगा।
- 2 - आप मनोरम प्रकृति को देखकर, सुंदर चित्र का अवलोकन कर, मनोहारी गीत सुनकर, तथा सुंदर नारी की रूप मोहिनी से आर्कषित होंगे। आपके प्रेम में कलात्मक पक्ष मुखर होगा तथा आप एक सुरम्य वातावरण में रहना चाहेंगे।
- 3 - आप संतुलित मस्तिष्क के होंगे तथा आप किसी तथ्य के गुण और अवगुण को तौल कर सत्य विचार रखेंगे।
- 4 - आप न्यायप्रिय होंगे- न्याय में समानता का भाव लिये होंगे।
- 5 - आपमें हर बात को तर्क की कसौटी पर कसने की प्रबल भावना होगी। आप अपनी बात बिना किसी भूमिका के संक्षिप्त एवं सारगर्भित रूप में कहने में कुशल होंगे।
- 6 - आप नरम स्वभाव के तथा मृदुभाषी होंगे किंतु क्षण में क्रोधित और क्षण में शांत हो जाने की प्रवृत्ति होगी। क्रोध बहुत शीघ्र आयेगा परंतु थोड़े समय में सब भूल जायेंगे। मन में कपट नहीं होगा।
- 7 - आप मध्यस्थता का कार्य करने में निपुण होंगे।
- 8 - आप सच्चाई से अधिक महत्व आदर्शवादिता को देंगे।
- 9 - आप में एक विशेष गुण यह होगा कि आप असाधारण मानवतावादी होगा।
- 10 - आप व्यवहार में सच्चा एवं सहृदय तथा अत्यधिक शांतिप्रिय होंगे। आप शांति के लिये कुछ भी मूल्य चुकाने को तैयार होंगे। विवादों-झगड़ों से यथा संभव दूर रहेंगे।
- 11 - आप मित्रों में लोकप्रिय होंगे क्योंकि आप दूसरों का साथ देने में तत्पर रहेंगे। आप के मित्र प्रतिष्ठित एवं उच्च कक्षा के व्यक्ति होंगे। आप को संगी-साथियों की विशेष जरूरत रहेगी।
- 12 - आप के स्वभाव में आलस्य नहीं होता हालांकि कहा यही जायेगा कि आप चुस्त नहीं हैं।
- 13 - आप प्रारब्धवादी, ईश्वर में आस्था रखने वाले, गुरुभक्त तथा बौद्धिक कार्यों में अभिरुचि रखेंगे।
- 14 - आपके स्वभाव में परिवर्तन आवश्यक है - भावनाओं पर नियन्त्रण रखें, किसी स्त्री को अपना निजी सहायक न बनायें, क्षमा करें लेकिन भूलें नहीं, सौन्दर्य प्रसाधनों पर अधिक व्यय न करें, शीघ्र निर्णय लेने का प्रयास करें।



शास्त्रों के अनुसार फल

आप का चेहरा बड़ा, विशाल पीले नेत्र, मोटी ठोड़ी, पीठ पर तिल आदि का चिन्ह, पुष्ट तथा अल्प रोम युक्त शरीर, अधिक पसीना आता है। आप तेजस्वी, पराक्रमी, साहसी, स्वाभिमानी, अहंकारी, शीघ्र क्रोधी, उग्र स्वभाव, स्थिर बुद्धि युक्त, निष्कपट, प्राकृतिक स्थलों में भ्रमण के शौकीन, जंगल में घूमने की रुचि, परिवारी जनों से वैचारिक असमानता, प्रवास में अधिक रुचि, एक जगह स्थिर न रह पाने की आदत, खान-पान के शौकीन व व्यसनी, धन सम्पति से युक्त, समाज में सम्मानित, कला-मर्मज्ञ, युद्ध कार्यों में आगे, अच्छे वक्ता, पुत्र कम या पुत्र सुख से हीन, लोक में विख्यात, कार्यारम्भ प्रलापी, सर्वत्र गहन दृष्टि अर्थात् गम्भीर दृष्टि, संग्राम-प्रिय, शत्रु विजयी, परदेश गमन की इच्छा युक्त, कृपण, विद्या-विस्मृति, दो बार चोरों से हानि, घरेलू कलह से परेशानी होती है।

ज्वर पीड़ा, वायु रोग से पीड़ा, भूख-प्यास तथा उदर व दाँत के रोग से पीड़ित, ठंड से भय, पेट के दांयी ओर वात रोग, गुल्म रोग, मानसिक व्यथा से चिन्तित होना पड़ता है।

आधुनिक मत से फल

आप के मुख की आकृति चौड़ी, चाल में सिंह जैसी निर्भिकता और संतुलन, शरीर सुगठित और आँखे सुंदर भाव प्रकट करने वाली हैं। सिंह का स्वामी सूर्य ग्रह-मंडल का राजा माना गया है, अतः आप राजसी गुण युक्त, शालीन, विशाल, स्पष्टवादी, खुले दिल वाले और निष्कपट हैं। आप सामान्यता उदार एवं उदात्त स्वभाव के हैं। आपमें नेतृत्व तथा संगठन का स्वभाविक गुण है। आप महत्वाकांक्षी हैं आपमें निरंतर उन्नति करने की प्रबल इच्छा होती है। स्वतंत्रता प्रिय होती है, मगर उच्छ्वङ्खलता नहीं। क्रोध आने पर उतेजित होना फिर मन में किसी बात को न बिठाने तथा क्षमा कर देने की अपार शक्ति होती है। आप बहुत ही निर्भिक, अदम्य साहसी नैतिक कार्यों के लिये लड़ेंगे। दूसरों का आदेश सुनना पसंद नहीं है। किसी भी कार्य को लगान एवं निष्ठा के साथ पूर्ण करने की अपार उर्जा होती है - किंतु कभी-कभी निष्क्रियता एवं आलस्य का दौरा पड़ जाता है। अकस्मात् सारा काम छोड़ कर बैठ जाते हैं। आप अति आनंद प्रिय हैं - हर परिस्थिति में आनंद के साथ जीवन व्यतीत करना चाहते हैं। धर्मात्मा, दानी, पुरुषार्थी तथा स्वाभिमानी हैं। आपमें अहंकार, खुशामद पसंदी, आत्मशलाघा-स्वयं अपनी प्रशंसा करना, दूसरों पर छा जाने की प्रवृत्ति, आत्मप्रदर्शन की रुचि तथा पक्षपात पूर्ण रवैया इत्यादि अवगुण हो सकते हैं।

शारीरिक लक्षण

- 1 - आप लम्बे कद के होते हैं। हाथ-पैर लम्बे और मजबूत होते हैं।
- 2 - चेहरा थोड़ी सी लम्बाई लिये स्पष्ट और सुंदर नाक-नक्श का होता है।
- 3 - चेहरे या गर्दन पर तिल होने की संभावना होती है।
- 4 - मध्यायु के उपरांत पश्चकपाल में बाल कम हो जाते हैं।
- 5 - शारीरिक व्यक्तित्व पर्याप्त प्रभावशाली होता है।



महत्त्वपूर्ण जानकारी

आपका मूल वाक्य है
मैं संतुलन करता हूँ।

सबसे बड़ा गुण है
मैत्री।

सबसे बड़ी कमी है
दर्प।

महत्वाकांक्षा है
आदर्शवादी मानवीय सम्बन्ध।

शुभ दिन
रविवार और सोमवार।

शुभ रंग
सफेद, हल्का नीला शुभ हैं।

शुभ अंक
1, 4, 2, 7 सर्वाधिक शुभ हैं।

शुभ रत्न
मोती, नीलम, हीरा।

शुभ उपरत्न
जमुनिया, लाजवर्ता।

अशुभ मास तारीखें

प्रतिवर्ष फरवरी मास, प्रतिमास 3, 18, 23, 29 तारीखें, शनिवार का दिन तथा काले रंग के वस्त्रादि पदार्थ आपके लिये ठीक नहीं हैं।

अशुभ तिथि

तृतीय अष्टमी और त्रयोदशी तिथि जातक के लिए अशुभ होता है।

शुभ राशि

मेष, कर्क, वृश्चिक, धनु, मिथुन, कन्या एवं मीन राशि के मनुष्य मित्र होते हैं। तुला, मकर और कुम्भ राशि वाले शत्रु होते हैं।

शुभ दिवस

रविवार

अरिष्ट समय

यवनाचार्य के मतानुसार फाल्गुन मास, कृष्णपक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार और मध्याह्न समय जातक के लिए अरिष्टकर है।



नक्षत्र का फल

आपका जन्म पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ है अतः आपकी जन्म राशि सिंह तथा राशि स्वामी सूर्य होगा। अवकहड़ा चक्र के अनुसार -

वर्ण - क्षत्रिय

वश्य - वन्य

योनि - मूषक

गण - मानव

नाड़ी - मध्य

जन्म नाम का प्रारम्भ टी अक्षर से होना चाहिये।

शास्त्रों के अनुसार

पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र में जन्म होने से निम्नवत् फल प्राप्त होंगे -

1. बृहज्ञातक के अनुसार -

प्रियवागदाता दुयतिमानटनो नृपसेवको भाग्ये।

2. जातक पारिजात के अनुसार -

फल्गुन्यां चपलः कुर्कर्मचरितस्त्यागी दृढः कामुको।

3. मानसागरी के अनुसार -

विद्या-गो-धनसंयुक्तो गम्भीरः प्रमदाप्रियः। पूर्वफाल्गुनीकाजातः सुखी पण्डितपूजितः॥

4. जातकाभरण के अनुसार -

शूरस्त्यागी साहसीभूरिभर्ता कामार्तोऽपिस्याच्छिरालोऽतिदक्षः।

धूर्तः क्रूरोऽत्यंतसंजातगर्वः पूर्वफल्गुन्यस्ति चेज्जन्मकाले॥

पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र में जन्म होने से जातक प्रियवक्ता, दाता, कान्तिमान्, गम्भीर, जनमान्य, पंडित, स्त्रियों का प्रिय, सुखी, शूरवीर, त्यागी, साहसी तथा भ्रमणशील होता है। मतान्तर से ऐसा जातक अत्यंत चतुर, धूर्त, कामुक उग्र, तथा अभिमानी होता है।

आधुनिक मत से

पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र में जन्म होने से जातक उदार, उदात्त हृदय, ईमानदार, नम्र, संगीतप्रेमी, नृत्य, नाट्य अथवा क्रीड़ा विनोद का प्रेमी, विलास और आराम का शौकीन, बहुमूल्य वस्तुओं, वस्त्रों और आभूषणों का प्रेमी, सट्टे अथवा जुए की प्रवृत्ति, सावधान चित्त, आत्मकेन्द्रित, विश्वासपात्र एवं शीघ्र ही प्रसन्न हो जाने वाला तथा अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने में समर्थ होता है। ऐसा जातक व्यापारिक कार्यों में रुचि रखने वाला, धार्मिक संस्थाओं अथवा सहयोगी संस्थाओं का संस्थापक, क्रय-विक्रय से हानि उठाने वाला, उन्नति के कार्यों में बाधा अथवा असफल, मान-सम्मान को अधिक महत्व देने वाला, घमंडी, इन्द्रियों से रोग ग्रस्त, धर्म के मामलों में लचीले आचरण वाला, परेशान, साहसी तथा सिर पर चोट का निशान होता है।

पाद (पाया) फल

पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र का जन्म चाँदी के पाये में कहा जाता है, जो शुभ एवं श्रेष्ठ है।

स्वास्थ्य

पूर्वफाल्गुनी नक्षत्र का अधिकार हृदय, सुषुम्ना नाड़ी, मेरुरज्जु पर होता है, अतः पापाक्रांत होने पर इन अंगों से संबंधित रोग की संभावना रहती है।



उपाय

पूर्वाफाल्युनी नक्षत्र के स्वामी भग देव हैं, अतः विविध कष्ट-भय के शमनार्थ भगस्वरूप श्रीकामाख्या देवी या ओंकार स्वरूप की आराधना करें। श्वेतचन्दन-गन्ध, मालती पुष्प, घृत-विल्व धूप, घृतदीप, एवं मोदक नैवेद्य से अपने इष्ट देवता का दैनिक पूजन करें। भुजा या हृदय पर 'कपटकारि-मूल' धारण करें। भगदेवता के प्रीत्यर्थ कंगनी, तिल, घृत कर बलि दें। हवन सामग्री में तिल, घृत मिलाकर निम्रदत्त मंत्र से 108 बार आहृति दें -

ॐ भगप्रणेतर्भगसत्यराधो भगेमधियमुदवाददत्तः।

भगप्रणोजनयगोभिरश्वैप्रभिनृबंत स्याम ॐ भगाय नमः॥

क्षत्रिय वर्ण का फल

तिजः साहसतत्वज्ञः शुचिः शौर्यकथाप्रियः।

दाता विवेकशीलश्च क्षात्रवर्णभवो नरः॥ (जातकोत्तम)

क्षत्रिय वर्ण में जन्म होने से जातक विद्वान्, साहसी, तत्वज्ञ, पवित्र, वीरता की कथाओं का प्रेमी, दानी और विवेकी होता है।

मानव गण फल

मानी धनी विशालाक्षो लक्ष्यवेधी धनुर्धरः।

गौरः पौरजनग्राही जायते मानवे गणे॥ (मानसागरी)

मनुष्य गण में जन्म हुआ है अतः जातक मानी, धनवान्, विशाल नेत्र वाला, धनुधारी, ठीक निशाना को वेध करने वाला, गौरवर्ण, नगरवासियों को वश में रखने वाला होगा।

मूषक योनि फल

बुद्धिमान् वित्तसम्पूर्णः स्वकार्यकरणोद्यतः।

अप्रमत्तोऽप्यविश्वासी नरो मूषकयोनिजः॥ (मानसागरी)

मूषकयोनि में जन्म हुआ है अतः जातक बुद्धिमान्, धनवान्, अपने कार्य में तत्पर, सदा सावधान तथा सभी पर विश्वास नहीं करेगा।

विवाह, मैत्री एवं साझेदारी

पूर्वाफाल्युनी नक्षत्र के जातक के लिये आर्द्धा, वित्रा का तृतीय, चतुर्थ चरण, पूर्वभाद्रपद का प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय चरण के व्यक्ति सर्वश्रेष्ठ हैं।



ग्रह फल



सूर्य



सूर्य प्रथम भाव में

शुभ फल : साधारणतया लग्न में रवि प्रगति तथा भाग्योदय का पोषक होता है। जन्मलग्न में सूर्य होने से जातक लम्बे ऊँचे कद का, सुहावनी आँखोंवाला, उन्नत नासिका और विशाल ललाटवाला होता है। जातक बलवान्, नीरोग होता है - पित्त प्रकृति का होता है। उदर उष्ण रहता है। जातक स्वाभिमानी, आत्मविश्वासी, दृढ़निश्चयवाला, ऊँचे विचारों का, स्वाभिमानी होता है। उदार हृदय का, हल्के कामों का तिरस्कार करनेवाला, कठोर, न्यायी और प्रामाणिक होता है। जातक मेधावी, तीक्ष्ण बुद्धि, अल्पभाषी, जन्म से ही सुखी तथा प्रवासी या परदेश में जाने वाला होता है। सब कामों में यशस्वी, स्वतंत्रता से ऊँची जगह पाने वाला होता है। सुशील, ज्ञान और आचार में मग्न, सदाचारी होता है। कम खानेवाला, शूरवीर, युद्ध में आगे होकर लड़नेवाला होता है। लग्नस्थित सूर्य का जातक बाग-बगीचों का शौकीन होता है।

सूर्य अपनी नीचराशि (तुला) में होने से जातक प्रतापी होता है।

वायु राशि (3, 7, 11) में होने से जातक न्यायपरायण, अच्छे दिल का, कलाकौशल में और शास्त्रीय विषयों में रुचि रखनेवाला होता है।

दक्षिणायन रवि (कर्क से धनु राशि तक) भाग्यवान् बनाता है। दैवी वृत्तियाँ बढ़ोत्री पाती हैं।

अशुभ फल : जिसके जन्मलग्न में सूर्य हो वह जातक स्त्रियों से दूषित, दुष्टसंतानवाला, बाजार और वाटिका में टहलनेवाला और वेश्या में आसक्त रहनेवाला होता है। कार्य करने में आलसी, कूर और क्षमा न करने वाला होता है। शरीर वात-पित्त की व्याधि से पीड़ित होता है। अतः कृशकाय होगा। बाल अवस्था में रोगी होता है। जातक की आँखों के विकार होते हैं। नेत्र रुक्खे होते हैं। रवि लग्न में रोगी बनाता है, चक्षुरोगी, सिर दर्द, वायु विकार, रक्तविकार, गुल्मरोग, वस्ति संबंधित रोग, वीर्य क्षय एवं बहुमूत्रता जैसे रोग प्रदान करता है। परदेश में जाता है और विदेश में व्यापार से धन की क्षति होती है। अस्थिर सम्पत्ति वाला अर्थात् धन का सुख कभी उत्तम रहता है और कभी धन का कष्ट भी बढ़कर रहता है। रवि लग्न में हो तो संतति कम होती है। दैववशात् पुत्र और पौत्र नहीं होते। लग्नस्थित सूर्य का जातक अशक्त, स्त्रियों से दूषित होता है। नीच लोगों की नौकरी करता है। जातक एक जगह घर बसाकर नहीं रहता है और हमेशा भटकता फिरता है।

पुरुषराशि का रवि लग्न में हो तो थोड़ा दुःखदायक भी होता है।

तुला राशि का सूर्य लग्न में होने से बुरेफल अनुभव में आते हैं। जातक मूर्ख, ईर्ष्यालु और खराब नजर वाला, दरिद्र होता है। पुत्रहीन होता है या पुत्र नष्ट हो जाते हैं।

सूर्य अपनी नीचराशि तुला में होने से जातक ज्ञानवान् से द्वेष करनेवाला, दरिद्री तथा अंधक होता है। किन्तु शुभग्रह-दृष्टि हो तो ये बुरे फल नहीं होते हैं।

सूर्य का पापग्रह के साथ सम्बन्ध होने से अथवा शत्रुक्षेत्री वा नीचेक्षत्री हाने से जातक को तीसरे वर्ष ज्वरपीड़ा होती है। यदि इस सूर्य पर शुभग्रह की दृष्टि हो तो ज्वरपीड़ा नहीं होती।

तुला में नीचराशि का रवि होने से मानहानि, अविचारित कर्मकर्ता, ईर्ष्यालु तथा बचपन में दुर्बल होता है।



ॐ

चन्द्र

ॐ

चन्द्र एकादश भाव में

शुभ फल : एकादश चन्द्रमा में दिन को जन्म होने से जातक धनी, यशस्वी, लोकरंजक, सार्वजनिक कार्यकुशल होता है। एकादस्थ चन्द्र से संतान (पुत्र)-भाई या बहिन, इनमें से कोई एक त्रासदाता, दुराचारी वा निरुपयोगी होता है। अथवा किसी व्यंग के कारण उसे सारा जीवन घर में ही व्यतीत करना पड़ता है। एकादश चन्द्र हो तो संतति, भाई-बहने बहुत नहीं होती, अधिक से अधिक संख्या चार-पाँच तक होती है। ग्यारहवें भाव में चन्द्र दीर्घायुता का सूचक है। जातक सुन्दर, श्रेष्ठ मार्ग पर चलनेवाला, लज्जाशील, प्रतापी और भाग्यवान् होता है। जातक बोलने में निर्भय तथा चतुर होता है। सदैव प्रसन्नमूर्ति रहता है। मनस्वी, बुद्धिमान्, प्राज्ञ, मधुरभाषी और निर्दोषकाम करनेवाला होता है। जातक चंचल बुद्धि, कल्पनाशील होता है। उदारचित्त, रूपवान्, बहुगुणी, मन्त्रज्ञ, दाता होता है। जातक बहुश्रुत होता है अर्थात् श्रवण द्वारा बहुत से शास्त्रों का ज्ञान होता है। बहुत-सी विद्याओं का ज्ञाता होता है। दूसरों पर उपकार करनेवाला होता है। बहुत से लोगों का पालन करनेवाला होता है। जातक राजा का धनाध्यक्ष (खजांची या ट्रैजरी आफिसर) होता है। राज्यकार्यदक्ष होता है। राजा के द्वारा प्रभुत्व प्राप्त होता है। राज्य द्वारा सम्मानित होने का अवसर आता है। राजदरवार से प्रतिष्ठा-अधिकार और बहुमूल्यवान् वस्त का लाभ होता है। जातक के घर में प्रमुदिता (प्रसन्नमना:) लक्ष्मी तथा उत्तम सुन्दर स्त्री निवास करती है। कई प्रकार के भोग भोगने को प्राप्त होते हैं। जातक की प्रतिष्ठा (कीर्ति) दिग्नन्तव्यापिनी, स्थिर होती है। जातक सर्वत्र लोकप्रिय, प्रसिद्ध होता है। यशस्वी और कीर्तिमान होता है। श्रेष्ठ-आप्तजनों से आदर और मान प्राप्त होता है। जातक शुभकर्म करता है और जनहित के काम करता है जिससे लोग इसका गुणगान करते हैं। जातक को सभी तरह का लाभ होता रहता है। धनवान् होता है। जातक को नानाप्रकार के पदार्थों के व्यापार से लाभ होता है। जातक धन से युक्त होता है। धनाद्रय, और धनिक होता है। कई प्रकार से धन की प्राप्ति होती है-और धनोपलब्ध सुखों का भोग प्राप्त होता है। यथालाभ सन्तुष्ट रहनेवाला होता है। चाँदी आदि मूल्यवान् धातुएँ प्राप्त होती हैं। लाभभाव में चन्द्रमा के होने से पृथ्वी में गाड़ी हुई-छुपी हुई वस्तुओं का लाभ होता है। भूमि के अन्दर गुप्त रखे हुए रूपये-हीरे, मोती, जवाहरात की प्राप्ति हो सकती है। जातक उत्तम मित्रों से युक्त होता है। जातक के पास सवारी के लिए सुन्दर-सुन्दर वाहन-घोड़ा-गाड़ी-मोटर आदि होते हैं। अर्थात् वाहनसुख मिलता है। उत्तम-उत्तम भोगों का भोक्ता होता है। नौकर का भी सुख प्राप्त होता है। ग्यारहवें स्थान का चन्द्रमा जातक के कन्या सन्तान अधिक होने का सूचक है। पुत्र संतति होती है। पचास वर्ष की आयु में पुत्र-प्राप्ति होती है-जिससे पितरों के ऋण से मुक्ति पा लेता है। बहुत से पुत्रों के होने का सौभाग्य मिलता है। ज्ञान प्राप्ति के लिए मुख्यसाधन तीन हैं-श्रवण-मनन और निदिध्यासन। शास्त्र बहुत हैं सभी का अध्ययन गुरुमुख से नहीं हो सकता है श्रवण करने से मनुष्य बहुत से शास्त्रों का ज्ञाता हो सकता है-अतः श्रवण साधन को प्राथमिकता और मुख्यता दी गई है। खेती-बाड़ी का स्वामी होता है। ससांर सुख अच्छा मिलता है। सार्वजनिक संस्था में यह नेता होता है।

चन्द्रमा के पुरुष राशियों में होने पर उपर दिये शुभ फल अधिक अनुभव में आते हैं।

अशुभ फल : जातक के किए हुए काम विगड़ जाते हैं। अर्थात् किया हुआ उद्यम और यत्र विफल रहता है। कन्या सन्तति होती है।

एकादशभावस्थित चन्द्रमा हीनबली होने से, नीचराशि में, पापग्रह की राशि में तथा शत्रुग्रह की राशि में होने से जातक सुखों से वंचित रहता है। रोगी, मूर्ख और अज्ञानी होता है।



मंगल



मंगल द्वितीय भाव में

शुभ फल : सहिष्णु, खेती करनेवाला, पतली देह तथा सदा सुखी रहता है। नित्यप्रवास, परदेशवासी होता है। विक्रयकुशल, उद्यमी, जातक धातुओं का व्यापारी होता है। सत्यवक्ता, तथा पुत्रवान् होता है। बिलंडिग के काम, मशीनों की सामग्री, पशुओं का व्यापार, खेती, लकड़ी तथा कोयलेका व्यापार, वैद्यक, नाविक, इन व्यवसायों में धनप्राप्ति होती है।

कर्क, वृश्चिक मीन राशि में होने से नैरोग्य-वैद्यक से लाभ होता है।

मंगल पर शुभग्रह की दृष्टि होने से या ग्रह बलवान होने से अच्छा धन लाभ होता है।

अशुभफल : द्वितीय भाव में स्थित मंगल अनिष्टकर और अरिष्टकर होता है। द्वितीय स्थान मंगल होने से जातक कटुभाषी होता है। निर्धनता, पराजय, बुद्धि हीनता के कारण पारिवारिक पक्ष से क्लेश प्राप्त करता है। कुटुम्ब का सुख नहीं होता है। धन का सुख नहीं होता है। धन का दुरुपयोग कर नष्ट कर देता है। धनभावगत भौम हो तो जातक कुस्तित अन्त्रभोक्ता होता है। निकृष्टान्न भोजी होता है। द्वितीयभाव में मंगल होने से या तो चेहरा अच्छा न हो या बोलने में प्रवीण न हो। आँख और कान की बीमारियों की संभावना रहती है। रक्त विकार, शिर में पीड़ा मस्तक में किसी चीज से लगा निशान होता है। आँख वा मुख पर शास्त्रधातादि की सम्भावना रहती है। अपनी स्त्री के लिये घातक होता है तथा दूसरों की स्त्रियों में आसक्त रहा करता है। धनभाव में भौम होने से जातक निर्धन होता है। यवन के अनुसार जातक नित्य ही ऋणग्रस्त होता है। द्वितीय मंगल होने से जातक दुष्टों का वैरी, निर्दयी, क्रोधी होता है। असज्जनाश्रित, कुस्तित आदमियों की नौकरी में रहे। क्रिया कर्म में रुचि न रखनेवाला होता है। विलंब से काम करने वाला होता है। जातक नीच लोगों के साथ रहनेवाला और मर्ख होता है। दूसरों से धन लेनेवाला, जुआरी होता है। विद्रृता नहीं होती है। द्वितीय भाव में मंगल ज्योतिषयों के लिए नेष्ट है। इनके कहे हुए बुरे फल जल्दी मिलेगे, शुभ फलों का अनुभव शीघ्र नहीं होगा।

मंगल के साथ छठे का स्वामी होने से नेत्ररोग होता है। इस पर शुभग्रह की दृष्टि हो तो नेत्र ठीक रहते हैं।

मंगल के मकर या वृश्चिक में होने से आँख के रोग, दॉतों के रोग, राजा अग्नि तथा चोरों से भय, धनहानि, स्त्रीकष्ट ये फल मिलते हैं। इसी योग में द्वितीय स्थानका स्वामी भी यदि पापग्रह हो तो स्त्रीप्राप्ति नहीं होती।

धनस्थान में कूरग्रह (मंगल) होने से तथा सौम्यग्रह की उस पर दृष्टि या युति न होने से मुख, आँख, दाहिना कन्धा, अथवा कान इन भागों पर जख्म होता है।

स्त्रीराशि में मंगल होने के कारण जातक पुत्रहीन होता है।

मंगल स्वराशि(1,8) में या अग्निराशि(1,5,9) में होने से पत्नी की मृत्यु होती है। ऐसा युवावस्था में होता है। बच्चों के लिए, घर-गृहस्थी चलाने के लिए दूसरा व्याह करना पड़ता है।



बुध



बुध द्वादश भाव में

शुभ फल : बारहवें भाव में बुध रहने से जातक बुद्धिमान विचारशील, विवेकी और घर्मप्रिय होता है। जातक तीर्थयात्रा में रुचि रखने वाला होता है। जातक शास्त्रज्ञ, वेदान्ती, एवं धर्मात्मा होता है। नम्र होता है। वस्त्रादि का दान करने वाला होता है। यज्ञ आदि-इष्टापूर्त में सद्व्यय करने की प्रवृत्ति होगी। अपने काम में चतुर, अपने पक्ष को जीतने वाला होता है। जातक बचन पालनेवाला, वक्ता, पंडित, होता है। स्पष्टवक्ता और विजयी होता है। जातक ज्ञानी और विद्वान् होता है। शुभकार्य में निपुण, व्यसनहीन तथा उपकारी होता है। अपने लाभ को दृष्टिगत रखकर खर्च करने वाला होता है। द्वादशभावस्थ बुध प्रभवान्वित जातक शत्रुविजेता होता है। भाई, बंधुओं से सुखी होता है। पिता के भाई (चाचा) सुखी होते हैं। भूमि बहुत प्राप्त होती है। अधिकार योग भी होता है।

उच्च का या स्वगृह में होने से लोगों में अग्रणी और दूसरों के काम करनेवाला होता है।

अशुभ फल : बारहवें भाव में बुध जातक को आलसी बनाता है। जातक स्वकर्म परिभ्रष्ट होता है। जातक निर्देय-आत्मजनों से परित्यक्त, घूर्त तथा मलिन होता है। जातक खर्चीला, रोगी, पापी-पराधीन-विरुद्धपक्ष को समर्थन करनेवाला होता है। जातक अच्छे पुरुषों के संग से और अच्छे कामों से दूर रहने वाला होता है। अपमानित, दीन और कूरर होता है। जातक बंधुओं का वैरी और बुद्धिरहित होता है। दीन-अपठित, निर्घन होता है। जातक अंगहीन-परस्ती-परघन का लोभी होता है। जातक वेश्याव्यसनी होता है। आत्मीयों पर उपकार नहीं करता है। जातक राजकोप से संतप्त लोकनिंदा से दुःखी होता है।

अशुभ फल बुध के स्त्रीराशियों में होने से अधिक होते हैं।



२

बृहस्पति

२

बृहस्पति द्वितीय भाव में

शुभ फल : द्वितीयभाव में जो-जो बातें देखी जाती हैं उन सबका सुख प्राप्त होता है। दूसरे स्थान में बृहस्पति होने से जातक सुन्दर मुखाकृति वाला, रूपवान्, सुमुख, सुंदर शरीर और आयुष्मान् होता है। जातक गुणी, श्रेष्ठ-दानी, सुशील, दीनदयालु, निर्लभी, निरूपद्रवी, विनम्र, सत्संगी, साहसी और सदाचारी होता है। जातक मधुरभाषी, सर्वजनप्रिय, सम्माननीय होता है तथा सबलोग आदर-मान करते हैं। बुद्धिमान्, विद्या-विनययुक्त, विद्याभ्यासी विवेकसंपन्न, विद्वान्, ज्ञानी, गुणज्ञ, होता है। सुकार्यरत, पुण्यात्मा, कृतज्ञ, राजमान्य, लोकमान्य, भाग्यवान् होता है। कवि की सी कोमल भावनाओं से युक्त होता है। मान-प्रतिष्ठा को ही धन मानता है। दूसरे भाव का बृहस्पति जातक को नेतृत्व के गुणों से युक्त करता है। कीर्ति से युक्त होता है। सदैव उत्साही होता है। वाग्मी (बोलने में कुशल) होता है। बुद्धिमान् और कुशलवक्ता होता है। जातक भाषण में कुशल, बोलने में चतुर, तथा प्रसन्नमुख होता है। द्वितीयभावगत बृहस्पति के प्रभाव में उत्पन्न व्यक्ति वाचाल होता है-बोलने में प्रगल्भ होता है। जातक की वाणी अच्छी होती है-अर्थात् मितभाषी यथार्थ और मधुरभाषी होता है। जातक लोगों के बीच सभा में अधिक बोलने वाला होता है। जातक को उत्तम भोजन प्राप्त होते हैं। जातक धनी और सर्वाधिकार प्राप्तकर्ता होता है। जातक सम्पत्ति और सन्ततिवान्, धनाद्रयय होता है। जातक को प्रयत्न से धन का लाभ होता है। मोतियों के व्यापार से धनवान् होता है। जातक पशुधन से भी धनाद्रय होता है। अनेक प्रकार के वाहन-हाथी, घोड़े, मोटर आदि से युक्त होता है। गुरु धनस्थान में हाने से या इस स्थान पर गुरु की दृष्टि होने से धनधान्य का सुख मिलता है। धनस्थ गुरु अनेक प्रकारों से धन का संग्रह और संचय करवाता है। धन का संग्रह होता है। सोना चांदी प्राप्त करने वाला, सरकारी नौकरी, कानूनी काम, बैंक, शिक्षा संस्थान, देवालय, धर्मसंस्था में यश मिलता है। रसायनशास्त्र, और भाषाओं के ज्ञान में निपुणता प्राप्त होती है। द्वितीयभाव में बृहस्पति होने से जातक की स्वाभाविक रुचि काव्यशास्त्र की ओर होती है। द्वितीयभाव का बृहस्पति दंडनेतृत्व शक्ति अर्थात् राज्याधिकार देता है। जातक अपराधीजनों को दंड देने का अधिकारी होता है-अर्थात् मैजिस्ट्रेट-कलक्टर आदि न्यायाधीश होता है। कुटुंब के व्यक्तियों से और पत्नी से अच्छा सुख मिलता है। जातक की पत्नी सुन्दर होती है। पत्नी से संतुष्ट होता है। बंधुओं से आनन्द प्राप्त होता है। 27 वें वर्ष राजा से आदर पाता है। निर्वैर-अर्थात् शत्रुहीन होता है। शत्रुओं को पर विजय करने वाला होता है।

अशुभफल : गुरु धनस्थान में पापग्रह से युक्त होने से शिक्षा में रुकावटें आती हैं। चोर, ठग, मिथ्याभाषी, अयोग्यभाषणकर्ता होता है। नीचराशि में, या पापग्रह की राशि में होने से मद्यपी, भ्रष्टाचार, कुलनाशक, परस्तीगामी और पुत्रहीन होता है। प्रथम आय के साधन कम होते हैं, दूसरे आय से अधिक खर्च होता रहता है, इसलिए धनाभाव बना ही रहता है। द्वितीयभावगत बृहस्पति से प्रभावान्वित व्यक्ति को धनार्जन करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। बड़ी कठिनता से अर्जित धन यत्न करने पर भी स्थायी नहीं होता है-अर्थात् आर्थिक कष्ट बना ही रहता है। जातक वक्तरोगी होता है। बहुत बोलना, वा मूक होना-दोनों ही जिह्वा के दोष हैं। द्वितीयभावगत गुरुप्रभावान्वित व्यक्ति शरीर में कोमल होने से, रतिप्रिया कामिनी के साथ रतिप्रसंग में विजयी नहीं होता-क्योंकि अल्पवीर्य होता है। धनस्थानस्थ गुरु के व्यक्ति प्रायः भिक्षुक ब्राह्मण, पाठशालाओं में शिक्षक, प्राध्यापक अथवा ज्योतिषी होते हैं, और ये धनी नहीं होते हैं-जीवननिर्वाह के लिए इन्हें जो कुछ मिलता है-किसी से छिपा हुआ नहीं है। वैरिस्टर, वकील और जज लोग धनपात्र होते हैं। यह ठीक है, किन्तु ये लोग साधारण स्थिति के अपवाद में हैं। अतः यह धारणा कि धनभाव का गुरु धन देता है-सुसंगत नहीं है। उच्चर्वग में विवाह का बिलंब से होना-गुरु का फल हो सकता है। बाल-विवाह की प्रथा निम्नर्वग के लोगों में अभी तक चली आ रही है। "पिता का सुख कम मिलता है-जातक के धन का उपयोग पिता नहीं कर सकता है। पैतृकसंपत्ति नहीं होती-हुई तो नष्ट हो जाती है, जातक द्वारा दत्तक पुत्र लिया जा सकता है। यदि पैतृकसंपत्ति अच्छी हो तो पिता-पुत्र में वैमनस्य रहता है। अच्छे सम्बन्ध हों तो दोनों में से एक ही धनार्जन कर पाता है। इस भाव का गुरु शिक्षा के लिए अच्छा नहीं है, शिक्षा अधूरी रह जाती है। अपने ही



लोग निंदक हो जाते हैं। उपकर्ता का विरोध करते हैं। 27 वें वर्ष राजमान्यता मिलेगी-यवनजातक का यह फल ठीक प्रतीत होता है। धनभावगत बहस्पति धनार्जन करवाता है। जातक को महान् प्रयास और कष्ट उठाना पड़ता है-धनार्जन उच्चकोटि का भी हो सकता है-मध्यमकोटि का भी तथा अधमकोटि का भी हो सकता है-इसका कारण एकमात्र व्यक्ति का परिश्रम, प्रयास तथा कष्ट होता है-जैसा परिश्रम, वैसा ही फल।

मेष या वृश्चिक राशि में गुरु, दूसरे स्थान में होने से छठवें वर्ष में अरिष्ट होता है।

मिथुन, तुला, वृश्चिक, कुंभ या मीन में गुरु होने से-कुटुंब के निर्वाह के लिए धन की आवश्यकता होती है किन्तु धन पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलता है।

भृगुसूत्र के अनुसार दूषित गुरु का फल -मद्यपायी होना, चोर वा ठग होना, वाचाट और भ्रष्टाचारी होना आदि-संभव हैं, अनुभव में आ जावें।

लग्न पुरुषराशि का होने से और गुरु स्त्रीराशि में होने से संतति का अभाव संभव हैं।

वृष, सिंह, वृश्चिक और कुंभ में गुरु होने से जातक सदैव आर्थिक कष्ट में ग्रस्त रहता है।

स्त्रीराशियों में साधारणतः मध्यमकोटि के फल मिलते हैं।



♀

शुक्र

♀

शुक्र प्रथम भाव में

शुभ फल : लग्नस्थान में शुभ शुक्र होने से रूप सुन्दर होता है। शरीर, मुख और आंखें सुन्दर होती हैं। कांतिमान् अर्थात् तेजस्वी होता है। लग्न में शुक्र होने से या दृष्टि होने से जातक का रंग गोरा होता है। कमर, पीठ, उदर वा गुह्यस्थान में कोई ब्रण चिन्ह या तिल होता है। शुक्र लग्न में होने से जातक के 12 वें वर्ष मस्तक पर कोई चिन्ह प्रकट होता है। शरीर स्वस्थ और निरोग रहता है। दीर्घायु होता है। जातक साफ सुधरा रहने वाला, भूषणों से सुशोभित, अच्छे वस्तों का शौकीन होता है। शिल्पकला में निपुण, सुशील, विनम्र, काव्यशास्त्र परिशीलन में आनन्द लेने वाला और धर्मात्मा होता है। शुभवचन बोलनेवाला, दूसरों को उपदेश देनेवाला, आनन्दी स्नेहयुक्त होता है। गायन-वादन-चित्रकला आदि का शौक होता है। मधुरवाणी और आदरपूर्वक व्यवहार से लोग जातक का आदर करते हैं। शुक्र से जातक स्थिरस्वभाव का होता है - 'कवि: स्थिर प्रकृतिदायकः।' जातक की भाषण शैली मोहक, बरताव मृदुतापूर्ण और स्वभाव प्रसन्न तथा आकर्षक होता है। जातक अनेक कलाओं में कुशल, सब कामों में चतुर, विद्वान्, गणितज्ञ, सर्वप्रिय होता है। राजा जैसा प्रतापी, कुलभूषण और पराक्रमी होता है। नाना प्रकार के भूषण, वस्त्र अलंकार प्राप्त होते हैं। जातक सुन्दर मृगनयिनी स्त्रियों से रतिक्रीड़ा करता है। वह कामक्रीड़ा में निपुण होता है। स्त्रियों को वश करना सहजसाध्य होता है। बहुत शक्ति सम्पन्न तथा वीर्यवान् होने से बहुत स्त्रियों का उपभोग करता है। जातक कामी, विलासी, और भौतिक विचारों से युक्त होता है। प्रथम भाव में शुक्र के होने से जातक को सुखों की कमी नहीं रहती। समद्विमान्, सुख-साधनों से संपन्न, धनवान् और राजप्रिय होता है। राज्य में सम्मान प्राप्त करता है। सत्पुरुषों का संग और उत्तम कर्म करने वाला होता है। प्रबल शत्रुओं का सहसा नाश होता है। चित्रकलायुक्त घर में रहनेवाला, कौतुकी, भाग्य भरोसे रहनेवाला होता है। भोजन में नमकीन और खट्ट पदार्थ प्रिय होते हैं। जातक सुन्दर स्त्री-पुत्रों से युक्त होता है। केन्द्र स्थान में शुक्र होने से जातक का पुत्र दीर्घायु होता है। नाटक मण्डली या जिसमें लोकसमुदाय से सम्बन्ध आता हो-ऐसे अन्य व्यवसाय में सफलता मिलती है-ऐसा राफेल आदि ने कहा है। लग्न में शुक्र होने से जातक कवि-नाटककार, उपन्यास लेखक, गायक, चित्रकार आदि होते हैं और यश भी प्राप्त करते हैं।

शुक्र अपने स्थान में वृष-तुला राशि में होने से राजयोग होता है।

लग्न में शुक्र, वृष, मिथुन, तुला, कुंभ या मीनराशि में होने से शुभ होता है।

मिथुन, तुला तथा कुंभ में शुक्र होने से ये जातक शौकिया परस्तियों को पथ भ्रष्ट करने का यत्न करता है, यद्यपि जातक की अपनी पत्नी सुशिक्षित स्नेहपूर्ण तथा सुष्ठु होती है।

लग्न में मिथुन, तुला, धनु वा कुंभराशि में शुक्र हो तो व्यक्ति प्रोफेसर आदि बुद्धिजीवी हो सकता है। इस स्थान का शुक्र गुह्य रोग योग भी करता है।

मिथुन, तुला, वृश्चिक वा कुंभ लग्न में शुक्र होने से स्त्रियों में बन्धात्व भी होता है। इन बंध्या स्त्रियों की दृष्टि बच्चों के लिए घातक होती है, किन्तु यही दृष्टि पुरुषों के लिए मोहक होती है।

अशुभ फल : जातक बहुत बोलने वाला होता है। जातक का स्वभाव वातपित्तप्रधान होता है अर्थात् वात और पित्त के रोग होते हैं। कुत्ते से, सींगोंवाले पशुओं से कष्ट और भय होता है। जातक कृतघ्न होता है। शुक्र लग्न में होने से चक्षुः नाशक होता है। नेत्ररोगवान् होता है।

पापग्रह से युक्त या दृष्टि या नीचराशि में या अस्तंगत होने से जातक चोर-ठग और वातरोगादि से पीड़ित होता है। लग्नेश राहु के साथ होने से वृहद्वीज होता है।

स्वगृह में हो या अष्टमस्थान का स्वामी या द्वादशस्थान का स्वामी या निर्बल होने से द्विभार्या योग होता है।

वृश्चिक लग्न में शुक्र मंगल द्वारा पीड़ित होने से व्यभिचारी, शराबी, नीच, दुष्टप्रकृति का होता है। आरोग्य और आयुष्य के लिए यह शुक्र अच्छा नहीं होता। अति विलास और सुखोपभोग से सामर्थ्य क्षीण होकर शिथिलता आ जाती है।



५

शनि

६

शनि पंचम भाव में

शुभ फल : पंचम भाव का शनि मिश्रित फल देता है। शुभ सम्बन्ध का शनि शुभ फलदाता और अशुभसम्बन्ध का शनि अशुभफलदाता होता है। इस तरह शुभ-अशुभ सम्बन्ध ही निर्णयिक और नियामक मानने होंगे। पंचमभाव में शनि होने से जातक बुद्धिमान्, विद्वान्, उद्योगी तथा भ्रमणशील होता है। शनि पंचमभाव में होने से जातक प्रसन्न, चिरायु, सुखी, चपल, शत्रु समूह विजेता तथा धर्मात्मा होता है। कभी-कभी एक सन्तान के बाद दूसरी सन्तान 5।7।9।1।1।2 वर्षों के अन्तर से होती है। कभी कभी गोद लिए जाने के बाद औरस पुत्र की उत्पत्ति भी होती है। इसका योग पुरातन ग्रन्थकारों ने निम्नलिखित बतलाया है:- "पंचमेश शनि के नवमांश में हो और गुरु-शुक्र स्वगृह में होने से पहिले दत्तक पुत्र होकर फिर औरस पुत्र होता है।" पंचमस्थ शनि आपत्तियाँ झेलकर ही समृद्ध होने देता है। पूर्वार्जित सम्पत्ति प्राप्त होकर नष्ट हो सकती है।

उच्च, स्वगृह तथा मित्रगृह में होने से किसी प्रकार एक अच्छा पुत्र होता है।

स्वगृही शनि होने से कन्याएँ अधिक होती हैं।

शनि कुंभराशि में होने से पांच पुत्र होते हैं और शनि मकर में होने से तीन कन्याएँ होती हैं।

बली शनि होने से जातक स्त्रियों से युक्त होता है।

पंचमस्थ शनि मिथुन, तुला, कुम्भ में होने से पूर्णतया शिक्षा पाते हैं। कानून आदि की शिक्षा में सफलता मिलती है।

मिथुन, तुला, कुम्भ में होने से वकील, जज आदि हो सकता है।

मिथुन, तुला, कुम्भ में स्वयं ही कष्ट उठाना होता है तब ही उन्नति प्राप्त होती है।

अशुभ फल : जातक सदैव रोगयुक्त होने से अतीव निर्बलशरीर होता है। पंचम भाव में शनि होने से जातक निरुद्यमी, आलसी होता है। जातक की बुद्धि शुद्ध नहीं होती है। अर्थात् जातक निष्कपट हृदय नहीं होता है और सबके साथ कुटिलता से व्यवहार करता है। जातक शठ (शैतान) और दुराचारी, निर्बुद्धि, चिन्तायुक्त, दुष्टबुद्धिवाला होता है। बुद्धिहीन तथा हृदयहीन होता है। और मूर्ख होता है। जातक की पूर्ण श्रद्धा न देवताओं में होती है और ना ही अपने धर्म तथा धर्मिक पुस्तकों पर होती है। मन्त्रों में सिद्धि कम प्राप्त होती है। चूँकि जातक श्रद्धा और निष्ठा से अर्थात् पूर्णविश्वास से मन्त्र जाप आदि नहीं करता है तदनुसार सिद्धि भी कम ही होती है। जातक की विभूति-ऐश्वर्य अर्थात् सम्पत्ति स्थिर नहीं रहती है अर्थात् घटी-बढ़ती रहती है। लग्न से पंचमस्थान में शनि होने से निर्धन होता है। धनहीन होता है। सदैव दरिद्र होता है। धन तथा ऐश्वर्य थोड़ा होता है। धनहीनता से दुःखी होता है। पंचम भाव में शनि होने से स्त्रियों के पेट में शूल होता है, ऋतु प्राप्ति के बहुत वर्षों बाद संतति होती है, दो सन्तानों में 5,7,9,11,13 वर्षों का दीर्घ अन्तर रहता है, प्रसूति का समय बहुत देर से होता है। जन्मलग्न से पंचमभाव में शनि होने से जातक सन्तान न होने से नित्य दुःखी रहता है। अर्थात् पुत्र नहीं होता है। शनि सन्तान सुख में बाधा डालता है, पुत्रों के लिए कष्टकारक होता है। जातक की संतति दुखी रहती है। गुणहीन, अनीतिमान, तथा व्यसनयुक्त पुत्रों से जातक को भय रहता है क्योंकि ऐसे पुत्र पितृहंता भी हो सकते हैं। जातक वातरोगी, पेट की बीमारियों से पीड़ित रहता है। शस्त्र धात और गुल्म रोग होता है। विपत्तियों से ग्रस्त रहने के कारण चित्त विभ्रम, उन्माद रोग होता है। अपनी नासमझी से जातक के कलेजे में पीड़ा होती है। जातक की मृत्यु हृदय विकार से, या द्रूबने से होती है। जातक का मित्र से वैर होता है। मित्रों के साथ कलह होता है। शनि होने से जातक 'अनंगहीन' अर्थात् "अतीव कामातुर नहीं होता है"। जातक को कामचेष्टा थोड़ी अर्थात् कामेच्छा कम होती है। पंचमस्थ शनि से जन्मदाता माता-पिता का सुख नहीं होता दत्तक पुत्र बन जाने का योग सम्भावित होता है।

शनि पीड़ित होने से जातक प्रेम प्रकरणों में असफल होता है, अपने से अधिक आयु वाले से प्रेम करता है।

पीड़ित शनि से सट्टे के व्यवहार में, लाटरी में, तथा रेस में नुकसान होता है।



दूषित शनि के अशुभ फल आचार्यों ने विशेषतः बतलाए हैं-सन्तति का अभाव, वृद्धावस्था में सन्तति का होना, सन्तति की प्रगति का अभाव, सन्तति से वैमनस्य-आदि संभव है।



८०

राहु

८१

राहु प्रथम भाव में

शुभ फल : नारायण भट्ट और जीवनाथ दैवज्ञ ने प्रायः अच्छे शुभफल बतलाए हैं। मन्त्रेश्वर, वैद्यनाथ आदि के अनुसार लग्नस्थ राहु अशुभ फलदायक है। इस तरह लग्नभावस्थित राहु के शुभ अशुभ दोनों प्रकार के फल है। राहु का शुभ-अशुभ फल अन्य शुभ-अशुभ ग्रहों के सम्बन्ध पर निर्भर होता है। जातक का शरीर छरहरा तथा कद ऊँचा होता है। लग्न का राहु शारीरिक नैरोग्य-शारीरिक बल देता है। जिस स्थान में राहु हो वहाँ काला चिन्ह होता है। लग्न में राहु के होने से चेहरे पर काला चिन्ह (तिल, मस्सा) होता है। लग्नस्थराहु किसी प्रकार से और कहीं से धन का लाभ करता है। जातक दूसरे के धन का उपयोग, स्वार्थ और परार्थ सिद्धि के लिए करता है। बहुत भोगों का उपभोग करनेवाला होता है। सुन्दर वेष धारण करनेवाला होता है। लग्नभावस्थ राहु होने से जातक परोपकारी, बड़ों से व्यवहार में नम्र, धीर, मतिमान् तथा व्यवहार दक्ष होता है। लग्नस्थ राहु बहुत महत्पूर्ण होता है। जातक अतिदीन दशा में अति उच्च दशा तक पहुँचता है, लोगों की नजरों में श्रेष्ठता मिलती है। शिक्षा की ओर इसका विशेष ध्यान नहीं होता है। सदा साहस से कर्म करने में समर्प होता है। जातक व्यावहारिक कामों में इतना निपुण होता है कि यह दूसरों से अपना काम निकाल लेता है। जो कुछ जबान से निकालता है उसे पूरा करके छोड़ता है। जातक अपने वचन का पालन करनेवाला (अर्थात् सत्यप्रतिज्ञ) होता है। जन्मलग्न में राहु होने से जातक शत्रुविजयी होता है। बाद-विवाद में विजय पानेवाला होता है। शत्रु रहित होकर अपने कार्य में तत्पर रहता है। जातक प्राचीन संस्कृति का अभिमानी होता है। नई बातों को जल्दी ग्रहण नहीं करता है। जातक शक्तिमान्, पराक्रमी, अभिमानी, जल्दी कीर्ति प्राप्त करनेवाला, लोगों की परवाह न करनेवाला होता है।

मिथुन, तुला, कुम्भ में लग्नस्थ राहु होने से जातक को छिन्द्रान्वेषक बनाता है।

शुभ सम्बन्धस्थित राहु जातक को लोक कल्याण के लिए यत्न करने के लिए अन्तःपेररणा देता है।

पुरुष राशि (सिंह राशि को छोड़कर) स्थित लग्नभाव में राहु होने से 'द्विभार्या योग' होता है।

अशुभ फल : लग्नभाव में राहु अशुभग्रह से युक्त अथवा दृष्ट होने से जातक के मुखपर दाग रहता है। लग्न का राहु होने से जातक का स्वभाव चंचल होता है। जातक दुष्ट बुद्धिवाला, दुष्ट स्वभाव का, अपने भाई-बन्दों को भी ठगनेवाला होता है। राहु लग्नभाव में होने से जातक व्यर्थ बोलनेवाला, लाल नेत्र, पापी, कृतघ्न, कूर, दयारहित, अधार्मिक, शीलरहित विकल, कुरुप, झगड़ालू, आलसी होता है। जातक के नाखून, तथा वेष (पोशाक आदि) अच्छे नहीं होते हैं। दुखों और कृष्टाओं के कारण जातक को संसार नीरस लगता है। जातक के शरीर के ऊपर के हिस्से में कोई रोग होता है। बातरोग से पीड़ा होती है। सिरदर्द और दुर्घटना में सिर पर चोट-लगने की संभावना रहती है। शिररोग से पीड़ित, मस्तक रोगी, शिरोवेदना पीड़ा देती है। अपनी स्त्री से असंतुष्ट रहने से व्यभिचारी वृत्ति भी होती है। अर्थात् यह एक नारीवत नहीं होता है। जीवनाथ के अनुसार तनुभाव के राहु से द्विभार्या योग होता है। व्यभिचारयोग भी होता है। जातक अनेक स्त्रियों के आसक्त, अतिकामुक होता है। कामाधिक्य के कारण बहुत स्त्रियों के होने पर भी उनसे तृप्त नहीं होता है। लग्न में राहु होने से स्त्री तथा पुत्र का सुख नहीं मिलता है। प्रथम भाव में बैठा राहु व्यक्ति के सन्तान पक्ष को निर्बल बनाता है। मनुष्य धन का क्षय करनेवाला होता है। मार्ग में कष्ट, जल से भय रहता है।

तुला, वृश्चिक, धनु, कुम्भ, मीन राशियों में होने से जातक पुत्रहीन होता है। अथवा मृतपुत्र होते हैं।

राहु अशुभ संबंध में होने से जातक बुद्धिहीन, दुष्ट, अत्यंत स्वार्थी, दुरभिमानी, मिथ्याचारी, उद्धण्ड, निर्लज्ज, छिद्रान्वेषी, अहंमन्य होता हुआ दूसरों को व्यर्थ कोसने वाला, अत्यभिमानी होता है दूसरे शब्दों में असद् गुणागार होता है।



४

केतु

४

केतु सप्तम भाव में

शुभ फल : धन से उत्तम सुख अवश्य प्राप्त होता है। लौटा हुआ धन स्थिर रहता है।

अशुभ फल : सातवें भाव में केतु होने से जातक मतिमन्द, मूर्ख, शीलहीन, बहुत सोनेवाला, दीनवचन होता है। जातक के चित्त में घबराहट एवं व्यग्रता रहती है। सप्तम में केतु होने से जातक का अपमान होता है। सप्तमभाव में केतु होने से स्त्रीसुख नहीं मिलता, अथवा स्त्री बुरी मिलती है। स्वयं अपनी पली से वियुक्त होता है। जातक की स्त्री को पीड़ा, कष्ट मिलता है। जातक व्यभिचारिणी स्त्रियों से रति करता है। जातक को पुत्र आदि का क्लेश होता है। मित्रों के द्वारा कष्ट मिलता रहता है। सप्तमभाव में केतु होने से यात्रा की चिन्ता, यात्रा का स्थगित होना- आदि फल होते हैं। सातवें स्थान में केतु से मार्ग सम्बन्धी चिन्ता बहुत होती है। जातक लौटकर आता है। जातक को प्रवास में कष्ट होता है। जातक का धन खर्च में अधिक जाता है। जातक के धन का नाश होता है। आर्थिक चिन्ता लगी रहती है। पिता के द्वारा संचित धन जल्दी ही नष्ट हो जाता है। शत्रुओं का भय होता है। शत्रुओं से धन का नाश होता है। राजा की अकृपा होती है। चोरी का डर होता है। सुख का अभाव होता है। वातरोग, अंतःडियों के रोग और वीर्य के रोग होते हैं। जल से भय होता है। जातक को जल से दूर ही रहना चाहिए, पानी में डूबने की आशंका इस स्थान में स्थित केतु के कारण बनी रहती है।



भावेश फल

लग्नेश - लग्न में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लग्नेशो लग्नगो पुंसः सुदेहः स्वभुजाक्रमी।
मनस्वी चातिचांचल्यो द्विभार्यः परगामी वा॥

मानसागरी के अनुसार -

लग्नाधिपतिर्लग्ने नीरोगं दीर्घजीविनं कुरुते।
अतिबलभुवनेशं वा भूलाभ्समन्वितं जातम्॥

यवन जातक के अनुसार -

तनुपतिस्तनुगो मदनानुगो गतरुजं कुरुते बहुजीवितम्।
अतिबलो नृपतेः कुलमन्त्रिणं सुखविलासयुतं सधनं सदा॥

लग्नेश लग्न में हो तो अच्छे शरीर वाला, अपने प्रयत्न से प्रगति करने वाला, बहुत चंचल स्वभाव का, दो स्त्रियां होती हैं अथवा परस्ती से संबंध रहता है। नीरोग, दीर्घयु, बहुत बलवान, राजा तथा भूमि प्राप्त करनेवाला होता है। राजा का मन्त्री, सुखी व विलासी तथा धनवान होता है। प्रतिष्ठित होता है। कुल की उन्नति करनेवाला तथा विजयी होता है।

अनुभवः लग्नेश शुक्र होने के कारण जातक परस्ती से संबंध, सुखविलास, धन व सौन्दर्य की कामना करने वाला होगा।

धनेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

धनेशो धनभे सोऽथ धनवान गर्वसंयुतः।
भार्याद्वयं त्रयं चापि सुतहीनोऽपि जायते॥

मानसागरी के अनुसार -

व्यवसायी च सुलाभी उत्पन्नभुगलिककारको नीचः।
अलीककृद् विदितः पूर्णद्विगी धनपतौ धनगे॥

गर्व संहिता के अनुसार -

धनपो धनाभावस्यो धनवन्तं धर्मकर्मनिरतं च।
लाभाधिकं सलोभं कुरुते पुरुष सदादानम्॥

धनेश धन स्थान में होने से जातक धनवान, गर्व वाला होता है, उसके दो या तीन विवाह होते हैं, पुत्र नहीं होता। वह व्यापारी, लाभ प्राप्त करनेवाला, जो मिले उतना भोग करनेवाला, झूठे काम करनेवाला, नीच, प्रसिद्ध, घबराने वाला होता है। जातक धनवान, धार्मिक कार्य करनेवाला होता है, इसे बहुत लाभ होता है किन्तु यह लोभी होता है, कभी दान नहीं देता। पिता द्वारा कमाये हुए या अन्य किसी से बिना मेहनत के प्राप्त हुए धन की प्राप्ति होती है, ब्याज तथा व्यापार से धन मिलता है, बहुत मनुष्यों को वह आश्रय देता है, अच्छा अन्न खाता है तथा उसे कुटुम्ब का सुख मिलता है।

अनुभवः धनेश मंगल होने के कारण जातक धनवान, द्विभार्यावान होता है।



तृतीयेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

गुदाभंजनिकः स्थूलो परभार्याधने रुचिः।
स्वल्पारंभी सुखी न स्यात् तृतीयेशो धने गते॥

यवन जातक के अनुसार -

यदि धनगे सहजेशो भिक्षुर्धनाल्पजीवितः पुरुषः।
बन्धुविरोधी क्रूरैः सौम्ये: पुनरीश्वरः खचरैः॥

गर्ग संहिता के अनुसार -

यही वर्णन है सबलः अधिक बतलाया है।

तृतीयेश धनस्थान में होने से जातक मोटा, थोड़ा काम करनेवाला, परस्ती तथा परधन में रुचि लेनेवाला होता है, गुदा में कष्ट रहता है, सुखी नहीं होता। तृतीयेश पापग्रह (रवि, मंगल तथा शनि) हो तो जातक भिखारी, निर्धन, अल्प आयुवाला तथा बन्धु से विरोध करनेवाला होता है, शुभग्रह हो तो वह अधिकारी बनता है। सबलः अर्थात् यह बलवान होता है। परिवार में झगड़े होते हैं, भाइयों के लिए धन खर्च होता है, धन का संग्रह नहीं हो पाता। काफी कष्ट होता है।

अनुभवः तृतीयेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित अधिकांश शुभ फल सही सिद्ध होते हैं।

चतुर्थेश - पंचम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

तुर्येशो पंचमे भाग्ये सुखी सर्वजनप्रियः।
विष्णुभक्तिरतो मानी स्वभुजार्तिविनाशकृत॥

यवन जातक के अनुसार -

सुखपतौ बहुजीवितवान् नरः सुतगते सूतयुक्तसुधीर्नरः।
शुभवशात् सुखभोगघनान्वितः श्रुतिधराऽतिपवित्रविलेखकः॥

चतुर्थेश पंचम में होने से जातक सुखी, लोकप्रिय, ईश्वरभक्त, अभिमानी, अपने प्रयत्न से कष्ट दूर करनेवाला होता है। दीर्घायु बुद्धिमान, पुत्रों से युक्त, शुभग्रह हो तो सुखी, धनवान, उपभोगों से सपन्न, शास्त्रों का पढ़ित, पवित्र तथा लेखक होता है। पिता की कमाई से इसे उपभोग मिलते हैं, दीर्घायु होता है तथा राजा से मित्रता कर लाभ प्राप्त करता है। पुत्रों का पालन कारनेवाला होता है। माता का भक्त, श्रीमान, पुत्रों के लिए जायदाद छोड़ जानेवाला होता है।

अनुभवः चतुर्थेश शनि होने के कारण जातक माता की भक्ति के सिवाय ऊपर वर्णित सब फल अनुभव करता है।



पंचमेश - पंचम स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

सुतेशः पंचमे यस्य तस्य पुत्रो न जीवति ।

क्षणिकः कूरभाषी च धार्मिको मतिमान् भवेत् ॥

यवन जातक के अनुसार -

तनयभावपतिस्तनयस्थितो मतियुतं वचनं प्रबलं जनम् ।

बहुलमानयुतं पुरुषोत्तमं प्रवरलोकवरं कुरुते नरम् ॥

गर्ग जातक के अनुसार -

तनयगतस्तनयपतिर्मतिमन्तं मानिनं वचनकुशलम् ।

सुत कलितं प्रचुरधनं ख्यातियुतं मानव कुरुते ॥

पंचमेश पंचम स्थान में होने से जातक के पुत्र जीवित नहीं रहते, वृत्ति चंचल, बोलना कठोर, बुद्धि अच्छी तथा धर्म में निष्ठा रहती है। बोलना बुद्धिपूर्ण होता है, लोगों में प्रबलता, उत्तमता तथा बहुत सम्मान मिलता है। बुद्धिमान, अभिमानी, बोलने में चतुर, पुत्रयुक्त, बहुत धनवान तथा विख्यात होता है। विद्वान, धनवान, ईश्वरभक्त तथा पुत्रों के सुख से युक्त होता है।

अनुभवः पंचमेश शनि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

षष्ठेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

षष्ठेशो कर्मवित्तस्य साहसी कुलविश्वुतः ।

परदेशी शुचिवंक्ता स्वधर्मेष्वैकनिष्ठकः ॥

यवन जातक के अनुसार -

रिपुपतौ द्रविणे चतुरो नरः कठिनता धनसग्रहणक्षमः ।

निजपदप्रवरौ विदितश्चलो गदयुतः कृशगात्रयुतो नरः ॥

गर्ग जातक के अनुसार -

षष्ठपतौ द्रविणस्ये दुष्टश्चतुरो हि संग्रहवान् ।

स्थानप्रवरो विदितः सव्याधिस्तनुजहवित्तः ॥

षष्ठेश धनस्थान में होने से जातक साहसी, घराने में प्रसिद्ध, विदेश जानेवाला, पवित्र, अच्छा बोलनेवाला, अपने धर्म में एकनिष्ठ होता है। चतुर, धन का संग्रह करने में समर्थ, कठोर, अपने पद में ऊंचा, प्रसिद्ध, चंचल, रोगी, दुबला होता है। पुत्रों द्वारा धन का हरण किया जाता है, मित्रों का धन नष्ट करनेवाला इतना होता है। जातक कुटुम्ब में फूट डालता है, पैतृक संपत्ति के बारे में झागड़े होते हैं, अच्छा अन्न खाने का योग नहीं मिलता।

अनुभवः षष्ठेश गुरु होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



सप्तमेश - धनस्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

दूयनेशो नवमे वित्ते नानास्तीभिः समागमः।
आरम्भी दीर्घसूत्री च स्त्रीषु चितं हि केवलम्॥

यवन जातक के अनुसार -

मदपतौ धनगे वनिता खला भवति वित्तवती सुखवर्जिता।
स्वपतिवाक्यविलोपकरी मदान्मतिमती स्वयमात्मजवर्जिता॥

सप्तमेश धनस्थान में होने से जातक बहुत स्त्रियों से सम्बन्ध बनाता है, किसी भी काम को आरम्भ कर दीर्घसूत्री (लम्बी बाते सोचनेवाला) होता है, मन स्त्रियों में ही लगा रहता है। पत्नी दुष्ट, पुत्रों को चाहनेवाली, पैसा हाथ में रखनेवाली होती है, यह घर में स्त्रीसंग नहीं पाता। जातक की पत्नी घमंड से पति के कहने के विरुद्ध कार्य करनेवाली, पुत्रहीन, दुखी किन्तु बुद्धिमान व धनवान होती है। पत्नी मोटी, पुत्रहीन होती हैं, पैसा पत्नी के हाथ में रहता है। हमेशा दुखी रहता है। जातक कुटुम्ब को स्नेह होता है, व्यापार में धन लगाया जाता है, पत्नी से धन मिलता है। परस्ती से सम्पर्क रहता है।

अनुभवः सप्तमेश मंगल होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

अष्टमेश - लग्न में

लोमेश संहिता के अनुसार -

अष्टमेशो तनौ कामे भार्याद्वयं समादिशेत्।
विष्णुद्रोहरतो नित्यं व्रणरोगः प्रजायते॥

यवन जातक के अनुसार -

मृतिपतिस्तनुगो बहुदुःखकृद भवति वा बहुरुष्टविवादकृत्।

गर्भ जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा ही वर्णन है।

अष्टमेश लग्न में होने से जातक के दो विवाह होते हैं, यह ईश्वर का विरोधी तथा व्रण-रोग से पीड़ित होता है। बहुत दुखी, क्राधी, विवाद करनेवाला, शुजली से पीड़ित होता है, इसे राजा से धनलाभ होता है। शरीर सुख कम मिलता है।

अनुभवः अष्टमेश शुक्र होने के कारण ऊपर वर्णित फल अनुभव नहीं होते हैं।



नवमेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

भाग्येशो मातुले रिःफे भाग्यहीनो भवेद् धूरवम्।
मातुलस्य सुखं न स्यात् ज्येष्ठभ्रातुः सुखं तथा॥

यवन जातक के अनुसार -

व्ययगतः सुकृताधिपतिर्यदा भवति मानयुतः परदेशगः।
मतियुतः स च सुन्दरदेहयुग् यदि खलाच्च खगादिह धूर्तकः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

यवनजातक जैसा वर्णन है, केवल मानी विद्यावान् कुमति इतना अलग बतलाया है।

नवमेश व्यय स्थान में होने से जातक भाग्यहीन होता है, मामा तथा बड़े भाई का सुख नहीं मिलता।
अभिमानी, बुद्धिमान तथा सुन्दर होता है। जातक विदेश जा सकता है।

अनुभव : नवमेश बुध होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।

दशमेश - लाभ स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

दशमेशो सुते लाभ धनवान् पुत्रवान् भवेत्।
सर्वदा हर्षसंयुक्तः सत्यवादी सुखी नरः॥

यवन जातक के अनुसार -

विजयलाभयुतः प्रमदान्वितः परपराजयतो वसुलाभवान्।
सुतसुतानुगतो भवगे गृहे दशमपे बहुभृत्ययुतो नरः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

मानोर्जितभृत्का जननी तथा च सुतरक्षिणी भवेत् सुखिना।
दीर्घायुर्मातृसुखः पुरुषो लाभाश्रितेम्बरपे॥

दशमेश लाभ स्थान में होने से जातक धनी, पुत्रयुक्त, हमेशा खुश, सच बोलनेवाला व सुखी होता है।
विजय व लाभ, स्त्री व पुत्र-पौत्र, बहुत से नौकर तथा शत्रु-पराजय से धन प्राप्त करता है। दीर्घायु होता है तथा
माता का सुख प्राप्त करता है, इस की माता सुखी, पुत्र का रक्षण करनेवाली, सम्मानित पति की पत्नी होती
है। व्यवसाय या नौकरी से प्रचुर धन मिलेगा।



लाभेश - लग्न स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

लाभेशो संस्थिते लग्ने धनवान् सांत्विको महान्।

समदृष्टिर्महावक्ता कौतुकी च भवेत् सदा॥

यवन जातक के अनुसार -

भवति ना सुभगः स्वजनप्रियः कलित एव वदान्यकपुत्रवान्।

भवपतौ तनुगे च सुकृत्तमो नृपतितो धनलाभकरः सदा॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

अल्पायुर्बहुकलितः शूरो दाता जनप्रियः सुभगः।

लाभपतौ लग्नगते तृष्णादोषन्मृतिं लभते॥

लाभेश लग्न स्थान में होने से जातक बहुत सांत्विक प्रवृत्ति का, धनवान, समदृष्टि वाला, बड़ा वक्ता, कौतुक युक्त होता है। जातक सुन्दर, अपने सम्बन्धियों को प्रिय, उदार पुत्रों से युक्त, अच्छे कार्य करने वाला, राजा से धन प्राप्त करनेवाला होता है। अल्पायु, बहुत कलाओं में प्रवीण, शूर, उदार, लोकप्रिय, सुन्दर होता है।

जातक का ध्यान धन की ओर रहेगा तथा इसे बहुत धन मिलेगा। तृष्णा से इसकी मृत्यु होती है।

अनुभव :लाभेश रवि होने के कारण ऊपर वर्णित अशुभ फल अनुभव होते हैं।

व्ययेश - व्यय स्थान में

लोमेश संहिता के अनुसार -

व्ययेशोऽरिव्यये पापी मातृमृत्युविचिन्तकः।

क्रोधी सन्तानदुःखी च परजायासु लम्पटः॥

यवन जातक के अनुसार -

भवति बुद्धियुतः कृपणः खलः परनिवासरतः स्थिरकार्यकृत्।

पशुजनैश्च रतो बहुभोजनो व्ययपतौ व्ययगे सति मानवः॥

गर्ग जातक व मानसागरी के अनुसार -

विभूतिमान् ग्रामनिवासचितः कार्पण्यबुद्धिः पशुसंग्रही च।

चेजीवति ग्रामयुतः सदा स्यात् व्ययाधिनाथे व्ययगेहलीने॥

व्ययेश व्यय में होने से जातक पापी, क्रोधी, परस्तियों में आसक्त, सन्तान के कारण दुःखी व माता की मृत्यु चाहनेवाला होता है। जातक बुद्धिमान, कंजूस, दुष्ट, दूसरों के घर रहनेवाला, पशुओं को चाहनेवाला, खूब खानेवाला होता है। वह धनवान, गांव में रहना चाहनेवाला, कंजूस, पशुओं का संग्रह करनेवाला, जीवित रहा तो हमेशा गांव में रहता है। स्त्रीसुख के लिए धन बहुत खर्च होगा, बुरी आदतों से या मूर्खता से दरिद्रता आयेगी।

अनुभव :व्ययेश बुध होने के कारण ऊपर वर्णित शुभ फल अनुभव होते हैं।



मंगली-दोष विचार

1. अगस्त्य संहिता के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
भार्या भर्तु विनाशाय भर्तुश्च स्त्री विनाशनम्॥

2. मानसागरी के अनुसार -

धने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
कन्या भर्तुविनाशाय भर्तुः कन्या विनश्यति॥

3. बृहत् ज्योतिषसार के अनुसार -

लग्ने व्यये चतुर्थे च सप्तमे वा अष्टमे कुजः।
भर्तरं नाशयेद् भार्या भर्ताभार्या विनाशयेत्॥

4. भावदीपिका के अनुसार -

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्रीणां भर्तु विनाशः स्यात् पुंसां भार्या विनश्यति॥

5. बृहत् पाराशर होरा के अनुसार -

लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे।
शुभ द्वग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम्॥

उपरोक्त श्लोकों का भावार्थ यह है कि जन्म लग्न से प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश स्थान में मंगल स्थित होने पर मंगल दोष या कुज दोष होता है।

कुछ आचार्यों के अनुसार लग्न के अतिरिक्त चन्द्र लग्न, शुक्र या सप्तमेश से इन्हीं स्थानों में मंगल स्थित होने पर भी मंगली दोष होता है।

शास्त्रोक्ति है -

लग्नेन्दु शुक्राद् दुःस्थाने यद्यस्ति द्विति संभवः।
तद्वशापाक समये दोषमाहर्मनीषिणः॥

यदि मंगल लग्न, चंद्रमा या शुक्र से दुःस्थान में स्थित हो तो उसकी दशा में अशुभ फल प्राप्त होते हैं।

सामान्यतः मंगल दोष को लग्न व चन्द्र से देखा जाता है।

vikas की कुण्डली में मंगल लग्न से द्वितीय भाव में स्थित है और चन्द्र लग्न से चतुर्थ भाव में स्थित है। अतः **vikas** जन्म लग्न से मांगलिक नहीं हैं मगर चन्द्र लग्न से मांगलिक हैं।



मंगली दोष का फल

मंगली दोष वैवाहिक जीवन को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करता है - विवाह में विघ्न, विलम्ब, व्यवधान या धोखा, विवाहोपरान्त दम्पति में से किसी एक अथवा दोनों को शारीरिक, मानसिक अथवा आर्थिक कष्ट, पारस्परिक मन-मुटाव, आरोप-प्रत्यारोप तथा विवाह-विच्छेद। अगर दोष अत्यधिक प्रबल हुआ तो दोनों अथवा किसी एक की मृत्यु हो सकती है।

फिर भी मंगली दोष से भयभीत या आतंकित नहीं होना चाहिये। प्रयास यह करना चाहिये कि मंगली का विवाह मंगली से ही हो क्योंकि मंगल-दोष साम्य होने से वह प्रभावहीन हो जाता है तथा दोनों सुखी रहते हैं।

दम्पत्योर्जन्मकाले व्ययधनहिबुके सप्तमे लग्नरस्ते। लग्नाच्चन्द्राच्च शुक्रादपि भवति यदा भूमिपुत्रो द्वयोर्वै॥
तत्साम्यात्पुत्रमित्रप्रचुरधनपतां दंपती दीर्घ-काला। जीवेतामेकहा न भवति मश्तिरिति प्राहुरत्रात्रिमुख्याः॥

अर्थात् यदि वर और कन्या के जन्मांग में मंगल द्वितीय, द्वादश, चतुर्थ, सप्तम अथवा अष्टम भाव में लग, चंद्रमा अथवा शुक्र से समभाव में स्थित हो तो समता का मंगल दोष होने के कारण वह प्रभावहीन हो जाता है। परस्पर सुख, धनधार्य, संतानि, स्वास्थ्य एवं मित्रादि की उपलब्धि रहती है।

कुज दोष वत्ती देया कुजदोषवते किल। नास्ति दोषो न चानिष्टं दम्पत्यो सुखवर्धनम्॥
मंगल दोष वाली कन्या का विवाह मंगल दोष वाले वर के साथ करने से मंगल का अनिष्ट दोष नहीं होता तथा वर-वधू के मध्य दाम्पत्य-सुख बढ़ता है।

मंगली दोष परिहार के उपाय

मंगली दोष की शान्ति के लिये प्रमुख उपाय हैं -

* मंगलवार का व्रत रखें। दिन में नमक के बिना तरल भोज्य पदार्थ (चाय, काफी, दूध, लस्सी, फलों के रस) लें। सायंकाल थाली में रोली से त्रिकोण बनाएँ तथा पंचोपचार (लाल चंदन, लाल पुष्प, धूप, दीप तथा नैवेद्य) से पूजन करें। तत्पश्चात् सूर्यास्त से पूर्व ही गेहूँ की रोटी, घी, गुड़ ग्रहण करें।

* मंगल दोष अधिक प्रबल हो तो मंगल चंडिका स्तोत्र का 108 दिन तक नित्यप्रति 21 बार जप करें। प्रातः काल पूर्वाभिमुख होकर बैठें व पंचमुखी दीप प्रज्वलित करके अपने इष्ट तथा मंगल ग्रह का पंचोपचार से पूजन करें, फिर निम्नलिखित जप करें -

रक्ष रक्ष जगन्मातर्देवि मंगलचंडिके ।
हारिके विपदां राशो हर्षमंगलकारिके ॥
हर्षमंगलदक्षे च हर्षमंगलदायिके ।
शुभे मंगलदक्षे च शुभे मंगलचंडिके ॥
मंगले मंगलाहें च सर्वमंगलमंगले ।
सदा मंगलदे देवि सर्वेषां मंगलालये ॥



साढ़ेसाती फल

प्राचीन काल से सामान्य भारतीय जनमानस में यह धारणा प्रचलित है कि शनि की साढ़ेसाती बहुधा मानसिक, शारीरिक और आर्थिक दृष्टि से दुखदायी एवं कष्टप्रद होती है। शनि की साढ़ेसाती सुनते ही लोग चिन्तित और भयभीत हो जाते हैं। साढ़ेसाती में असन्तोष, निराशा, आलस्य, मानसिक तनाव, विवाद, रोग-रिपु-ऋण से कष्ट, चोरों व अप्ति से हानि और घर-परिवार में बड़ों-बुजुर्गों की मृत्यु जैसे अशुभ फल होते हैं। शास्त्र शनि की साढ़ेसाती का फल इस प्रकार बतलाते हैं-

कल्याणं खलु यच्छति रविसुतो राशौ चतुर्थै में व्याधि बन्धुविरोधदेशगमनं क्लेशं च चिन्ताधिकम् ॥

राशौ द्वादशशीर्षजन्महृदये पादौ द्वितीये शनिनानाक्लेशकरोऽपि दुर्जनभयं पुत्रान् पश्नन् पीडनम् ॥

हानिःस्यान्मरणं विदेशगमनं सौख्यं च साधारणम् रामारिध्यविनाशनं प्रकुरुत तुर्याष्टमै वाथवा ॥

अर्थात् चन्द्र राशि से चौथे या आठवें स्थान में शनि आने पर रोग, भाइयों से लड़ाई विदेश में प्रवास, कष्ट, चिन्ता ये फल मिलते हैं। चन्द्र राशि से बारहवें, पहले या दूसरे स्थान में गोचर के शनि से (साढ़ेसाती में) सिर, हृदय, पैर में पीड़ा होती है, दुष्टों से भय होता है, पुत्रों और पशुओं को कष्ट होता है।

अनुभव में पाया गया है कि सम्पूर्ण साढ़े-सात साल पीड़ा दायक नहीं होते। बल्कि साढ़ेसाती के समय में कई लोगों को अत्यधिक शुभ फल जैसे विवाह, सन्तान का जन्म, नौकरी-व्यवसाय में उन्नति, चुनाव में विजय, विदेश यात्रा, इत्यादिभी मिलते हैं।

प्रथम चक्र की साढ़े साती का फल

(05-09-2004 से 04-08-2012 तक)

शनि के साढ़ेसाती का प्रथम चक्र अत्यन्त प्रबल होता है इस अवधि में आपको शारीरिक कष्ट, अवरोध एवं अनेकप्रकार से क्षति उठानी पड़ सकती है। माता-पिता को भी शनि पीड़ित करता है।

द्वितीय चक्र की साढ़े साती का फल

(12-07-2034 से 27-01-2041 तक)

द्वितीय आवृत्ति में शनि अपेक्षाकृत मध्यम प्रभाव डालता है। इस अवधि में आपकी अपने श्रम व संघर्ष से उन्नतिहोगी। मानसिक अशान्ति अवश्य बनी रह सकती है किन्तु भौतिक उन्नति निश्चित होगी। माता-पिता या अन्य बुजुर्गों का वियोग सहन करना पड़ सकता है।

तृतीय चक्र की साढ़ेसाती का फल

(24-08-2063 से 04-11-2070 तक)

तृतीय आवृत्ति में शनि अनेक कठोर फल देता है। इस अवधि में मारक का प्रभाव अधिक होने के कारण आपको प्रबल शारीरिक कष्ट हो सकता है। इस आक्रमण से सौभाग्यशाली ही सुरक्षित रह पाते हैं।



साड़ेसाती की प्रथम, द्वितीय व तृतीय फैया का फल

यह सामान्यतः पाया गया है कि साड़ेसाती की तीन फैया में से एक शुभ, एक मध्यम तथा एक अशुभ फलदायी होती है। इसका निर्णय शनि के अष्टक वर्ग तथा सर्वाष्टक वर्ग में प्राप्त शुभ रेखाओं की संख्या के आधार पर किया जाता है। यदि शनि अष्टक वर्ग में चार रेखायें तथा सर्वाष्टक वर्ग में 28 रेखायें हैं तो शनि मिश्रित फलदायी होता है। इससे कम है तो अशुभ तथा अधिक होने पर शुभ फल प्राप्त होते हैं। यदि जन्म कुण्डली में शनि बलवान् (उच्च, स्वक्षेत्रीय आदि) या योगकारक हो या चन्द्रराशि का स्वामी हो तो जातक के लिए शनि का दुष्प्रभाव औरों की अपेक्षा बहुत कम होता है।

साड़ेसाती की प्रथम फैया का फल

प्रथम चक्र 05-09-2004 से 13-01-2005 तक व 26-05-2005 से 01-11-2006 तक

द्वितीय चक्र 12-07-2034 से 27-08-2036 तक व से तक

तृतीय चक्र 24-08-2063 से 05-02-2064 तक व 09-05-2064 से 12-10-2065 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से बारहवें भ्रमण करता है तथा दूसरे, छठे, नवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। प्रथम फैया में शनि का निवास सिर पर रहता है। मानसिक-शारीरिक सुख में कमी आती है। नेत्रों की व्याधि, चश्मे आदि का प्रयोग सम्भव है। अचानक आर्थिक हानि होती है। अवांक्षित अतिरिक्त व्यय, अपव्यय होता है। जातक आर्थिक रूप से व्यथित रहता है आय की अपेक्षा व्यय अधिक होता है। कुटुम्ब से वियोग हो सकता है। परिवार में अशान्ति रहती है। पिता को कष्ट होता है। पिता से तनाव होता है। भाय पतन का भय रहता है। कार्यों में परेशानियाँ एवं विलम्ब होता है। प्रयासों के सुफल नहीं मिलते। लोगों से सहयोग नहीं मिलता। राजकीय लोगों से पीड़ा सम्भव है। आध्यात्मिकता में रुचि जाग्रत होती है। दुर्घटनाओं का भय होता है। व्यर्थ भ्रमण होता है। दूर की यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें कष्ट उठाना पड़ता है। यह शनि पंचम से अष्टम होता है, अतः सन्तान के लिए भी यह समय कष्टप्रद होता है।

साड़ेसाती की द्वितीय फैया का फल

प्रथम चक्र 01-11-2006 से 10-01-2007 तक व 15-07-2007 से 09-09-2009 तक

द्वितीय चक्र 27-08-2036 से 22-10-2038 तक व 05-04-2039 से 12-07-2039 तक

तृतीय चक्र 12-10-2065 से 03-02-2066 तक व 03-07-2066 से 30-08-2068 तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि पर भ्रमण करता है तथा तीसरे, सातवें, दसवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। शनि इस फैया में उदर भाग में रहता है। अतः शरीर के सम्पूर्ण मध्य भाग में रोग व्याधि सम्भव होती है। शारीरिक तेज प्रभावित होता है। बुद्धि काम नहीं करती, गलत निर्णय होते हैं। भाईयों से तथा व्यापार में सांदीर से विवाद होता है। पत्नी को शारीरिक कष्ट अथवा पत्नी से गड़ा होता है। आर्थिक चिन्ताएँ निरन्तर रहती हैं। मानसिक स्तर पर प्रबल उद्देलन रहता है। व्यर्थ का भय व्यथित करता है। कोई कार्य मनोनुकूल नहीं होता, अपूर्ण कार्य दुःखी करते हैं, व्यवधान प्रबल रहते हैं। पारिवारिक तथा व्यवसायिक जीवन अस्त-व्यस्त रहता है। किसी सम्बन्धी को मारक कष्ट होता है। दूर स्थानों की यात्राएँ, शत्रुओं से कष्ट, आत्मिय जनों से अलगाव व्याधि, सम्पत्ति क्षति व सामाजिक पतन, मित्रों का अभाव एवं कार्यों में अवरोध इस चरण के फल हैं।

साड़ेसाती की तृतीय फैया का फल

प्रथम चक्र 09-09-2009 से 09-09-2009 तक व 16-05-2012 से 04-08-2012 तक

द्वितीय चक्र 22-10-2038 से 05-04-2039 तक व 12-07-2039 से 27-01-2041 तक

तृतीय चक्र 30-08-2068 से 04-11-2070 तक व से तक

इस अवधि में शनि चन्द्र राशि से दूसरे भ्रमण करता है तथा चौथे, आठवें, ग्यारहवें भावों पर पूर्ण दृष्टि होती है। उत्तरती साड़ेसाती में शनि पैरों पर रहता है, अतः इस अवधि में पैरों में कष्ट होता है। शारीरिक दृष्टि से निर्बलता आती है। दैहिक रूप से जड़ता का अनुभव होता है, शरीर में आलस्य रहता है। आनन्द बाधित होता है। व्यर्थ के विवाद उत्पन्न होते हैं। आत्मियों से अकारण संघर्ष होता है उन्हें गम्भीर व्याधि अथवा किसी को मरण तुल्य कष्ट होता है। सुखों का नाश होता है, पदाधिकार पर संकट आता है। व्यय अत्यधिक होता है। पैसा आता है किन्तु उसी गति से व्यय भी होता है। निम्न श्रेणी के लोगों से कष्ट मिलता है। अष्टम पर दृष्टि होने से आयु प्रभावित होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से गृह सुख, मातृसुख, वाहन सुख आदि तथा भौतिक सुख-सुविधाओं में बाधा आती है।



लघु कल्पाणी दैया व कंटक शनि का फल

शनि की चतुर्थ स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक

द्वितीय चक्र 02-11-2014 से 26-01-2017 तक व 20-06-2017 से 26-10-2017 तक

तृतीय चक्र 11-12-2043 से 23-06-2044 तक व 30-08-2044 से 07-12-2046 तक

चन्द्र राशि से शनि चतुर्थ स्थान में भ्रमण करता है तो छठे, दसवें एवं चन्द्र लग्न पर पूर्ण दृष्टि रहती है। स्थान परिवर्तन या स्थानान्तरण होता है। आवासीय सुख की क्षति होती है। हृदय सम्बन्धी कष्ट या अनियमित रक्तचाप सम्बन्ध होता है। सम्बन्धियों से वियोग होता है। पारिवारिक सुख में कमी आती है। जनता एवं राज्य दोनों द्वारा विरोध होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि छठे भाव पर रहती है। अतः शत्रुओं एवं रोगों से कष्ट होता है। शनि की पूर्ण दृष्टि दशम पर रहती है। अतः कार्य क्षेत्र में अवरोध आता है। शनि की दशम दृष्टि चन्द्र लग्न पर रहती है। अतः मन में घबड़ाहट रहती है।

शनि के सप्तम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र से तक व से तक

द्वितीय चक्र 29-04-2022 से 12-07-2022 तक व 17-01-2023 से 29-03-2025 तक

तृतीय चक्र 24-02-2052 से 14-05-2054 तक व 01-09-2054 से 05-02-2055 तक

जन्म राशि से शनि सप्तम स्थान में भ्रमण करता है तो नवम, चन्द्र लग्न एवं चतुर्थ पर पूर्ण दृष्टि रहती है। पत्नी को शारीरिक कष्ट होता है अथवा पत्नी या व्यापार के भागीदारी से गम्भीर मतभेद होते हैं। जातक मूत्र-जनन तन्त्र सम्बन्धी रोगों से कष्ट पाता है। मानसिक चिन्ताएं बढ़ती हैं। नवम पर दृष्टि होने से भाग्य में गतिरोध आता है, पिता को कष्ट होता है, मान सम्मान पर अंच आती है तथा कार्यक्षेत्र में उथल पूथल होती है। चतुर्थ पर दृष्टि होने से माता का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। वाहन सम्बन्धी कष्ट होते हैं। घर छोड़ना पड़ता है, दीर्घ प्रवास होता है, यात्रायें होती हैं और यात्रा में कष्ट होता है।

शनि के अष्टम स्थान की दैया का फल

प्रथम चक्र से तक व 16-02-1996 से 17-04-1998 तक

द्वितीय चक्र 29-03-2025 से 02-06-2027 तक व 20-10-2027 से 23-02-2028 तक

तृतीय चक्र 14-05-2054 से 01-09-2054 तक व 05-02-2055 से 07-04-2057 तक

जन्म राशि से शनि अष्टम स्थान में भ्रमण करता है तो दसवें, दूसरे एवं पंचम भाव पर पूर्ण दृष्टि रहती है। आयु बल प्रभावित होता है। दीर्घावधि की बीमारी या दुर्घटना की संभावना रहती है। अपमानित होने का भय रहता है। राजकीय लोगों से पीड़ा का भय रहता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन का योग बनता है। कार्य व्यापार पर आघात लगता है। धन सम्पत्ति की हानि होती है। सन्तान को कष्ट होता है या सन्तान वियोग की संभावना बनती है।

शनि के दशम स्थान की दैया (कंटक शनि) का फल

प्रथम चक्र 06-06-2000 से 23-07-2002 तक व 08-01-2003 से 07-04-2003 तक

द्वितीय चक्र 08-08-2029 से 05-10-2029 तक व 17-04-2030 से 30-05-2032 तक

तृतीय चक्र 27-05-2059 से 10-07-2061 तक व 13-02-2062 से 06-03-2062 तक

शनि राशि से दसवें भ्रमण करता है तो बारहवें, चतुर्थ एवं सप्तम भावों को भी अपनी पूर्ण दृष्टि से प्रभावित करता है। कार्यक्षेत्र में अवरोध आता है। आजीविका क्षेत्र में उत्थान पतन या व्यतिक्रम होता है। किसी ऐसे कार्य (व्यापार) में प्रवृत्ति हो जिसमें असफलता हो या ऐसा दुष्कर्म बन जाए जिसके कारण अप्रतिष्ठा हो, सम्मान भंग हो। अनावश्यक आर्थिक व्यय के प्रसंग आते हैं। पत्नी से मतभेद या अलगाव संभव है। घर सम्पत्ति के बारे में चिन्ता उत्पन्न होती है।



शनि की साढ़ेसाती तथा ढैया के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय करें -

1. मन्त्र

(क) महामृत्युंजय मंत्र का सवा लाख जप (नित्य 10 माला, 125 दिन) करें -

ॐ त्रयम्बकम् यजामहे सुगच्छि पुष्टिवर्द्धनं उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।

(ख) शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जप करें -

ॐ शत्रोदेवीरभिष्ठय आपो भवन्तु पीतये । शंयोरभिस्त्वन्तु नः । ॐ शं शनैश्चराय नमः ।

(ग) पौराणिक शनि मंत्र -

ॐ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् । छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम् ॥

2. स्तोत्र

- शनि के निम्नलिखित स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बध्नुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः । सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः ॥

तानि शनि-नामानि जपेदश्वत्यसन्निधौ । शनैश्चरकृता पीडा न कदाचिद् भविष्यति ॥

साढ़ेसाती पीडानाशक स्तोत्र - पिप्पलाद उवाच -

नमस्ते कोणसंस्थय पिङ्गलाय नमोस्तुते । नमस्ते बधूरूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते ॥

नमस्ते रौद्ररद्धाय नमस्ते चान्तकाय च । नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो ॥

नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते । प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च ॥

3. रत्न / धातु

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव की सतह की कील का बना छल्ला मध्यमा में धारण करें।

आपकी कुण्डली में शनि योगकारक है।

न्यूनतम 4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में अंगूठी बनवा कर मध्यमा में धारण करने से लाभ होगा।

4. क्रत

शनिवार का व्रत रखें। व्रत के दिन शनिदेव की पूजा (कवच, स्तोत्र, मन्त्र जप) करें। शनिवार व्रतकथा पढ़ना भी लाभकारी रहता है। व्रत में दिन में दूध, लस्सी तथा फलों के रस ग्रहण करें, सांयकाल हनुमान जी या भैरव जी का दर्शन करें। काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकते हैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण करें।

5. औषधि

प्रति शनिवार सुरमा, काले तिल, सौंफ, नागरमोथा और लोध मिले हुए जल से स्नान करें।

6. दान

शनि की प्रसन्नता के लिये उड़द, तेल, इन्द्रनील (नीलम), तिल, कुलथी, भैंस, लोह, दक्षिणा और श्याम वस्त्र दान करें।

7. अन्य उपाय

(क) शनिवार को सांयकाल पीपल वृक्ष के चारों ओर 7 बार कच्चा सूत लपेटें, इस समय शनि के किसी मंत्र का जपे करते रहें। फिर पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करें, तथा ज्ञात-अज्ञात अपराधों के लिए क्षमा माँगें। (ख) शनिवार को अपने हाथ की नाप का 19 हाथ काला धागा माला बनाकर पहनें। (ग) टोटका - शनिवार के दिन उड़द, तिल, तेल, गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें और जहाँ हल न चला हो वहां गाड़ दें। (घ) शनि की शान्ति के लिए बिच्छू की जड़ शनिवार को काले डोरे में लपेट कर धारण करें।



रत्न परामर्श

रत्न धारण करने से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संभावित परिवर्तन किए जा सकते हैं। यह एक प्रचीन विद्या है। मणि माला नामक ग्रन्थ में रत्नों के बारे में कहा गया है -

**माणिक्यं तरणे: सुजात्यममलं मुक्ताफलं शीतगोमहियस्य च विद्रुमो निगदितः सौम्यस्य गारुत्मतं ।
देवेज्यस्य च पुष्परागमसुराचार्ण्यसय वत्रं शनेर्नालं निर्मलमन्ययोश्च गदिते गोमेदवैदूर्यकं ॥**

"ग्रहों के विपरीत होने पर उन्हें शान्त करने के लिए रत्न पहने जाते हैं। सूर्य के विपरीत होने पर निर्दोष माणिक, चन्द्र के विपरीत होने पर उत्तम मोती, मंगल के लिए मूँगा, बुध के लिए पत्रा, बृहस्पति के लिए पुखराज, शुक्र के लिए हीरा, शनि को शान्त करने के लिए नीलम, राहु के लिए गोमेद एंव केतु के विपरीत होने पर लसुनिया धारण करना चाहिए।"- मणि माला भाग 2, 79

धन्यं यशस्यमायुष्यं श्रीमद् व्यसनसूदनं । हर्षणं काम्यमोजस्यं रत्नाभरणधारणं ॥

ग्रहदृष्टिहरं पुष्टिकरं दुःखप्रणाशनं । पापदौर्भाग्यशमनं रत्नाभरणधारणं ॥

"रत्न जडित आभूषण को धारण करने पर सम्मान, यश, लम्बी आयु, धन, सुख और धन में वृद्धि होती है तथा सभी प्रकार की अभिलाषाओं की पूर्ति होती है। ऐसा करने से ग्रह के विपरीत प्रभाव कम होते हैं, शरीर पुष्ट होता है तथा दुःख, पाप एंव दुर्भाग्य का नाश होता है।"- मणि माला, भाग 2, 121-122

जीवन रत्न

लग्नेश का रत्न धारण करना सदा शुभफल देने वाला होता है। यह स्वास्थ्य, प्राणशक्ति, कार्य में सिद्धि तथा कुशलता प्रदान करता है। यह जीवन के बाकी क्षेत्रों में भी सहायता प्रदान करता है। आपका लग्नेश शुक्र है अतः शुक्र का रत्न धारण करना आपके लिए शुभकारी होगा। शुक्र के लिए रत्न हैं - हीराए सफेद जिरकॉन, सफेद टौपाज़, स्फटिक।

"हीरा सभी छः रसों का मिश्रण है, सभी प्रकार के रोगों का नाश करता है तथा अजीर्ण का नाश करता है, सभी प्रकार का सुख देता है, शरीर को वृद्धता देता है तथा रासायनिक कार्यों में बहुत उपयोगी है।"- मणि माला, भाग 2, 67

"जो व्यक्ति अपने पास एक नुकीला, साफ तथा निर्दोष हीरा संभाल कर रखता है, वह जिंदगी भर सम्पन्न, पुत्रवान्, भाग्यवान्, धनधान्य, गौ और पशु का मालिक रहेगा।"- मणि माला, भाग 1, 102

"जो व्यक्ति भीष्मरत्न 1/4 स्फटिक 1/2 सोने में जड़ कर गले अथवा हाथ में पहने वह सदा सफलता प्राप्त करता है।"- मणि माला, भाग 1, 447

"स्फटिक मणि बल देने वाली, पित्त, दाह, फुला आदि का नाश करने वाली होती है। इसकी माला अन्य किसी भी माला से कहीं अधिक प्रभावशाली होती है।"- मणि माला, भाग 2, 74

धारण करने की विधि - शुक्र के लिए रत्न प्लेटिनम, सफेद स्वर्ण अथवा चांदी में जडित किया जाना चाहिए। रत्न जडित अंगूठी को मध्यमा अथवा कनिष्ठा में शुक्रवार के दिन सूर्योदय के समय पहनें। शुक्र के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ शुं शुक्राय नमः।



पुण्य रत्न

पंचमेश का रत्न पुण्य प्रदान करता है तथा यह सृजनात्मक शक्ति तथा सन्तान के लिए भी शुभकारी है। आपका पंचमेश शनि है, अतः शनि का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। शनि के लिए रत्न है - नीलम, नीला स्पाइनल, राजवर्त मणि, नीलमणि, बिल्लौर।

"नीलम कड़वा एंव उष्ण होता है तथा यह कफ, पित्त एंव वायु तीनों का नाश करता है तथा धारण करने पर शनि के दोष का निवारण करता है।" - मणि माला, भाग 2, 68

"जो व्यक्ति स्वच्छ नीलम धारण करता है, नारायण उससे खुश रहते हैं, उसकी उम्र, परिवार प्रतिष्ठा, यश तथा ऐश्वर्य में वृद्धि होती है।" - मणि माला, भाग 1, 419

"राजवर्त मणि कोमल, स्निघ, शीतल तथा पित्त का नाश करने वाली होती है, तथा धारण करने पर सौभाग्य की वृद्धि करने वाली होती है।" - मणि माला, भाग 2, 69

धारण करने की विधि - शनि के लिए रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए पर इसे लोहे में भी जड़ाया जा सकता है। रत्न जड़ित अंगूठी को मध्यमा में शनिवार के दिन सूर्योदय से दो घन्टे 40 मिनट पहले धारण करें।

शनि के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ शं शनैश्चराय नमः।

भाग्य रत्न

नवमेश के लिए रत्न भाग्य प्रदान करता है। आपका नवमेश बुध है, अतः बुध का रत्न आपके लिए लाभकारी होगा। बुध के लिए रत्न है - पन्ना, पेरिडाट, जेड।।

"पन्ना शीतल, विष का नाश करने वाला, मधुर, अतिसार, अजीर्ण तथा पित्त का नाश करने वाला, शूल और गुलम रोगों का नाश करने वाला तथा धारण करने पर भूत-पिशाच के भय से मुक्ति दिलाता है।" - मणि माला, भाग 2, 70

"ऐसे सारे गुणों से युक्त पन्ना मनुष्य के सब पापों का नाश करता है।" - मणि माला, भाग 1, 375

"पण्डितों के अनुसार, पन्ना घनघान्य बढ़ाने वाला, युद्ध में विजय दिलाने वाला, विष जन्य रोगों का उपचार करने वाला तथा अथवैद में उल्लेखित कर्मों को करने में सफलता दिलाने वाला होता है।" - मणि माला, भाग 1, 376

धारण करने की विधि - बुध के रत्न को स्वर्ण में जड़ित किया जाना चाहिए। रत्न जड़ित अंगूठी को कनिष्ठा में बुधवार के दिन सूर्योदय के दो घन्टे पश्चात धारण करें।

बुध के रत्न को शुद्ध तथा प्रबल करने के लिए मंत्र - ॐ बुं बुधाय नमः।

सामान्य निर्देश

साधारणतया सदा उच्च कोटि के रत्न धारण किए जाने चाहिए। उप रत्न व कम शक्ति के रत्न कम मंहगे होते हुए भी अच्छे फल देते हैं मगर फलदायक होने के लिए इनका बड़ा आकार का होना आवश्यक है। रत्न को प्रभावकारी करने के लिए, धारण करने से पहले उसे कच्चे दूध और शुद्ध जल से धोना चाहिए। इसके पश्चात इसे हाथ में लेकर ध्यान केन्द्रित करते हुए दिए गए मंत्र का 108 बार जाप करें। पुरुषों को रत्न दाएं हाथ पर तथा स्त्रियों का बाएं हाथ पर धारण करना चाहिए। रत्न को अंगूठी में अथवा बाजू में पहनना चाहिए। इन्हें गले में भी पहना जा सकता है पर इससे लगातार शरीर से सम्पर्क नहीं रहता। रत्न का शरीर से सम्पर्क अति आवश्यक है।



कृप्डली में शुभ योग

मालव्य - महापुरुष योग

यदि शुक्र अपनी उच्च राशि या स्वराशि में स्थित होकर लग्र से केन्द्र में हो तो 'मालव्य' योग होता है।

फल : 'मालव्य' योग में जन्म हो उसकी स्त्री के समान चेष्टा (हाथ मटकाना, चलना, लज्जा का नाट्य करना आदि), शरीर की संधियाँ ललित (मृदु और सुन्दर), सुन्दर आकर्षक नेत्र, सौन्दर्य युक्त शरीर, गुणी (अनेक सद् गुण सम्पन्न), तेजस्वी, स्त्री, पुत्र, वाहन से युक्त, धनी, विद्वान्, उत्साहयुक्त, प्रभुशक्तिसम्पन्न, मंत्रवक्ता, चतुर, त्यागी, परस्तीरत होता है और सत्तर वर्ष की आयु तक जीता है। योगजनक ग्रहः शुक्र

मालव्य योग

यदि कृप्डली में शुक्र स्वराशि या उच्च राशि में स्थित होकर लग्र से केन्द्र में हो किन्तु सूर्य या चन्द्रमा से युक्त हो तो मालव्य योग बनता है। शम्भु होरा प्रकाश (अध्याय 20 श्लोक 20)

फल : महापुरुषयोग के सभी राजयोग कारक फल नहीं मिलते, किन्तु शुक्र की दशा में सामान्य शुभ फल मिलते हैं।

मालव्य योग

यदि कृप्डली में शुक्र स्वराशि या उच्च राशि में स्थित होकर लग्र से केन्द्र में हो किन्तु सूर्य या चन्द्रमा बलवान् न हों तो मालव्य योग बनता है। (होरा रत्नम् 5/564)

फल : महापुरुष योग के फलों में न्यूनता आ जाती है किन्तु जातक को फिर भी सुख प्राप्त होता है।

गजकेसरी योग

परिभाषा : चन्द्रमा से केन्द्रस्थान (1/4/7/10) में गुरु हो तो गजकेसरी योग होता है।

फल : फल : 'गजकेसरी' में उत्पन्न जातक तेजस्वी, धन धान्य से युक्त, मेधावी, गुणी, राजप्रिय होता है। जातक केसरी (शेर) की तरह अपने शत्रुवर्गों को नष्ट कर देता है। ऐसा व्यक्ति सभाओं में प्रौढ़ (जिसका वाणी पर आधिपत्य हो, किसी विषय पर गम्भीरता पूर्वक और अधिकार से बोलना प्रौढ़ भाषण कहलाता है) भाषण करने वाला, राजस वृत्ति का होता है। ऐसा व्यक्ति दीर्घायु हो। बहुत तीव्र बुद्धि हो, महान् यश प्राप्त करे और अपने स्वाभाविक तेज से ही औरें को जीत लें। योगजनक ग्रहः चन्द्रमा व गुरु।

सुनफा योग

सूर्य के अतिरिक्त कोई ग्रह चन्द्र से द्वितीय में हो तो सुनफा योग बनता है।

फल : फल (1): सुनफायोगोत्पन्न जातक राजा या राजसद्वश, मतिमान्, धनी, विख्यात तथा स्वबाहुबलोपार्जित वित्त वाला होता है। फल (2): सुनफा योग में उत्पन्न जातक लक्ष्मीवान्, अपनी भुजाओं (हाथ) से धन पैदा करने वाला, अत्यन्त धार्मिक, शास्त्रों के तत्व का ज्ञाता, बहुत यशस्वी, सुन्दर, गुणों से युत, शान्त स्वभाव, सुखी, राजा या मन्त्री और परम बुद्धिमान् होता है। योगजनक ग्रहः मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

उभयचर योग



सूर्य से द्वितीय, द्वादश दोनों में चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य ग्रहों के रहने से उभयचर योग होता है।

फल : फल : (1) 'पाप' उभयचरोत्पन्न जातक रोगग्रस्त, दरिद्री, अस्वतन्त्र कर्म करने वाला होता है। 'शुभ' उभयचरोत्पन्न जातक राजा तुल्य धनी, ऐश्वर्यशाली, बलवान्, सुखी, सुशील, दयावान् बनाते हैं। (2) जातक समस्त कार्यभार को सहन करने वाला, कल्याण से युत (पाठान्तर से सुन्दर समदृष्टि वाला), समान शरीर वाला, अधिक बलवान्, अधिक ऊँची देह से रहित, समस्त वस्तु व साधनों से पूर्ण, विद्यावान्, सुन्दर ऐश्वर्य से युत, अधिक नौकर व धन से युत, अपने बन्धु बान्धवों का रक्षक, राजा के सदृश, पूर्ण उत्साही, प्रसन्न वित्त व सुख भोग करने वाला होता है। योगजनक ग्रह : सूर्य, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि।

०५ शुभ कर्तरी योग

लग्न से द्वितीय, द्वादश दोनों में शुभ ग्रहों के रहने से शुभ कर्तरी योग होता है।

फल : बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 1) शुभयोगोत्पन्न जातक वामी, सौन्दर्यशील तथा गुणयुक्त होता है और पापयोगोत्पन्न कामुक पापकर्मकारी तथा परधनापहारक होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 2) जो व्यक्ति शुभ कर्तरी योग में उत्पन्न होता है वह दीर्घायु, सुखी लक्ष्मीवान् और वैभव से युक्त होता है। उसे शत्रुओं तथा रोगों से भय नहीं होता अर्थात् न तो उसके शत्रु होते हैं न रोग होते हैं।

पर्वतयोग

०६ ठाष्म स्थान ग्रहरहित या शुभग्रहयुक्त हो और केन्द्रस्थान शुभग्रहयुक्त हो तो पर्वतयोग होता है।

फल : पर्वतयोगोत्पन्न जातक यशस्वी, तेजस्वी, भाग्यवान्, दानी, वक्ता, विनोदी, पुरनायक, शास्त्रवेत्ता तथा कामी होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 7, 8) योगजनक ग्रह : सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि।

काहलयोग

दशमेश सहित सुखेश स्वभवन या स्वोच्चस्थ हों तो भी काहल योग होता है।

फल : तेजस्वी, साहसी, मूर्ख, चतुरांग सैनिकों से युक्त कतिपय ग्रामों का स्वामी होता है। बृहत्पाराशर होराशास्त्रम् (अध्याय 37, श्लोक 9, 10) योगजनक ग्रह: सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि।

शंख योग

पंचमेश और षष्ठेश यदि एक द्वासरे से केन्द्र में हों और लग्नेश बलवान् हो तो 'शंख' योग बनता है।

फल : शंखयोगोत्पन्न जातक दयालु, पुण्यवान्, विद्वान्, पुत्र, धन, स्त्री से युक्त, दीर्घायु, तथा शुभ आचरण वाला होता है। मानवतावादी, सत्कर्म में रुचि, धार्मिक, विद्वान् तथा आनंदप्रिय, पतीणसंतान और भूमि से युक्त दीर्घायु होता है। द्वासरों के प्रति व्यवहार मधुर और सौम्य होता है तथा पारिवारिक दृष्टि से सफल होता है। योगजनक ग्रह: सूर्य चन्द्रमा मंगल बुध बृहस्पति शुक्र शनि।

महाभाग्य योग

यदि पुरुष का दिन में जन्म हो और लग्न, सूर्य व चन्द्र तीनों विषम राशियों में स्थित हों तो 'महाभाग्य' योग बनता है।

फल : जातक सचरित्र, द्वासरों के लिये सुख का स्रोत, उदार, प्रसिद्ध, शासक या शासक के समकक्ष तथा



दीर्घायु होता है। जो व्यक्ति महाभाग्य योग में उत्पन्न होता है वह सबके नेत्रों को आनन्द देने वाला, उदार, विष्णात, निर्मल चरित्र का, भूमि का स्वामी राजा के समान ऐश्वर्य शाली होता है।

नीचभंग राजयोग

नीच ग्रह जिस राशि में उच्च का होता है, उसका स्वामी चन्द्र से केन्द्र में हो तो नीचभंग राजयोग होता है।

फल : नीच ग्रह की नीचता (निर्बलता) निरस्त हो जाती है तथा वह ग्रह शुभ फल व राजयोग देता है।

नीचभंग राजयोग

नीचस्थ ग्रह अपने राशि स्वामी से युक्त या वृष्ट हो तो नीचभंग राजयोग होता है।

फल : नीच ग्रह की नीचता (निर्बलता) निरस्त हो जाती है तथा वह ग्रह शुभ फल व राजयोग देता है।

राज योग

पंचमेश का सप्तमेश या दशमेश से परस्पर सम्बन्ध हो तो राजयोग बनता है।

फल : सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

राज योग

राहु केन्द्र या त्रिकोण में हो तथा केन्द्र या त्रिकोण के स्वामी के साथ हो तो योगकारक होते हैं।
बृहत्पाराशरहोराशास्त्र (अध्याय 35, श्लोक 17)

फल : राजा या राजसी पद प्राप्त होता है। सफलता, सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है। आधुनिक संदर्भ में उच्च राजकीय पद मिलता है।

विमल योग

यदि 12 वें घर का मालिक दुःस्थान (6, 8 या 12) में हो तो विमल योग होता है।

फल : जातक व्यय थोड़ा करता है। उसके धन की अधिक वृद्धि होती है। ऐसा मनुष्य सुखी, स्वतन्त्र, अपने सदुगारों के लिये विष्णात, उत्तम कार्य करने वाला होता है और सब व्यक्तियों के अनुकूल आचरण करता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 69)

राजयोग

चन्द्र अथवा लग्न से केन्द्र में स्वक्षेत्री या उच्च ग्रह के साथ यदि दुर्बल ग्रह की युति हो तो राजयोग होता है।
(सर्वर्थ चिन्तामणि 9/13)

फल : जातक राजा होता है अथवा राजा के समान उच्च पद प्राप्त करता है।

राजयोग

नवमांश राशि के स्वामी यदि चन्द्र के आधिपत्य में हो और केन्द्र अथवा लग्न अथवा ब्रुध से त्रिकोण में हो तो राजयोग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 9/28)



फल : जातक सेनापति अथवा शासक के समान होता है ।

धन योग

लग्र के स्वामी का यदि द्वितीय या पंचम या नवम् या एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है । (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होगा ।

धन योग

यदि द्वितीय स्थान के स्वामी का यदि पंचम या नवम् या एकादश भाव के स्वामी से सम्बन्ध हो तो धन योग होता है । (डॉ- के- एस- चरक)

फल : जातक धनवान होता है ।

स्वर्वीर्य धन योग

द्वितीयेश लग्रेश से केन्द्र अथवा त्रिकोण में हो या स्वाभाविक शुभ ग्रह (मित्र ग्रह) द्वितीयेश उच्च का हो या उच्च के ग्रह के साथ हो तो यह योग होता है । (सर्वार्थ चिन्तामणि 3)

फल : जातक स्वयं के पराक्रम से अर्थ अर्जित करता है ।

कर्मजीव योग

यदि सूर्य या लग्र से दशम स्थान का स्वामी चन्द्र हो तो यह योग होता है । (बृहत् जातक)

फल : जातक के लिए ग्रहों की यह स्थिति चन्द्र से सम्बन्धित व्यवसायों के लिए होती है तथा कृषि सम्बन्धित - जल सम्बन्धित मूँगा, मोती, सीप सम्बन्धित व्यवसायों के लिए भी सहायक होती है । जातक महिला पर निर्भर होता है ।

कर्मजीव योग

नवमांश का स्वामी यदि दशमेश शुक्र हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक 10/3)

फल : व्यक्ति के पास धन तथा रोजी रत्न, चांदी, गाय, भैंस अथवा कोई भी मूल्यवान वस्तु अथवा संवेदिक प्रसन्नता अथवा सौंदर्य सम्बन्धी साधनों से होती है । जातक को आय या संपदा का माध्यम स्त्री अथवा जीवनसाथी द्वारा प्राप्त हो सकता है ।

कर्मजीव योग

लग्र से, चन्द्र से या सूर्य से दशम स्थान का स्वामी शुक्र हो तब यह योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग की तुलना में यह कम अंश का होता है)

फल : ग्रहों की स्थिति शुक्र से जुड़े व्यवसायों में सहायक होती है । जैसे रत्न व्यवसाय, चांदी, गाय, भैंस और मूल्यवान वस्तु या आनन्दित करने वाला कार्य या सौंदर्य से जुड़ा व्यवसाय ।

कर्मजीव योग



लग्र, सूर्य या चन्द्र से दशमेश की यदि शनि से युति हो अथवा दृष्ट हो तो कर्मजीव योग होता है । (बृहत् जातक) (अन्य कर्मजीव योग से यह योग कम अंश का होता है)

फल : जातक को यह ग्रह स्थिति शनि से जुड़े व्यवसाय से जोड़ती है - जैसे परिश्रमी कार्य, भर वहन करना अथवा निम्न स्तर के व्यापार जो परिवार के मान के विरुद्ध हों ।

शरीर सुख्य योग

लग्रेश बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में हों तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/98)

फल : जातक को दीर्घ जीवन एवं सम्पदा मिलती है तथा राजनीतिक शक्तियों द्वारा सम्बन्ध बनता है ।

देहास्थूल्य योग

लग्र में जलीय राशि हो तथा शुभ ग्रह से युत हो अथवा लग्रेश जलीय ग्रह हो तब यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/87)

फल : जातक बलिष्ठ शरीर वाला होगा ।

सुमुख योग

द्वितीयेश यदि केन्द्र में हो शुभ ग्रहों से दृष्ट हो या शुभ ग्रह द्वितीय भाव में हों तो सुमुख योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/26)

फल : जातक खुश मिजाज और आकर्षक चेहरे वाला होता है ।

भ्रातृवृद्धि योग

तृतीयेश या मंगल या तृतीय स्थान शुभ ग्रहों से दृष्ट हो या युत हो और शक्तिशाली हो तो यह योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/16)

फल : जातक भाईयों या आश्रितों द्वारा अच्छा भाग्य बनेगा जो कि बेहद सम्पन्न होंगे ।

मातृदीर्घायुर योग

नवमांश का स्वामी राशि का स्वामी चतुर्थेश के साथ बली होकर लग्र या चन्द्र चन्द्र से केन्द्र में हो तो मातृदीर्घायुर योग होता है । (सर्वर्थ चिन्तामणि 4/132)

फल : जातक की माता दीर्घजीवी होगी ।

दत्तकपुत्र योग

बुध यदि पंचमेश हो और वहीं स्थित हो और चन्द्रमा द्वारा दृष्ट हो तो दत्तकपुत्र योग होता है । (सारावली 35/29)

फल : जातक द्वारा संतान गोद ली जाती है ।

एकपुत्र योग



पंचमेश केन्द्र या त्रिकोण में हो तो यह योग होता है । (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक के केवल एक पुत्र होगा । (या कन्या)

सत्कलत्र योग

सप्तमेश या शुक्र, बृहस्पति या बुध से युत हों या दृष्ट हों तो यह योग होता है । (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक का जीवन साथी (पत्नी) कुलीन और नैतिक चरित्र वाला होता है ।

अरिष्ट भंग योग

बली बुध, बृहस्पति या शुक्र केन्द्र में किसी भी भाव में स्थित हों तो अरिष्ट भंग योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग को जो नवजात शिशु भी मौत का संकेत देता है, को भंग करता है ।

अरिष्ट भंग योग

सभी ग्रह शीर्षोदय राशियों (राशियाँ 3, 5, 6, 7, 8 और 11) में स्थित हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : नवजात शिशु को बालारिष्ट योग से जो जीवन का संकट उत्पन्न है उसे यह योग नष्ट या भंग करता है ।

पूर्णायु योग

लग्नेश और अष्टमेश दोनों चर राशि में हों या एक द्विस्वभाव राशि में, दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की दीर्घायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है ।

पूर्णायु योग

लग्न और होरा लग्न दोनों चर राशि में हो या एक द्विस्वभाव राशि में और दूसरी राशि में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है ।

पूर्णायु योग

लग्नेश, पंचमेश और अष्टमेश बली हो और स्वयं की राशि में हों, स्वयं के नवमांश में हो, या मित्र भाव में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है ।

पूर्णायु योग

षष्ठमेश या द्वादशोश षष्ठम भाव में हों या द्वादश भाव में या अष्टम भाव में या लग्न में हों तो यह योग होता



है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की पूर्णायु 100 वर्ष तक की दर्शाता है।

महादीर्घायु योग

बृहस्पति और शुक्र मीन राशि में हों या चन्द्र वृष राशि में और वृष के नवमांश में हो या मंगल सिंहासनांश प्राप्त कर चुका हो तो यह योग होता है। (जातक पारिजात)

फल : शास्त्रानुसार जातक मंत्रोच्चारण द्वारा असीम जीवन पायेगा।

राज सम्बन्ध योग

लग्न से दशमेश यदि अमात्यकारक से युत या वृष्ट हो या स्वयं अमात्यकारक दशम भाव में स्थित हो या दशमेश से युत हो तो यह योग होता है। (बृहत्-पाराशार होरा शास्त्र - 42/1)

फल : जातक राज सभा का प्रमुख होता है। आधुनिक सन्दर्भ में सरकार उच्च पद प्राप्त करता है।

मंगल गुरु योग

मंगल तथा गुरु की युति किसी भाव में हो तो यह योग होता है। (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक ज्ञानी, धनवान, बेहद चतुर, दक्ष, व्याख्याता, शिल्पकार, शास्त्रों के प्रयोग में दक्ष, केवल सुनने मात्र से याद कर लेने वाला, नेता तथा आदर प्राप्त करने वाला होता है।



कुण्डली में सम योग

आश्रय योग - रज्जुयोग

यदि लग्र चर राशि में हो तथा कई ग्रह चर राशि में हों तो रज्जुयोग होता है।

फल : जातक महत्वाकांक्षी होता है तथा नाम प्रसिद्धि, और यश के लिए जगह-जगह धूमता है, यात्रा प्रिय, शीघ्र निर्णय लेने वाला और अधिक ग्रहणशील होता है। बौद्धिक रूप से गतिशील और खुले दिमाग का होता है। यद्यपि कभी-कभी अत्यधिक परिवर्तनशील स्वभाव, अनिर्णय, अस्थिर मन, अविश्वसनीय और किसी एक कार्य में संलग्न रहने में असमर्थ होता है। जातक लगातार संघर्ष में रहता है और सामान्यतः स्थिर सम्पत्ति बनाने में सफलता नहीं मिलती।

संख्या - पाश योग

सब ग्रह जब पाँच स्थानों में होते हैं, तब 'पाश' योग बनता है।

फल : पाशयोगोत्पन्न जातक जेल जानेवाला, कार्य में दक्ष, प्रपन्नी, बहुत भाषण करनेवाला, शीलरहित, अनेक सेवक वाला तथा विशाल परिवार वाला होता है। बृहत्पाराशार होराशास्त्रम्, (अध्याय 36, श्लोक 18, 46) मतान्तर से दूसरों से हमेशा प्रशंसित, धनोपार्जन में सर्वदा ध्यान देने वाला, अत्यंत चतुर, बातुनी, पुत्रवान, जनता का कल्याण करने की इच्छा होती है।

गजकेसरी योग

चन्द्रमा से चतुर्थ में गुरु हो।

फल : जातक को घर का तथा माता का अच्छा सुख मिलता है। किन्तु मानसागरी के अनुसार यह योग जातक को घर के सुख तथा माता के सुख से वंचित करता है और दूसरों के लिए कार्य करने की मनोवृत्ति देता है।

सुनफा (बुध) योग

चन्द्र से द्वितीय में बुध हो तो सुनफा योग बनता है।

फल : यदि सुनफा योग कारक जन्मांग में बुध हो तो जातक वेद, शास्त्र, संगीत विद्या में निपुण, धर्म में रत, काव्य बनाने वाला, मनस्वी, सब का हितैषी व सुन्दर शरीर वाला होता है। सारावली (अध्याय 13, श्लोक 11) बृहज्जातक में कहा है 'सौम्यः पदुः सुवचनो निपुणः कलासु'।

सम योग

सूर्य से पणकर स्थान (2, 5, 8, 11) में चन्द्रमा हो तो सम योग होता है।

फल : यदि सम योग में उत्पन्न हो तो द्रव्य, सवारी, यश, सुख, सम्पत्ति, ज्ञान, बुद्धि, निपुणता, विद्या, उदारता और सुख योग, इनका मध्यम फल प्राप्त हो। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 14, 18)

सदा संचार योग

लग्र का स्वामी अथवा राशि का स्वामी चर राशि में लग्रेश के आधिपत्य में हो तब सदा संचार योग होता है। (सर्वर्थचिन्तामणि 2/91)



फल : जातक सदा भ्रमणशील रहेगा ।

मध्यायु योग

लग्न और चन्द्र दोनों द्विस्वभाव राशि में या एक चर राशि में और दूसरा स्थिर राशि में हों तो यह योग होता है । (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक की मध्यायु 70 वर्ष तक को दर्शाता है ।

मूकबधिरांध योग

शुक्र या मंगल द्वितीय या द्वादश भाव में हों तो मूकबधिरांध योग होता है । (शंभु होरा प्रकाश 14)

फल : जातक को कर्ण रोग हो सकता है ।

सूर्य शुक्र योग

सूर्य तथा शुक्र की युति किसी भाव में होने पर सूर्य-शुक्र योग होता है । (डॉ. के. एस. चरक)

फल : जातक बुद्धिमान, शस्त्र, संचालन में निपुण, आदर्शवादी, स्त्री द्वारा कमाने वाला (अपने द्वारा नहीं), नाट्य, अभिनय तथा संगीत द्वारा लाभान्वित तथा कारावास भोगने वाला, वृद्धावस्था में दृष्टि से कमज़ोर होता है ।



कुण्डली में अशुभ योग

निर्भाग्य योग

नवें भवन का स्वामी लग्न से 6, 8 या 12 वें भाव में हो तो 'निर्भाग्य' योग होता है। फलदीपिका (अध्याय 6, श्लोक 66)

फल : जातक बहुत दुःख उठाने वाला, पुराने कपड़े पहनने वाला दुर्गति को प्राप्त होता है। नवम भाव धर्म भाव है यह बिगड़ने से मनुष्य साधुओं की और गुरुओं की निन्दा करता है। ऐसे व्यक्ति को जो कुछ पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होती है (घर, खेत, जमीन, जायदाद) वह सब नष्ट हो जाती है।

वंचन चोर भीति योग

लग्नेश पापयुक्त (शनि, राहु या केतु के साथ) हो।

फल : जातक को अपने आस-पास के लोगों पर संदेह रहता है कि वे उसे धोखा न दे दें। ठग चोरों से भय होता है। सर्वर्थ चिन्तामणि (अध्याय 2, श्लोक 76)

देहकष्ट योग

लग्नेश यदि पापग्रह के साथ हो या अष्टम भाव में हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 2/109)

फल : जातक को शारीरिक सुख के अभाव में जीवन यापन करना होगा।

असत्यवादी योग

द्वितीयेश यदि शनि अथवा मंगल के घर में हों और पापग्रह केन्द्र और त्रिकोण में हो तो असत्यवादी योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/46)

फल : जातक असत्यवादी होगा।

जड़ योग

द्वितीयेश दशम भाव में पापग्रहों के साथ हो या द्वितीय स्थान पर सूर्य और मांदी या द्वितीयेश सूर्य और मांदी के साथ हो तो जड़ योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/4)

फल : जातक विफल हो जाता है। समूह के समक्ष बोलने पर अपना संतुलन खो बैठता है।

परान्न भोजन योग

द्वितीयेश दुर्बल हो या प्रतिकूल नवमांश राशि में स्थित हो और किसी दुर्बल ग्रह द्वारा दृष्ट हो तो यह योग होता है। (सर्वर्थ चिन्तामणि 3/141)

फल : जातक पराये व्यक्ति पर निर्भर (भोजन के लिए) करता है तथा दोषपूर्ण भोजन प्राप्त करता है।

विषप्रयोग योग

द्वितीय भाव में पापग्रह हो अथवा पापग्रह से दृष्ट हो और द्वितीयेश क्रूर नवमांश में पापग्रह द्वारा दृष्ट हो तो



फल : जातक को दूसरों से विषपान सम्बन्धी संकट उत्पन्न हो सकता है। (दूसरों द्वारा उसे जहर दिया जा सकता है)

बंधुभीष्यकता योग

यदि चतुर्थेश पापग्रहों से जुड़ा हो या नीच षष्ठिमांश में हो या शत्रु राशि में या दुर्बल राशि में हो तो यह योग होता है। (सर्वथ चिन्तामणि 4/68)

फल : जातक अपने निकटवर्ती परिजनों के कारण संकटग्रस्त होगा तथा गलतफहमी का शिकार हो उनके द्वारा त्याग दिया जाएगा।

मातृशां योग

चन्द्रमा यदि पापग्रहों के बीच पीडित (फैस) जा, या पापग्रहों से युत हो या दृष्ट हो तो यह योग होता है। (सर्वथ चिन्तामणि 4/133)

फल : जातक की माँ का निधन शीघ्र हो जाता है।

भाग चुम्बन योग

लग्नेश राशि अथवा नवमांश में दुर्बल हो तो यह योग होता है। (मूल सन्दर्भ - अज्ञात)

फल : जातक हस्तमैथुन में अत्यधिक आसक्त रहेगा।

अरिष्ट अंध योग

राहु सूर्य के साथ लग्न में हो और पापग्रह त्रिकोण में स्थित हों तो अरिष्ट अंध योग होता है। (सर्वथ चिन्तामणि)

फल : जातक पूर्ण जन्मांध होगा।

अरिष्ट मतिभ्रम योग

षष्ठमेश पापग्रहों से दृष्ट या युत हो षष्ठम भाव में पापग्रह स्थित हों या षष्ठम भाव पापग्रह से दृष्ट हो बुध व चन्द्र दुःस्थान पर हो या पापग्रहों से दृष्ट हों तो यह योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक मानसिक असंतुलन से ग्रस्त रहेगा।

अरिष्ट खलवात योग

लग्न धनु राशि या वृष राशि की हो या कि पाप राशि की हो और पापग्रहों से दृष्ट हो तो अरिष्ट खलवात योग होता है। (मेजर एस. जी. खूट)

फल : जातक के बालों का क्षय होगा और गंजा हो जाएगा।

दरिद्र योग

जिन भावों में दुःस्थान के स्वामी बैठें हों, उनके स्वामी (उन भावों के स्वामी) भी स्वयं दुःस्थान में बैठें हों और पापग्रहों से दृष्ट हों या युत हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)



फल : जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित रहता है।

दरिद्र योग

शुभ ग्रह पाप भावों में स्थित हों और पाप ग्रह शुभ भावों में स्थित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : जातक गरीबी, कंजूसी और खराब स्वास्थ्य से पीड़ित हो सकता है।

अरिष्ट भंग योग

कृष्ण पक्ष में दिन के समय जन्म हो या शुक्ल पक्ष की रात्रि में जन्म हो तो यह अरिष्ट भंग योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग बालारिष्ट योग, जो नवजात शिशु की मौत का संकेत देता है, को निरस्त या भंग करता है।

अल्पायु योग

पंचम भाव, अष्टम भाव और अष्टमेश पीड़ित हो तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग अल्प आयु या जातक की 32 वर्ष तक आयु का संकेत देता है।

अल्पायु योग

तृतीयेश और मंगल अस्त, पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो यह योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

अल्पायु योग

अष्टमेश और शनि अस्त या पाप ग्रहों से पीड़ित हों तो अल्पायु योग होता है। (डा. के. एस. चरक)

फल : यह योग जातक को अल्प आयु या 32 वर्ष तक की आयु का संकेत देता है।

बन्धन योग

मिथुन लग्न, तुला लग्न या कुंभ लग्न में पाप ग्रह स्थित हों तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/57)

फल : जातक को कैद या कारागार में कारावास की सजा का संकट उत्पन्न हो सकता है।

दासी प्रभाव योग

सूर्य और चन्द्र दोनों दुर्बल हों या दोनों शनि के साथ विपरीत अवस्था में हो तो यह योग होता है। (शंभु होरा प्रकाश 14/65)

फल : जातक दासी पुत्र होगा।



कुलपमशला योग

पापग्रह और शुभ ग्रह केन्द्र में हो लग्नेश पर चन्द्र की वाटि न हो तो यह योग होता है । (शंभु होरा प्रकाश)

फल : जातक मातृभूमि से दूर जाकर रहता है । उसके अपने परिवारजनों द्वारा निष्कासित किया जाता है । पत्नी और बच्चों को खो देता है और गरीबी में जीवन बिताता है ।



जीवन फलादेश



आप अभिव्यक्तिपूर्ण व्यक्तित्व वाले हैं। आप प्रभावशली व्यक्तित्व वाले हैं। आपका शीलनता पूर्ण आचरण, प्रीतिकर व्यवहार तथा सरल मित्रवत व्यवहार है। आप अपने मोहक स्वरूप से जीवन में प्रगति करते हैं, पर ध्यान रखिए इस प्रक्रिया से कोई आहत न हो। आपकी उपस्थिति सम्मोहक होती है। आपका व्यक्तित्व बहिर्मुखी है। आप सकारात्मक सोच वाले, सचेत, बुद्धिमान, तथा दक्ष व्यक्ति हैं। आप शान्त, अन्तर्मुखी तथा हंसमुख व्यक्ति हैं। आप विशुद्ध रूप से प्रमुदित व्यक्ति हैं।

आप उदार हैं। आप विशुद्ध रूप से लोगों द्वारा पसंद किये जाते हैं। आप सुसंस्कृत, खुले विचारों वाले तथा ईमानदार हैं। आपमें मानवता है। आप जीवन में स्थायित्व के लिए कूटनीति से पूर्ण प्रयास करते हैं।

आप दृढ़ निश्चयी व्यक्ति हैं। आप जिम्मेदार तथा अत्यन्त मानवता वादी हैं। आप शान्त व्यक्ति हैं। आप गूढ़ व्यक्ति हैं। आपकी निष्ठा को आसानी से या स्थायी रूप से जीता नहीं जा सकता है।

आप सत्य से प्रेम करते हैं, परन्तु उत्साह वश उससे कहीं दूर जा सकते हैं और पाखण्डी बन सकते हैं। आपका व्यक्तित्व कलात्मक है एवं आपमें सौदर्य के प्रति गहन जागरूकता है। आप सत्य निष्ठ, उदारहृदय, सम्मानीय तथा लोकोपकारी हैं। आप समझदार हैं। आप सदाचारी है तथा जो भी घटता है, उसे दार्शनिक भाव से लेते हैं। आप सम्मानीय व्यक्ति हैं। विभिन्न मुश्किलों में भी आप अपने वायदे निभाते हैं। अपने शब्दों पर अडिग रहते हैं, व आप अपना सम्मान बनाए रखते हैं। आप शालीन हैं, नेपथ्य से कार्य करते हैं इस कारण आपको बहुत थोड़ा सा महत्व ही मिल पाता है। आप चतुर हैं। आप तार्किक हैं। आप व्यवहारिक हैं। आप सहज हैं। अपने विचारों की क्रियान्विति के लिए आप व्यवसाय, प्रबन्धन या राजनीति में अच्छी तरह कार्य करते हैं।

आप जीवन्त हैं। आप आत्म विश्वासी हैं। आप स्पष्ट वादी हैं। एक बार यदि वास्तव में आप कुछ पाना चाहें तो आप अत्यधिक दृढ़ संकल्पित हो जाते हैं। आप मित्रवत तथा सौम्य तरीके से, प्रेरक व विश्वासोत्पादक हैं। यदि आपको उचित सहारा तथा सुख मिले तो आप बहादुर हैं। आप निंदर हैं। जीवन में आपके लक्ष्य बड़े यथार्थ होते हैं। आप प्ररित होने वोल व्यक्ति हैं। आप आत्म निर्भर सोच वाले व्यक्ति हैं। आप अपना जीवन स्वतः स्फूर्त, स्वतः प्रेरित तथा आत्म निर्भर के रूप में जीना पसंद करते हैं। आप प्रेरणा देने वाले, निंदर तथा दूसरों को निर्देश देना पसंद करने वाले व्यक्ति हैं। आप अपने तरीके से काम करने को प्राथमिकता देते हैं, इससे आपको दबाब रहित रहने से सुकून मिलता है। आप स्वयं को कुलीन वर्ग का दिखाना चाहते हैं। शक्तिशाली तथा विश्वासपात्र, आप जहां भी जाते हैं आपको सम्मान मिलता है।

आपकी उपस्थिति दर्शनीय होती है। आप अपने अनुसार काम करना चाहते हैं और अच्छी तरह से करना चाहते हैं। अपनी आन्तरिक शक्तियों के बल पर आप सभी परिस्थितियों को अपने अनुकूल कर लेते हैं। आप बलशाली हैं।

आपमें निरंतरता का अभाव है। भाषण और क्रियाकलापों के माध्यम से दूसरों को प्रभावित करना आपको पसंद नहीं है। आपकी मानसिकता कुछ विचित्र है। सीमित या निजि परिस्थितियों में ही आप अपना ऊर्जावान और



मजाकिया स्वरूप दिखाते हैं।

कई बार आप बिना विचारे कार्य कर बैठते हैं। थोड़ा करके ज्यादा पाने में आपको गर्व महसूस होता है। आप कभी-कभी बुरे और गैर संजीदा व्यवहार का प्रदर्शन करते हैं। ज्यादा दबाब की स्थिति में आप उग्र वाद-विवाद करने वाले और झगड़ालू प्रवृत्ति के हो जाते हैं।

आप राज रखना जानते हैं। आप चतुर हो सकते हो। समय - समय पर आप स्वयं को आलसी अनुभव कर सकते हैं, एवं संसार में कार्य करने के लिए आवश्यक शारीरिक तथा मानसिक शक्ति की कमी महसूस कर सकते हैं। आपमें बड़े तरीके से दक्षतापूर्ण प्रवृत्ति है। समुदाय के विषय में आप तीव्र या श्रेष्ठ बुद्धि रखते हैं।

आपमें धैर्य का अभाव है। आप आसानी से क्रोधित हो जाते हैं तथा दूसरों की ओर अहंकार प्रदर्शित करने के लिए प्रवृत्त हो सकते हैं। आप क्रोध के प्रति उद्यत हैं। आप सरलता से क्रुद्ध हो सकते हैं, परन्तु शीघ्र ही शान्त हो जाते हैं। आपकी प्रकृति में क्रोध की मात्रा काफी है। आप तार्किक हैं एवं सामान्यतया अधीर होने को प्रवृत्त हैं। आप शीघ्र क्रोधित होते हैं व साथ में चिड़चिड़े एवं द्वेषपूर्ण हो सकते हैं।

आप सरलता से अपराधी बन जाते हैं। आपके कुछ प्रयासों में कार्य करने में संकोच हो सकता है। आप आवेशपूर्ण, आवश्यकता से अधिक संवेदनशील, आत्म विश्वास के अभाव में भयभीत एवं बुरे व्यवहार से पीड़ित हो सकते हैं। आपमें आत्म - विश्वास की कमी हो सकती है। आपमें आत्म - विश्वास व आत्म - विश्वास की कमी दोनों ही हैं। यह संयोजन दूसरों को पागल करता है। यद्यपि आप कुछ आत्म संदेह मन में रखते हैं, एवं आपमें सकारात्मक स्वच्छिकी की कमी है, तब भी आप साहसी एवं विचित्र प्रकार से निश्चयात्मक हैं। कभी - कभी आप दूसरे लोगों की दया पर रह सकते हैं। शायद आप दूसरों की राय पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

घर पर अधिक देर तक रहने पर आप ऊब जाते हैं। आपमें कार्य को टालने की प्रकृति है। आप पूर्णतः निष्पेष्ट हो सकते हैं, एवं कभी - कभी जीवन को सरल तौर पर लेना चाहते हैं। आप सम्भवतः भुलकड़ एवं कम ध्यान वाले हो सकते हैं। कभी-कभी प्रशंसा की इच्छा आपको स्वयं अपने लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित करने से भटका सकती है।

एक बार आप अपने अभिमान तथा स्वेच्छा से बाहर आ जाएँ तो आप कम विफलताएँ पायेंगे।

आप एक सफल व्यक्ति हैं। आपके कई सम्पर्क हैं जो प्रसन्नता लाते हैं। आपकी प्रसन्नता दूसरों को ऊपर उठाने में है तथा वे लोग आपके बारे में यही समझते हैं।



आप अक्सर ऐसी मुस्कान छोड़ेंगे, जो आपको दूसरों के समक्ष आकर्षक बनाती है। आप मोहक हैं। आपका चेहरा सुन्दर है। आप धीमी तथा आकर्षक चाल से चलते हैं। आप का डील-डौल उत्तम है। आपकी आकृति उत्तम है। आप मध्यम से लम्बे डील-डौल के हैं। आपके शरीर का ऊपरी डील-डौल खराब हो सकता है। आप हष्ट-पुष्ट हो सकते हैं। आपके घुँघराले केश होने की संभावना है। आपका चहरा भरा हुआ है। आपका चहरा पूर्ण विकसित तथा अच्छी तरह से आनुपातिक हैं। आपका चहरा अण्डाकार है। आपके गालों पर गढ़दे हैं। आपका मुखमण्डल पीला पड़ा हुआ है। आपका मुखमण्डल श्यामल है। आपके नेत्र सुन्दर हैं। आपके नेत्र शहदीय रंग के हैं। आपके दाँत तीखे हैं। आपके चेहरे पर कुछ दाग या कुछ असंतुलित आकार हो सकती है।



आप दूसरों के वस्त्र तथा व्यवहार का अवलोकन करते हैं तथा उनकी नकल करने को प्रवृत्त हैं। परन्तु आप अपनी आवश्यकताओं व सामर्थ्य को बेहतर रूप से जानते हैं एवं स्वयं को उसमें सीमित रखना चाहिए।

आपका स्वरूप एक प्रभाव डालता है। आप आर्कषक स्वरूप लिये हुए हैं तथा भीड़ में भी आप ध्यान केन्द्रित कर लेते हैं। आपके आचरण में, प्रताप, अधिकार तथा एक प्रकार की सज्जनता है।

आपकी आवाज में सुन्दर ध्वनि है। प्रत्येक व्यक्ति आपको सुनना पसंद करता है। आप एक उत्तम वक्ता हैं। आप मृदु भाषी हैं। आपका भाषण मनोहारी तथा आर्कषक है। आप स्पष्टवादी तथा दो-टूक बात करने वाले हैं, परन्तु आप अपने भाषण से दूसरों पर प्रभाव डालने का प्रयास नहीं करते हैं। आपके पास स्पष्ट व संक्षिप्त रूप से अपने विचारों को संचारित करने का सामर्थ्य है। आपका भाषण बहुत ओजस्वी, प्रबल तथा केन्द्रित है। आपका भाषण ऊपर उठाने वाला सत्यवादी है तथा आप प्रायः बुद्धिमता से बोलते हैं।

आप एक निपुण तथा व्यवहारिक वक्ता हैं। आप एक प्रेरणादायी वक्ता तथा लेखक हो सकते हैं।

आपके विचारों तथा भावनाओं की अभिव्यक्ति में एक गम्भीरता झलकती है। चूंकि आप इतने सावधान हैं, आप अति उत्तम विचारों के आदान प्रदान की प्रवीणता को विकसित कर सकते हैं। आप प्रेरक भाषण, गपशप तथा समीक्षा से दूर रहने की चुनौती पा सकते हैं परन्तु आपको चुनौती के समक्ष खड़े रहना चाहिए। आप अपने विश्वास के प्रति प्रबल आस्था रखते हैं एवं स्वयं को अभिव्यक्त करने की भिन्न शैली रखते हैं।

आपका भाषा पर उत्तम अधिकार है एवं आप विचारों का आदान प्रदान उत्तम ढंग से करेंगे। आपका अति उत्तम सामर्थ्य स्वयं को अभिव्यक्त करने की आपको निपुणता देता है तथा यह आपके अध्ययन में अत्यधिक सहायक होगा।

आपके लिए स्वयं को, विशेषतः जन समुदाय के बीच, अभिव्यक्त करना अपेक्षाकृत कठिन है।

आपका कटाक्षपूर्ण वचन बोल सकते हैं। आपकी वाणी रुष्ट व अपरिष्कृत हो सकती है। आपकी वाणी, आपकी सोच से ज्यादा कठोर सिद्ध हो सकती है।

आपके चेहरा सकारात्मक विचार व खुशी को आसानी से अभिव्यक्त करता है। आपका चेहरा क्रोध की अभिव्यक्ति जल्दी करते हैं। आप स्वयं को चिढ़-चिढ़े रूप में अभिव्यक्त करने से बचें।



आप संगठित व्यक्ति हैं तथा आपका दिमाग श्रेष्ठ है। आपका दिमाग सन्तुलित है। आपका दिमाग व्यवहारिक व अटल है। आप सकारात्मक विचार के हैं।

आपको तकनीकी चीजों का अच्छा ज्ञान है। आप जैसे ही किसी चीज को समझ लेते हैं आप उसे गहराई तक उतार लेते हैं। आपकी बुद्धि आपके अनर्तदृष्टि से जुड़ी होने के कारण आपके लिये सम्पर्क आसान हो जाता है। आपका दिमाग लक्ष्य प्राप्ति को लेकर निर्धारित हैं। आप हाथ में लिये कार्य को ध्यानपूर्वक करते हैं।

आप हमेशा दूसरों की कटु आलोचना करते हैं। आप बुद्धिजीवी व अन्तर्मुखी हैं।

आप अत्यधिक चिन्ता करते हैं। आप संकीर्णतावादी हो सकते हैं। आपकी विचारधारा दकियानूसी नहीं है। आप पूर्व निर्धारित



प्रक्रिया के बजाय स्वयं के तरीके इजाद करते हैं।

आप धीमे हैं तथा गम्भीर विचारों व नैराश्य की ओर झुके हैं। आप जल्दी-जल्दी मानसिक मलिनता व अन्य बौद्धिक बाधाओं को महसूस करेंगे। आपकी सोच आप में चाह जगाती है।

आप दयालु, सेही व भावनात्मक बुद्धि वाले हैं यह आपको दिमाग से नहीं वरन् हृदय से प्राप्त हुई है। आप दयालु, करुणामय व दृढ़ता से सेही हैं। आप दूसरों को बहुत कुछ देने की चाह में स्वयं आराम की आवश्यकताओं को नकार देते हैं व आपको इसका भुगतान भी नहीं मिलता। आप अपने चारों ओर हो रहे परिवर्तनों के प्रति अति संवेदनशील हैं। आप अपनी भावनाओं को अपने लेखन में भली भाँति उतार लेते हैं। आपके निर्णय बुद्धि से जयादा भावनाओं द्वारा निर्धारित होते हैं। आप खुद के व्यक्तित्व को विस्तृत भाग का एक हिस्सा मानने में परेशनी महसूस करते हैं।

आप मनमौजी व संवेदी हैं। कई बार आप मानसिक और शारिरिक रूप से परेशान होते हैं। आप शायद उनसे भयभीत हैं जो आपको हानि पहुँचाते हैं या वे अपने कौशल से आप पर आक्रमण करते हैं, इसलिए आप अपने जीवन को लेकर भी भयभीत होते हैं। आप गुप्त रूप से असुरक्षा या अपनी परिस्थितियों में भय का अनुभव करते हैं। आप समूह-बोध से दूर भागते हैं।

कई बार आपको अपने भावनाओं को नियन्त्रित करना कठिन होता है।

आपका तार्किक व विलक्षण मस्तिष्क है। आपको मानसिक आनन्द अच्छे लगते हैं।

आप अपनी बौद्धिक खोज को ले कर गैरवान्वित महसूस करते हैं।

आप मानसिक रूप से असंगठित हैं।



आपकी प्रारंभिक शिक्षा गहन रही है।

आप अपने विस्तृत अध्ययन क्षेत्र में कई अच्छे आध्यापकों से रुबरु होंगे। आपको शिक्षा ज्यादातर विपरीत लिंग के व्यक्ति से प्राप्त होगी। आपके पास एक से अधिक पथप्रदर्शक या गुरु होंगे। आपके पास अच्छे गुरु हैं परन्तु जरुरत के वक्त वे आपके पास नहीं होते।

आप विज्ञान के विद्यार्थी अथवा खदान के व्यवहारिक ज्ञान में रुचि रख सकते हैं। आप शिक्षा में अत्यंत रुचि लेते हैं, व हो सकता है आप स्वयं भी अध्यापन का कार्य करें। आप स्कूल की अपेक्षा कार्यस्थल पर प्रशिक्षित किए जा सकते हैं। आपका शैक्षणिक चयन आपके किसी मित्र या भाई-बहिन से प्रभावित होगा।

आर्थिक परेशानियों से आपकी शिक्षा में विघ्न या देरी होगी। स्वतंत्रता की भावना आपको कक्षा में बैचेन करती है। आप महसूस करते हैं कि उच्च शिक्षा, आध्यात्म ज्ञान प्राप्त करने के आपके समस्त प्रयास निष्फल हो जाते हैं।

आप एक ज्ञानी व्यक्ति हैं। आप परिपूर्णता तथा सुख प्राप्त करते हैं, ज्ञान के साथ आनंददायक मेल-जोल से। आपको कानून का अच्छा ज्ञान है। आपके विचार तकनी व विशिष्ट अध्ययनों में ज्यादा श्रेष्ठ है।

आप का ज्ञान विदेशी संस्कृति से प्राप्त है। आप उन क्षेत्रों का अध्ययन करेंगे जो अन्य के लिये विदेशी हैं।



आप अपने कार्य में हुनरमंद तथा अपने क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी जानते हैं। आप अपने कार्यों में सतत उन्नतिशील हैं व ज़रुरत पड़ने पर मदद भी प्राप्त कर सकते हैं। आप अपनी महत्वाकांक्षा से अपने लक्ष्य को पहचानने में कुशल हैं।

आप स्वयं को बड़ी-बड़ी बाधाओं में भी सम्माल सकते हैं। आप ठेकों के सौदे में दक्ष हैं। आप लोगों से व्यवहार करने में कुशल हैं। आपमें आकर्षण की योग्यता है। आपको उद्देश्यों और व्यक्तिगत निर्देशों की अच्छी समझ है। आप में अच्छी तार्किक योग्यता है और आप से विवाद में जीत पाना कठिन है।

आपमें अच्छी शिक्षण योग्यता है। आप अपनी जिम्मेदारी पूर्णता से निभाते हैं, व दूसरों के साथ अच्छा कार्य करने की योग्यता रखते हैं। इस लिए आप अच्छे व्यवस्थापक हैं तथा पैसे के मामले में अति सावधान व व्यवहारिक हैं।

आप में युक्तियों व भ्रमित करने वाले वृश्यों को समझने की उत्कृष्ट योग्यता है। आप में कदाचित गणित सम्बन्धी या हिसाब-किताब सम्बन्धी कौशल है।

आप कुशल हैं व बजट को अच्छे से सन्तुलित कर लेते हैं। आप में अर्थ व खर्च को सम्मालने की योग्यता है। आप में बचत की योग्यता है। आप चुनौति भरे कार्यों की अच्छी समझ रखते हैं। आप में अपने व्यक्तिगत संसाधन पैदा करने की क्षमता है। आपको उपचार, खासतौर पर प्राकृतिक उपचार, का कुछ विशेष ज्ञान है।

आपके पास कलात्मक व अच्छी कल्पनाशक्ति है व आप इसे सृजनात्मक तरीके से अभिव्यक्त करते हैं।

आप कम्प्यूटर से जुड़े क्षेत्रों में रचनात्मक व अच्छा निर्माण कर सकते हैं।

आपमें काव्यात्मक सोच है अतः आप संगीत व कला में रुचि रखते हैं। आप भावपूर्ण रचनाएँ कर सकते हैं व जब चाहे पैसे कमा सकते हैं।



आप कोई भी सौदा अपनी अन्तरात्मा के सकारात्मक रूप से करते हैं। आप औरों के प्रति स्वस्य व सकारात्मक उद्देश्य रखते हैं। आप गम्भीर व शान्त हैं।

आप कई बार महज आकर्षकण का केन्द्र बन जाते हैं।



आपमें अपने अधिकारों का ज्ञान है और आप सभी क्रियाकलाप सम्मानित तरीके से करते हैं। आप सबके साथ ईमानदार हैं। आपको नीतिशास्त्र का अच्छा ज्ञान है और आप अपने से कम भाग्यशाली लोगों की मदद के लिये तत्पर रहते हैं। आप उदार हृदय के व्यक्ति हैं और अपने शत्रुओं को भी क्षमा कर देते हैं। आप ऐसे व्यक्तित्व के स्वामी हैं जो सम्पूर्ण विश्व के हित में विचार करता है। आप समाज के भले के लिए परोपकारी कार्य करने में अपनी उर्जा का सटुपयोग करते हैं। आप आने वाले लक्षणों की प्राप्ति के लिए कभी भी गलत रास्ता नहीं अपनाते हैं। आप मानवता के सामूहिक बोध को समझने के लिए कोई भी पीड़ा न छोड़ने वाले मौलिक दार्शनिक हैं। आप दयालुता और धार्मिक कार्यों में स्वार्थरहित शामिल होते हैं। आप अच्छा कार्य करने का प्रयास करते हैं और सामान्यतया विजय प्राप्त करते हैं। आप कठिपय कारकों के आदर्शों को अपना लेते हैं और उनका पालन करते हैं। आपके नैतिक मूल्य और आध्यात्मिक सिद्धान्त जिनको आपने अपनी माताजी से प्राप्त किये हैं, जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

आप कभी-कभी किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं।

आप अपने में ही मस्त होंगे और सोचेंगे कि सारा संसार मेरे इर्द-गिर्द है। आप थोपे गये या दूसरों के लिये किये जाने वाले कार्य को बेमन से करते हैं। आप अपने अहम की तृष्णि के लिए गलत रास्ता भी चुन सकते हैं।

आप सभी परिस्थितियों पर विचार न करके क्रुर या असंयत रूप से दूसरों की भावनाओं और दुर्घटन की परवाह न करते हुए कार्य कर सकते हैं। आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करने वाले कार्यों को करने के लिए विपुल ऊर्जा का अनुभव कर सकते हैं।



आपके लिए वस्तुओं की सघनता से लालसा करना संभव है। आप अपनी जमीन से जुड़कर जीना पसंद करते हैं। आपको बाहर आना-जाना पसंद है। आप शुद्ध, साफ, तेज वायु जैसे कि पहाड़ियों पर पायी जाती है, पसंद है। आपको प्रकृति और प्राकृतिक वातावरण और सभी आनंददायक वस्तुएं प्रसन्न करती हैं।

आप ऐसें सरल सिद्धान्तों को पसंद करते हैं जिन्हें आसानी से समझा जा सके। आप स्वयं को सुन्दरता से धिरे रखना चाहते हैं। आप प्राचीन, संपूर्ण और विश्वसनीय ज्ञान की प्रशंसा करते हैं।

आपको मौज-मस्ती, खेलों, खुशी और सुविधा का शौक हो सकता है। आपको मछलियां और मछली पकड़ना पसंद है। आपकी नैसर्गिक रुचि वैकल्पिक उपचार प्रक्रियाओं के प्रति है। आपकी रुचि प्राचीन संस्कृति से जुड़े विषयों में हो सकती है जैसे ज्योतिष, इतिहास, पुरातत्व विज्ञान इत्यादि। आप शक्ति और प्राधिकार प्राप्त करना चाहते हैं इसे पाने के लिए आप कठोर प्रयास करते हैं और इसे प्राप्त भी कर लेते हैं। आप तारीफ फना और प्रात्साहन में कार्य करना पसंद करते हैं। आपको मंच पर रहना पसंद है। आप साहस दर्शित कर और सम्मान की अपेक्षा कर दूसरों पर प्रभुत्व जमाने की इच्छा रखते हैं।

आप अपने विचारों और तर्कों को दूसरों से छिपाकर रखते हैं। आपको सपने देखना पसंद है। आपको जुआं खेलना पसंद हो सकता है। आपको अंधेरे कमरे में टेलीविजन देखना पसंद है।

आपकी रुचि सुख, सुन्दर वस्तुओं, संगीत, कविता और नाटकों में है। आप एक भौतिकवादी पुरु है जिसे सुविधा और आडम्बर पसंद है। आपको आभूषण, सुगंधित पदार्थ और कवच आदि पसंद है। आपकी रुचि आध्यात्मिक मुक्ति और उन्नति में है विशेषरूप से ध्यान जैसे मानसिक साधनों से। आपको धन से प्रेम है और आप अत्याधिक धनवान बनना चाहते हैं।



आपकों पशुओं विशेषकर बड़े पशुओं से प्रेम हैं।

आपको तेज धूप और रोशनी कम पसंद है। आपको निरंतर कार्य करना अच्छा नहीं लगता। आपको दूसरों की नौकरी-चाकरी करना पसंद नहीं है।

आप बहुत अच्छी मात्रा में भोजन लेते हैं। आपको सलाद और फलों के बजाय तला-भुना भोजन ज्यादा रुचिकर लगता है। आपके द्वारा लिया जाने वाला भोजन अक्सर पौष्टिक नहीं होता है। आपको शीघ्रतापूर्वक भोजन करना और फास्ट फूड पसंद है। यदाकदा उपवास आपके लिए अच्छा हो सकता है। आप समय-समय पर मदिरापान करने वाले हो सकते हैं।



आप स्वयं के शरीर का अत्यधिक ख्याल रखते हैं। आप स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति उत्तरोत्तर ज्यादा चिन्तित रहते हैं। आपको कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं जो आपकी आयु पर विपरीत प्रभाव डाल सकती है। आप अपनी जीवन शक्ति व ऊर्जा में कमी महसूस कर सकते हैं और ऐसी शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त हो सकते हैं जिनका पता लगाना मुश्किल हो।

आपको बुखार, चर्म रोग, नेत्र रोग और परिसंचरण या हृदय संबंधी समस्या होने की संभावना है। आप अक्सर मन या शरीर की ऊष्णता से पीड़ित रहते हैं। आप अत्यधिक ऊष्णा या अल्लता के कारण अस्वस्थ हो सकते हैं। आपको गर्भी से मतली आना, बुखार, आंख की समस्या और दूषित परिसंचरण की समस्या हो सकती है। आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जड़ आपका अति भावनात्मक होना और नकारात्मक विचारधारा होना है। आपके लिए अधिक कार्य और भावनात्मक दबाव मस्तिष्क और हृदय संबंधी गड़बड़ी कर सकता है। आपके नथने जल्दी सूख जाते हैं। आपके शरीर का महत्वपूर्ण भाग, चाहे भला हो या बुरा, सिर, नेत्र एवं हृदय हैं। आपको परजीवी या वायरस के कारण आँतों में कोई कमजोरी या रोग हो सकता है। जीवन के उत्तराध में आपको नेत्र संबंधी समस्या हो सकती है। आपके दाँत सुदृढ़ होंगे। आपके दाँत पीले और धब्बेदार हो सकते हैं। आपके दाँत अम्ल के प्रति संवेदनशील हैं और आपको उनके संदर्भ में चिकित्सीय परामर्श की आवश्यकता हो सकती है। आपको नाक से संबंधित समस्याएँ हो सकती हैं। आप, समय से पूर्व गंजेपन का अनुभव कर सकते हैं। आपको कमर के नीचे का दर्द, गठिया, गुर्दों का रोग और संभोग संबंधित रोग हो सकते हैं। आपको स्वास्थ्य संबंधित निम्नलिखित चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है: रीढ़ की हड्डी की समस्या, मूत्राशय का संक्रमण, बाँझपन, आँतों का रोग, गर्भपात या गर्भपतन आदि।

आप के साथ दुर्घटनाएँ हो सकती हैं अतः अच्छा बीमा करवायें।



आप अपने अभिभावकों का सम्मान करते हैं। आपके अभिभावकों की ओर से सीमित खुशियाँ होंगी जिनके लिए आपके जीवन या विकास-यात्रा में पूर्वत्या समिलित होना कठिन हो सकता है।

आपकी माता कर्तव्यपरायण है किन्तु उनके कार्य में कभी परिवर्तन आ सकता है। अपने क्षेत्र के अनुभव और ज्ञान में वे दक्ष हैं। चूंकि वे कार्य में तल्लीन हो जाती है इसलिए वे कोई भी कार्य कर सकती हैं। समय के साथ आपकी माता की स्थिति में



सुधार होगा। वे अपने मातहतों की परवाह करती हैं। वे सुस्थापित विचारों और परम्पराओं की खिलाफत कर सकती हैं पर दूसरी ओर वे व्यवहार में शुद्धता का ध्यान भी रखती हैं वे अपने कार्य व्यवहार में उच्च स्तर के व्यक्तियों के साथ मिलकर कार्य करती हैं और उनसे सम्मान भी प्राप्त करती हैं। वे भौतिक सफलता को महत्वपूर्ण मानती हैं। पारम्परिक तनीके और सीधा रास्ता यदाकदा आपकी माता को अव्याहिक प्रतीत हो सकता है। इसके विपरीत वे ऐसा समाधान चाहती हैं जो सृजनात्मक और दो विपरीत विचारों या पदार्थों से मिलकर बना हो। कभी-2 उद्यमशीलता उन्हें परेशानी में डाल सकती है किन्तु इससे वे विचलित नहीं होती हैं। उन्हे संचार के नवीन माध्यम पसंद हैं। आपकी माताजी सचेत तरीके से महत्वकांक्षी हैं। आपकी माताजी साधारणतया विधिवत हैं। आपकी माताजी बातों को उनका तुरन्त निष्पादन कर सकती हैं। आपकी माताजी कठोर मेहनती, विनम्र और निपुणता एवं सहदय का उदाहरण है। आपकी माताजी धीमी और धैर्यवान है। आपकी माताजी हर समय एक उद्देश्य का महारस करती है उन्हें ऐसी चुनौतियां मिलती हैं जो उन्हे बड़े और अधिक पेचिदा उद्देश्य की ओर ले जाती है। आपकी माताजी पूर्णतया स्वनिर्मित महिला हैं। आपकी माता के मन में मातृभूति और दसके दर्शन के प्रति सम्मान है। आपकी माता को अपव्यय और आराम पसंद नहीं।

आपकी माता धन के प्रति रुचि रखने वाली अपने आर्थिक हितों की रक्षा रकती है। आपकी माता का उनकी जबान पर काबू नहीं होने के कारण वह जो कुछ भी मन में आता है बिना सोचे विचारे बोल देती है।

आपकी माता कार्यकारी दिमाग होने से सरकार के संचालन के बारे में अपनी राय सामान्यतया विपक्ष में कायम कर लेती है। आपकी माता बहुत अच्छी बावर्ची है। आपकी माता की पारिवारिक पृष्ठभूमि अच्छी है। आपकी माता को भूलों और सात गलतियों को भुलाने के लिए अधिक लम्बे समय की आवश्यकता हो सकती है। आपकी माता में कुछ संवेगात्मक और चारित्रिक खामिया हो सकती है। आपकी माता को वैवाहिक समस्याएं हो सकती है पर वे प्रसन्न रहती है और आपकी सहायता करती है। आपकी माता को उच्च शक्तियों से सकारात्मक सहयोग सीखना होगा। आपकी माता सहयोगात्मक और उत्सावधक है। आपकी माता की ओर आपका मित्रवत व्यवहार है। आपका लगाव माता के बजाय पिता की ओर अधिक है। आपके प्रति आपकी माता का व्यवहार बहुत अच्छा नहीं रहा है।

आपके पिता चतुराई से अपना काम बनाना जानते हैं वे विचारशील व्यक्ति हैं और समृद्धि में बढ़ोतरी का तरीका जानते हैं वे एक खुशमिजाज और सिद्धान्तवादी व्यक्ति है। आपके पिता अति बुद्धिमान व्यक्ति है और एक साथ कई मानसिक कार्य करने में सक्षम है वे कोई भी समाधान तुरन्त दे देते हैं। उनकी बौद्धिक क्षमता, स्पष्टता, वर्क बुद्धि और हास्य लोगों को उनकी और आकर्षित करता है। आपके पिता अपने विरोधियों को उलझा कर रखने में सिद्धहस्त है। वे चमाल्कारिक सत्य को एक नवीन शैली में कार्यरूप में लेते हैं। वे समाज से कट कर सुदूर प्रदेशों में रोमांच की तलाश कर सकते हैं। वे परिवर्तन को स्वीकार करने में सक्षम हैं। आपके पिता प्रत्येक बात पर समझदारी से विचार करते हैं। आपके पिता दिवास्वप्न में खोए रहते हैं। वे चोट या हिंसा से घबरा जाते हैं। आपके पिता का जीवन अति व्यस्त है पर बाहरी तौर पर वह शान्त नजर आता है। आपके पिता को गर्म हवा के गुब्बारे, सर्कस, खेल तथा अन्य मनोरंजन पसन्द है। आपके पिता हर विषय के बारे में जिज्ञासू हैं और प्रत्येक चीज के बारे में कम से कम बहुत जानना पसन्द करते हैं। आपके पिता में लचीलापन एंव अनुकूलन करने का गुण है। आपके पिता का मन भटकता रहता है या तो वे अतीत की शान-शौकत के बारे में कल्पना करते रहते हैं या फिर भविष्य की उम्मीदों की। आपके पिता को जोशीला जीवन पसन्द है। आपके पिता को बक्से, तिजोरी, पात्र या किसी डिब्बे में भरा हुआ सामान रुचि व जिज्ञासा पैदा करता है।

आपके पिता की नौकरी एक से अधिक हो सकती है तथा उन्हें अक्सर यात्रा करनी पड़ सकती है। आपके पिता आत्मनिर्भर होने के अपेक्षा किसी के यहां रोजगार करेंगे।

आपके पिता किसी एक राय अथवा वृष्टिकोण पर काफी लम्बे समय तक टिके नहीं रह सकते। आपके पिता का दोहरा वृष्टिकोण प्रमुख गुण है तथा किसी को यकीन नहीं होता कि क्या उन्होंने कोई इरादा कर लिया है जिसमें वे स्वयं भी शामिल हो। आपके पिता के दोहरे स्वभाव के कारण कभी तो वह गम्भीर व धैर्यवान रहते हैं और कभी उत्साही व बातूनी। आपके पिता तर्क-वितर्क में दुर्जय होते हैं क्योंकि वे किसी विषय के एक पहलू से दूसरे पहलू पर तुरन्त चले जाते हैं परन्तु अपने मुख्य विषय से नहीं भटकते तथा इस प्रकार अपने प्रतिरोधी को अत्यधिक थका देते हैं। आपके पिता बोलते समय शर्मीले व संकोची हो सकते हैं क्योंकि वे अपने विचारों को हर किसी को बताना उचित नहीं समझते।



आपके पिता की आर्थिक सहायता व सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण है। आप अपने पिता की अच्छी परिस्थितियों का लाभ उठाते हैं। आप अपने पिता अथवा अध्यापक से अपने अलग दृष्टिकोण या उद्देश्य के कारण असहमत हो सकते हैं।

आपके प्रारम्भिक परिवारिक जीवन में स्वस्थ्य व संतुलित परिस्थितियों ने आपको बाद के जीवन में अच्छे मानवीय सम्बन्धों का विकास करने की शुरुआत दी है। आपका पारिवारिक जीवन प्रसन्न व सहयोगी है। आपका परिवार प्रसन्न है तथा जीवन में एक उद्देश्य के भाव से बंधा हुआ है। आपके परिवार के सदस्य आपको अत्यधिक प्रिय हैं तथा आप अपनी अत्यधिक उदारता के कारण उनके लिये सौभाग्य तथा खुशहाली लाने वाले हैं। आपका परिवार स्नेहपूर्ण व प्यारभरा है तथा आपने इसमें स्वस्थ सामाजिक कुशलता का विकास करने की अच्छी शुरुआत दी है। आपका परिवार आपके लिए महत्वपूर्ण है तथा यह आपको अच्छा सहयोग देगा। आप अपने परिवार के प्रति उदार हैं।

आपके रिश्तेदार आपका पक्ष लेते हैं। आपका पारिवारिक जीवन कुछ असामान्य है तथा परिवार के सदस्य बहुत ज्यादा करीब नहीं हैं। आपका परिवार इतना अधिक करीबी व सामाजिक नहीं है तथा कहीं पर बिखरने की स्थिति हो सकती है जिसमें प्रत्येक सदस्य अपने रस्ते जा सकता है। आपको अपने परिवार में कुछ और चिन्ताएं भी हो सकती हैं। आप अपने परिवार व साथियों पर कठोरता से नियंत्रण करने वाले हो सकते हैं। आप अपने परिवार के अन्य सदस्यों तथा माहौल से कुछ अलग दिखाई पड़ते हैं।

आपको अपने भाईयों/बहिनों से मधुर संबंध है। आपके बड़े भाई के साथ आपका जो संबंध है वह नजदीक व फायदेमंद हो सकता है। आप अपने बड़े भाई-बहिनों एवं मित्रों के प्रति बहुत अच्छे हैं। आपके भाई-बहिन हैं जो आपके साथ काम करते हैं या करीबी साथी हैं जो आपके साथ टीम के रूप के कार्य करते हैं। आपके बड़े भाई बहिन आपके पेशे में आपकी मदद कर सकते हैं।

आपको अपने एक भाई से परेशानी हो सकती है। आपके परिवारिक जीवन में कुछ बाधा हो सकती है तथा आपके भाई-बहिनों के साथ आपके संबंध बहुत कमज़ोर हो सकते हैं। आपके भाई-बहिन तथा करीबी संबंधियों को यह महसूस हो सकता है कि आप अनिश्चित तथा बदलने वाले हो सकते हैं।

आपके छोटे भाई-बहिन आपकी उनमें रुचि की प्रशंसा करते हैं लेकिन आपके माता पिता आपसे अप्रभावित हो सकते हैं। आपकी अपने छोटे भाई-बहिनों की मदद करने की इच्छा के बावजूद ऐसा संभव नहीं हो पाता।



आप एक वफादार प्रेमी हैं। आप अत्यधिक रोमांटिक व खर्चीले हैं। आप प्यार में अधिकार जमाने वाले हो सकते हैं। आप जब प्यार में चंचलता, दिखावा व इश्कबाज़ी छोड़ देंगे, केवल तभी आप अपने प्यार के रिश्तों में स्थायित्व पा सकते हैं। आपके रोमांटिक साथी आपसे उम्र में बड़े हो सकते हैं।

आप रोमांस में अत्यधिक गंभीर हो सकते हैं परन्तु ये आपके लिए आनन्द से ज्यादा दर्द का कारण बन सकता है। आप विपरीत लिंग की संगति पाने के लिये धन व ऊर्जा खर्च कर सकते हैं तथा आशक्ति के कारण धन व सम्मान खो सकते हैं। आपके लिये बिना बाध्यता महसूस किये किसी के साथ रोमांटिक सम्बन्ध बनाना मुश्किल होगा। आप प्यार के मामलों में बहुत



सरलता से व्यवहार कर सकते हैं। आपके जीवन में एक से अधिक स्थिर सम्बन्ध हो सकते हैं। आपके जीवन में एक से अधिक महत्वपूर्ण प्रेम संबंध होंगे। आपके विपरीत लिंग से कुछ अनैतिक सम्बन्ध हो सकते हैं।

आप विपरीत लिंग के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध बनाने में अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। आप साहसी व कुशल हैं तथा आप में सैक्स की तीव्र आकर्षण है। आप में तीव्र काम वासना है और इससे आपकी ईमानदारी की चुनौती मिल सकती है। आप सैक्स की शरारत कर सकते हैं जिसके लिये बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

आपका सैक्स जीवन अत्यधिक आनन्द व जोश भरा है। आप अपने सैक्स व पौरुषत्व की शेखी मारते हैं। आप वैवाहिक रिश्तों के अलावा सम्बन्धों की ओर आकर्षित हो सकते हों परन्तु आप पकड़े जाने के भय से रुक जाते हों। आप अपने सैक्स की कुशलता के लिये प्रशंसा चाहते हैं।

आपके अपने साथी से प्रेमपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे। आपके जीवन में विवाह व रिश्ते महत्वपूर्ण मुद्दे हैं।

आपके जीवनसाथी के धनवान व बुद्धिमान होने के बावजूद उसे कुछ दुखों का सामना करना पड़ सकता है तथा आपके वैवाहिक जीवन की खुशियों में कुछ अड़चन आ सकती है। आपके वैवाहिक जीवन में कुछ मनोवैज्ञानिक परेशानियां हो सकती हैं। आपके वैवाहिक जीवन में कुछ चुनौतियां हैं। अपने जीवन साथी को लेकर आप किसी दुआ व हानि के प्रति संवेदनशील हैं अतः सुनिश्चित करले कि आप का उचित बीमा है। आपका जीवनसाथी आर्थिक रूप से समृद्ध होगा लेकिन आपके वैवाहिक जीवन में कुछ मनोवैज्ञानिक समस्याएं हो सकती हैं। आपका अगर दूसरा विवाह हो तो आपके वैवाहिक सम्बन्ध अच्छे होंगे। आपके वैवाहिक जीवन में उथल-पुथल हो सकती है। आपके वैवाहिक सम्बन्धों या लम्बे रिश्तों में बाधा हो सकती है। आपकी शादी लोगों में प्रख्यात हो सकती है लेकिन आप लोगों में अपने रोमांस का प्रदर्शन करना पसन्द नहीं करते। आप अपने वृष्टिकोण पर अडिग रहते हों बजाय अपने पति/पत्नी का भी वृष्टिकोण जानने के। आपके और आपके साथी के लिये प्रतिष्ठा अहम् मुद्दा है।

आपके विवाह से सम्पन्नता आएगी। आपका जीवनसाथी वित्त का नियंत्रण करेगा।

आपको आर्थिक मुद्दे वैवाहिक जीवन में चुनौतियां पैदा कर सकते हैं तथा एक से अधिक विवाह की संभावनाएं हैं।

आपकी पत्नी कुशल नेतृत्वकर्ता प्रोत्साहित करने वाली बहादुर व अच्छी वाद विवाद करने वाली आत्मनिर्भर उद्देश्यपरक एवं गूढ़ है।

आपका जीवनसाथी वह व्यक्ति हो सकता है जिसे आप बचपन से जानते हैं तथा आपके अत्यधिक करीब है। आपकी पत्नी क्रमशः आगे बढ़ने में यकीन नहीं करती। आपकी पत्नी में प्रतिस्पर्धात्मक भावना है। आपकी पत्नी के लिए अधिक स्वाभाविक किसी बात को स्वीकार करने की अपेक्षा उस पर बहस करना है। आपकी पत्नी राज्य के पक्ष में रहती है। आपकी पत्नी प्रयास करने पर मृदुभाषी एवं धाराप्रवाह बोलने वाली हो सकती हैं। आपकी पत्नी की शुभचिन्तकों के प्रति वाणी निष्कपट तथा सम्मानपूर्ण होती है। आपकी पत्नी परामर्श देने में उत्सुक रहती हैं। आपके जीवन साथी को अपने व्यवसाय में यात्राएँ करनी पड़ सकती हैं एवं उनके व्यवसाय में लाभ एवं हानि की अनियमित अवधियाँ उपस्थित होंगी।

आपकी पत्नी को धर्म में अन्धा विश्वास है। आप अत्यंत सावधानी एवं संकोचपूर्वक अपने जीवन-साथी का चयन करेंगे एवं प्रारंभ से ही उत्तरदायित्व को महत्व देंगे। आप अथवा आपका जीवन-साथी लीक से हटकर हैं।

आपकी पत्नी उतावली एवं दुराप्रही हो सकती हैं जिसके कारण वह अन्यों की भलाई के लिए त्याग नहीं करेंगी। आपकी पत्नी में विरोध का सामना करने पर कुछ एवं लड़ाकू होने की प्रवृत्ति है। आपकी पत्नी की विचारधारा उस पंथ द्वारा निर्धारित सीमाओं से संबद्ध है जिसकी वे सदस्य हैं और वे इस पंथ में विश्वास करने पर प्रबल रूप से ज़ोर देती हैं। आपकी पत्नी संभवतः रुढ़ि-बद्ध हैं एवं अपनी सिद्धांतवादिता का प्रदर्शन करती हैं। आप ऐसे व्यक्ति से विवाह करेंगे जिसका पहले विवाह हो चुका है अथवा आपको स्वयं दूसरी बार विवाह करना पड़ सकता है। आप यदि दूसरी बार विवाह करते हैं तो आपका विशेषतः पहला जीवन-साथी असंतुलित स्वभाव का होगा एवं कुछ-कुछ असामान्य एवं सनकी होगा। आपके साथी का आपके व्यक्तित्व



एवं व्यवहार पर अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ सकता है। आप एक विदेशी से विवाह कर सकते हैं। आपका जीवन-साथी एक भिन्न संस्कृति अथवा धर्म से हो सकता है।

आपके जीवन-साथी को कोई ऐसी मानसिक अथवा शारीरिक अस्वस्थता हो सकती है जिसका निदान कठिन है अथवा उसका रुझान आध्यात्मिक अभ्यास में हो सकता है। आपका जीवन-साथी आर्थिक दृष्टि से सफल है। आपका जीवन-साथी धनवान हो सकता है। आप धनी व्यक्तियों के प्रति आकर्षित हो सकते हैं एवं संभवतः किसी धनी व्यक्ति से विवाहित हैं। आपका जीवन-साथी कम-से-कम किसी प्रकार से आपके अर्थोपार्जन के उपायों से प्रबल रूप से जुड़ा होगा। आपका जीवन-साथी आर्थिक दृष्टि से दृढ़ होगा।



आपका समर्थन एवं सहयोग कर्मचारी एवं वृद्ध करते हैं। आपके चारों ओर अधिक अंतरंग मित्र नहीं होंगे एवं कभी-कभी आप ऐसे व्यक्तियों का संग करेंगे जिनकी ख्याति संदेहपूर्ण है।

आप एक वफादार मित्र हैं। आपका परिचय प्रभावशाली लोगों से होगा जो आपकी सफलता में वृद्धि करेंगे। आप कभी-कभी अपने मित्रों को अपना समय नष्ट करने देते हैं। आप सबसे महत्वपूर्ण सबक अपने मित्रों एवं उनके साथ होने वाली घटनाओं से, जिनमें संभवतः सभी घटनाएँ सुखदायी न हों, सीखते हैं। आप घनिष्ठ मित्रों के प्रति उदार हैं।

आप स्वयं अपने प्रतिद्वन्द्वियों के हाथों पराजय अनुभव कर सकते हैं।

आपको प्रकृति ने एक प्रभावशाली व्यक्तित्व प्रदान किया है। अपने प्रभावशाली एवं स्वाभिमानी व्यक्तित्व के कारण आप लोगों में सम्मान पाते हैं। आप कठोर तथा आक्रमक हैं हो सकता है अन्य लोग यह अनुभव करें एवं संभवतः वे आपकी बातों से नाराज़ हो जाएँ। अपने लक्ष्यों को छिपाने की प्रवृत्ति है इसलिए हो सकता है कि आपके क्रिया-कलापों के पीछे के कारण सबको स्पष्ट न हों। आपकी आत्म-केंद्रियता अन्यों को निर्दर्शी अथवा अशिष्ट व्यवहार जैसी प्रतीत हो सकती है। आपके लिए सार्वभौम सम्मान प्राप्त करना कठिन हो सकता है। आप सरकार, लोकप्रिय, जोशीले एवं निर्भक लोगों द्वारा अनुगृहीत होते हैं। आप साधारणतः अधिकांश लोगों में पसंद किए जाते हैं एवं लोकप्रिय हैं क्योंकि आप प्रेमी स्वभाव के हैं एवं विपरीत लिंग के सदस्यों के लिए आकर्षक हैं। आपको अनेक लोगों का सम्मान प्राप्त है। आप एक सच्चे मित्र एवं प्रेमी हैं एवं आपकी मंडली में सभी को आपका संग प्रिय है। आपको अपने मित्रों के द्वारा भलि-भांति समर्थन प्राप्त है एवं आप उनमें लोकप्रिय हैं।

प्रायः आप अतिशीघ्रता अथवा लापरवाही से निर्णय लेंगे जिससे बाद में इसके परिणामों पर पछताएंगे। आपको एक तरह से 'पतित' व्यक्ति कहा जा सकता है क्योंकि आप ऐसे क्रिया-कलापों में भाग लेते हैं जो आपके योग्य नहीं हैं।

आप प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे एवं समृद्धशाली व्यक्तियों से अच्छी तरह संपर्क करेंगे। आपका एक असभ्य, अपकृ पक्ष है जो आपको निम्न श्रेणी समाज के विचित्र लोगों में अति लोकप्रिय बनाता है। सामाजिक रूप से असंतुलित होने के कारण आपको सामाजिक संपर्क की एवं इस भरोसे की उत्कृष्ट अभिलाषा है कि लोगों को आपकी आवश्यकता है।

संभव है कि लोगों से मिलते समय आप दूसरी ओर देखें। आप आसानी से संबंध स्थापित कर लेते हैं एवं सभी के साथ सन्देश रखने का प्रयास करते हैं। आपकी संबंध बनाने की योग्यता व्यापारिक एवं सामाजिक जीवन में अत्यंत लाभदायक हैं। आपके जीवन में लोगों के साथ कुछ उलझने एवं संभावित गलत-फहमियाँ हो सकती हैं।

आप विदेशियों द्वारा पसन्द किये जाते हैं, तथा विदेशी या विचित्र दिखने वाले लोगों की तरफ आकर्षित होते हैं।



आपके जीवन का केन्द्र बिन्दु पैसा व दूसरों के ध्यान का केन्द्र बने रहना है। आप कठिन परिश्रम व सफलता के लिए मेहनत करेंगे।

आप खुशमिजाज व आशावादी हैं, आप जीवट व समर्पित हैं। आप अपने कार्यों को जिम्मेदारी से निभाते हैं। आपका दैनिक कार्य किसी अन्य कार्य की तुलना में ज्यादा चिन्ता का कारण हो सकता है। जीवन में अपने अद्वितीय कार्य के लिए आपकी पृष्ठभूमि उपयुक्त नहीं है। कठिन समय में आप अपने कार्य में बाधा और अलगाव को महसूस करेंगे और अनुकूल समय में खुशी का अनुभव करेंगे। आप चारुर्य व योजनात्मक रूप से कार्य करेंगे। आप एक अच्छे नाटककार, नेता, वक्ता हो सकते हैं व उच्च राजनीयिक भाषाओं का प्रयोग करते हैं। आप एक सतत अनुसंधानकर्ता व मनोवैज्ञानिक हैं।

आप विदेशी कम्पनियों के साथ कार्य करेंगे व विदेशों में धन अर्जित करेंगे। आप विदेशी प्रकाशनों के साथ कार्य करेंगे। आप कार्य विदेशी भाषा या विदेशी संचार में लिप्त हो सकते हैं।

आप राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में उन्नति करेंगे।

व्यापारिक साइदेशी आपके लिए फायदेमंद रहेगी। अपने भागीदार के गोपनीय व विचित्र व्यवहार के कारण, व्यावसायिक भागीदारियों में आपका अनुभव कटु रहेगा।

आप अपने व्यवसाय में पूणतः लिप्त हैं।

आप उच्च संस्था के प्रतिष्ठित समूह से हैं। आपके सहयोगी, कर्मी, आपके हर कार्य में आपकी सहायता करेंगे। आप विलक्षण विजय प्राप्त करते हैं।

आपको महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्रारम्भ करने की बड़ी योजनाएं हैं किन्तु हो सकता है वे पूर्ण न हो। आप कुछ सांसारिक सफलताएं प्राप्त करेंगे, किन्तु आप प्रायः जीतने के लिए नियमों का उल्लंघन करते हैं। यदि आप में रचनात्मक प्रतिभा है तो आपकी वर्तमान स्थिति आपके लिए उन्हें अभिव्यक्त करना कठिन बना देगी अथवा आपकी प्रतिभा को उचित सम्मान दिलाने में देर कर देगी। आपका काम आपको विदेश ले लाएगा।

आप सतत प्रयत्न के कारण अपने क्षेत्र में सम्मान प्राप्त कर सकते हैं। आप में स्वसम्मान की प्रबल प्रवृत्ति है और आप लगातार नैतिक रूप से काम करने का प्रयास करते हैं। आप अपने व्यवहार, विशेष रूप से वित्तीय व्यवहारों में असावधान हो सकते हैं।



आपके संपर्क आपको अच्छी आय और सफलता दिलायेंगे।



आप अनेक समृद्धिकारक अवसर प्राप्त करेंगे। पूर्व जन्मों का फल पाने का यही उचित समय है। आप धन से परिपूर्ण एक समृद्ध व्यक्ति हैं। आपको धन और प्रशंसा प्राप्त ही सकती है। आप कभी निर्धन नहीं होंगे किन्तु कभी धनी भी नहीं होगा। आप समृद्ध हैं। किन्तु आपको लोभी होने से बचना है। आप के जीवन में कभी सहज लाभ, कभी अभाव के अन्तराल होंगे। आपका अवसरों के प्रति खुलापन आपको लाभ और समृद्धि प्रदान करता है। जब आपको आवश्यकता होती है, धन आसानी से प्राप्त होता है। आपके उपयोगार्थ वित्तीय संसाधनों के अवसर बहुतायत में होंगे और अपेक्षाकृत बिना प्रयत्न के वित्तीय प्रवाह होंगे। आप धन संग्रह कर सकते हैं और इसे पकड़ कर रख सकते हैं।

आप स्वयं के लिए और अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा संचित करने के लिए कठिन परिश्रम कर सकते हैं। आपकी वित्तीय स्वतंत्रता में कुछ बाधाएं हो सकती हैं किन्तु आप उन बाधाओं को पार करने के विषय में महत्वाकांक्षी होंगे। अवास्तविक योजना आप की आय सृजन को बाधित करती है।

आप उन वस्तुओं को सरलता से प्राप्त करते हैं जो आपको सुविधायुक्त बनाते हैं। आपमें ज्ञान का धन, न कि मुद्रा के रूप में धन संचय करने की प्रवृत्ति है।

आप की आय और कैरियर, शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित हो सकते हैं। आप किसी भी कार्य में पारस्परिक व्यवहार या सम्भवतः यात्राएं करने की शैली से संसाधनों का संग्रहण करेंगे। आप धन प्राप्ति के लिए, यदि वे ही एकमात्र उपाय हों तो संभवतः अनुचित और अनैतिक साधनों का प्रयोग कर सकते हैं। आप काफी रहस्यमय हो सकते हैं और रहस्यमय तथा असामान्य तरीके से धन अर्जित कर सकते हैं।

आपका वित्तीय रूप से सफल होना सुनिश्चित है और आप कैरियर में नवीन प्रयोग करेंगे। आप का कैरियर, प्रतिष्ठा और सामाजिक स्तर आपके वित्तीय स्रोतों के लिए अनुभव और अवसर प्रशस्त करेंगे। आप व्यापार या सेवा पदों से पर्याप्त लाभ प्राप्त करते हैं।

आपकी कार या अन्य वाहन आपके लिए महत्वपूर्ण हैं और कभी-कभी आपको सन्ताप दे सकती हैं।

आप भूमि और संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। आपके स्वामित्व वाली वस्तुओं में भूमि, औजार, धातु या अन्य अपरिष्कृत या मशीनी प्रकृति की वस्तुएं सम्मिलित हो सकती हैं।

आप पर्याप्त अर्जित करते हैं किन्तु व्यय भी पर्याप्त रूप से करते हैं। आपमें अपनी तीव्र इच्छाओं को पूर्ण करने हेतु किसी भी जोखिम के उपरांत, किसी भी अवसर का लाभ उठाने की प्रवृत्ति है। आप के लिए, विशेषतः संसाधनों के संचयन के क्षेत्र में पहल करना कठिन होगा। आप प्रचुर वित्तीय लाभ प्राप्त करेंगे किन्तु अत्यधिक व्यय के कारण उसे खो देंगे। आप वित्तीय रूप से सुविधानजक स्थिति में हैं। आप सावधानीपूर्वक सुविचारित एवं नियोजित श्रेष्ठ उद्देश्यों पर व्यय करने हेतु प्रवृत होते हैं। आप आध्यात्मिक उद्देश्यों के प्रति उदार हो सकते हैं। ज्ञान प्राप्ति एवं कोई भी वस्तु जो आपका सांस्कृतिक या आध्यात्मिक विकास की वृद्धि करे, आप उस पर प्रसन्नतापूर्वक व्यय करते हैं। आप जिन उद्देश्यों के प्रति भावुक हैं, आप सरलता से उन पर व्यय करते हैं।

आपके मित्र और साझेदार आप पर वित्तीय भार हैं। आपके मित्र भी आप की संपत्ति छीन सकते हैं।



आध्यात्मिक गतिविधियां आपको सुख प्रदान करती हैं।

आप सत्य को समर्पित हैं एवं श्रेष्ठ सिद्धान्तों का अनुसरण करते हैं।

आपके जीवन में महत्वपूर्ण आध्यात्मिक जागृति का पदार्पण हो सकता है। यह संभव है कि आप एक ही समय में ज्ञानी एवं मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति हो सकते हैं। आप नक्षत्रों के साथ शक्तिशाली संबंध होने के कारण कभी-कभी आकाश में विचरण करते हैं। आप ब्रह्माण्डीय विषयों के अर्थ सीखते हैं और वृहत्तर दृष्टिकोण देखते हैं। आप आध्यात्मिक उन्नति जैसे मंत्र, प्रार्थना, ध्यान एवं अन्य जीवन दायनी क्रियाओं की प्राप्ति के लिए संभवतः विधियों का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

आप कभी-कभी स्वतंत्र चिंतक हैं, या एक नास्तिक हैं। आप स्वयं भी अपने अन्दर की पूर्णता की सार्वभौमिक चेतना को बाहर निकाल कर उससे सामंजस्य स्थापित करने हेतु समाज से प्रत्याहार की इच्छा रख सकते हैं। आपकी आध्यात्मिक प्रवृत्ति एवं पवित्र स्थानों की यात्रा आपके लिए लाभप्रद हो सकती है।

आप सर्वथा जिस धर्म में जन्मे हैं उसी के प्रति निष्ठावान रहेंगे।

आप धर्म में रुढ़िवादिता का अनुसरण नहीं करते हैं एवं धर्मपरायणता के प्रति उदासीन हो सकते हैं।



आपको किसी ओर के घर में निवास करना पड़ सकता है।

आपको छुटियां और मित्र मण्डली पसंद हैं। आपके थल मार्ग से यात्रा साहस और ऊर्जा को दर्शित करने का सटीक माध्यम है। आप अशान्त रह सकते हैं। आपको कुछ सुदूर यात्राएं प्रसन्नता देंगी। आप कुछ यात्राएं करेंगे और विदेशों में सफलता भी प्राप्त करेंगे। आप समय-2 पर यात्राएं और विदेश में निवास कर सकते हैं।



आपके जीवन की शुरुआत अच्छी हुई है। आप यदि इसी प्रकार की गतिविधियों में रत रहते हैं तो अपने वास्तविक व्यक्तित्व को खो देंगे।

आपके जीवन में सामान्य रूप से अनेक परिवर्तन होंगे। आपके जीवन का ध्यये परिवर्तनों से गुजरता है। आपकी चतुराई जीवन की गुरुआत में नकारात्मक गुणों जैसे व्यापार में धूर्तता व चोरी जैसी कमियों पर काबू करने में मदद करेगी। आपकी प्रारम्भिक युवावस्था में वातावरण अत्यधिक सहायोगात्मक या तथा आपका बचपन खुशियों भरा था। आपके प्रारम्भिक बचपन में आपने



सहयोग में कमी या भय पैदा करने वाली घटनाओं का अनुभव किया होगा।

आप अपर्याप्त सवांद के कारण जीवन में कुछ मौके गंवा सकते हैं। आपका जीवन कभी-कभी संघर्ष की भाँति महसूस होता है। आपको जीवन के कुछ क्षणों में गंभीर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। आप कभी-कभी अपने आपको खोया हुआ तथा भटका हुआ महसूस करते हैं।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आपकी इच्छाएं अक्सर पूरी हो जाती हैं तथा आप दूसरों के लिए भी भाग्यशाली हैं।

आपको प्रकृति का पूर्ण सहयोग प्राप्त है। आपको पिछले जन्मों के सदकर्मों का फल इस जन्म के अच्छे भाग्य के रूप में प्राप्त हुआ है। आप धन के मामलों में भाग्यशाली हैं लेकिन अत्यधिक खर्चों से आपको सावधान रहना चाहिए। आप आर्थिक व आध्यात्मिक रूप से अत्यधिक भाग्यशाली हैं।

आपकी लापरवाही में की गई गलतियों को न ढूँढ़ पाने की प्रवृत्ति व किसी विस्तृत ब्यौरे को नजरअंदाज करना आपको परेशानी में डाल सकता है, विशेष रूप से तब, जैब आप कोई प्रपत्र लिख रहे हों या किसी अनुबन्ध पत्र पर हस्ताक्षर कर रहे हों। आपको वाहनों से सम्बन्धित परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

आपको मिथ्या गर्व तथा प्यार में धोखे बाजी से बचने के लिये ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आप आध्यात्मिक अभ्यास कि भावना का विकास करते हैं तो आप अपने भाषण एवं लेखन में नित्य नये विचारों का प्रवाह लाने में सक्षम होगें।

आपका अपने दिल और दिमाग के बीच सही सन्तुलन का विकास करना आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अच्छा लाभ पहुंचा सकता है।

नीलम आपके लिए भाग्यशाली रत्न है जो कि आपकी किसी भी बाधा को दूर कर देगा।

